

भारत की राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकारित

सं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 20, 1986 (अग्रहायण 29, 1908) No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 20, 1986 (AGRAHAYANA 29, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a seprate compliation)

भाग Ш—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Controller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 सितम्बर, 1986

सं० ए० 32014/1/86-(1) -प्रशा० 1 — राष्ट्रपति, सं० लो० से० झा० (के० स० झा० से० का ग्रेड ख) संवर्ग के निम्नलिखित z छ वैयक्तिक सहायकों को 3-9-86 से उनके नामों ५ सामने दर्शाई गई तीन महीने की झविध के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ आघार पर निषी सचिव (के० स० झा० से० का ग्रेड क) के पद पर नियुक्त करते हैं:—

ऋमांक नाम	म्रवधि
सर्वेश्री	
1. तरसेम सिंह	3-9-86 से 2-12-86 तक
2. के० एस० भूटानी	वही
 पी० पी० सिक्का 	वही
4. एम० एम० एल० चांदसा	वही
5. ए म० एम० एल० दुधा	वही
	~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

2. उल्लिखित व्यक्ति यह नोट कर लें कि निजी सचिव (के० स० ग्रा० से० का ग्रेड क) के पद पर उनकी नियुक्ति 1-376 GJ/86 तदर्थ श्राधार पर है श्रौर के० स० श्रा० से० के ग्रेड 'क, में विलयन श्रथवा इस ग्रेड में विष्ठता का उनका कोई भी बावा मान्य नहीं होगा। साथ ही, उनकी नियुक्ति कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के श्रनुमोबन के श्रध्यधीन है।

सं० ए० 32014/1/86—(दो)—प्रशा० 1—-राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा प्रायोग के के० स० ग्रा० से० संवर्ग के निम्म-लिखित वैयिन्तिक सहायकों को, उसी संवर्ग में, उनके नामों के सामने दर्शाई गई तारीख श्रर्थात् 3—9—1986 से तीन महीनों के लिये श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ वैयिन्तिक सहायक (के० स० श्रा० से० का ग्रेड "ख") के पद पर नियुक्त करते हैं :—-

ऋमांक	नाम	श्रव	धि
,	ार्वश्री		
1. वी० पी	० महाजन	3-9-86 ₹	ते 2 - 12-86 तक
	सरोज के० कपूर	वही	
3. लेख राज		वही	
4. के० के०		वही	
5. रामेश्वर	दास	वही	

(26863)

2. उल्लिखित व्यक्ति यह नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० आ० से० का ग्रेड "ख") के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ प्राधार पर हैं तथा के० स० आ० से० के ग्रेड "ख" में विजयन प्रथवा इस ग्रेड में वरिष्ठता के लिये उनका कोई दावा मान्य नहीं होगा भौर साथ ही; उनकी नियुक्ति कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के मनुमोदन के प्रध्यधीन है।

दिनांक 18 सितम्बर 1986

सं० ए० 32014/1/86-प्रशा०—3—-राष्ट्रपति, सं० लो० से० आ० के के० स० से० संवर्ग के नियमित अनुभाग अधिकारी श्री पूरन चन्द (अ० जा०) को 16-9-86 से 24-11-86 तक अथवा आगामी श्राद्दशों तक, जो भी पहले हो, तवर्थ आधार पर डेस्क अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

2. श्री पूरन धन्द का कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74—सी० एल०—1 दिनांक 11-12-1975 की शर्तों के श्रसनुार 75/- क प्र० मा० की दर से विशेष वेतन दिया जायेगा।

दिनांक 30 भ्रक्तूबर 1986

सं० ए० 35012/1/85-प्रणा-2- प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग, द्वारा प्रधान लेखा कार्यालय, पूर्ति विभाग, नई दिल्ली के भुगतान एवं लेखा श्रधिकारी श्री जे० एन० बहुल को प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में वित्त एवं बजट ग्रधिकारी के पद पर 30 श्रक्तूबर, 1986 (पूर्वाह्म) से 31 जुलाई, 1989 तक या भागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो, नियुक्त किया जाता है।

प्रतिनियुक्ति के दौरान उनका वेतन वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के समय-समय पर यथा संशोधित कार्यालय ज्ञापन सं० एफ० $1/2(\xi-3)(\hat{a}$ 0) 75 दिनांक 7-11-1975 द्वारा विनियमित होगा।

दिनांक 31 धक्तूबर 1986

सं० ए० 19014/1/80—प्रशा० 1—केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्थायी ग्रेड—1 ग्रिधिकारी तथा संघ लोक सेवा धायोग के कार्यालय में उपसचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहें श्री किशन सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 31 धन्त्वर, 1986 (श्रपराह्न) से सरकारी मेवा से मुक्त होने की श्रनुमति दी जाती है।

दिनांक 4 नवम्बर 1986.

सं० ए० 32013/2/86—प्रशा० 1——संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष, सं० लो० से० आ० (कर्मचारीवृन्द) विनियमावली, 1958 के नियम 7 के ब्रारा उन्हें प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयोग के के० स० से० संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री आर० एल० मवान को अवर सचिव के पव पर तदर्थ आधार पर दिनांक 23—10—

1986 से 22~1~1987 तॅंकृया श्रागामी श्रादेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो स्थान्म श्री रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

> एम० पी० जैन भवर सचिव(का०प्रशा०) संघ लोक सेवा धायोग

प्रवर्तन निवेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन श्रिधिनियम

नई विल्ली-110003, दिनांक 26 नवम्बर 1986 संव ए-4/19/86—उप निदेशक (प्रशासन) इसके द्वारा इस निदेशालय के निम्नलिखित सहायक प्रवर्तन प्रधि-कारियों को उनके नाम के ग्रागे लिखे कार्यालयों ग्रौर तारीख से ग्रगले ग्रादेशों तह तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न प्रवर्तन ग्राधिकारी नियुक्त करते हैं।

ऋम सं० नाम	नियुक्ति की तैनाती का तारीख स्थान
सर्वेश्री	
1. जे० के० जार्ज	27-11-82 बम्बई-I
2. भ्रार० सी० सिंह	27-11-82 बम्बई-I
3. एल० एस० मेट्टी	27-11-82 बम्बई-II
4. कें० वी० वर्गीज	15-12-82 बम्बई-I

सं० $\psi-4/19/86$ —प्रवर्तन निवेशक इस निदेशालय के निम्नलिखित प्रवर्तन धिधकारियों को इस के द्वारा उनके नाम के भ्रागे लिखे कार्यालयों एवं तारीख से भ्रागेले भ्रावेशों तक स्थानापन्न मुख्य प्रवर्तन भ्रधिकारी के रूप में निथुक्त करते हैं।

क्रम सं० नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती का स्थान
सर्वेश्री	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
	(पूर्वाह्न)	
1. पी० के० चटर्जी	8-5-1986	वि० यू०,
		कलकत्ता
2. वी० सुक्षामनयन	29-1-1986	मंत्रास
3. एस० एल० हलधर	17-2-1986	कसकत्ता

सं० ए-4/19/86--उप निर्देशक (प्रशासन) इसके द्वारा इस निर्देशालय के निम्नलिखित सहायक प्रवर्तन ध्रधि-कारियों को उनके नाम के धागे लिखे कार्यालयों और तारीख

से भगले भादेशों तक स्थानापम प्रवर्तन श्रिष्ठकारी नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती का स्थान
	सर्वेश्री		
1.	एस० बी० गौड़	13-1-86	दिल्ली क्षेत्र
2.	के० भार० थामर	20-1-86	जालन्धर
3.	जी० सी० मण्डल	7-2-86	गोहाटी
4.	भा र० के० रावल	22-1-86	श्रीनगर
5.	सी० एन० धर	24-1-86	श्रीनगर
6.	बलविन्दर सिंह	20-1-86	जालन्धर
7.	पी० के० साहा	14-2-86	कलकत्ता
8.	षी० मनीकम	20-1-86	मयुरै
9.	मार० के० हांडू	13-1-86	दिल्ली
10.	एन० म्रार० पुरुषोतम पिल्लै	17-2-86	गोहाटी
11.	पी० गणेशन	17-1-86	मद्रास
1 2.	एस० के० चऋवर्ती	10-3-86	जालन्धर
13.	एस० के० गुई	24-1-86	कलकत्ता
14.	एस० के० गुप्ता	20-1-86	जालन्धर
15.	ए० के० माथुर	16-4-85	जयपुर

काली चरण मुख्य प्रवर्तन श्रधिकारी (प्रशासन)

कार्मिक एवं प्रशिक्षण प्रणा० सुधार, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 24 नवम्बर 1986

सं० 3/43/86-प्रशा०-5-निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, एवं पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना एतद्-द्वारा जम्मू एवं कश्मीर के श्रिधिकारी श्री शीतल सिंह, पुलिस उपाधीक्षक को दिनांक 6 नवम्बर, 1986 पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेश होने तक, प्रतिनियुक्ति पर, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, जम्मू एकक में स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

विनांक 27 नवस्थर 1986

सं० ए० 19036/8/78-प्रशासन-5--प्रत्यावर्तन होने पर, जम्मू और कश्मीर राज्य पुलिस से केन्द्रीय श्रन्वेषण स्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर श्राए श्री एस० एस० सम्थाल, पुलिस उपाधीक्षक की सेवायें 6 नवस्वर, 1986 पूर्वाह्म से जम्मू और कश्मीर सरकार को सौंप दी गईं।

सं० ए० 20023/4/83-प्रशा-5-प्रत्यावर्तन होने पर, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो/श्रा० श्र० स्कन्ध, मद्रास में प्रतिनियुक्ति पर लोक श्रभियोजक के रूप में कार्यरत श्री टी० एल० बीराकुमार, सहायक लोक श्रभियोजक, ग्रेड-II/तिमिलनाडु

की सेवायें दिनांक 19-11-1986 के भ्रपराह्म से तमिलनाडु सरकार को सौंपी जाती हैं।

सं० 3/46/86-प्रशा०-5—-राष्ट्रपति ने श्री बनवारी लाल, भा० पु० सेवा (म० प्र०: 1973) को 21 नवम्बर, 1986 पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश होने तक केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में, प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर, पुलिस श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

> धर्म पाल भल्ला, प्रशासन मधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरी

गृह मंत्रालय

राष्ट्रीय भ्रपराध रिकर्ड ब्यूरो

नई दिल्ली-110066, विनोक 11 नवम्बर 1986

सं० 43/16/86—प्रशा०/रा० ग्र० रि० ब्यूरो—— दिल्ली पुलिस के अंगुली छाप ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर निवेशक के रूप में नियुक्ति होने के फलस्वरूप, श्री एम० एम० सिंह० वालिया, उप ग्रधीक्षक (अंगुली छाप), केन्द्रीय अंगुली छाप ब्यूरो, कलकत्ता ने 14 ग्रक्तूबर, 1986 (भ्रपराह्म) से केन्द्रीय अंगुली छाप ब्यूरो, कलकत्ता के उप ग्रधीक्षक (अंगुली छाप) के पद का कार्यभार छोड़ विया है।

> एस० के शर्मा निदेशक, रा० भ्र० रि० ब्यूरो

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1986

सं० ए-12012/1/84/प्रशासन<math>-II—हम निदेशालय की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 29-10-85 तथा 6-12-85 के ग्रागे श्रनुक्रम में श्री श्रीकिशन तक० श्रधीक्षक (बीजांक) की समन्वय निदेशालय (पुलिन बेतार) में ग्रितिरिक्त सहायक निदेशक (बीजांक) के पद की तद्दर्थ नियुक्ति को 9-5-86 से 21-7-86 भ्रपराह्न तक बढ़ाया जाता है।

सं० ए-12012/1/86-प्रशासन-II—समन्त्रय निदेशालय पुलिस बेतार में प्रतिरिक्त सहायक निदेशक श्रेणी-IJ (राजपित्रत) के पद पर पदीश्रित होने के फलस्वरूप इस निदेशालय के निम्नलिखित विष्ठ तकनीकी सहायकों ने उनके नामों के प्रागे दी गई तारीखों से प्रगले प्रादेशों तक 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200/— रुपये के वेतनमान में प्रतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

श्री भार० सी० मिक्का 4-11-86 पूर्वाझ

2. श्री एस० एस० खेरा 27-10-86 पूर्वाह्म

श्री पी० सी० ए० खरे 10-10-86 श्रपराह्म

बी० के०. दुवे निदेशक, पुलिस दू संचार महानिदेशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई विल्ली 110003, विनांक 21 नवम्बर 1986

सं० ६०-31013/1/4/85-कार्मिक-I--राष्ट्रपति, श्री एस० के० ताह, सहायक कमांडेंट की प्रोन्नति पर, नियमित पाधार पर उप कमांडेंट के रैंक में के० औ० सु० ब० यूनिट, खो० माई० एल०, बुलियाजान में नियुक्त करते हैं। उन्होंने 31 मक्तूबर, 1986 (प्रपराह्न) की उक्त पद का कार्य-भार सम्माल लिया है।

ह०/ अपटनीय महानिदेशक/केऔसुब

वस्त्र मंत्रालय

हथकरघा विकास भ्रायुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1986

सं० ए $-12025|\widetilde{III}/1/85$ -प्रशासन-II—विकास ध्रायुक्त हथकरथा श्री एम० पी० जैन को 7 नवम्बर, 1986 के पूर्वाह्न से धागामी धावेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्रं, गुबाहाटी में सहायक निदेशक ग्रेड-II (गैर तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिमांक 25 नवम्बर 1986

सं॰ ए-32013/1/81-डी॰ सी॰ एच॰/प्रशासन II_{--} राष्ट्रपति, श्री एस॰ एस॰ मनोली को 10-11-1986 से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, गुवाहाटी में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (डिजाइन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-32013/1/81-डी० सी० एच०/प्रशासन-11---राष्ट्रपति, श्री नासिर खां को 25 श्रगस्त, 1986 से श्रागाभी श्रादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, चमोली में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (डिजाइन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> इन्दिरा मार्नासह, संयुक्त विकास ग्रायुक्त (हथकरघा)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन प्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1986 सं० ए-1/1(966)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेणालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री एस० के० बंधु को दिनांक 20 नवम्बर, 1986 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से भनिवार्य रूप से संवा,निवृक्त कर दिया गया।

> वीं० साखरे उप निदेशक (प्रशासन) **कृते** महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात भीर खान मंत्रालय

(खान विभाग) भारतीय खान अयुरो

नागपुर, दिनां त 26 नवम्बर, 1986

सं० ए-19012(149)/86-स्था० ए:--महानियंद्रक्, भारतीय खान ब्यूरो द्वारा डा० उमा गंकर लाल, सहायक रसायनज्ञ को भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 29-12-1984 से सहायक रसायनज्ञ के पद पर स्थायिवत घोषित किया गया।

जी० सी० शर्मा, सहायक प्रशासन श्रधिकारी भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 नवम्बर, 1986 सं 13/1/86-स्मा०:—प्राचीन संस्मारक, पुरातत्वीय स्थल एवं श्रवशेष नियमावली, 1959 के नियम 4 के श्रधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हूए, मैं, महेण्वरी दयाल खरे, निदेशक (संस्मारक), यह निर्देश जारी करता हूं कि कुतुब पुरातत्वय क्षेत्र, नई दिल्ली दिनांक 27-11486 को दर्शकों के लिये बन्द रहेगा।

महेश्वरी दयाल खरे, निदेशक (संस्मारक)

कृषि ग्रौर ग्रामीण विकास मंस्रालय (कृषि एवं सहकारिता विभाग) वनस्पति रक्षा, संगरोध ग्रौर संग्रह निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1986

सं० 3-2/86-प्रशासन-प्रथम-1:--श्री एस० सी० भागेव, परिवहन ग्रिधकारी, समूह "ख" (राजपितत) इस निदेशालय में उपर्युक्त पद पर दिनांक 8-7-1983 (पूर्वाह्न) से ग्रिधिष्ठायी है सियत में नियुक्त किये जीते हैं।

डा० म्नार० एल० रजक भारत सरकारि के वनस्पति रक्षा सलाहकार

(ग्रामीण विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद; दिनांक 15 श्रक्तूबर, 1986

सं० ए० 19023/40/78-प्र० III:—सेवा निवृत्ति की भ्रायु पूर्ण हो जाने पर फरीदाबाद में इस निदेशालय के विपणन भ्रधिकारी श्री एस० के० सभरवाल 30-9-1986 के भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

> श्रनिता चौधरी कृषि दिपणन सलाहुकार

भाभा परमाणु धनुसन्धान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-85, दिनांक 3 भ्रक्तूबर 1986

सं० पी v/79(19)/84-आर-3/2039 — नियंत्रक, भाभा प० अ० केन्द्र, निम्नलिखित अधिकारियों को इस केन्द्र में दिनांक 11 सितम्बर, 1986 पूर्वाह्न से रुपये 650-30-740-35-880-40-40-960 के वेतनमान पर सहाय कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

ऋ० संख्या	नाम	इस कार्यालय में स्थायी/ ग्रस्थायी पद	
1. ধ্র	कृष्ण सुन्दरदास वच्छाणी	भा० प० अ० के० में स्थायी सहायक	
2. প্র	ो सुब्रमण्य घेंकटरामन	परमाणु ऊर्जा विभाग में स्थायी सहायक	

विनांक 20 नवम्बर, 1986

सं० पी $\sqrt{79(19)/84}$ -आर०-3/2506:—-नियंश्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को इस केन्द्र में दिनांक 12-11-1986 पूर्वाह्म से रुपये 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:—

物の	संख्या	नःम	क(यातिय में स्थाई/ग्रस्थाई पद
			न स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा भा० प० भ्र० केन्द्र में स्थानापन्न सहायक
2.	पारथामाला	फिलिपोस चेरीयन	स्थाई निम्न श्रेणी लिपिक तथाभा०प० ग्र० केन्द्र में स्थानापन्न सहायक
			सी० जी० सुकुमारन उपस्थापना म्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-16, दिनांक 26 नवस्बर, 1986

सं० प० ख० प्र०-2/2724/77-प्रशासन: श्री लालजन्द वर्मा द्वारा परमाणु उर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक श्रिधकारी ग्रेड एस० बी० के पद से दिया गया त्यागपत्र निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग द्वारा 3 नवम्बर, 1986 के श्रपराह्म से स्वीकार कर लिया गया है। सं० प० ख० प्र०-4/1/86-भर्ती खण्ड II:—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतवृद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के निम्नलिखित प्रधिकारियों को इसी प्रभाग में उनके नाम के सम्मुख दर्शाये पदों पर ग्रगक्षे भावेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:—

	क संख्या	ग्र धिकारी का नाम			
_	 श्री एस० सेतू श्री एम० के० श्रीमती नीरज 	गांगुली		-	
	वर्तमान ग्रेड	पदोन्नति का काग्रेड	मूल पद		में नियुक्ति की तिथि
	वैज्ञानिक सहायक "सी"	वैज्ञानिक श्रवि श्रमियन्ता "एस बी"	 घ	1-	-8-1986
	वही	वही			वही
	वही	वही			वही

भ्र० वृं० खान, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा भ्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 9 श्रगस्त 1986

सं० ए० 32013/3/82-ई० सी०:—-राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित ग्रिधिकारियों की नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ तकनीकी ग्रिधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति की ग्रुविध को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई भ्रविध तक बढ़ाने की मंजूरी दी है:—-

कसं० नाम			
	से	तक	
 श्री धर्जुन सिंह श्री एम० एल० चक्रवर्ती 	1-4-86 1-4-86	31-5-86 31-5-86	

उपरोक्त ग्रधिकारी वरिष्ठ तकनीकी भ्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि बढ़ाये जाने के फलस्वरूप, इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे ग्रौर तदर्थ ग्राधार पर की गई सेवा-श्रवधि इस ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिये श्रथवा श्रगले उच्चतर ग्रेड में पदोक्षति की पान्नता के लिये नहीं गिनी जायेगी।

> मुकुल भट्टाचार्जी, उप निदेशक प्रशासन

निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1986

सं० 23/86—श्री पी० के० भवई ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन मुल्क, कलकत्ता—1 में प्रधीक्षक ग्रुप "ख" के पव पर तैनात थे, इस महानिदेशालय के दिनांक 4-8-86 के प्रावेश संख्या 1041/47/84 के प्रनुमार निरीक्षण प्रधिकारी, ग्रुप "ख" के पद पर नियुक्ति हो जाने पर निरीक्षण महा-निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में दिनांक 7-11-86 (पूर्वाह्म) से निरीक्षण प्रधिकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एच० एम० सिंह निरीक्षण महानिवेशक

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 24-11-1986

सं० 32/3/85-ई० सी० 2--केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग केन्द्रीय इंजीनियरिंग सेवा के श्रेणी-क के श्री के० नरिसम्हा, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) निवर्तन की श्रायु (58 वर्ष) पूरे होने पर दिनांक 30-9-1986 को सरकारी सेवा से निवृत्त किये जाते हैं। वह सेवा निवृत्तन से पहले लो० नि० विभाग के सड़क निर्माण मण्डल दक्षिणी श्रण्डमान में कार्यरत थे।

पृथ्वी पाल सिंह उप निवेशक प्रशासन कृते निर्माण महानिवेशक प्रस्य बाहै . टी . एन . एस . ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाय

ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 नवम्बर 1986

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 23, श्रीर 24, प्लाट नं० 5 सी० एस० नं० 1, जी-4, जामपूरी एस्टेंट है तथा जो जामनगर, जमीन, 585.27 वर्ग मीटर मकान 44ऋ, वर्ग मीटर जी० एफ० श्रीर एस० एफ० में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जामनगर, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 1908 का 16) के श्रधीन दिनांक

करें पूर्धोंक्त सम्पत्ति के अचित बाबार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित माजार मृल्य, उकके अश्यमान प्रतिफल से एसे अश्यमान प्रतिफल का नम्मह प्रतिकत से बाधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नितियित उब्देश्य से उनक अन्तरण सिचित में बास्तिक का मा कि कि उद्देश से उनक अन्तरण सिचित में बास्तिक का में कि किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व म कनी करने वा उक्ते वचने में सुविभा के निए; खोड़/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अध उक्तः अभिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिविति स्पिक्तियों, अर्थात् ६---

- (1) दसमुख पंजाल भाई पटेल, पटेल ग्रायल मिल कंपाउंड, खाडीया प्लोट, पोरबंदर जीला जूनागढ़ (ग्रन्तरक)
 - (2) प्रभावती सुमन लाल पटेल, कुल मुख्यार, सगीर सुनील, सुमनलाल पटेल पोस्ट, गूंडा, ताल्का मानवड़ जिला जामनगर (अन्तरिती)

को कह सूचना चारी करनी पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत 🖫

- (क) इस ज्यान को राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वनिथ था उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिय नाद में समान्य होती हो, के भीतर प्रोंक्य क्रिक्त में से किसी व्यक्ति हुनारा?
- वि] ह्य क्षम चे राज्यन में प्रकारन की वारीय है 45 विन के हीतर क्षम स्थान्त क्ष्मीत में हितनपुर क्षिमी सम्ब क्ष्मित क्षाय मध्योहत्तावारी चे नाव विश्वित में विक् मां बचीने हैं

रक्कीकरणः--इवने प्रवृत्तः वज्यो सूर स्थो ता, वा वस्ता सीधनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं। यही वर्ष होता को उब बध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

ण्लाट नं० 23 धौर 24, प्लाट नं० 5, सी. एस० नं० 1 जी-4, जामपुरी एस्टेट जामनगर, जमीन 585.2क वर्ग मीटर मकान जी एफ० 300 वर्ग मीटर एफ० एफ ० 250 वर्ग मीटर, रजिस्ट्रेशन नं० 1287/11-4-86

ग्रे० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय^{ज्}र श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंग-1, श्रहमदाबाद

विनांक :--17--11-86 मोहर :-- प्रकम बार्ड . टॉ . यन् . एस . -------

बारकर करिशीययम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृथीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजन, सहायक नायकार बावुका (निर्दाक्षक) भ्रजेन रेंज-3, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर 1986

निर्देश सं० भाई० ए० सी० एक्यू०/3/3--86/एस० आर०-3 521/3--- प्रतः मुझे, डी० के० श्री वास्तव,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसने इसके परभात् 'उनत निर्धानयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका स्वित बाबार अध्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 178 गोल्फ लिंक [कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री हरण प्रधिनियम 1908 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनां ह मार्च 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कब के करवज्ञान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और अभे वह विकास करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त बस्पत्ति का उचित वाजाह्र म्रूच्य, उसके क्लयमान प्रतिफन से, देखे क्लबबान प्रतिकास का बल्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकाँ) और अन्तरिकी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस्, निम्नसिविष उद्दरम् द् उन्त शृस्तदम् मिवित में वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं विकास वाही 🕬

- (क) अन्तरण से हुइ किसी काम की बाबत, उक्त न्दिन्यम् मे नपीय् कर्यमे के मृत्युक से बादित्य में सभी कर्ष या उन्हों यहने में इतिया के द्विए; मोद्र/ग
 - i) ए'बी किसी नाय वा किसी भून वा जन्म, बास्तियों को जिल्हा भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम बा व्यक्तर व्यव्धिव्यक, 1957 (1957 का 27) व्ये ब्रह्मेश्वरार्थ अन्त्रिरती दुवारा प्रकट नहीं किया जबादा वाकिया वाता चाहिए था, छिपाने में स्विका 📽 विष्:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् 🚁 🖚

- (1) गुलजार सिंह पुत्र सरदार जसवन्त सिंह मकान नं० 7 नगर, ल्धियाना (पंजाब)।
 - (ग्रन्तरक)
 - (2) मास्टर विकास विशाल घर धर मास्टर सपुत्र श्री विजय धर, ब्राडवे थियेटर सोनावार श्रीनगर, (जम्मू एवं कश्मीर)।

(भन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हु।

उन्द सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीय 🕪

- (क) इस सम्बन्ध को राज्यन में प्रकाबन की शारीय | वे 45 विश की जविष वा तत्क्रम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि , भी जी अविवि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थम के राज्ञपन वे प्रकारन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितवद्ध किसी बन्ध व्यक्ति हुनारा अधोहस्ताक्षरी के पार किसित में किए वा सक्तें।

स्वकाश्वरण ए---इसमें प्रयुक्त कव्यों नौर पर्यों का, बीचरिवय, के बभ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ध होता, जो सस वध्याय में विया नवा

निर्मित र. 10, गोहफ लिंक कालोनी नई विल्ली, (375 वर्ग गज)

> डी० के० श्रीवास्तवा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) म्राजेंन रैंज**-3, नई वि**ल्ली

दिनां रु: 18-11-86

परुष वार्षे . टी . एम् . एम् . चन्त्रन्तन्त्रन्त्रन्त्र

वासकर मिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 260 व (१) के वभीन मुचना

CIEC CENT

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज़, पूना-1 पूना-1, दिनांक 11 नवम्बर 1986 निदेश सं० 37ईई/8072/85−86−−श्रनः मुई श्चंजनी कुमार

बायकर जिम्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 160 महात्मा गांधी रोड, पूणे कन्टोन्मेंट पूणे-1 में रिधत है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्राय हर श्राय हर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्राय हर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी० के श्रधीन सम्बद्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 8 मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफास से लिए अन्तरित को नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूट्ट, असके छ्यमान प्रतिफास तं, १ से छ्यमान प्रतिफास का चन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफाल, निम्निसिखित उच्चेक्त से उक्त बुक्तरण विविद्य के लिए तय पाया क्या प्रतिकात, निम्निसिखित उच्चेक्त से उक्त बुक्तरण विविद्य के लिए तथ से क्रिक्त कर्यों के कीचन नहीं स्थान स्था है ----

- (क) अन्तद्वम से हुइ किसी आय की बायत, उक्त बीधीनव्य, के बुधीन क्षर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उन्नसे स्थान में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, १३५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना प्रीहुए बा, कियाने में स्विका जे किया;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसन व्यक्तियों, अर्थात् :—— 2—376GI/86

(1) विनम कार्पोरेशन 19/21 छोगा स्ट्रीट फोर्ट मुंबई--23

(भ्रन्तरक)

(2) मकी सोराबजी किमणरेट 3 एमर् एलर् उराणुकर मार्ग मुंबई । (श्रन्तरिती)

की वह त्वना कारी करवी पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल्ह कार्यवाहियां शुरू करता हुं!

उक्त संपृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाहोग ---

- (क) इस प्रथम के राज्यम में प्रकारक की वार्टीक के 45 किन के क्षेत्र क्ष्मण स्वाप्त कम्मारत में हितवहुष स्विति क्षम् अहिन्द द्वारा अवोहस्ताक्षद्वी में वाक , त्वित्त में निष्ण का व्योगे 3

स्यव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उन्हें अधिक्षिकर, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं क्षे होगा, को उस अध्याय में विका प्या है।

अमृस्ची

जैसाकि रिजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/8072/85-86-- जो सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के करार में 8-3-86 को लिखा गया है।

ग्रंगनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, पूना

दिनांक: 11-11-86

प्रक्य कार्षाः त्री स्ट्रापः

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 24 श्रक्तूबर 1986 निदेश सं० 2/मार्च 1986—-श्रतः सुझे ए० **श्रा**र०

रेड्डी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2, कादर नवास्कान रोड, नुंगम्बाक्कम् है तथा जो मद्राम में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रीसन्डलैठस् लेख सं० 138/66 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सर्व 86

कर पूर्वे कित सम्पत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिएत की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्भ, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्मह्भ्यितिकत्त से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरितियो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बागा गया प्रतिफल निश्निसिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण शिवित में बास्तिक मन से किंचत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाध की बाबस , छक्त विश्वित्रव के बभीत कर दोने के बम्तरक वें दायित्व में कमी करने ए। स्थ्यों अपने में सुविधा के प्रिए; और/या
- (ख) ऐसी िकसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव. उच्य विधिनिधम की भारा 269-ण के अनुसरण भा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) र्प्ए० र्पूएम० हवीश्रातु श्रमीना।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स गीठेक्स् ।

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह स्थना आरी कारके पृथींकत सम्मरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, को भी विधि नक में स्वाध में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण हु-भ्रतमें प्रयुक्त क्षव्यों बीड वर्षों का, यो उपद विधिवयम, के बच्याम 20-क में पीड्माणित हैं, वहीं वर्षे होता को उस प्रध्याम में विधा वया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान 4 न्यू० सं० 2, ग्रार० एस० सं० 58/17, कादर नवास्कान, रोध, नंगम्बाक्कम् मद्रास थौसन्डलैठ्स् लेख सं० $\pm 38/86$ ।

निसार श्रहमद, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 24-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
शर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 श्रन्त्वर 1986 िद्रग वं० 4/नार्च 1981-- 'त्रव: मुझे, ए० श्रार०}रिङ्की

का गंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इर की पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26.9-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित्र आजार मूल्य 1,,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 8, स्टिलिंग, रोड, नुगम्बाक्कम् मद्रास-34 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्गित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय थ्सन्डलैंठ्स् लेख सं० 74/86 में भारतीय रिस्ट्री करण्डुंश्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिलत बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिकल से एसे दूरमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्त्रिक रूप से कांभित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त नियम को अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए:

शतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, के, उका अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कै अधीन, कि:ालिखन -यक्तियों, अधीत् ह—— (1) पियनी पद्मनामन्।

(भ्रन्तरक)

(2) पी० वरद रेड्डी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्या जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त घट्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियमः, के अध्याय 20-क में दिरभाषित हों, वहीं अर्थ हारा जो उस अध्याय में विधा गया हों।

यन्म्ची

भूमि श्रौर मकान 8/548/85 स्टिंगि रोड, नुंगम्बास्कम् मद्रास-34 थीसन्डलैट्स् लेख सं० 74-86 /

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

विनांक : 24-10-86

प्रकम नाह्ं, टी. एन. एस. - - -

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) का अगर 269-च (1) के अभीन सुचना

भारतं सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयकर आयुक्त ([निडुक्तिक) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 श्रक्तूबर 1986 निधेश सं० 6/ मार्च 86—- ग्रतः मुझे ए० भ्रार० रेड्डी

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा रे69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति. जिसका उचित शाजार मूख्य है,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 8/129 और 129- श्रार० एस० पूरम् है जो भाष्यकार्ड रोड, वेस्ट कोयम्बत्र में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बल्स् में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1986

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से एसे श्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कर्तिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे बस्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकल, निम्मितित उद्देश्य से उस्त कर्तरण सिवित में वास्तिक रूप से सम्पत्त नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी नाय की वायतः, उक्त विभिन्नयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए? वांद्र/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था छिपाने में मीवधी के लिए;

जतः अब, उक्त जिथिनियमं की भारा 269-ण के अनुसरण में, में इक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अर्थ ं जिस्निलिसित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) राजाम्बाल वेलुस्वामि ग्रीर भ्रन्य ।

(ग्रन्तरक)

(2) लयमण्डा ग्रीर श्रन्या

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्तिकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ों भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रक राजना की तामीन से 30 दिन की बविध, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों मां में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सन्नतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण --- इनमा अष्ट्रां अंतर पदी का, जो जकर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष हों, अही अर्थ हाचा का उस अध्याय में जिस पक्ष हों।

अनुसुची

भूमि टी० एम० सं० 8/126 एण्ड 129 भाष्यकार्ड रोड, वेस्ट, श्रार० एस० पुरम् कोयम्बत्त्र, कोयम्बत्त्र् लख सं० 1108/86

ए० श्रार्० रे**ड्डी** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक': 27-10-86

प्रक्य गार्ड . टी . एत . एस .. ------

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (ि ्जूज)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 27 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० ७/मार्च--- ग्रतः मुझे,

ए० धार० रेड्डी

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार भूस्य 1,00,000/- रह. से गधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० 986/1 बी० हिस्सा वार्ड सं० 3, है जो वेंस्याल स्ट्रीट, कोयम्बत्तूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बत्तूर में लेख सं० 1297/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च 1986 को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके अववान प्रतिफल ते, एसे अववान प्रविक्त का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बंतरण के लिए इब पाया भ्वा प्राथकत, निम्नतिबित उक्तेष्य से उचत बंतरण सिवित में शस्तिक, जिन्नतिबित उक्तेष्य से उचत बंतरण सिवित में शस्तिक, एसे से कियन नहीं किया गया है:--

- (क) नंदरम संदुर्द किसी बाय की बायक, उन्ह अधिनियम के अधीन कर बाने के जनारक के दासित्व में कभी भारते या अधाने बुक्त में बृहिन्या के सिए; अदिशंका
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों धनकार विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ बंतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया को, चिन्हों भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत विधिनियम या वया था वा किया जाता चाहिए वा कियाने में स्विधा में सिप्रा में सिप्,

भरत भ्व, उन्त वीर्धीनवन की भारा 269-न के बनुसरण रंग, मैं, उन्त विधिनयम की भारा 269-च की द्रापभाषा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात म— (1) श्री के० वेंकटेश भ्रौर भ्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स कुरियों (पार्टनर) श्री वी० जयराम। (स्रन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किछ. कार्यवाहियां करता हुं।

जनक सम्मृतिक के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई औ बाक्षेप :----

- (का) इस स्वा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच चै 45 दिन की वर्षी या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों प्र यूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष, वो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष स्पायत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यास में दित- वृष्ण किसी कन्य व्यक्ति दुवारा, अथोहस्ताक्षरी र पात्र विकास वै किस का वर्षों थे।

स्यव्यक्तिरच :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निधित नियम के मध्याय 20-क में परिभातित हैं। हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दया नया हैं।

वन्स्ची

भूमि टी० एम० सं० 986/1बी० हिस्सा वार्ड सं 3 वैस्याल स्ट्रीट, कोयम्बसूर कोयम्बसूर/लेख सं० 1297/86

> ए० श्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, मद्रास

दिनांक : 27-10-86

प्रारूप आहू². ट्रीं. एन . एसं.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कामकर काम्वत (भिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 ग्रक्तूबर 1986

निदेश सं० 9/मार्च 1986—-प्रतः मुझे ए० ग्रार० रेड्डी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पेक्स इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर संकित, जिसका अधित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2 कैलीज रोड, कीलपाक मद्रास-10 है जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है),रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पुरावाक्कम लेख सं० 770 से 173 कि में भातीय रिजस्ट्रीकरण प्रिमियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचाः मूक्य, सक्षके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धर्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के निष् तय पाया गया इतिकृत, निम्नितिवत उद्देश्य से स्थल अंतरण जिल्कि में बास्तिक स्प से कथिश नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण में हुई जिस्सी बाय की बाबत, उपक्त अभिनियब को अभीम धार दोने को अंतरक की दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविभा को लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाब मा (कार्स) धन या बन्य आस्तियों की, किन्हें भारतीय आग-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्लिपाने में सुविधा से लिए;

(1) जय मूर्ति गुप्ता ग्रौर ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) एम० एम० जवाहर श्रसी श्रोर श्रन्य (श्रन्सरिती)

का यह स्वना आरो करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डफ्त सम्मीस के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विदा की सर्वाभ या सत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती की, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वक्तीकरण - इराने प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त सिश्वियम को अध्याय 20 का में परिवाधित हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नमुस्ची

भूमि भ्रौर मकान-2 केल्लीस रोड, कीलपाक मद्रास-10 पुररावाककम् लेख सं० 770-773 तक

> ए० श्रार० रड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, विकासिकिक व्यक्तियों, अर्थात् ६—

तारीखा: 27-10-1986

अक्ष्य आई. टी. एन. एस. ----

भायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-म (1) के सभीन सुनेमा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर जायकत (जिस्क्रिण)
श्रर्जन रेंज-2, मद्रास
मद्रास, दिनांक 30-श्रक्तूबर 1986
निदेश सं० 10/मार्च 86-- श्र त : मुझे ए० आर०

रेड्डी, शायकर ग्रांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िसं इसमें इसके परचास् 'उक्त वीधिनियम' कहा गया हैं), की भारा

269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वा॰ करने का कारण हों कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य

प्त. 1.00.000∕- से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि खेती मेडवानकम ठाक रोड जो मद्रास में कियत है श्रीर इसने उनाबंध श्रन्यूची में पूर्ण रूप से बर्णित है) रिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय फुररा-वाक्कम लैख सं० 767 से 769 तक में भारतीय रिजस्ट्रीहरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) श्रधीन मार्च 1986

कां पूर्वोक्त संपत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम को रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्तरक (जन्तरकों) और बसरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाशा गया प्रतिफल जिम्मासिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण जिस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी गाय की गानत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के क्लारक के **व्यक्ति को कमी कर**ने या उससे अभूने को भृतिका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य के स्था में को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिल्लानियम, या पराप्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाप्त-सार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा गया था वा किया जाना चाहिए था, खियाने के स्वीवन्त के किए:

कत् अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ के अनुसर्भ को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (†) को अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, संभत्ति हिल्ला (1) श्री एन लक्ष्मीचंद हेमदेव श्रीर अन्यों (भ्रन्तरक)

26877

(2) श्री राजेण किशोर तावकर ग्रौर अन्यों (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ग्याहियां करता हु ।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध भी कारेड भी माध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजधार में प्रकाशन की तारी में 45 दिन की अविश्व या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जिमील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविधि से से किसी व्यक्तिय ब्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 फिन के भीत? उपन स्थावन संस्थित मों हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शह लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्थाकतीकरण:----इसमा प्रमुक्त प्राच्यां और पदां का, जां उक्स भीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है :----

अनुसूची

कृषि खेती—प्रमेडवाक्कम ठाक रोड, तम्मालवालपेठ मद्रास पुररावाक्कम लेख सिं० 767 से 769 तक ।

ए० ग्रार० रेड्डी
मक्षम प्राधिकारी
महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, महास

दिनांक: 30-10-1986

थक्य नाइ^र. टी. एन. एत.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास दिनौंक 27 श्रक्टूबर 1986

निदेंग सं० 11/मार्च 86—अत: मुझे ए० ग्रार० रेडडी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पड़चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

त्रीर जिसकी सं० 4, 11, फलवर्स रोड, कीलपाह है, जो मबास 10, में स्थित है (श्रीर इसके श्रनुबंध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पुररावाक्कम—लेख सं० 763/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च 86 को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर समपित का अधित बाजार मूल्य से काम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर समपित का अधित बाजार भूक्य, असके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पत्रह पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरित (अन्तरित को प्रतिक विश्वास करने के कारण के किए उच्चीकिक वे वाक्वरिक कर से किए तहीं किया गया है :——

- (क) अन्तर्ह्य वे हुई रिक्की बाद की बावत, उपक अधिरियक के धुपीप कर दोने के अन्तरक में व्यक्तिय में कमी करने या उचने बचने में सुविधा में सिक्ष्य बीस्ट/बा
- (क) ध्री किसी जाव या किसी भन या जन्य जास्तिओं की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्व-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृथिधा की लिए;

भराः स्वयं क्यार अधिविषयं की भाष 269-म के वयुत्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- (1) श्री प्रभाकर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेण पी० षा० श्रीर दूसरे.। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

इक्त सन्यापि के वर्षन के इम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विश्व की बबरिय ना सरक्त्रिक्षी व्यक्ति पृष्ट मुंचना की तानीस से 30 विश्व की संबंधि, को भी संबंधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक्त करियाओं में से किसी स्थमित ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 किन के मीतर उन्कर स्थावर कन्यति में हितकक्ष किती कन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताकरी के पास निकास में किए वा सकीने।

ल्यकीकरणः—इश्वमें प्रयुक्त खब्दों बीड क्यों का कि क्यों निवित्तवन, के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

प्रनुसूची

भूमि—— प्लाट सं० 4, 11, फलबसमं रोड, कील्पाक, मद्रात-10 पुररावाककम लेख सं० 763/86 ।

ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∽2, मद्राम∯

दिनांफ: 27-10-86

प्रकार साह", शी हार पुरू

बायकार बरियोगारम 1951 (10-1 का 43) की धार 269-ल (1) के ब्योग नुवना

भारत भरका

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 7 अक्तूब र 1986

निदेश सं० 12/मार्च 86---श्रत: मूझे ए० श्रार० रेड्डी,

शायकर इधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रठ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट 5, सं० 11 फलवर्स रोड, कील्पाक, जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इसके ग्रनुबंध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकः तो ग्रधिकारी के कार्यालय पुररावाक्कम लेख सं० 764/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) ग्रधीन मार्च 86 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विकित के बास्तिक रूप से कीचन नहीं किया गया है के वास्तिक रूप से कीचन नहीं किया गया है के वास्तिक रूप से कीचन नहीं किया गया है के वास्तिक रूप से कीचन नहीं किया गया है के वास्तिक रूप से कीचन नहीं किया गया है के वास्तिक रूप से कीचन नहीं किया गया है के वास्तिक रूप से कीचन नहीं किया गया है के वास्तिक रूप से कीचन नहीं किया गया है के वास्तिक रूप से कीचन नहीं किया गया है के वास्तिक रूप से कीचन नहीं किया गया है के वास्तिक रूप से कीचन नहीं किया गया है के वास्तिक रूप से कीचन से वास्तिक रूप से कीचन नहीं किया गया है के वास्तिक रूप से कीचन से वास्तिक रूप से कीचन नहीं किया गया है के वास्तिक रूप से कीचन से कीचन से वास्तिक रूप से कीचन से वास्तिक रूप से कीचन से कीचन से वास्तिक से से कीचन से वास्तिक रूप से कीचन से कीचन से कीचन से कीचन से वास्तिक से सिंतिक सिंतिक से सिंतिक सिंतिक सिंतिक सिंतिक से सिंतिक सिंतिक से सिंतिक सिंतिक

- (क) मन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दाकित्य में कारी करने या उससे बजने में स्विधा की निष्ठ; बॉर/या
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, जा धनकर अधिनियम, जिनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्तिनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जियान जो सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 3 —376GI/86

(1) थी बी० जीवन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री यसवन्त राय पी० षा० ग्रौर दूसरे। (ग्रन्तरिती)

रा यह मचना आरी लखने वृतींका नम्पतित के बर्धन के लिए कालवर्षाहमां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त करा तत्त्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

भ्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही दर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान-5, सं० 11, फवलर्स रोड, कील**पाक,** मद्रास-10 , पुररावाक्क म लैख सं० 764/85।

ए० ग्रार० रेड्डी) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 27-10-1986

प्रकप **वाद⁴. ट**ीं, एत . एम . -----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्राम

मद्रास, दिनांक 24 अक्तूबर 1986

निदेश सं० 16/मार्च 86--- अत: मुझे ए०आर० रेड्डी नायकर सिंगिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमा इसको पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षय गिर्धकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, चिसका सचित बाजार श्रूका 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 10, प्लाट सं० 193, कोठूर गांव, गांधी नगर, जो मद्रास में स्थित है और इसके श्रनुबंध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अड्यार लेख मं० 658/86 में भारतीय रिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यमाप्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरवमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का स्प्यूह प्रतिचत से विश्व है वरि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया प्या प्रतिफल निम्नितियों से द्वार यस्त अन्तरण निम्नित भें वास्तरिक रूप से कथित महीं किया वया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की वावत उक्त महिष्यका से सभीन कर बाने के मन्तरक से वावित्व में अभी सरने वा उससे वचने में सुविधा के फिल, और/था
- (क) ऐसी किसी नाम या धन वा नत्य नास्तियाँ का, किन्हुं भारतीय नाय-कर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या चन-कर विधिनियम, या चन-कर विधिनियम, वा चन-कर विधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा अकट नहीं किया नवा था वा किया जाना था हिए था, छिथाने से हिया के विका

बतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-न की अनुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिल व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्री एम० नागेन्द्रम मुत्त

(ग्रन्तरक)

(2) थी एम० सुन्दररा जून।

(ग्रन्तरिती)

को यह सपाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

तुसल सम्परित को बर्जन को सक्य-भ भी ऋदे भी काकाय:---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की चनित्र या तत्संबंधी क्यित्रयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, वो भी भविष बाद के समाप्त होती हो, को भीवर प्रांचिक क्यित्रयों के किसी क्यें ब्या स्वार्ध
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक से 45 दिन के नीतर उक्त स्थावर मध्यत्ति में दिवबध्य किसी जन्म श्रीनित ब्वास भूनाहेन्ताक्षरी के वास शिक्षित में किए का ककींचे ।

स्पष्टोकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में रदवा गवा है।

बनुसूची

भूमि भ्रौर मकान-10 कोठूर गांव भ्रडयारा गांधीनगर, मद्रास, भ्रडयार लेंख सं० 658/86।

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्ष म प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 24-10-1986

प्ररूप बाइं. टी. एन. एसः। - - -

बायकर बांधनियन, 1961 (1961 का 43) की धररा 269 व(1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 श्रक्तूबर 1986

निदेश मं० 17/मार्च 86-- अतः मुझे, श्री ए० प्रार्० रेड्डी,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 209-इ के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 12, श्रीनगर कालनी गिण्डी है, जो मद्रास-15 में स्थित है (ग्रौर इसके श्रनुबंध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकतर्ता अधिकारी कि कार्यालय अड्यार लेख सं० 817/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 86

को पूर्विवश सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मून यह विश्वास कन्ने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके राश्यमान प्रतिकल से एसे राश्यमान प्रतिकल का पन्धह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उब्देशिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप कम से कांश्य कहीं किया क्या है कि

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उनक जिमित्वज्ञ को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती य्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था खियाने संसविभा के सिए;

बतः शव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग वै अन्तरक के, के, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :--- (1) श्री ढी० योगानन्द

(अन्तरक)

(2) तिरुमंगल मिल्स लिमिटेड।

(भन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी ज्योक्तवा पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थात्रर सम्पत्ति मों हिल-बद्ध किसी अन्य व्यापन द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :--इसमा प्रपत्न शका जोर पत्ता को, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी पीरभाणित हो, वहीं अथ हामा, जा उस अध्याय २१ दिस्स स्या हो।

अनुसूची

् भूमि ग्रौर मकान प्लाट सं० 12 श्रीनगर कालनी, गिण्डी, मद्रास ग्रडयार लेख सं० 817/86,

> ए० श्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 27-10-1986

प्ररूप मार्ड, टी. एन. एस.---

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक127 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० 19/मार्च 86—श्रतः मुझे, ए० श्रार० रेष्डकी,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी संव 3, रूट गेट 2 स्ट्रीटइ थौसन्डलाईटस जो मद्रास -6 में स्थित है (भौर इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप में बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मद्राप्त नार्थ—उतर लेख संव 1013/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मार्च 86 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी आय या किसी भन का अन्य बास्तियों करे, जिस्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गय था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृजिध से जिए;

अतः अयं, उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाला :--- (1) श्री तैकसित्ती श्रालया-एजन्ट श्री एस० के० एम० जुनैद यासीन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० ऐ० जबीर ग्रीर दूसरे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्देक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तत संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी माओप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रवादान की गारीस के 45 दिन के भीतर उमल स्थावन सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्टिस्तक्षी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

न्यव्यक्तिरणः—~इसमें प्रयुक्त शब्द बार पथां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित यही वर्ध होगा, जो खन जध्याय में दिया गया गया हैं।

अनुसूची

भूमि \sim 3, रठलैंड गेट, थौसन्डलैंटस् मद्रास-6, उत्तर मद्रास लेख सं० 1013/861

ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~2, मद्रास

दिनांक: 27-10-1986

प्ररूप बाह .टी.एन.एस.-----

नायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर शायकत (निर्वेक्षण) ग्रजन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 ग्रक्तूबर 1986

निदेश सं० 20/मार्च 86—प्रतः मुझे ए० ग्रार० रेड्डी स्थायकर अधिनयन 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमा इसके परचान जिल्ला प्रधिनयम कहा गया है), की थारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 22, गणेश स्ट्रीट, गोपालपुरम है, जो मद्रास-86 में स्थित है (श्रीर इसके श्रनुबंध में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मद्रास सेन्ट्रज लेख सं० 230/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रबीन मार्च 86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के स्थ्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वावत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्व्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान श्रिकत श्री बन्तर स्थापन श्रीतफल श्री कर्तिकार से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरसों) और अंति श्री (अर्दार्शन के बीच एने अंतरण से लिए त्य पाया स्था प्रतिफल विश्वत भे स्थापन श्रीतफल विश्वत भे स्थापन स्थाप

- [क) बीतहण से हुई किसी बाय की बायत, डक्फ अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दिख्य में कभी अरने या उगमें नगरे में सुविधा के लिए: और/सा
- [क] एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अमिस्त्यों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर लिधिनयम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनयम, या धन कर अधिनयम, या धन कर अधिनयम, वा धन कर अधिनयम, वा धन कर अधिनयम अधिन कर्तारती द्वारा धकर नहीं किया गण था या किए। जारा करिहर् था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती एस० स्नार० मंगलम

(ग्रन्तरक)

(2) स्रार्थ ममाज (सेन्ट्रल) ट्रस्ट बोर्ड। (स्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उसत सम्पन्ति के राजन के गंबंध में लाहि भी बालप :--

- (क) इस रूपना के राजपत्र मो प्रकाशन की उपलिए सं 45 दिन की कर्याप या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की ब्रविष, बो भी जानि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रक्रित करित्तों या स्विधिक क्यिक दशारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 किन के नीतर राज स्थापन गर्मात में विकाशस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, संधाहस्ताक्षरी के ास विशित में किए का सकीं।

स्वष्टीकरण - इसमें प्रपृक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिर्ध्याव है, वहीं अर्थ होगा जो तम अध्याय में दिश् क्या है।

ग्रनुसूची

भूमि ग्रौर मकान--22 गणेश स्ट्रीट, गोपालपुरम मद्रास-86, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 230/86।

> ए० स्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, मद्रास-6

दिनांक: 24-10-1986

रेड्डी,

प्रकप बार्ड, टी., एन., एस., -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

माउन सरका

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1986 निदेश सं० 21/मार्च 86--ग्रतः मुझे, ए० ग्रार०

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारूज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 22, गांपालपुरम 1, स्ट्रीट है, जो मद्रास-86 में स्थित हैं (श्रौर इसके श्रनुबंध में श्रौर पूर्ण रूप से बिंगत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मद्रास-सेन्ट्रेल लेख सं० 236/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 19.08 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 86।

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ध है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसरे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्वरेय से उक्त अन्तरण सिविस में वास्तिश्वक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/वा
- (वं) ऐसी किसी जाय या भून या बल्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्र्योजनार्थ क्लारिती ब्वास प्रकट नहीं किया न्या था वा किया बाना वाहिए था, कियाने से सुनिया के दिवय;

- (1) श्री नमीदा प्रब्दुल रजाक और ग्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) श्री ए० पी० द्वारकान्त और अन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, शो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के बच्दाव 20-क में परिशाजित है, वहीं अर्थ होगा. ओ उस अध्याय में जिया गया हैं

अनुसूची

भूमि श्रीर मकान-22, गोपालपुरम 1 स्ट्रीट, मद्रास-86, मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 236/86।

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रजन रेंज-2, मद्रास

चतः थगः, उत्तत विधिनियमं की धारा 269-मं में जनुसरक मं, मं, रावत विधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के वधीन, निस्निवित व्यक्तियों, वधित च—

दिनांक: 29-10-1986

मोहर

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एत. ----

काबकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1986 निदेश सं० 1/मार्च/1986---श्चनः मुझे, श्चार० जान-किरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डोर सं० 59, गोविन्दप्प नाईक्कन स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्रास-1, जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इसके भ्रनुबंध में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सौकारपेट (दक्ष सं० 154 भ्रौर 155/86) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-3-1986

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया प्रतिफल, निम्नितिशत उद्देश से उक्त बन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से की त नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की गवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारः (1) है अधीन, निम्निचित, व्यक्तियों, वर्धात् क्र— (1) श्रीमती पि० लीला ग्रीर ग्रन्यो। (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुकन्या देवी, पुक्राज हजारीमल वि० चन्दनमल

(श्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध भी कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—-इसमें प्रयंक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि श्रौर मकान- डोर सं० 59, गोबिन्दप्प नाईक्कन स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्रास-1,

> ग्रार० जानकिरामन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त(निरीक्षीण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास-6,

दिनांक: 7-11-1986

प्रकल **बाइ**े, टो. एन. एस. न न न न

मायकार मिनियूज, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ल (1) के सभीन सुभाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरक्षिण)
श्रर्णन रेंज नद्रै

मदरै दिनांक 3 नवम्बर 1986

निदेण सं० 1/मार्च/1986—श्रतः मुझे' ए० के० तालपत्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधिन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित वाचार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी० एस नं० 71/1 एण्ड श्रीर 72 है तथा जो दिन्डीगुल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रार० नागल नायकेन्पट्टी डाकु नं० 665/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1986,

की पूर्वोक्त सम्मित के उपना बाजार मूल्य से का ने क्यमान अधिकाल के लिए अन्तरित की नहीं ही बार मूळे यह विक्थास कारने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उपिट बाजार बुक्य, उस के क्यममान अतिकास से, ऐसे क्यममान तिकाल का बुक्य प्रतिकास से विभक्त ही और सम्बरक (अन्धरका) बीड बस्तरिती (अन्तरितियों) व मीच ऐसे बन्तरण के बिए तब बागा गया प्रतिकास, निक्तिशिवात सम्बर्धन से उपने अन्तरण निवित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अफ्रिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रशांजनार्थ अन्तिरिती प्यारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा किता:

नतः अध, उन्नत **अधिनियम की धारा 239-म औं अव्याद्य में**, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल क्यक्तियों, नथित्।—

(1) श्री धनराज सि सी० 11 ए केणव श्रययर स्ट्रीट, यार्क टाउन, मद्रास-3

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्म अविरामी एन्टरप्राईसेश 75/म्राई-1, सालै रोड, तिल्लैनगर, तिरूचि-18

(अन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ष सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सन्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्र अ---

- (क) इस स्था के रायपण में प्रकाशन को वारीस से 45 दिन की बनीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रस्मान की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियाँ में से किसी म्यान्त प्रवास;
- (स) इस स्था के राजपण में प्रकाशन की तारीब वें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाय अभोहरताक्षरी के पाच सिचित में किए वा सकीचें (II

श्वच्छाकरणः---ध्तमं प्रयुक्त शब्दों भीर पर्यों का, जो स्वक्त आधिनियम के वश्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा थो उस सध्याय सें दिका गया हैं.€

मन्सूची

जमीन ग्रीर मकान।

ए० कि॰ तालपत्न मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरिक्षण) श्रजैन रेंज, मदुरै

दिनांक: 3-11-1986

प्रकर्ः बाद् ः टीः एकः एकः ---

भागकाञ्च अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) अं अभीत स्थाना

भारत सरकार

काबीलब, सहायक जायकर जाबुक्त (निरीकण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० सं० ए०--197/एक्वि---म्रत: मुझे, डा० श्रीश

वासकार विधिनियम, 196. (1981 का 43) (चित्ते इसवें इसके परवात् 'उनत मधिनियमें कहा गया हों), को भारा 269-व के स्थीन सक्षम प्रतिकारी को, वह विस्तास करने का कारत हो कि स्थानर सभ्यति, विश्वका अचित्र नावाद मरूव 1,00,000/- रा. से निधक ही

स्रौर जिसकी सं० खमरा नं० 141, एस० ए० ग्राम शेखपुर ह्बीबपुर, लखनऊ में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4-3-1986

को प्नोंक्त सन्पत्ति के उचित बानार मृश्य से कम की असमान प्रितिकास के लिए मंतरित की नहीं है और मृत्रों यह विश्वास करने कको का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बानार मृश्य, उसके क्रममान प्रतिकत है, एसे असमान प्रतिकत का बंद्रह प्रतिवान से अधिक है और बंदरिक (बंदरकों) और बंदरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा वया अतिक स, विस्नतिवाद उद्देश्य है उसत बन्दरण किवित में अस्तिक स, विस्नतिवाद उद्देश्य है उसत बन्दरण किवित में अस्तिवक स्व से किथित महीं किया महा है है—

- (क) बन्तरण से हुई जिल्ली बाद की बावत उक्त बिक-रिवब के बचीब कर दोने के बग्दरक के शिवल में जनी करने वा अनुसे बचने में सुविधा के किए। बील्/या
- (व) यूंसी किसी बाथ वा किसी धन वा बच्च वास्तियों की, विन्हें भारतीय नाथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त क्षितियम, दा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के जिएस

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, भक्त अधिनियम की भारा 269 म की उपभारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कथीत्:—
4—376G1/86

- (1) डा० रन्जीत भार्गव।
 - (2) मास्टर श्रमुरूद्ध आर्गेव (नाबा)द्वारा पिता य संरक्षक श्री डा॰ रन्जीत भागेव।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स श्रजय रेलवे गृह निर्माण सहकारी समिति लि०, लखनऊ, द्वारा सचिव श्री एस० एन० लाल सक्सेना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

कुलत सम्पत्ति के अपने के उपनन्त्र भी काई भी बाबोर 🚐

- (क) इस सूचवा के रावपन में प्रकारण की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पद बूचवा की सामीस से 30 दिन की जबिध, को भी क्विच बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस स्वना के राजपत्र में त्रकालन की वारीच से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट- बद्ध किसी कच्य स्थानत द्वारा अभोइस्ताकारी के पात बिबित में किए जा सकोंगे।

क्ष्यक्रीकर्षः — इसमें प्रयूक्त सम्यों भीर पदों का, जो बक्स सिंपिनियम, जो अध्याय 20-क में परिभावित हैं, क्ष्री कर्ष होता, जो उन्न अध्याय में दिवा क्षा हैं हैं

नन्स्ची

श्राराजी खसरा नं० 141-एस ए० पैमार्डसी 14,864 वर्ग मीटर स्थित ग्राम शेखपुर हबीबपुर, लखनऊ और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि नेलडीड व फार्म 37-जी सं० 16494 में विणित है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 4-3-1986 को किया जा चुका है।

डा० श्रीश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, **लखनऊ**

विमांक: 14-11-1986

प्रक्य धाई.ही.इन.एस.-----वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, लखनऊ

लखनक, विनांक 14 नवम्बर 1986

निर्वेश सं० जी० धाई० ग्रार० सं० एफ-13/एक्टि---भ्रतः मुझे, डा० श्रीश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'सकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्त बाजार मृत्य 1,00,000/- ं से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 91, है जो मौजा मदेसर पर० देहात, ग्रमानत जिला वाराणसी में स्थित है (ग्रौर सससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्री ज्रप्ण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनां व मार्च 1986

को पृथेकित सम्पत्ति के लिचत बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक ुं और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के येथि एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्यादिय से कका निम्निलिखन या वास्तिक क्या से किया गया है :——

- (क्ट) अन्तरण से हुई ंकर्सा आय की बावता, उक्क अधिनियम के अधीन कर दीने के अंतरक क दामित्व भी कभी करने या उससे बसने में भूतिधा के सिए; अरि/मध
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा है लिए;

चितः अव, उक्त अभिनियम की भार। 269-ए के अन्भरण दः सै. असत बिधिनियम की भारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिसिस क्रायिद्यर्थे, अधीन ---

- (1) मेसर्स भ्रंसल हाउसिंग एण्ड एसोसिएट (बाराणसी) (श्रन्तरक)
- (2) फ़्रेन्ट्रम सहकारी गृह निर्माण ममिति लि०'वाराणसी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की कार्यभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शहर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाष्ट्रण करी शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति दशारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

शन्सची

प्लाट नं० 9.1, स्थित मौजा निदेसर परगता देहात श्रमानत एरिया 20 बिस्वा वाराणसी, (जैसा फार्म 37-जी में विणित है), िसका पंजीकरण रिलस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी वाराणसी के कार्यालय में किया जा चुका है।

डा० श्रीम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखंनऊ

दिनांक :--14--11--1986 मोहर : **भक्ष शाह**ि दाँ_य पुन_{्य} पुस_{्त} काळा-

भायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निदेश जी० म्राई० म्रार० सं० जे-89/एक्वि--म्रतः मुझे, डा० श्रीम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 13, 114, श्रौर 117, बाला गंज लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 1986।

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यकान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्ये, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भवा प्रतिक्त, शिम्बसिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिचित में बास्तिक क्य से कवित नहीं किया गवा है ■——

- (क) अल्लाइच हो हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने को अन्तरक कें डाविटच के कभी करने या उक्त विभाग में सुविधा की सिप्≱ अदि∕या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिस्तयां का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाता चाहिए वा छिपाने में सुविधा के सिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, राक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नणिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) प्रनुपम सहकारी श्रावास समिति लि० द्वारा सचिव लखनऊ।

(भ्रन्तरक)

(2) जय विशाल सहकारी भ्रावास समिति लि०, लखनऊ द्वारा सचिव।

(भ्रन्तरिती)

की थह सूचना घारी करके पंजीकत सम्मत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उलल सम्पत्ति के मर्जन के शंबंध में काई भी बाक्षण ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए बा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को जन्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया वसा है .

अनुसूची

भूमि खसरा नं 113, 114 श्रीर 117 पैमाइसी 14 बीघा 8 बिस्या 2 बिस्वान्सी श्रीर 2 कन्नवान्सी स्थित बाला गंज, लखनऊ । श्रीर सम्यक्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि फार्म 37-जो सं 102 3 में विणत है। जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लखनऊ के कार्यालय में मार्च-86 में किया जा चुका है।

डा० श्रीम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रें1, लखनऊ

दिनांक: 14-11-1986

प्रस्य बाइ^{*}., टी_ं पुर**् पुर**् पुरु

जायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सुचना

नारत संस्कार

श्रायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्णन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 14 नवस्त्रर 1986 निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० के−170/एक्वि−− ाः मुझे, डा० श्रीण

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 5, 6, है तथा जो विजयीपुर लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजयीपुर लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रितियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन, दिनांक मार्च-86

को पुत्रोंकत सम्पारत के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पाल का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तब पाया गया प्रति-क्य निम्नितियों स्वृद्योग्य है स्वयं अन्यर्थ विक्षित के क्यारिक हम से कवित गर्दी किया प्राप्त किया

- (क्य) मृष्यद्वन से दूर किया बाव की वावत , उपस् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी क्युने या उपसे क्यने में सूर्यक्त. के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार ऑधिजियम, 1922 (1922 का 11) वा अवस अधिजियम, वर्ष धनकार अधिजियम, वर्ष धनकार अधिजियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्दरिती धूनारा प्रकट नहीं किया गंवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के किए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भ्रजीत सिंह।

(ग्रन्तरक)

(2) हाप्णा सहकारी श्रावास समिति लि०, द्वारा सचिव श्री एम० पी० तिवारी, न्यू मार्किट हजरत गंज, लखनऊ।

(भ्रन्तरिती)

को भा सुन्ता आरी करके पूर्वोक्य सम्बर्टित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनस् सम्मृतिस् को नजन् को सम्बन्ध में कांद्र भी बाध्येष्ड--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीरार पूर्वों क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिल के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यकिरणः - इसमें प्रमुक्त खन्यों जीर पर्यों का, वा उपर कीं परिनाकिक ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भ्या ही।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 5, 6 पैमाइसी 3 बीघा 4 बिसवा
15 बिस्वान्सी स्थित विजयीपुर, लखनऊ (जैसा फार्म
37-जी में वर्णित है), जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता
प्रिष्ठकारी लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

डा० श्रीश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ं ग्रजैन रेंज, लखनऊ

विनांक: 14-11-1986

प्रक्य आर्ड्, डी. पुन. एस. -------

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निदेश सं० जी० आई० श्रार० सं० एस०-409/एक्व--

श्रतः मुझे, डा० श्रीश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,09,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 169, 180, 181, 182, 187, 191, 188, 189, 203, स्थित जलालपुर, पर० त० व जिला लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुख्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-कारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मार्च 86

को पूर्विक्स सम्पक्ति के उधित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्सरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निस्ति में गस्तिब्क रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचले में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के उपीप, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती स्वर्ण लता वेवी।

(म्रन्तरक)

(2) समाचार लोक ग्रस्थान सहकारी श्रावास समिति लि० लखनऊ द्वारा श्री सुरेश चन्द्र श्री वास्तव।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अजर्जन को संबंध में कोई भी आक्षण :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बय्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-% में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगस्त्री

भूमि खसरा नं० 169, 180, 181, 182, 187
191, 188 189, 203, पैमाइसी 5 बीघा 2 बिस्वा
15 बिस्वान्सी स्थित जलालपुर, लखनऊ, (जैसा फार्म
37-जी में वर्णित है), जिसका पंजीकरण
रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका
है।

डा० श्रीश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

विनांक :--14--11--1986 मोहर ∔ प्ररूप आहें, टी. एन. एस. -----

काएफर **जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) क**ी भारा 269-क् (1) **के मभीन स्वना**

मारत सहकाह

कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० एस०—410—एक्वि——

भ्रतः मुझे, डा० श्रीम

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट खनरा नं० 258, ग्राम कमता जिला लखनउ लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक मार्च 1986,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चया हित्कस, शिम्निनिसित स्व्यंस्य से उस्त अन्तरण सिध्वित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) शंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उच्च शॉभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कभी कर्रने या उससे बचने में सुविधा क्षे लिए; सौर/मा
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन या बन्य अपिस्तरों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा कै निए;

अंतर क्ष्यः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को जनसरण को, मीं, उक्त जीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीत, निम्नलिसित स्पतिस्ता, स्थिर (1) श्री मेवा लाल।

(ग्रन्तरक)

- (2) सर्वोदय सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा ज्वाइन्ट सचिव श्री नरेन्द्र नाथ सिह। (ग्रन्तरिती)
- (3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

कां यह सूचना आरी कारके प्यक्ति सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्यन्ध में कोई भी बाक्षेप ::----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 जिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीत्र उनत स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किशी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किशे जा स्कींग ।

स्याध्यीकरण :— इसमें प्रयूक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया हैं।

मन्स्ची

प्लाट खसरा नं० 258 पैमाइसी 3 बीघा 1 बिस्वा और 11 बिस्वान्सी स्थित ग्राम कमता लखनऊ (जैंसा फॉर्म 37-जी में है।

> डा० श्रीश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

विनांक: 14-11-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० एस०-411/एक्वि--श्रतः मुझे, ङा० श्रीश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यति, विसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है जो सुलापुर बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से का ब बायशान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान क्रिक्ल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) बार अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया पोतफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में शास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई कियों भाव की बाइंग्न, उक्तर निभिनियम के अभीन कर देने की जन्तरक को यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (य) एसी किसी कार वा किसी धन वा अन्य वास्तिथों को, जिन्हें भारतीय आय-कर जिथिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयन, या धन-कर अधिनायम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं भं सुविधा समिधा के लिख;

बतः जबा, जबत सिंधितवन की धारा 269-ग के बन्दरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-च की उक्त्रारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, संभित्त क्ष---

- (1) श्री नरायन
- (2) श्री राम प्रसाद
- (3) कल्लू

(श्रन्तरक)

(2) सुरेशे शर्मा नगर सहकारी श्रावास समिति बरेली द्वारा सचिव श्री प्रेम प्रकाश शर्मा बरेली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गृक्त करता हुं।

उन्हें उन्होंता के वर्षन के संबंध में कोई भी बालेंग ह--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की सबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हितनवृथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभाष्ट्रताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकति।

स्वष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का जो उन्हा अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाइसी 6 बीघा 11 बिस्वा स्थित तुलापुर क्षरेली (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है), जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी बरेली के कार्यालय में किया जा चुका है।

> डा० श्री श्रीण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दि ांक :--14--11--1986 मोहर :-- प्रक्ष कार्यः दी. एन. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-त्र (1) के जभीन स्थना

माइक क्षडुकार

कार्यात्तव, सहावक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 नवम्बर 1986 निदेश सं० जी० भ्राई० भ्रार० एस—412/एक्सि—— श्रतः मुझे, टा०श्रीश

जायकड़ जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भ्राराजी नं० 289, से 300 तक व नं० 313, से 316 तक, व० नं० 410 से 414, तक बाक बरफखाना लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908

(1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मार्च 1986 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत तम्पत्ति का खिलत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और जन्त-रिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित सद्वेषय से सकत अन्तरण निचित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुदं कियी जाय की बाबत, उक्ट अधिनियम के जधीन कर दोने के जस्तरक के रायित्व में कड़ी करने वा उसमें बचने में बृधिधः के लिए; और/या
- (थ) एंसी किसी भाग वा किसी भन या जन्य जास्तियों की, चिन्हों भारतीय भाग-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग जाहिए था, डिमार्च वो वृष्यभा के निए;

भतः, अन्, अन्त निमिनियम् का भारा 269-म की अनुसरण मो, मी, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री गुलाम रसूल। (श्रन्तरक)
- (2) सहारा सहकारी भ्रावास समिति लि० द्वारा भ्रध्यक्ष श्री मो० मुभान लखनऊ।

(भ्रन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत बम्बरित को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर स्चान की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों थें से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस प्रवास के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति से हितकद्ध किसी बन्स व्यक्ति व्यक्ति क्षांत्र अधानुस्ताक्षरी के भन्न जिल्लात में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 2) के में यथा हरि-भाषित ही, वहीं कर्थ होगा, जो उक्त अध्याव में दिया गया है।

मन्सूची

न्न्राराजी नं० 289 से 300 तक व नम्बरी 313 से 316 तक व नम्बरी 410 से 414 तक में से रक्षा 3 बीघा 2 बिस्वा पांच बिस्वान्सी बार्क बरफखाना लखनऊ।

> ्रेडा० श्रीश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

विनांक :--14--11-1986 मोहर: प्रारूप बाईं.टी.एन.एस.---- (1) 1. श्री की

आयकर अधिनियम, 196। (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

(म्रर्जन क्षेत्र), लखनऊ

लखनउ, दिनांक 14 नवम्बर 1986,

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रांर० सं० टी-46/एसवी०---श्रत: मुझे, डा० श्रीश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात 'उल्ल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 रा. से अधिक हैं

सौर जिसकी सं० प्लाट नं० 182, 183, 184 इरादत नगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाशद अनुसुची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1986। को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिपक्ष के निए अन्तरित की गई है और मुम्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, ससके क्रयमान प्रतिपक्ष के, एके क्रयमान प्रतिपक्ष का पन्तह प्रशिक्त से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरक के निए तय पाया गया प्रति-

क्रम, किम्मिकिट बहुदोग वे उस्त बस्टरण विवित में बास्तु-

विक ≒न से की्चत नहीं किया क्या है ह—

- (ेख) जन्तरक संहूच किसी शाय की वावस्त, शक्त शीवित्रवस के बधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविशा के लिए; शीड़/था
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अभिनियम, का आयकर अभिनियम, कियाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-५ के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 5 — 376GI/86

- (1) 1. श्री कैलाश नाथ, 2. श्री शिवनाथ। (ग्रन्तरक)
- (2) द्रान्त गोंमती सहकारी श्रावास समिति लि॰ लखनऊ द्वारा सचिव श्री डा॰ एस॰ पाण्डेय (श्रन्तिरिती)

को यह सृष्ना जारी करके प्रशिक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यमाहियां करता हैं।

डक्त सम्मत्ति के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र ड-

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विष की अविधिया तत्त्रस्वन्थी व्यक्तिमों वर ब्यान की तासील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्वना के स्वपन में प्रकाशन की शारील वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर कम्परित में हितवबूध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नशोहस्ताक्षड़ी वो पाय निवास में किए या स्केंगे 1.

स्पष्टीकरण : -- इसमें प्रयुक्त भन्दों आर पदों का, जो उनते अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

प्लाट खासरा नं० 182, 183, 184 टोटल एरिया 4 बीधा 8 बिस्वा श्रौर 8 बिस्वान्सी स्थित इरादत नगर लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी व सेलडोड में वर्णितत है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> डा० श्रीण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज, लखनऊ

विनांक: 14-11-1986

नोहर:

प्रकार आहें. ही, एक ध्रमा.

याय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक वायकर वाय्यका (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 14 नवम्बर 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके प्रश्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का ए है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका लिचत बाजार स्था 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौरं िस्मकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो सरोजनी नायडू मार्ग के पीछे, लखनऊ में स्थित है भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिएतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उम्म पाया गया प्रतिकृत, निम्निलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वासाविक रूप से किया गया है :---

- (क) शन्तरण से हुई किसी शाय की वाबत, अक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक अ वाबित्य से कसी कड़ने या उससे बचने में स्थित्र को एए, अदिस्था
- (क) एस किसी बाय या फिसी बन या अन्य जात्तिको की, जिन्हों भारतीय शायकार अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, जा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) छ धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) छ ध्योजनार्थ अंतरिसी व्यारा प्रकट नहीं दिया गढा था या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विका अंदिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण भं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) व कर्¶म, निस्तिवित व्यक्तियों क स्थाति ध—-

- (1) श्रीमती कलिका देवी, श्री मीता कान्त गुक्ला, श्रीजी०के० गुक्ला, श्रीके०के० गुक्ला, श्रीग्रार०के० गुक्ला, श्रीबी० के० शुक्ला, श्रीएल० के० गुक्ला, श्रीमती प्रेम लता गुक्ला श्री ग्रार० के० गुक्ला, श्रीमती क्रुष्णा गुक्ला,
- (2) श्रीमती उमा श्रवस्थी (डायरेक्टर) उमा बिल्डर्स लखनऊ।
- (3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिओंग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति ले अन्त के समध में कार्य भी नाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजएल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या एत्सेंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीब से 30 दिन की अवधि, जो भें अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ला की से भीतर से भीतर से स्थापत होती हो से भीतर से स्थापत होती हो से से सिंग की स्थापत स्थापत स्थापत से सिंग की स्थापत स्
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिसत में किए जा सकारी।

स्याब्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों अर्थर पर्वों का, जा उकत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, पैमाईशा 18000 वर्ग-फिट स्थित मरोजनी नायडू मार्ग के पीछे लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में बर्णित है) ।

> डा० श्रीश मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक 14-11-1986

प्रचम बार्च . ही . एन . एस . ------

मायप्तर विधित्त्रयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निदेश सं० जी० । श्राई० ग्रार० सं० वी—96/ एक्वी ग्रनः मुझे डा० श्रीण,

बायकर आधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उपत अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर िसकी सं० नगर महापालिका नं० एस०-18/38-3, 59 पटेल नगर, प्लाट न० 59, 60 श्रीर 61 पटेल नगर कालीनी सिकरी वाराणसी। में स्थित है श्रीर इससे उपावद्व श्रनुसूची भ श्रीर पूर्ण छप से विश्वत है) रिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय वाराणसी में रिप्स्ट्रीकर श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च 1986,

श्री पृथितित सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृत्रित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच पूस अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्ते अंतरण लिखित में वास्तिवक स्प न करित नहीं किया गया है:—

- (प) अन्तरण प हुई किसी आय का काकत, उक्त अधिनयर के अधीन कर होने के अन्तरक के उध्याल में कभी करने या उससे अधने में स्रोवधा भ म्लए; आर/या
- (स) एँसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्सीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाष्ट्रिए था, खिपाने के स्विधा के प्रसार,

(1) श्री राम बहादुर सक्चेना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उकत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील खें 45 दिन की भविष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविषि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीपत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित मों किए जा सकींगे।

स्थव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कक्दो और पर्दों का, के अवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गता है।

अनुसूची

होटल इन्डिया बिल्डिंग नगर महापालिका नं० एस— 18/38—3,59 पटेल नगर प्लाट नं० 59, 60 श्रीर 61; मग एयर कन्डीभनर्स कूलर्स, फिल फनीशर्स श्रादि स्थित पटेल नगर कालोनी सिकरौल वाराणसी । श्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलंडोड व फार्म 37जी सं०-5023 में विणित है जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी वाराणसी के कार्यालय में मार्च-86 की किया जा चुका है।

डा० श्रीश सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

ल्तः **अव. उक्त आधिनियम, की धारा 26**9-ा **के अन्सरणी** भें, में, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 14-11-1986

मोहर।

ह्मचन नाइं<u>स्टी-यन एक , -----</u> नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निदेश सं० जी० ग्राई० श्रार० सं० ऐैन०-109/एँ म्ब० श्रातः मुझो, डा० श्रीश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाबार मूस्य एतं. 1,00,000/- से अधिक हैं

श्रौर जिसकी भूमि खसरा नं० 28 से 33 है तथा जो बदलर गज लखनऊ में स्थित है ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मार्च 86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खित बाबार भूस्य से कम के स्थानन बित्तक सम्पत्ति के विषत बाबार भूस्य से कम के स्थानन बित्तक का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थानन प्रतिफल से एसे स्थानन प्रतिफल के पंद्रह प्रतिस्त से अभिक है और मृत्ररक (मृत्तरका) और मन्तरिती (मन्तरित से अभिक है और मृत्ररक (मृत्तरका) और मन्तरिती (मन्तरित को मिन एसे मन्तरिक के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नितित उद्देष्य से उक्त मन्तरण सिवित में बास्तिवक रूप के किश्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, या धनकर विचिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था, जिनाने में वृद्धा से विक्:

स्था अव, वर्षा विभिन्न की पारा 269-व वे वन्सरक के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती लक्ष्मी निगम, श्री श्रादित्य मोहन, श्री श्रारविन्द कुमार निगम, श्री मती प्रीत निगम, (ग्रन्तरक)
- (2) नूर सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ लखनऊ द्वारा सचिव श्री एम॰ एच॰ खान
- (3) विकेता। (ग्रन्तरिती) वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु बुचवा कार्री कर्य प्रशिवत सम्मिति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां कृष करता हूं।

- जनत् सम्पत्ति के कर्जन क्षेत्रं कं को को है भी आक्षोप :---
 - (क) इत ब्रूचना के शाखपत्र में प्रकाशन की तारीय थे 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवींथ, वो औ वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वातः
 - (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 विन के शीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी कन्य स्थावत ब्वाय क्योहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे:

स्थळीळरण :- म्ह्सर्गे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को स्थल विधिनियम के बच्चाम 20-क में परिभाषित हूँ, यही वर्ष श्लेषा, जो उत्त वस्माय में दिया बया हूँ।

जन्सूची

भूमि खसरा नं० 28, 29, 30 31, 32,, श्रौर 33 पैमाईसी 9 बांधा 10 बिस्वा, 5 बिस्वान्सी श्रौर 18 कन्वासी स्थित बटलर गंज लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> डा० श्रीश सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन क्षेत्र, लखनऊ

दिनां क 13-11-1986

प्रकार बार्च , टी एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26'-व (1) वें अधीन में सन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायदा आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंग, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 13 त्वम्बर 1986

निर्देश सं० जी०म्राई० म्रार० डब्ल्यू०-- 11/एक्य्/85--86---म्रत: मुझे डा० श्रीश

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूला 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० वी-8/90, वी-8/91 श्रीर वी-8/92 मोहल्ला बारा गर्यस्ट हिंह, सोना पुरा वाराणर्सी में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिश्स्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1905 (1908 कग 16) के श्रिधीन तारीख 10 मार्च, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और भू भे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर भागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उस्त अन्तरण कि सित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की शब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिष्णम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनिष्णम, या धन-कर अधिनिष्णम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिल्माने य स्विधा के लिए।

कतः करः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग 3 अनुसरण रें, मं, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निस्तिक व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

- (1) मैं अजैश्री होटल ापिरिशन वाराणसी, हारा पार्टनर श्री अयप्रकाश गोयल व श्रन्य (ग्रन्तरक)
- (2) मैं ह्वाइट पर्ल्स होटल्स और इन्वेस्टमेंट प्रा० लिमिटेड, वम्बई द्वारा डायरेक्टर श्री गर्नश कुमार गुष्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्भित्त के अर्जन के लिए का बाहिस के के को

उक्त सम्पत्ति के केंबन के पंजप भें कोई भा बालप .--

- (क) इस स्चना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तरमबन्धी व्यक्तियों पर स्चना की जमील से 30 दिन की जबिध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वान,
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पति में हितबद्र किसी अन्य व्यक्ति इनाग अधाहरताक्षरी के पास निर्वेशन में किए जा सकति।

स्वरुटाङ्ख्या व्हलम् प्रश्नास शब्दां और प्रत्य का, जो उत्पर्धः जीवनियम के अध्याय 20 के मी परिभावन हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अन्स्ची

प्रिमिसेस नं० वी-8/90, वी-8/91 ग्रौर वी-9/92 का हिस्सा मय पक्का नया चार मंशिला बना होटल जैश्री विल्डग भूमि ग्रादि । पैमाइशी 10808 वर्ग फीट स्थित मोहल्ला बारा गम्भीय सिंह सीनारपुर वाराणसी, ग्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो किएफार्म 30 जी सं० 88108 ग्रौर ग्रौर सेल डीड में विणित है । िनका हिस्सा 18-3-1986 को किया जा चका है ।

डा० श्रीश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-11-1986

प्ररूप माई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 16/86-87--श्रतः मुझे, टी० गोरखनाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० घर नं० 2-127 है तथा जो चैतन्यपुरा हैदराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन तारीख 24-3-1986
की प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मल्य, उसके ६श्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तीबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (अः) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म का उपधारार (1) अ की किन्सिस्ट व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री पी० लक्ष्मीनारायण मूर्ति पिता श्री पी० वी० सुब्बा राव, घर नं० 2-127, (पुराना नं० 4-32), 5-76, 261, चैतन्यपुरी, गङ्कीम्पनानारम), हैदराबाद ।
- (2) मै॰ भाग्यनगर स्टूडियो , बाई श्री बी॰ रामस्वामी मैनेजिंग डायरेक्टर

रोड नं० 14, बंजारा हिल्स, (टट्टी खाना), हैदराबाद । (अन्तरिती)

- (३) म० भाग्यनगर स्टुडियो प्रा० लि०, बंजारा हिस्स, रोड नं० 14, हैदराबाद, ।
 - श्रीमती बी० सरोजा देवी पति बी० रामस्वामी घर नं० 8→2-402, रोड, नं० 5, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।
 - 3. श्री यिसू रिव पिता श्री कृणय्या, घर न०1-1-79 भाग्यनगर, बिल्डर्स, श्रार० टी० सी० रोड्स, हैदराबाद ।
 - 4. श्री बी० मुरलीकृष्णा पिता रामस्वामी
 - श्री बी० वेंकटष्कुणा पिता रंगास्वामी । घर नं० 5-9-22/76, श्रादर्श नगर, हैदराबाव
 - 6. श्री पी० लक्ष्मीनारायण मूर्ती पिता पी० वी० सुब्बाराव घर नं० 2-127 (पुराना 4-32, 5-76 ग्रौर 2-61) चैतन्यपुरी, हैदराबाद ।

(वह व्यक्ति जिसके बार में अभोहस्ताकरो जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्**च**ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्परित में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिन नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुसूची

खली जमीन ग्रौर घर का भाग नं० 2-127, विस्तीर्ण, 2100 चौ० गण रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1133/85, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी हैदराबाद 8.00.000 रुपए कीमत कन्सीडर करने के लिए लिखित की रूरत है। उत्तर सर्वे नं० 188 कोथापेट दक्षिण 100 फुट रुद रा मार्ग, नं० 9, पूर्व सर्वे नं० 110 गड्डी न्नाराम ग्रौर पश्चिम बी. मुमरली कुष्णा की मीन।

टी० गोरखनाथन, सक्षम प्राधिकारी स् सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-11-1986

> शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 नयम्बर 1986 निदेश सं० भार० ए० सी० 17/86-87-- अतः मुझे, टी० गोरखनाथन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अकत वाँधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8-2-287/11-ए है तथा जो रोड नं० 14 बंजारा हिल्म में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1980 का 16) के श्रधीन तारीख 24-3-1986

का पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरिति यों) के बीच एभे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निलिखत में अस्तिक स्प से किश्त नहीं किया गया है

- (क) विसरण से हुई किसी बाब की बाबता, उपर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविध्य के निष्ट; और/मा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन मा जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा भन-कर अधिनियम, धा प्रकट अधिनियम, धा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गंग गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने मों सुविभा के सिक्;

- (1) मैसर्स भाग्यनगर स्ट्डियोज बाई श्री बी० रामस्वामी मैनेजिंग डायरेक्टर मैं० भाग्यनगर स्ट्डियो ,प्रा० लि०, ग्रौर पार्टनर रोड नं० 14, बंजारा हिल्स, हैदराबाद (ग्रन्नरक)
- (2) श्री पी० लक्ष्मीनारायणा मूर्ति पिता श्री पी० ह्वी० सुब्बाराव घर नं० 2-127 (पुराना नं० 432, 5-76 और 261), चैतन्यपुरी, गडी अन्नारम पंचायत, हैदराबाद-34। (अन्तरिती)

का यह सृचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृरू करता हु।

हक्त सम्बद्धित के अर्बन के संबंध में कोई भी जातीय 🛌

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

परीसर का भाग एम० नं० 8-2-287/11/ए श्रौर सर्वे नं० 129/73, ताटीखन्ना, रोड नं० 14, बंजारा हिल्स, हैदराबाद-34, रहने के घर के साथ ग्राउन्ड श्रौर प्रथम तल के साथ, विस्तीर्ण 4800 चौ० फीट श्रौर 580 गज कौ०, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1133/86 रजिस्ट्रीकृती श्रिधकारी, हैदराबाद ।

टी० गोरखनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्राय्कर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की की धारा 269-घ की उपधार (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 14-11-1986

ுறிற**ிறன். மூன். செலக்க**ை

भागकर किंभिनयस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीत स्थता

पार्व सर्कार

कार्यात्य, महायक आग्रकर पायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निदेश सं० राज०/महा० श्रा०श्रजेन/2704-- श्रतः मुक्षे, सुधीर चन्द्रा

कायक र लिंधिन्यम. 1961 (1961 का 43) (लिसे इसमें इसके पश्चार टिक्त अधिक्षितामें कहा गया हैं), की धार्थ 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 21 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इनसे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारों के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीफरण ग्रिश्रित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 17 मार्च, 1986

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा वर्ष स्थित, और/धा
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर श्रीक्षेत्रियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधितियम, बा धन-कर अधितियम, वा धन-कर अधितियम, 1957 (१957 का 27) के उगोजनार्थ करिरिशं देशाध प्रकर नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्वीवधा के निर्मा,

 अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1)
 अबिन, निम्न्शनिविक व्यक्तियों, अधिक क्---

- (1) श्री बाब्र्यम्यः सन्तेना पुत्र
 शी मुणी राम स्वरूप जी,
 21, मोतीलाल अटल रोड, जयपुर ।
 (अन्तरक)
- (2) मैं० के० पी० होत्डिगज प्रा० लि०, 21/23, धनजी स्ट्रीट, बम्बई-3 । (ग्रन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के हैंगई कार्यन कि हिंगई

तक्त ध्रम्परित को अर्थान् को सम्बन्ध में को**द्दे शी बालीय् :---**

- (क) इस स्वना के रावध्य में प्रकान की तारीय है 40 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स का अवस्थे में दिन्सी व्यक्ति हुवास;
- (का इस सूबन) के राज्यक में शकावन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उच्चा स्थावर सम्पत्ति में हित्ववृध किसी अन्य ज्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्थव्हीक रण: ---इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्वों का, जो उक्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिते हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 21, मोतीलाल भ्रटल रोष्ड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम सं० 859 दिनांक 17 मार्च, 1986 पर पंजीबद्ध विकय पन्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> सुधीर **पन्त**िं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

नारीख : 14-11-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रें जयपूर

जयपुर दिनांक 14 नवम्बर 1986

निदेश सं० राज् ०/सहा०/आ/० श्रर्जन/2705— अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप सेव विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-3-1986

को पूर्व का संपत्ति के उचित बाजार पूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का का एण है कि प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (क शिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल नैम्निलिखित उद्दोश्य में उक्त अन्तरण लिखित में कारिया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

(1) श्री मुकेश पुत्र श्री भंबरलाल शर्मा, निवासी 48, श्रशोक नगर, उदयपुर

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री भंबरलाल पुत्र गिराधारी लाल गर्मा, निवासी 4के, श्रणोक नगर, उदयपुर (भन्तरिती)
- (3) राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिमरलस लि० जयपुर (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्**ची**

प्लाट नं 3, मय मकान मीन वाले सजली मार्ग, उदयपुर जो उप पंजीयक उदयपुर द्वारा संख्या 922 विनोक: 19 मार्च, 1986 पर पंजीबद्ध विकय पन्न में श्रोर विस्तुत रूप से विवरणीत है

> सुधीर **चन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 14-11-1986

मोहरः

THE RESERVE THE PARTY OF THE PA

प्रता आएं ही सह प्रश्न ----

बायक र बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६८७-४ (1) के बधीन संस्था

मारत सरकार

कार्यात्रणः महायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/32487/85-86— अतः मुझे, के० सी० शाह

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात 'उनस विभिनियम' उन्हा वया हैं), की धार 269-स के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, विस्तान जिन्त वाजार मृज्य 1,00.000/- रु. ने अभिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1201, क्वार्टर डेक, अंधेरी (रूप) बम्बई:58, में स्थित है, (ग्रौर इसमें उपाब ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत, है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रिधीन तारीख 7-3-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम से कम दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- भिः अन्तरभ से हुइ किसी लग्ध की धाकर, देवस भीजीयत के नामिन भाव नीते के राज्यपत में वाधिरम में कामी करने का समर्थ रचनों में सुर्थित के स्मार, व्यक्तिस
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी बन या अन्य करतीय काय-कर की शीवका, 1922 की 11) या उत्का किसी बम, 1922 की 11) या उत्का किसी बम, 20 सा-कर वी विजयम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) जे० एस० कापौरेशन

(भ्रन्तरक)

(2, व्हाय० एस० इन्वेस्टमेंट।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सृष्या से राजरण मं प्रकाधन की हारोब से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृष्या की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सपित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाछ निवित्त में किए वा सकोंगे।

पच्छिकरण: — इसमें प्रमुक्त बच्चें और वहां का, को उक्त अधिनिषम के अध्याय 20 के में वीरशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उक्त अध्याय में दिया त्या हैं।

धनुसूची

"फ्लेट नं० 1201, जो बारहवीं मंजिल, क्वार्टर डेक, जयप्रकाश रोड, वर्सोवा, बम्बई-400058 में स्थित है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रारूप बार्च .टी .एन .एस

आयं कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) की मधीन स्वाना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 क्मत्बर 1986

निवेश सं० म्रई-2/37ईई/42488/85-86-- म्रतः मझे, के० सी० गाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त कथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- फ. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैट नं० 1301, क्वार्टर डेंक, श्रंधेंरी (प), बम्बई-58, में स्थित है श्रीर (इसमें उपाबद अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर ब्रिधिनियम की धारा 269 क ख, के अपधीन प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रो है तारीख 7-3-1986,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पुर्वोक्त सम्परित का उच्चित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रति-फब से एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (मंतरकों) और मंतरिती (मंतरितयों) के भीच एसे जंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिस्ति उद्देश्य सं उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- कि) अभारण से हुई किसी अध्य की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अस्तरक कायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/स्य
- (६) एरेसी किसी नाय दा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का \1) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ेख्रपाने में समिधाके सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ::---

(1) जे० एम० कापरिशन

(घन्तरक)

(2) वाई० एस० इन्वेस्टमेंट

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति और अर्चन के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविभि. को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्द्रभ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्ररी के वास निवित्त में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दीं और पर्वोका, जो उक्त भिभित्रमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उस अप्याय में विमा व्यवस्थाः 🗗 🥫

नमस्य

"फर्लंट नं० 1301, जो तेहरवीं मंजिल, क्वार्टर डेंक, प्रकाश रोड, वर्सीवा, अम्बई-400-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम० सं० श्रई-2/37 ईई/32488/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वस्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) \dot{y} प्रजीन रेजि-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 वश्रत्ब 1986

निदेश सं० प्रई-2/37 ईई/32196/85-86— श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लैट नं० 10, न्यू पेराडाई सोसायटी भंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है भीर (इसमें उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है, भीर जिसका करार-नामा भायकर भिधितियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है सारीख 7-3-1986,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-घ क्री उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री घडवैत वही ठाकुर

(भ्रान्त स्क)

(2) श्री मनसूत्रलाल के० शाह श्रौर श्रीमती हुंसा एम० शाह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

"फलैट नं० 10, जो चौथी मंजिल ए विंग, न्यू पेराडाईज को० श्राप० हाउगिंग सोक्षायटी लिमिटेड, 137, एस० वी० रोड, अंबर मिनेमा के पीछे, अंधेरी (प) बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि कि कं सं श्रह-2/37ईई/32196/85-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायु**क्त (निरीक्षण) **ग्र**र्जन **रेंज**-2, **बस्बाई**

दिनांक: 28-10-1986

मोहरः

मक्द नार्' दी ,एन .एस ,------

कायुकर कॅभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ) भारा 269-व (1) के वभीन सुचना

RICE SPEED

कार्यासय, बहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्त्बर 1986

निवेश सं० प्रई-2/37ईई/31746/85-86- अतः मुझे, के० सी० शाह

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रोर जितकी सं० फ्लैट नं० 604, होरायजोन ह्वीयू० अधेरो (प०) तम्बई 6, में स्थित है, ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है, ग्रौर जिसका करार-नामा प्राप्त हर प्रधितियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-3-198

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित अजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का भिष्तुह प्रतिदात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण निवित्त में वास्तिक रूप से क्रियुत्त नहीं किया गया है अन्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय जावकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क कथिविवय, या भन्-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ बन्दरिती व्यास्त्र पुकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा वे हिन्हें।

बतः वय उत्तर विभिनियम की भारा 269-न में बनुसरण में, में, उत्तर विभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के बभीन, निस्नतिथित व्यक्तिकों, बभीत कुर्म (1) मेसर्स के० श्रार० एसोणिएट्स ।

(अन्सरक)

(2) श्री इस्माइल एत० मोसूरी श्रौर श्रीमती बदूनीसा श्राय० मनचरी।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के श्वापत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की जबीं था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सबिध, धो भी विषय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाए।
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा प्या हैं।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 604, जो छटी मंजिल, होरायजोत ह्वीयू । प्लोट नं० 70, सर्वे नं० 91 ए (पार्ट), श्राफ जयप्रकाश रोड, वर्सोवा, श्रधेंरी (प०) बम्बई 400061 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/31746/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वस्बई

दिनांक: 28-10-1986

म्।हर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/32759/85-86-- श्रतः मुझे, के० सी० लाह आगकार के भिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें

इसके परचात् 'उक्ट अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का आरण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

र्मार जिसकी सं पर्लंट नं 7 न्वी, तीरथ मधेंरी (प) बम्बई-58 में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है, भीर जिसमें उपाबद्ध मनुसूची में पूर्व रूप से विणित है भीर जिसका करारनामा भायकर मधिनियम की धारा 269 क, ख, के मधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 7-3-1986,

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यामा।
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास
करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाबार
भूल्य, उसके क्रथमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) कन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ऑभिनियम के कभीन कर देने के जंतरक औ बावित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविक। औ सिक्ष; बाटि∕वा
- (क) एंसी किसी जाब वा किसी थन वा बन्ध बास्तिकों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा 27) के प्रयोजनार्थ वन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ब्रुड वर्ग, उक्त विधिनियन, की भारा 269-ग को बनुतरण वॉ, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को बभीन, निम्नविधित व्यक्तिकों, वर्षात् र— (1) श्री सूहरीय छिबलदास शाह ।

(भ्रन्तरक)

(2) महेशभाई कांतीलाल झवेरी।

(भ्रन्मरिती)

भ्रन्तरिती ।

(बहु व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है,

की यह सूचना बारी करके प्रवेक्त अध्यक्ति के बर्चन के लिंह कार्यवाहियां करता हु² ।

उन्त सम्पत्ति को बर्जन को सम्बन्ध में कोई बाक्षेप अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय के 45 दिश की सबिभ या दल्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आंधी अविध बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस शुक्रमा के राजवन में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के शीसर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य स्थानत ब्लारा अभोहस्ताझरी के पास् सिश्चित में किए जा सकेगें।

स्थाकरण: -- नसमें प्रगुक्त जब्बों और पर्वों का, बा स्थान विधिनियम, के अध्याद 20-के में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस संध्याय में दिन नम है।

वगुस्ची

"फलट नं० 7—बी, जो तीरथ 34, नल्लूभाई पार्क, टी० पी० एस० 6, श्रधेंरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा की करु सं० ग्रई-2/37ईई/32759/95-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वार दिनांक 7-3-1986 को रजीस्टड किया गया है।

> कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बर्फ

दिनोक: 28-10-1986

प्ररूप आहर्.टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 28 श्रवत्बर 1986

निर्डेश सं० श्रई-2/37ईई/31187/85-86— ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 17, श्रोशिवरा विलेज,
जोगेश्वरी (प) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अअ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरभ में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) बेचूसिह देवगरनसिंह, रखानी धनसिंह बेचूसिह श्रौर संभाजीत सिंह बेचूसिह । (ग्रन्तरक)
- (2) हफी जी कन्स्ट्रकशन । म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूधना के राअपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गुध्य परिभा-हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

जनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं 0.17, सी 0.210 एस 0.7 नं 0.429, 0.430, 0.431, 0.

श्रनुसूची जसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/31187/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

प्रकृप आहुँ ही एग एस . -----

नामकर मीधीनसन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सुवना

भारत वरकार

कार्यासय, तहायक सामकर आयुक्त (निर्देशक)

म्पर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई 2 दिनांक प्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० प्राई०-2/37 ईई०/32419/85-86-- ग्राह्म मुझे, के० सी० शाह

जायकर जिथिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अथीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्ठास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से जिथिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-62, सी पर्ल, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इस्से उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख तारीख 7-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहीं हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके करवमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिचत से आभक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तब बाया गवा प्रतिकल, जिल्ली विचत में वास्तीवक क्य से कथित नहीं किया गया हैं ए—

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-फिल्म के अभीन कर दोने के संसरक के सायित्व में अभी अपने या उससे बचने में कृतिभा के लिए; और/मा
- (च) एंसी किसी जाम या किसी भन ना बम्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभनियम या भनकर जीभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंबरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियानों में स्पैनभा के लिए;

जतः जय, उन्त जीधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) वे वर्षान्_{तः} निम्मचिकिक व्यक्तिकारी, वस्ति क्रमार (1) श्री राजेन्द **मा**र० छापेवाले ग्रीर श्रीमती णुभलक्ष्मी ग्रार० छापवाले ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गणेश वी० पाटील सौर श्रीमती वस्सला जीं० पाटिल।

(मन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त तस्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिकत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्माच्यीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगर जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० बी-62, जो सी पर्ल बिल्डिंग, सी० एस० नं० 1076 आफ जे० पी० रोड, वर्सीवा, श्रन्धरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 28-10-1986

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जामुक्त (मिरीक्रण)

शर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० प्राई०-2/37 ईई०/31047/85-86--प्रतः

मुझे, के० सी० शाह

शांग कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5-ए, धन रत्न ध्रपार्टमेंट, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगित हैं), और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1 मार्च, 1986

का पर्लोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और बंतरिक (बंतरिकों) और बंतरिकों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कप के कथित नहीं किया गया है दे

- (फ) अन्तरण से हुई जिसी नाय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें बाजित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/शा
- (छ) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों करें. किन्द्रें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नंगकर अधिनियम, या नंगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में मविधा खे सिए:

भतः अनः, उन्नर नीभिनियम की भारा 269-ग की अनुनरण भी. मीं उन्नर अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन निक्तिमित व्यक्तिमी, नर्जीत क्यान्ति। 7—376GI/86 (1) मैसर्स म्यू इण्डिया कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री हरशद पी० शाह और श्री पोपट लाल एच० शाह।

(जन्सरिती)

का यह स्वता वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्थन के सिम् कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्कान की नामीन में 30 दिन की अविध, वो भी जविध धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति वृद्धारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवष्ध किसी जन्म स्यवित द्वारा कभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए या सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को कपद अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषिक है, नहीं अर्थ हाँगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नगत्त्रची

पलैट नं० 5-ए, जो धन रत्न अपार्टमेंट, सी० टी• एस० नं० 131, 131(1) से 131(8), आँफ अयप्रकाश रोड, भैरदावाड़ी, श्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 श्राई०/31047/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, **सम्बर्ध**

तारीख: 28-10-1996

प्रकृत कार्च , टी. एन. एस. बन्नबन्ध्यन्य

भायकर विभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीत स्थना

माउव वरकार

कार्यामय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षक)
प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर 1986

निवेश सं० द्याई०-2/37 ईई०/31007/85-86--द्यतः मुझे, के० सी० शाह

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ग्रह्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आजार मृत्य

1,00,000/- रतः से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2-ए, धन रत्न श्रपार्टमेंट, श्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया है है

- (क) अभ्यारण संहुर्च किसी बाग कर्तुं बाबसा, अवल अधिनियम के लेपीन कार योने के अंतरक अर्थ कांधित्य में कामी कारने या उग्रस्ते वचने में स्विधा के सिए, और/धा
- (स) होती किस्ती बाब वा किस्ती थन या बण्य सास्थिती की, जिन्हों भारतीय आवकार ऑपिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार श्रीपनियम, 1957 (1957 का 27) की प्राप्तियमी संतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में मिकिए।

जतः अब. उक्त विधिनियम की धारा 269-भ के, अनुसरण भैं, बें, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चे विधीन, निस्निसिचित व्यक्तियों क वर्जाब् डिस्स (1) मै० न्यू इण्डिया कन्स्ट्रवशन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री पोपट लाल एच० माह और श्री सेवन्ती लाल पी० माह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुए।

सकत सम्परित को बर्जन के सस्बन्ध में कोई भी वारूप - ---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 बिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तित्या पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी ब्रह्मीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यार्थः
- (क) इस सुकना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबद्रव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उन्हें जीधीनयम, के जध्याय 20-क में परिभाषित् गया है।

धनुसूची

पलैट मं० 2ए, जो धन रत्न श्रपार्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 131, 131 (1), से 131(8), श्रॉफ जय प्रकाश रोड, भारदावार्ज््ध श्रमधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई०-2/37 ईई०/31007/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (िरीक्षण) ध्रर्जन रेंज--2, **यम्बर्ध**

तारीख: 28-12-1986

वर्ष्य अहर . ट्री. पुत्र . पुत्र . पुत्र

आधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना अधिक सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर 1986,

निर्देश सं० म्रई--2/37ईई/31048/85-86---म्रतः मुझे के० सी० शाह,

काधकर अधिनयस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसम

और जिसकी सं० फलैट नं० 5, धनरत्न श्रपार्टमेंट, श्रधेंरी (प), बम्बई 58, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है,) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1986

को प्रोधन सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कोरण ही कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकत का पन्यह प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त कि ज़िम्मा जीवत उद्यंक्य से स्वत बन्दरण निचित्त में बास्तिक स्था से स्वत बन्दरण निचित्त में बास्तिक स्था से स्वत बन्दरण निचित्त में बास्तिक स्था से कथित नहीं किया व्या है है

- (क) अन्याप्ता स हुआ किली नाम की बाबत, उपन् जियों नगम के जभीन कर योगे के जन्तपक के अपिश्व में कमी करने वा उससे जभने में सुविभा के लिए; जीर्/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी जन वा जन्य वास्तिकों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या वन्त्रस्र न्द्रभिनियम, 1957 (1957 रूप 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती हुवारा प्रकट नहीं किया जवा था वा किया जाना वाहिए था, जियाने के वृत्विका के विस्तु

कतः वव, अक्स विधिनियम, की भारा 269-मृ सै वन्दरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-मृ की उपधार (1) के अधीन, निम्निलितिक व्यक्तियों, अर्थात् ।—

- (1) मेससं स्यू इंडिया कस्न्ट्रकशन कंपनी।
- (भ्रन्तरक) (2) श्रीमती स्मिता बी० शाह और श्री नरेन्द्र एम० शाह।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बूचना बारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति औ वर्षन हो किए कार्यनाहियां करता हुं।

बन्द सम्पत्ति के बर्बर के प्रम्यन्य में कोई भी आसीप 2--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्त व्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास शिसात में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम अं अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है

मन्सू ची

"फ़लैंट नं० 5, जो धन रत्न ग्रपार्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 131, 131 (1) से 131 (8), आंफ जयप्रकाश रोड, भारदावाडी, ग्रधेरी (प) बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31048/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-0-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) **शर्जन रेंज**-2, बम्गई

विनांक 28-10-1986 भोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस . -=-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० धर्६-2/37ईई/32663/85-86--- छतः नुके के० सी० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का जारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग एफ - 23/24, ओशिवरा, अधेरी बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रमूस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा प्राय कर प्रधितियम की धारा 269 क, ख, के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 7-3-1986, को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितयों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कामी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

बतः अव उस्त संभिन्यमं की भाषा 269-व में समुख्यन में, में, उस्त संभिन्यमं की भाषा 269-व की उपभाष (1) में सभाव, निम्नतिविध कवित्वां, संबंधि क्र--- (1) प्रवीन भन्द्र पी० भोधवानी और महेश एल∙ धोलाकीया।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष कुमारी ग्रग्नवाल और ग्रनिल कुमार श्रग्नवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"बिल्डिंग एफ-23/24, जो ओशिवरा विलेज, प्रधेरी] बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-2/37ईई/32663/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

मोहर 🛭

प्ररूप आई', टो. एन. एत.-----

बायकर ब्रॉथॉनवन, 1961 (1961 का 43) की भारत सरकार

(0-0--

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 28 अवत्यर, 1986

निर्देशसं० ग्रई-2/37ईई/32664/85-86:—-ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उनत जॉर्धालगर' ध्या गराही, की धारा 269-व के बधीन सदार प्रश्वितारों के यह पिरनास करने का कारण है कि स्थावर अन्योग. जिसका लाधा बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से जीवक है

श्रौर जिसको संख्या विक्षित एक 21/22, श्रोशियरा, श्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है (क्षोर एको उपायस श्राह्मची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के श्रक्षीन हुना प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ही है, तारीख 7-3-1986।

में दुर्घोदर संस्पत्ति हा सम्बद्ध गारतार पूजर न जार की राजधान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विध्वास करने का कारण हैं कि क्या पालमा गार्की हा मिलत बाजार दुन्य, उपके दस्मान भी कारता था, एक अन्तरित भी शायल का अन्द्रह प्रक्रियत से की कही जोर आज (१०११) की श्रामिती (अन्दर्भित अपन) के कि स्थाप की कि स्थाप की स्थाप शितफार की सम्मानकित गुंदक की क्ष्मा कि कि कि सिक्स में सक्तिक रूप से का स्थाप नहीं विभावती है के

- (क) करवस्य से हुन्हें विक्ती नक की बावध अक्त करिक विक्रम से अभित्र तर प्रेंग के कर्ताक के दाविस्त में कर्मी करून या करते करने में कर्तका के विद्या और/क
- श्री किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भागीय अस् अर श्रीभिनियम, 1922 (1972 अर्थ किसी था किसी था अर्थ अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोष-अर्थ अस्ति। प्रति के अर्थ प्रति के विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विद्या,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिंखत ब्यानिक 1. श्री प्रवीत चन्द पी० ग्रोशवानी

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सन्तोशकुमारी ग्रगरवाल ग्रौर श्रनिलकुमार ग्रगरवाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए जयवर्शक्ष करता है।

उन्ह सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में बतेहाँ भी वास्ते :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वर्वीध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी समिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थातर सस्पत्ति में हित-क्ट्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पात लिखित में किए पा सकीमे।

स्पब्योक्यरमः — इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्दों का, को अक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में जीरमा कर हूं, बढ़ी अर्थ होगा, को उस अध्यान को उत्तर यक्ष, हो।

बन्स्ची

बिल्डिंग एफ 21-22 जो श्रोणिवरा विलेज, श्रम्धेरी बम्बई में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/32664/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

प्रकम बाह्र , टी., एव .. एव .-----

भावकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) हाउँ भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत बहुकार

काश्रसिय, सहायक बायकर शायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूवर, 1986

िट्या सं० श्रई-2/37ईई/32377/85-86:—श्रत मुझे, के० सी० णाह,

मायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने जा कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

जिसकी मंख्या पलैंट नं० 901—बी, संजीव एनक्लेब, प्रायंरी (प०), वम्बई—58 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबंब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायंकर अधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 7 मार्च, 1986।

को भूबोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापुर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृष्य-मान प्रतिकृत से, एसे रुष्यमान प्रतिकृत का पन्दह प्रतिकृत से बाधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरितिधा) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निष्क-लिखित उद्वाध्य से उदर अंतरण लिखित में बास्तिबिक रूप स कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप को बाबतः, उक्त बीधिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के शिथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिपा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी भाग वा किसी भन या अध्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा भा या किया जाना शाहिए था छिपाने में जिन्नी से निए;

सतः सब, उस्त विभिनियम की भारा 269-ग के वन्धरण वं, बं सक्त विभिनियम की भारा 259-व की उपभारा (1) के वशीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्भात्:— 1. मै॰ नेशनल बिल्डिंग कारपोरेशन।

(मन्तरक)

2. श्री भ्रसमानली भूमता ग्रमली।

(श्रन्तिरती)

को नह स्थना बारी करके पूर्वोक्त स्थाति के नर्पन है निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी वाश्रीप है---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीना शे 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों का स्वता की तामीन से 30 विन की नविथ, वां भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराह
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीब ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरुवक्ष किसी कन्य व्यक्ति स्वारा वभोहस्ताक्षवी के पास समित संक्रिय जा सकींचे।

स्वच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त कन्यों जीर वर्षों का, जो सबस जिथितियम को जभ्याय 20-क में परिश्लिक ही वहीं जर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिदा गमा है।

बन्द्धी

फ्लैंट नं० 901 बी, जो संजीय एनक्लेब भ्रपार्टमेंट, नवमी मंजिल, वर्सोवा, जे० पी० रोड, अन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/32377/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्ज रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रह्म आई टी.एन.एस.-----

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

को धारा 269 घ (1) के अधीन स्थात

भारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजीज रेंज-2, बस्यई

बम्बई, विनांक 28 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० श्रई 2/37ईई/32462/85-86:— श्रत: मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा १६० य के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर मण्यति, जिसका उधित बारार मृल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या पर्लंड नं० 701-धी, संजीव एनक्लेब, प्रपार्टमेंट, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-3-1986

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्यार्वे) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुए किसी बाय की बायत उपत अधि-प्रियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसमें बला में मिनिया के सिए; और/वा
- (स) ध्यी किसी बाब या किसी भन वा अन्य आस्तिवों की, विन्हें भारतीय वाब-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या वब-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए था, जियाने में स्विभा वे किए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरः को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) में स्थीत, निम्निशियत व्यक्तियों संधित अ---

1. मैसर्स नेशनल बिल्डिंग कारपोरेशन।

(प्रन्तरक)

 श्री एस० सी० बोहरा श्रौर श्रीमती प्रेम बोहरा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृथाँचल सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्ष करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त म्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास उत्पादन में भिष्ट यह सक्षेत्र

स्पन्धिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त मीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वहीं वर्ध होंगा को उस्स अध्याय में विवा गवा है।

प्रवासी

प्लेट नं० 701, बी. जो सातवीं मंजिल, संजीव एनक्लेब भ्रपार्टमेंट, वर्सोवा, जे० पी० रोड, श्रन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क सं० ध्र $\frac{5}{2}$ $\frac{2}{37}$ ईई $\frac{32462}{85}$ $\frac{86}{9}$ धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक $\frac{7}{3}$ $\frac{3}{1986}$ को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० **शाह,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज--2. **सम्बर्ध**

तारीख: 28-10-1986

वस्त बार, की देन देन देन

भाइतर बॉर्चारणम. 1961 (1961 स्न 43) की भारा 269-२ (1) जे बर्गान स्कृता

FIRM BEATS

er is evan neut aniet (ferbeit

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 28 ग्रक्नुवर, 1986

निर्देश सं० स्रई-2/37ईई/32422/85-86:-- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

कामकर किन्यम, 1961 (1961 का 43) किसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त सिपिनियम' बहा गया हैं), की धारा 269-क के बारीन सक्षम प्राधिकारी नो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसना उचित बाजार मूल्य 1.6 40 / रा. ते अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 101 से 106, रूप ग्रपार्टमेंट, ग्रीशिवरा विलेज, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है)ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 6-3-

को उन्तत्त सप्पणि के इचित बाबार सन्य से कम के स्वयमान बीतपान के निगर अन्तरित की गई है और मुमें वह विश्वास रूप का प्रारण में कि प्रथापनीवत सम्योग का बीचन बाज़ार प्रार्थ के प्रार्थ की गोर्थ क्रम्यम पृत्रिक्ष का प्रार्थ की अपित है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरित्यमें) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया शितफ स रिस्निसिस समुद्रित से स्वयु सन्तरम विविद्ध में सर्वाया रूप से स्वित नहीं किया गया है :--

> (क) बल्लरक में हुई किसी बाध की बावन, उक्त लिलियम के लंपीन कर दोने के बल्लरक के पालिल में कभी करने या उसने बचने में ब्रिजिधा

> को. जिस्ते भारतीय आपकार अधिनयस शास्त्रियों को. जिस्ते भारतीय आपकार अधिनयस 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) वे वसंद्रमार्थ कर्जरिती द्राप्त सकट नहीं किया परा गा वा किया आणा घाडिए था क्यान्ते में वर्षिका वे किया

्र के कि विषयिम की भारा १६६ म वे अन्तरक के जन्म अधिनियम की भारा १६० म की व्यापना (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स डी० पी० कन्स्ट्रवशन्य को०।

(भ्रन्तरक)

 श्री महाद्र पांखागार क्या जोगी (वेस्टर्न जनरल होस्पीटन)।

(श्रन्तरिती)

को यह मुख्या धारी करके प्रतिस्त स्पत्ति के वर्जन वी जिए कायवाहिया उत्तः हो।

उस्त सम्पत्ति में करंग ते बस्पत्य में करेहें भी बाहांप्र-

- (क) इस गुबरा है गुलाह में इकावन की नारीब हैं गारित में पर बकार की पानील में दुर दिन की सर्वाध को भी कर्मात बाद में समापत होते हो, से भीतर प्रांचित स्वित्तारों हो ही दिनी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मानता ने मानाज में नवाज को कारीस से 45 वस में जी जिला का प्रशीप में हिनवर्ष किही कर को के प्रभाग, वशोहरवाक्षरी के शर निश्चित में किए का मर्केनी

स्थव्योकरण:—हमानै पर्वत शब्दों और पदों का, बौ उक्त अभिनियम: हि सम्मान 20-वा में परिभाषित को को स्थान का का अस्पान में विद्या

मन्स् ची

पलैंट नं० 101 से 106, जो रूप श्रपार्टमेंट, इमारत नं० 1, श्रोशियरा दिलेज, गोडवन्दर रोड, बम्बई में स्थित है। श्रमुसूची कि क सं० शई-2/37ईई/32422/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बचाई हारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी; महायक ज्ञायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 28-10-1986

क्ष्म बाहे .टी .**एन .एस** .----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की कि कि 252 269-म (1) के अधीन सूचना अस्त सरकाय

धार्थात्रयः, सहायक **बायकर बायकत (निरक्षिण)**

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तुबर, 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/31046/85-86:--- ग्रत मुझें, के० सी० शाह,

कायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-व को अधीन सधाम अधि आसी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- म. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सख्या 3-ए० संख्या फ्लैट नं० धन रत्न श्रपार्टमेंट श्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है)श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है,) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की क्षारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 1-मार्च, 1986

को प्लोपित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान मितकार को निर्म किनारित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने या कारण में कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसको स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का त्वह प्रतिकृत ने जीवक हो और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जंतरितियों) की बीच मृत्ये अंतरण के लिए तय पाया अया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक स्पे से कथित नहीं किया नया है क्

- (क) बृत्तरण से हुइं किसी बाय की वावत, उक्त व्याधीनयम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में क्या करने या उसम बचने या सुविधा के लिए;
- हों। विद्या जाय या किसी धन या कृत्य आस्तियों कर कार्य कार्य

अतः अव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-व की अनुसरण हैं, भें ाकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन . निम्मृलिखित व्याक्तियों, अर्थात् :—
8 —376GI/86

1. मैसर्स न्यू इण्डिया कन्स्ट्रवशन कम्पनी

(ग्रन्तरक)

2. थीमती रागीनी बेन ए बोरा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के विक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ह—

- (क) इस स्पना के राजपक में प्रकारन की साहीय थे 45 दिए की अविधि या तत्त्वन्ती व्यक्तियों प्र स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, थे। श्री अविध लाद में समान्त होती हो, के भीत्र प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) ्स स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाक लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उपक अधिनियम के लध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुर्ग कर्स होगा, को उस अध्याय में दिया गढ़ा दिन

बन्सूची

फ्लैंट नं० 3 ए, जो धन रत्न अपार्टमेंट, सी० टी० एस नं० 131, 131(1) से 131(8) आफ जयप्रकाश रोड, भारवावाडी, अन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है। अनुसूची जैमा कि क सं० अई-2/37ईई/31046/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० **शाह,** सक्षम प्रा**धिकारी,** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 स्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं॰ ग्रई-2/37ईई/33122/85-86:-- ग्रतः मुझे,

के सी० शाह,

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० ए-14, रामझरोखा, श्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 21 मार्च, 1986।

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त कि रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उभत नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) दोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उछत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति देती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269 थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निर्लिशत व्यक्तियों, अर्थातः :-- 1. श्रीमती उर्वशी वी० पारीख

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती इंदीरा दिलीप शाह ग्रौर श्री दिलीप जशवन्तलाल शाहं

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए का जाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० ए-14, जो रामझरोखा बिल्डिंग, एस० वी० रोड, भ्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/33122/85-86 श्रौ जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप नाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर (निर्देशक)

श्वर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/32437/85-86:-- ग्रत: मुझे, के० सी० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट तं० 702 बी, संजीव राष्ट्रवलेंव, श्रधेरी (न), बम्बई-58 में स्थित है (श्रोर इसमे उपाबह प्रतुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विश्वत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-3-1986 ।

कार प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय काया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्विश्य से उसत अन्तरण किक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया हैं

- (क) अन्सरण से हुई किसी आब को बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचाने में स्विधा दायित्व के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय का किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आया कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 वर 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः

1. मैसर्स नेशनल बिल्डिंग कारपोरेशन।

(प्रन्तरंक)

 श्री रमेश एच० मखीजा श्रीर श्रीमती सपना श्रीर० मखीजा

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पुत्रोंक्त सम्मिक के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत नागति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मार्शप :--

- (क) इस स्वात के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) दी स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीवर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किनी अन्य क्यांबित द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे

स्पष्टीकरण: - इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषिष ही वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गमा है।

अनुसूची

परौट नं० 702 बी, जी सातथी मंजिल, संजीव एनक्लेब श्रमार्टमेंट वर्सीवा, जे० पी० रोड, श्रन्धेरी (प०), बम्बई~ 400058 में स्थित है।

श्रमुजूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/32437/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रिजस्टई किया गया है ।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, नहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

ास्थ बार्'छ दोउ १विड १विड ≈ ३।३ - ३०

कारक ह विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की शाह्य 269-म (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रिक्तूबर, 1986

निदश • म्रई-2/37ईई/31033/85-86:-- म्रतः मुझे; कै॰ सी॰ शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 3-बी, धन रत्न श्रपार्टमेंट, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करार-नामा ज्ञायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1986

की प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कार्यमान हिंकि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ल बाजार मृत्य, श्वाके क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एं हे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त क्षिपियम से क्योंन कर देने के बन्दरक के क्षिप्त में कभी करने या जससे बचने के जिल्हा के जिल्हा क्षेड/मा
- (क) एसी जिसी बाब वा किसी धन वा जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा

अतः अभ , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मनिखित व्यक्तियों , अर्थात् हु—

1. मैसर्स न्यू इण्डिया कन्स्ट्रवशन कम्पनी

(ग्रन्तरक)

 श्री प्रफुल भाई एच० शाह ग्रौर श्रीमती निरन्जना पी० शाह।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति की वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की .तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 3 वी श्रौर कवर्ड पाकिंग स्पेस 3 बी, जो धन रत्न श्रपार्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 131, 131(1) से 131(8) श्राफ जय प्रकाश रोड, भरदावाडी, श्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/31033/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रस्प बार्ष .टी.एन.एस.=====

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) माँ भारा 269-घ (1) के नधीन सूचना

भारत सर्वार

कार्यालय, सहायक गायकर गाय्वत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई बम्बई, दिनांक 28 ग्रिक्तूबर, 1986

निर्देश सं अई-2/37ईई/31360/85-86:-- ग्रतः मुझे, के॰ सी॰ शाह,

बायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्क्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या फ्लैंट नं० 6 ए, धन रत्न ग्रपार्टमेंट, ग्रन्धेरी (प), तम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबड ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 5-3—1986।

की पंधित निर्मित के उचित वाणार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मान्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- 'स) सर्कारण में हुई किसी साग की बावत, ाक्त अभिनियम के अधीन कार येंग के अधारक के दाक्तिया कभी करने सा उपसे दचने में सृविभा दें किए; और/सा
- ह) एसी जिल्ही आप था किसी धन रा प्रय आश्वियों की, जिल्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अर्तारती द्वारा प्रकट तहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुविधा के लिए;

जत: जब, उंबस मधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण हों, में, उनत जीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हो सधीन के विम्लिसिस्ट व्यक्तियों के सभाव है—— 1. मैसर्स न्यू इण्डिया कत्स्ट्रवशन कम्पनी

(ग्रन्तरक

2. श्री गुनवन्तराय सी० शाह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास निर्वित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

पलैट नं० 6, ए जो धन रत्न श्रपार्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 131, 131(1) से 131(8), श्राफ जय प्रकाश रोड, भारवदावाडी, श्रम्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० भ्रई-2/37ईई/31360/85-86 और जो सक्षम प्राधिकरी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 28-10-1986

मक्य बार्च . टी , एवं , एवं , न्यान्यक

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वर्धीय स्वात

माउठ एउटार

कार्याभय, सहायक बायकर बायकत (निर्धाक्त)

श्चर्जन रेंज-2, वस्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० ग्राई-2/37ईई/31032/85-86:-- श्रत मुझे, के० सी० शाह,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं.

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 4 ए, धन रतन अपार्टमेंट, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1986।

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

है कि यथापूर्णकर सम्पत्ति का कारण है कि यथापूर्णकर सम्पत्ति का काषण सामार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ते, एसे दश्यमान प्रतिफल ते, एसे दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिश्वत से जिभक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के निर्मत्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिल उद्यदेश से उन्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिक में कभी करने या उससे बचने में सूधिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धः भन-कार अधिनियम, धः भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) सं प्रयाजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट तहीं किया क्या या या किया बाना बाहिए वा क्याने में मुविधा के विष् ।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मैसर्स न्यू इण्डिया कन्स्ट्रवशन कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती लीलावती डी० भाटिया

(ग्रन्तरिसी)

को वह सुचना जारी कारक पृथिक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त संपरित के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपित से दित्मध्यप्री स्वित्तरों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अपित, जो भी स्वित्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जोक्त स्वित्वर्गों में से जिसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीन में 45 दिन के भीता जाता ग्याप्य मम्बद्धि में दिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अवीहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकांगे।

स्पट्टोकरण:——इसमे प्रयुक्त सन्त्रों और पदों का, जो जबत अधिनियम, को जध्याय 20-क में परिभाषित इ, बही अथें होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

धनसन्दी

पलैट नं० 4-ए, जो, धन रत्न प्रपार्टमेंट, सी० टी० एस नं० 131, 131(1) से 131(8), क्रांक जयप्रकाश रोड; भारदावाडी, शन्धेरी (प), वस्पई-400058 में स्थित है। श्रानमुची जैमा कि क सं० श्र ξ -2/37ईई/31032/85-

श्रनुसूची जमा कि के से० छई-2/37६६/31032/85-86 और जो नता प्राक्षितारी, बन्दई प्रारा दिनकि 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2,वम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रकृप बार्ड. ही. एन. ए**र्ज**ा अवकारकारकार

बावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की वार 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तुवर, 1986

निर्देश सं॰ ग्रई-2/37ईई/31358/85-86:- ग्रतः मुझे, के॰ सी॰ शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिपकी संख्या फ्लैट नं० 1 ए, धन रत्न अपार्टमेंट, अन्बेरी (प०), वन्बई-58 में ल्यित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 5-3-1986।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाए कृष्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिफल के क्षिक है बीर अन्तरक (अन्तरका) कीर कन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एरे अन्तरक के क्षिए हम संबंध यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से स्वत कन्तरक लिखन में वास्तविक क्ष्य से क्षिय स्वीं क्षिया गया है:---

- (क) अन्तर्व ते तृष्ट् रिक्रमी बाब की बावत उपय विच-मियन के बधीन कर दोने के बन्तरक के विविश्व के कभी करने या उसके वधने में सुविधा के किए; की./*।
- (क) ऐसी किसी आय या किसी थन या क्यू वास्तियी को, जिन्हों आरतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या थन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचन नार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थवा था या किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के

लतः जन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

- 1. मैसर्स न्यू इण्डिया कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (धन्तरक)
- श्री यशवन्त राय ग्रार० शाह और श्रीमती सूर्याबेन व्हाय शाह (ग्रन्तरिती)

की वह बुचना बारी करके पूर्वीक्य सम्मास्य के अर्चन के जिल्ला कर्मवाहियां करता हुंगू।

उपत रम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र है-

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिए वाद में समाप्त होती हो, के मीत्र प्रकेश व्यक्तियों में से किसी कांचित द्याख:
- (श) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबस्य किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास सिसिय में विसर् या स्थोंने ।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रवृक्त कन्दों और पर्य का, की उक्त विभिन्नम के अध्याद 20-क में परिश्राविष्ठ ही, वहीं वर्ष होता, को उस सध्याद में दिया नवा ही।

अनुसूची

पलैंट नं० 1-ए, जो धन रत्न ग्रपार्टमेंट सी० टी० एस० नं० 131, 131(1) से 131(8), ग्राफ जय प्रकाश रोड, भारदावाडी, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र सं० श्रई-2/37ईई/31358/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड िया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2,वस्बई

(तारीख: 28-10-1986

प्रकार बाहुर . सी. हाम . एक् .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का को की की कार 269-व (1) के अधीन स्वर्

नारत सरकार

कार्याक्षय, तहारक बायकर बायूक्त (निर्देशक)

प्रर्जन रेंज-2,बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 भ्रष्त्वर 1986

सं॰ श्रई-2/37ईई/32273/85-86:~- श्रतः मुझे, के॰ सी॰ शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम माधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिल, जिसका जीवत बारार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे० नं० 25, हिस्सा नं० 4, जोगेण्यरी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्द्री है, तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्वमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके वृश्यमान प्रतिष्ठन से, ऐसे वृश्यमान प्रतिष्ठत का पश्चम प्रतिच से प्रशिष्ट है बीच कन्तर (जश्त करों) और जश्तरिती (ज्ञम्बरितियों) के बीच पेंध जन्तक के सिए तय पामा यया प्रतिफल, जिम्बलिखित उद्देश्य से जनत सम्युरन जिल्लात में बास्त्र विष्ट एप से लिखत नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण वे हुइ किसी आप की बाबता, जनक वीधिनयम के बधीन कर योगे के जन्तरक वे बाबिटन में कमी करने या जससे बचने में स्थिधा वे निए; बांद्र/का
- (क) एकी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं जिल्ला गया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विज्या की जिल्हा वार/वा

अतः श्रव, उनत विधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मी, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिचित व्यक्तियों, वर्णात् म्—

- 1. मैसर्स हिरानन्दानी इण्डस्ट्रियल एन्टरप्राइसेस (अतन्दक)
- 2. मैसर्स श्राणित कन्स्ट्रक्णन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पृशीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यनाहिमां सुरू करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासेंप ह---

- (क) इस स्वना के स्वपन में प्रकावन कों तारीच है 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के ताजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए- बद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए था सकेंगे।

स्पव्योक्तरण :----इसमें प्रयुक्त चन्दों बीर पदों का, जो अवच विभिन्नमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं क्ष्में होगा जो उस अध्याय में दिया ं बया ही।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे० 25, हिस्सा नं० 4, सी०टी० सर्वे० नं० 385, 386, विलेज मोग्रा, जोगेश्वरी, बम्बई में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37ईई/32273/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, मक्षम प्राधिकारी, महाय श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)^{र--} श्रर्जन रेंज--2, **बम्ब**ई

विनांक: 28-10-1986

इंक्यू कार्युं हों . एक . एवं . ------

नामकर निर्मित्रम, 1961 (1961 का 43) की पाद भारा 269-भ (1) के समीन स्प्रता

भारत दरका

कार्याज्य, सहायक नावकर नावृक्त (निर्धाक्य)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 धक्यूबर, 1986

सं॰ श्रई-2/37ईई/32313/85-86:-- श्रतः मुझे, के० सी॰ शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 82890 वसोंवा, ग्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रिधीन सक्षम ग्रायधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूक्य से कम के करणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उन्नके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिस्त से क्षिक है बौर अंतरक (अंतरिकों) और अंतर्ति (अंतरितियों) के बौच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया नया प्रतिफल निम्निसिस उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिक रूप से किया नया है:---

- (क) वंदापण से हुई किसी बाय की बाबझ, सक्त विधिनवंत्र के वधीन कार दोने के बंदारक के दायित्व में कमी कारने वा उससे वचने में सुविधा के किए; बीर/वा
- (क) एसी किसी नाम मा किसी भन या बन्ध बास्तियों की, विनद्दें भारतीय जामकर विभिन्नमन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भक्तः भव, क्वत विधित्यम की धारा 269-न से बब्बास्य में, में, उकत विधितियम की धारा 269-च की उपभारः गि) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9—376GI/86

- मोहन लाल बासुदेव सिगीटिया और भ्रन्य (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स शांती इन्वैंस्टमेंटस्

(मन्तरिती)

को बहु चुचना चारी काउके पृथींक्त कम्मीत के वर्षन के बिह् कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन ने सम्बन्ध में कोई। भी बानेप :----

- (क) इस त्यना के राज्यन में प्रकाशन की तारींक वें 45 दिन की अवधि या तत्त्रंवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यधि, जो भी वक्षीण बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवबर्ष किसी अन्य स्थावत इवारा, अथोहस्ताकरी के पाद सिचित में किसे वा सकों ने।

रन्व्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सक्यों नीर पर्यो का, वा उन्ह विविध्य के नध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया क्या है ।

वर्ष्यं

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे० नं० 82, 90, सी० टी० एस० नं० 1074,1074/1, 1074/2, 1074/3,1074/4, 1074/5, वर्सोवा, भ्रन्धेरी, बम्बई में है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-2/37ईई/32313/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिन क 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर द्यायुक्त निरीक्षण), स्रार्णन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप भाइं.टी. इन. एस. -----

मैसर्स ओमेगा एन्टरप्राइसेस।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स सिण्डीकेट बिल्डर्स।

(भ्रन्तरिती)

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालयः, सहायक बायकर बायकः (निरौक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 अक्तूबर, 1986

सं० श्र $\xi-2/37$ $\xi\xi/32737/85-86:--$ श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- का. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या एस० नं० 109 बी -2 (पार्ट), 36 पार्ट), अन्धेरी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 7 मार्च, 1986

को पूर्वोक्त संपित्त के उनित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शिवकत के निष् अन्तरित की नदं हैं और मुखे कह किनात करने का कारण है कि नपाप्नोंकर क्यांति का उनित वाधार मृत्य, उनके अवमान प्रविक्त के एवे अवनान प्रविक्त के पण्ड प्रविक्त के निषक हैं जीर बंडरक (अंबरकों) और बंबरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्वदेश से उन्त अन्तरण लिखित में में बास्तविक रूप से कांश्रत नहीं किया गया है ----

- (क्ष) अन्तरूप से हुर्च किसी बाव की वावत, उक्त विभिन्तिया के अभीन कर दोने के अन्तरूप के दार्थित्व में कभी करने वा उससे अपने में मृतिभा आर/या
- (क) एंसी किसी बाय ना किसी धन ना नन्स शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ध्वारा प्रभट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, डिस्टार्थ में सुविधा चै किए।

अतः अब, उत्तर अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण भें. में, अक्त अधिनियम की धरण 269-ग की उपभारा (1) के अधीम, पिस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष- को यह त्या जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिख्न कार्यवाहियां करता हो ।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो भी जन्मि बाद में समान्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अभिनियम के अध्याय 20-क में पर्शावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वस है।

नन्स्ची

जमीन का हिस्सा, जिसका एस० नं० 109—बी, 2 (पार्ट), 36 पार्ट), एच० नं० 1, 2, 4, 5, 6, 8, 9, सी० टी० एस० नं० 2(पार्ट), 5 (पार्ट), श्रांबियली, वीरा देसाई रोड, श्रन्धेरी बम्बई है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/32737/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रकृष् शाह^{*}ः ही. युवः युवः, सम्मन्तरम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्कालय, महायक वायकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1986

सं० प्रर्ह-2/37ईई/31855/85-86:—- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें प्रवाह 'उदत विभिन्नियम' कहा गया हैं), की भाष 269-व के बभीन स्थान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- के से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या सी० एस० नं० 78/5, 78/6, श्रन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 5 मार्च, 1986

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबक, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के व्यक्तिक को कवी करने या उत्तर के के लिए: और/या
- (थ) देशी किसी बाध वा किसी वन वा अन्य बास्तियः को, जिन्हें भारतीय अप कर का भिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धमकर अधिनियम, पा धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरितं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए या स्थितने में सुविधा से निए;

श्वाः वथ, उन्तरं सीयीनवन की भारा 269-व में अनुसारक में, में, उन्तरं नीयीनवम की भारा 269-व की उपधारा (1) के नभीन, निस्मसिक्ति व्यक्तिकार वर्षात् हो--- श्री प्रमीला रामचन्द्र मंत्री, जयकुमार एस० नाईक और कुम्ब डी० दांडेकर

(अन्तरक)

2. मैसर्स एम्पायर बिल्डर्स एण्ड डेक्लपर्स

(अन्तरिती)

3. प्रन्तरक और भाडोन्नी

(वह व्यक्ति, जिस के भ्र<mark>ाधभोग</mark> में सम्पत्ति हैं)?

को वह ब्रामना चारी करके प्यास्त संपत्ति वे वर्षन के विवस् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में काई भी वास्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीज वें 4.5 दिन की सर्वाध मा तत्सम्बन्धी स्थानत्यों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्थानत्यों में से किसी स्थान्त द्वारा,
- (क) इस सूचना के शामपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य श्र्यक्ति, व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अभी होगा को उस ियाय वें दिला गवा है।

अन्स्**ची**

जमीन का हिस्सा जिसका सी० एस० नं० 78/5, 78/6, भ्रन्धेरी, (प०), बस्बई है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31855/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज⊶, अम्बई

दिनांक:

ावन नार्<u>च की प्रमुख्य हुन । अ</u> स्थल

बावधर मृथिवियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के व्योग स्वना

भारत चर्चार

कार्यासय, बहायक भावकर वास्त्रय (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर, 1986

सं॰ ग्राई-2/37ईई/31216/85-86:- श्रत मुझे, के॰

सी० शाह,

नावकर निर्धानसम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वस्ता परकात 'उक्त निर्धानसमें कहा पदा हैं), की भाष 269-व के नभीन कक्षण श्रीपकारों को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

- और जिसकी संख्या तल मंजिल और बेसमेंट, रूप ध्रपार्टमेंट, क्षोशिवरा विलेज, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप विजत है), और जिसका करार-नामा ध्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-3-1986
- को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उभित्त बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उजित बाजार कृत्य, उसके व्यमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अवंदितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिकात, निकासिवात उद्योगों से उनत अन्तरण निवात में भारतीयक रूप से काया नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबस्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (का) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के विधा;
- ्कें अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) कं अधीन, निक्तिविय अधिनायों, क्यांत ह—

1. डी० पी० कन्स्ट्रक्शन कं०

(ग्रन्तरक)

2. डेवलपमेंट को०-ग्राप० बैंक लिमिटेड

(श्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा वधाहरताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकोंगे।

स्था के स्थाप के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याप 21 के परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याप में विका गया है।

अनुसूची

तल मंजिल, और बेसमेंट जो रूप ग्रपार्टमेंट, ओशिवरा विलेज, ग्रन्धेरी बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि सं० ग्रई-2/37ईई/31216/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक 2-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रॅंज−2, बस्बई

तारीख: 28-10-1986

प्रका वार्<u>डे.टी.</u>एन..एत----

भाशकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कश्यितिय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मन्तूबर, 1986

स॰ ग्रई-2/37ईई/31148/85-86:- ग्रत: मुसे, के॰ सी॰ शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सख्या सर्वे नं 149, सी टी एस 1328, वर्सोवा विलेज, बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाध्य भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 2 मार्च, 1986

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीमिचित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण कि चित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण वे हुई किसी बाब की बाबत उक्क बीधीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्व आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिक्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री रामचन्द्र जं० नाईक

(ग्रन्तरक)

2. मैसस तोलाराम एण्ड को०

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके प्योंक्त सम्परित के अर्जन के शिए कार्यवाह्यां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्भी

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे० नं० 149, सी० टी० एस० न० 1328, वर्सीवा, विलेज, प्रन्धेरी, बम्बई है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-2/37ईई/31148/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी; सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

प्रकृप बार्च, दी. एन, एक,-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

शाउद संरक्षां

कार्यातय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1986

सं० प्रई-2/37ईई/32138/85-86:- अतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परकार 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वत्म करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या शाप नं 3 बी, 4, 5, 6, 7, 8, द्रायका शापिंग भ्रारकेड, भ्रन्धेरी (प०) बम्बई—58 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है,) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान ब्रितिफल के निए बन्तरित की गई है बरि मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित मों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुद्धं किसी आय की बाबत, उत्तर अभिनियम के अभीन कर सेने की अन्तरक के स्वयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के स्विद्ध; बीर/या
- (क) एती किसी बाब या किसी भन या अन्य अन्तियाँ को फिल्हु भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कत थव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री रविन्द्र माबू श्ररासा

(ग्रन्तरक)

 श्री शांतीलाल रतीलाल शाह और श्री त्शार छोटालाल जोशी

(श्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)!

को यह सूचना जारी करक पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ट ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

वन्त्रुची

शाप नं० 3—की, 4, 5, 6 7, 8 जो तल मंजिल, ट्रायका शापिंग श्रारकेड, सी० एस० नं० 457, 457/1, 457/4, एस० पी० रोड, श्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/32138/85-89 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, प्यम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण,) भ्रजीनप्रेज-2, बस्बई

तारीख: 28-10-1986

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर, 1986

सं० श्रई-2/37ईई/32637/85-86:-- ग्रत: मुझे, के० सी० शाह.

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा नया हैं), की वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार अनुव्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी संख्या 70 प्रतिशत ग्रविभाजित भाग, एम० नं० 11, वसींवा, अन्धेरी, वम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, जारीख 7-3-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध्र— श्री जोसेफ लूईस ऋडो श्रौर मोती श्रडना केडो

(भन्तरक)

2. डीलवेल इस्टेटस् प्राइवेट लिमिटेड

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तत अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा 70 प्रतिशत श्रविभाजित भाग, एस० नं० 11, एच० न० 4, सी० टी० एस० नं० 1245, यारी रोड, वर्सोवा, श्रन्धेरी बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/32637/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० भाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रका वार्षः दी, दनः एव ु------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर (निर्देशिण) ग्रर्जन रेंज-2, णम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

सं अर्ह-2/37ईई/32016/85-86:— श्रतः मुझे, के कि

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त किंपिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० टी-6-903/1003, संजीव टावर, वसींवा, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, गम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5 मार्च, 1986

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकस के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्त्य, उसके दश्यमान प्रतिकस से, ऐसे दश्यमान प्रतिकस का बन्द्रह् प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिकस, निम्नलिखित उद्वेष्य से उसते अन्तरण बिश्वित में वास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्यारण वे हुई भिन्नी जान की, नामक, जनते विभिन्न के अभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में अभी करने या उससे वचने में सुविभा के सिद्ध; और/सा
- (क) क्ती जिली बान ना किसी वर्ग ना अन्य आस्तिनों को विन्हें भारतीय वानकार अभिनिन्नन, 1922 (1922 का 11) ना उनत जिलिनान, ना धन-कर अधिनिन्नन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृज्ञारा प्रकट नहीं किया गना भा ना किया जाना चाहिक मा, कियाने में सुविधा नेतिका;

सतः अव, उस्त समितियम की भारा 269-न के अमृतरण में, मी, उस्त अभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मैं संजीव बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(ध्रन्तरक)

2. ग्रोरीयटल इनवेस्टमेंट ।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना पारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अचीन के जिस् कार्यपाहियां करता हूं।

रक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी नाकीप :---

- (क) इस मुचना के राज्यण में प्रकाशन की सारीच है 45 दिन की अंबिंध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर पूचना की सामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इसस्वास के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 विन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोद्दस्ताक्षरी के अंच लिखित में किए का सकींगे।

स्यष्टिकरण: — इतमें प्रयुक्त कच्चों और पर्यों का, जो उचक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिवस कवा ही अ

प्रनुसूची

पलैंट नं० टी-6/903/1003 जो संजीव टावर नं० 6, बेहम बाग, सी० टी० एस० नं० 32 (पार्ट), भ्रोशिवरा विलेज, वर्सोवा, भ्रन्धेरी (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37ईई/32016/85-86 घौर जो सक्षम प्राधिकरण, बम्बई द्वारा विनांक 5-3-1986 को रिजस्टई किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 28-10-1986 .

मोहर.

प्रकृष आर्च. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रमस्बर 1986

सं० श्रई-2/37ईई/32017/85-86:-- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अपूरण है कि स्थानर संपरित, जिसका उजित नाजार मृत्य 1,00,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लैंट नं० टी० 6-703/803, संजीव टावर, वसींवा, श्रन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-3-1986

को पूर्विक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को शहममान प्रितिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का अगरण है कि सथापूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल बे बन्तह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तव बाबा गया प्रतिकल, निम्निसित उद्देश्य से उच्त बन्तरण जिल्लाक के सिए तव

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (१९५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुकिध के लिए;

अतः अब, जब्दं अधिनियम को धारा 269-ग के अन्यरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---10---376GI/86 1. संजीव बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. ग्रोरियेंटल इनवेस्टमेंट

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्षन के किए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति को कर्बन को सम्बन्ध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वधि, को भी विषय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस सूचना के राज्यण में प्रकाशण की सारीच से 45 दिन के बीलड़ उक्त स्थावर संपत्ति में हिड़-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के यास सिवित में किए वा सकोंगे।

क्लक्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्दों और वदों का, को उपक विधिनिवर्म-के अध्यास 20-क में पीरआर्थिट हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्यास में निक्षः गया हैं।

वन्सूची

फ्लैंट नं० टी० 6-703/803, जो, संजीव टावर नं० 6, बेहाम बाग, सी० टी० एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोणिवरा विलेज, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि अरु० सं २ श्रई-2/37ईई/32017/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा विनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 28-10-1986

प्रकार कार्यः, सी. ध्या. एवा. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-अ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर वाय्यत (रिंगरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

सं० धर्-2/37ईई/32019/85-86:---ग्रतः मुसे, के० सी० शाह,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की भारा 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00 000/- रा. से अधिक ही

घौर जिसकी संख्या सर्वे नं० 34, हिस्स नं० 1, जोगेश्वरी, (पू), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष ग्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्राय-कर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 5 मार्च, 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमाध्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विध्वास् करने का कारण है कि यथापर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का बन्नड प्रतिफत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीं (अंतरितीं को बीच एमें स्थ्यमान के निए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किन्दी नाम की बाबत, तक्स जीभीनबम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्न में कमी करने या उससे बचने में सूविधा खेकिए; सीद/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 की 11) या उन्त अधिनियम, या एक अधिनियम, या एक किस अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. मैसर्स झाकृति एण्ड गोयल रीयल्टरस

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती मंजू एन० गुप्ता

(भ्रन्तरिती)

3. म्रानिल कुमार मगरवाल

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन स्थान के रायपत्र के प्रकाशन की तारील वें
 45 दिन की कविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य क्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के वास विविध में किए वा सकोंने।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे० नं० 34, हिस्सा नं० 1, सी० टी० एस० नं० 176 (पार्ट), जोगेश्वरी, (पू॰), बम्बई में है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/32019/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 28-10-1986

प्रकृप भार्, टी. एन. एस. ------

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, 28 दिनांक प्रक्तूबर 1986

सं० ए० म्रार० 2/37 जी-3880/मार्च 1986:—मतः मुझे, के • सी० शाह,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एसमें एसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का अदिण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबाद मृख्य (,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जमीन का हिस्सा, एस० नं० 143, सी० टी० एस० नं० 44, वर्सोवा विलेज, बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 क16) के श्रधीन, तारीख 18-3-1986

की पूर्वे किया सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास के रने का कारण है कि प्रथापविकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के नीच के एसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; और/भा
- (का) एंसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा भा निष्

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण वे, मी, अक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन,, निम्ननिधित स्पक्तियों, अधीत ह— श्री किशन चन्द टीकम चन्द जावा, प्रेम चन्द के० जावा, ग्रशोक के० जावा, श्रीर राजेन्द्र के० जावा

(ग्रन्तरक)

2 देवासाकायम दासन

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन: के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के वें 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी स्पित्तवाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूकें कर जिस्ती में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ध्य सुम्मना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी व वं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के बात निकास में किस जा सकति।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिर है, बही अर्थ होग। जो जस अध्याय में विका गया है।

अनुसुची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस-2975/83 श्रीर उप रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 18-3-1986 की रिजस्ट \mathbf{s} किया गया है।

के० सी० माह, सक्षम प्राधिकारी सहायक धायुक्त धायकर (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 25-10-1986

प्रस्य बाह्", टी . एव .) एव . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत बरकार

कार्यातम, तहामक भायकर भाग्नत (निरीक्रण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर 1986 सं० ग्नई-2/37ईई/32540/85-86:--- ग्नतः मुझे, के० सी० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26;9-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्झ 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 1, वहन बिल्डिंग, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण ह्वप से विणत है) (ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 6 मार्च, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिमियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिर्ए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: मब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के जनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता :--

1. श्री मदन मोहन नचीजा

(भ्रन्तरक)

2. डा० हुमांगा दोरबजी नागपुरवाला

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक्ध किसी जन्म अ्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रमक्त शब्दों और पदों का, जो अध्न अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित ही, वहीं अर्थ होंगा कर उस्त अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1 जो छठवीं मंजिल, वरून बिल्डिंग, 1054, जे० पी० रोड, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400068 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० मं० श्रई-2/37ईई/32540/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−2, बम्बईा

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप भाइँ., टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज के अभीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

सं० ग्राई-2/37ईई/32080/85-86:--- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 926, 926/1, 926/2, वसींवा, ग्रन्थेरी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाश्रद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-3-1986

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से एसे द्रश्यमान प्रतिकल का चंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्तविक स्प से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के िलए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुप्तरण मो, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तिशिक व्यक्तिस्यों, अर्थात् ६——

- भैसर्स ग्रुप हाउसिंग डेवलपमेंट कारपोरेणन। (श्रन्तरक)
- 2. भैसर्स सोनल लैंड डेंबलपमेंट नारपोरेशन
- 3. पेडनेकर और श्रन्य

(वह व्यक्ति, जिसके श्र<mark>धिभोग</mark> में सम्पत्ति है)।

4. श्रीमती मन्दाकिनी डी० नारवेकर

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितब**द है)**

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनबुध किसी अन्य व्यक्ति ह्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० न० 926, 926/1, 926/2, वर्सीवा, राम मन्दिर, रोड, श्रन्धेरी, बम्बई है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/32080/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रिजस्टई किया गया है।

के० सी० **शाह,** सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैंन रेंज-2, **बस्ब**ई

दिनांक: 28-10-1986

ाक्य बाई 👸 दी 🤉 एन . एस . ------

भायकर विभिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) जी विभीत सुजना

भारत सहकाड

कायसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 भ्रक्तूबर 1986

सं० ग्रई--2/37ईई/31382/85--86:---- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

नायकर निर्धानसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या डाक्टर क्लीनिक, वश्वीन ग्रपार्टमेंट, वर्सोवा, बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1986

का प्रवासन मपीतन के जाचित बाजार मूल्य म कम के रूष्यमान अतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के शियल्य में कमी अपने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्ध बास्तियों को, चिन्हुं आरतीय बायकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हरू विधिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नत: नंद, उक्त विधिनियम की धारा 269-व वाँ वनुतरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स एन० जे० बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती उषा गिरीश तलबाङ्कर और गिरीश बसन्त तलबाङ्कर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चं 45 वित्र की अवधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तितयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्य किसी अन्य स्थावत स्थारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकती।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त नायकर जिभिनियम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नधीं होगा को उस नध्याम में दिवस गया है।

जम्सूची

डाक्टर का क्लीनिक जो पहली मंजिल, वर्ग्यीन ग्रपार्टमेंट, बी॰ बिल्डिंग, प्लाट नं॰ 9, एस॰ नं॰ 67, सात बंगलोज, जे॰ पी॰ रोड, वर्सीवा, बम्बई-400061 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-20/37ईई/31382/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब ईद्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 28-10-1986

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां क 28 श्रक्तूबर 1986

सं · श्रई-2/37ईई/32379/85-86:-- श्रतः मुझे, के · सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्न इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- स्त. से अधिक **ह**ै

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 401, देवाशिश, श्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रन्सुची में और पुर्ण रूप से वर्णि है), और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-1986 को पर्वोक्त सभ्यत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के अध्यमान प्रसिक्त के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मत्ति का अचित वाबार बुश्य, इसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल अ बंब्रह अतिबात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब गाया गया प्रति-कन निन्तिसित उदहेश्य से उस्त संतर्भ लिखित में अल्लिकिक इन्द्र में कथित न**हीं किया गया है द**—

- (का) अंतरण से धुर्द किसी जान की बावत, उक्त बधिनियम के बधीन कर दोने के क्रामरक के बाबित्य में कभी कारने वा उससे वचने में श्रीक्रभा चे लिए: और/या
- (बा) एंसी किसी बाव या किसी भन या वन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय जायकर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर रुधिन्यिक, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ बन्सरिती बुबारा एक्ट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था छिपाने में सविधा के लिए

क्सक भव, उक्त विधिनिवम की भारा 269-ग के बनुसरक भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

1. श्रीमती जया ओम प्रकाश काकवानी

(ग्रन्तरक)

2. श्री भीमजी भाई डी० पटेल और श्री शीवा लाल डी० पटेल

(ग्रम्तरिती)

को यह स्वान बारी करके प्रविकृत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सक् करता है।

जमत संपत्ति के बर्जन के संबंध में कार्ड भी लाइपेप .---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिशिक्त न किए आ अकरें।

स्पल्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहां अर्थ होगा, को उस अध्याय में क्षिका गया है।

नन्स्ची

फ्लैट नं० 401, जो, चौथी मंजिल, देवाशिश, धन्धेरी बम्बई 400058 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० भ्रई—2/37ईई/32379/85— 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी. सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप आइं. टी. एन. एसः.----

अरायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

सं० ग्र $\mathbf{f}-2/37$ ईर्ह/32771/85-86:—– ग्रत: मुझे, के० सी० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या एस० नं० 90, (पार्ट), वर्सोबा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 7-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से ऐसे रूपयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है हू—

- (क) अन्तरण से हुर्च किसी आय की अवस्त, उक्द नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कसी करने या उससे अवसने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. फजीला महमद इक्राहीम

(ग्रन्सरक)

2. मैसर्स डी० पी० कनस्टुक्शन को०

(भ्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूपत शब्दों और पदों का, जा उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मादिया गया हाँ।

मनुसुची

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे० नं० 90 (पार्ट), हिस्सा नं० 1, 2, सी० टी० एस० नं० 1097, 1097/1, 1097/2, वर्सोवा, श्रन्धेरी (प), बम्बई में है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37 ईई/32771/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह; सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन र्रेज-2, अम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप आई.टी.एई.एस.-----

गामधर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) में सभीन स्पना

भारत चरुकार

कार्यालब, महायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/31870/85-86---श्रतः

मुझे के० सी० शाह,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित बाबार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 553, 553/1, 2, श्रधेंरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्राथकर श्रधिनियम की धारा 269 क $\frac{1}{2}$ ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 5-3-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदृत से अधिक हैं को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किश्वत नहीं थिंश्या गया है हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शास्त्र में कभी करने वा स्टूस वचने को सुविधा के विष्; दौर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा करिता.

शतः अवः, जनतः अधिनियम की धारा 269-गः के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के शर्धानः जिल्लालिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 11—376GI/86 (1) श्रीमती जवेरदास मथ्रबाई ग्रागर।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स कालिदी कन्स्ट्रकशन को०।

(अन्तरिती)

(4) भाडोन्नी।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके प्यक्तित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त सम्पृत्ति के अर्थन के भश्वन्य मा की ६ भा जाका प :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में संकिसी व्यक्ति द्वाहा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार निकित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

''जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 553, 553/1, 2,150 स्वामी विवेकानन्द रोड, ग्रधेंरी (प) बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31870/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अस्थई

विनांक: 28-10-1986

प्ररूप माइ. टी. एन. एस. -----

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालरः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रम्तूबर 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/33146/85-86--ग्रातः

मुझे, के० सी० शाह,

णामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 48, हिस्सा नं० 1, प्रधेरी (प) बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है क्षारीख 25-3-1986

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का जारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उम्के रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित रह्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कुए से किथा नहीं किया गया है:---

- (क्क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, छक्त नियम के रूपीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 /1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:—- (1) मेसर्स एक्मे एसोसिएटम।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्म मुरन इन्टरप्रायगेस।

(भ्रन्तरिति)

को यह सूचना अ।री करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षंप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हम्ताक्षरी के पास सिसित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियमः, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ शृतेग जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 1092 1092/1 से 1092/16 सर्वे नं० 48, हिस्सा नं० 1, वर्सोवा, ग्रधेरी (प) बम्बई में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा की क० सं० ध्रई-2/37: $\xi/33146/85-86$ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज--2, **ब**म्बई

दनांक : 28-10-1986

ोहर :

एक्य नाइं, ठी. एन, एस ,-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्द, विनांक 28 श्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० श्र $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{3}$ \frac

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह

और जिसकी सं० फलैंट नं० 11, स्वर्णा, सान्ताक्रुज (प) बम्बई 54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) (और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के, खें, के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 28-3-1986 को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रं यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्येंक्ति मंपिति का जावत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकार) अर बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्निविद्य से अक्त कन्तरण निश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाता :--- (1) कावेरी कारपोरेशन।

(मन्तरक)

(2) मेसर्स श्रग्नडेल कन्स्ट्रकशन प्रायवेट लिमिटेड। (श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सैं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिसमें पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति दिवतमों में हैं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर पूर्वीक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्भ किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदेश गया हैं।

बन्द्रभी

"फलैंट नं० 11, जो पहली मंजिल, स्वर्णा, वेपेल लेन, सान्ताक्षुज (प), बम्बई 400054 में स्थित है। ग्रनुसूची जैंगा की क्र० सं० ग्रई-2/37ईई/31307/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० **णाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रकृष आर्च ,टी ,एन .. एस .. -------

वायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 259-म (1) ने स्थीन स्वना

नारत तरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986 निर्धेश सं० श्रई-2/37ईई/31315/85-86--श्रतः मुझे; के० सी० शाह,

भायक श्विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-धा को अधीन सक्षम श्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फलैट नं० 3, श्राशिश सोसायटी, सान्ताभुज (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-3-1986

को पूना बित सम्मित के उचित बाबार मुन्य से कम के क्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरबे का कारण है कि बनाप्योंक्त सम्मित का उचित बाजार ब्रुच, इसमें क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पेड़् प्रतिस्त से अभिक है और जन्तरक (जंतरकों) और जन्तरिती (क्यारितियाँ) के बीच एसे ब्यारण के निस् तब पामा क्या वृत्तिका, निक्तिविद्य उद्देश्य से क्या ब्यारण विविध में वास्त्रिक स्प से कथित नहीं क्या नवा है अ—

- (क) अन्तरण ते हुद् किसी नाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिम्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः. उत्तर विधिनियम की धारा 269-ग रे, बन्सरण जै, जै, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की रुपथारा (1) के अर्धाम, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्धाम् :---

- (1) श्री प्राणजीवन एम० मेहता।
- (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स एम० जे० बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड। (श्रन्तरिती)

न्ये यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उअत रापित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी व्यक्ति व्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टोतरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्**यी**

"फलैंट नं० 3, जो श्राशिश को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी 51/सी, एस० वी० रोड, सान्ताकुज (प) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क्ष० सं० श्र $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{3}$ $\frac{1}{3$

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/31302/85-86—-म्रतः मुझे, के० सी० शाह,

भायकर णांधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 31, विला काप्री० सान्ताकृज, (प) बम्बई-54 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 21-3 1986

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम कं दश्यमाम प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिभंत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उत्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) गुर्गा किसी अप या किसी घट या अन्य आग्निजी को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-भ के अनुसरण भें, मैं, उन्न अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. मैसर्स सैलेश कारपोरेशन

(ग्रन्तरक)

2. श्री मूर्ली वाधवा श्रौर श्रीमती मधु वाधवा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया दया है।

ग्रन्यूची

फ्लैंट नं० 31, जो तीसरी मंजिल, विला काप्री, प्लाट नं० जे 4, गजदार स्कीम, बल्लभभाई पटेल रोड, सान्ताऋज, (प०), बम्बई 400054 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि क सं० स्रई-2/37ईई/31302/85-86 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-86

मोहर 🖫

प्रस्प आहार टी एन एस . ------

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-में (1) से बधीन सूचना भारत ग्रंथकार

कार्यास्य, सहायक कायकर साम्बन्ध (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्धई

बम्बई, दिनांक 28 अन्तूबर 1986

निदेश सं० स्रई-2/37ईई/31293/85-86—-श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाखार मृस्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 401, रीगल श्रपाटेमेन्ट, सान्ता-कूज (प०), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रांर जो पूर्ण रूप से बिंगत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, की धारा 269 क ख के अश्रीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजर्म्ट्रा है दिनांक 1-3-1986 को पृत्राक्त सम्पर्ता के जोदल बाजर मूल्य म स्म अं क्ष्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्अ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उधित बाजर मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिवित उद्बोस्य से उसत अंतरण जिल्ला में वास्तिक स्प से किमत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ब) एंनी किसी बाब जा किसी भन या बन्य बास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त शिनियम, या भनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया बाना बाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

मैसर्स रिवराजर्स कन्स्ट्रक्शन्स।

(मन्तरक)

2. मैसर्स मिडटाउन कन्सल्टंसी।

(म्रन्तरिती)

कां यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हु।

उन्नत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई" भी मासीप :---

- (वं) ६स स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन की अविध सा तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति गुगराः
- (क) इस सूचना को राजपत्र मी प्रकाशन की तारीका में 45 दिन को भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति मी हितन्रव्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी को पास निवित्त मी किए वा सकींगे।

स्पर्धांकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जा उसर अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता व उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

फ्लैंट नं० 401, जो चौथी मंजिल, रीगल श्रपार्टमेन्ट, प्लाट नं० 4|ए, सी० टी० एग० नं० 56, टी०पी० एम० 2, एस० बी० रोड, सान्ताऋूज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क सं० श्रई-2/37ईई/31293/85/86 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2,बस्बई

दिनांक: 28-10-86

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . -----

are and included by

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर 1986

निदेश सं० श्रर्ड-2/37ईई/31292/85-86—- ग्रनः मुझे, के० सी० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 402, रीगल श्रपार्टमेन्ट, सान्ताकूज (प०), बम्बई-54 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-3-1986

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के झिए तय पाया गया इतिफल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है दे—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्त: क्षव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों. मों. उक्षत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलि**क्षित व्यक्तियों अर्थात्** —— 1. मैसर्स रविराज कन्स्ट्रक्शन्स।

(मन्तरक)

2. मैसर्स साई बाबा टेक्सटाईल्म ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस स्वानः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

फ्लैंट नं० 402, जो चौथी मंजिल, रील भ्रपार्टमेन्ट, प्लाट नं० 4/v, सी० टी० एस० नं० 56, टी० पी० एस० 2, एस० वी० रोड, सान्ताकूज, (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/31292/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-3-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 28-10-86

प्रक्रम सार्थः ती एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, धम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० ग्रर्ह-2/37ईई/31291/85-86—ग्रन: मुझे, के० सी० शाह.

आगास्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पर्षेट नं० 303, रीगल ग्रपार्टमेन्ट, सान्ताकूज (प०), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्द्री है दिनांक 1-3-1986

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक हैं और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :—

- (क) तताण से हाई किसी अप्तय की बायत, रक्त आधिनियम के अभीव कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी यन या अध्य आनित्र थों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

ज़त: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अमत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्धल, निम्नलिखित ध्यक्तिसों, अर्थात् :— मैममं रिवराज कन्स्ट्रक्शन्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बोनी कपूर श्रीर श्री संजय कपूर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कायंश्रीहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी काक्षेप ;---

- (क) इस लुचना को राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तां को से सिक्सी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थूमना के राजवन में प्रकाशन की सारीच पें 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरनाक्षरी क पार शिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० 303, जो तीसरी मंजिल, रीगल प्रपार्टमेन्ट, प्लाट नं० 4/बी, सी०टी० एम० नं० 56, टी० पी० एस० 2, एम० बी० रोड, सान्ताक्रूज, (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31291/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 28-10-86

प्ररूप बाइं .टी.एन.एस.

सायकर संधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-व (1) के सभीग मुखना

भारत सरकार

कार्यात्त्य, सहायक मायक र मायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/31283/85-86—प्रतः

मुझे के० सी० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की धार 269-च के लगीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उध्वत आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 1, रीगल श्राटिमेंट, मान्ताकृत (प), बम्बई 54 में स्थित है) श्रीर हमसे उपाबद्ध श्रनुस्ची में पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर निमका करारनामा श्रायः र श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है नारीख 1-3-1986 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों क्रमी करने या उससे बचने मो स्विधा के िलए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उद्यक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ते, में उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 12—376GI/86

(1) मेमर्स रिवराज कन्स्ट्रकशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेश ए० वाबी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथाँक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्य-महियां श्रूक कारता हांू।

उक्त संपरित के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोपड़--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गांध निश्चित में किए जा सकीं।

रपष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त आयकर वीधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

"युनिट नं० 1, जो तल मंजिल, रीगल भ्रापार्टमेंट, प्लाट नं० 4/बी, सीटी० एस० नं० 56, टी० पी० एस० नं० 2, एस० वी० रोड, साल्ताकृत (प), बम्बई 400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31283/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रिनस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रकप आईं,टो, एवं एस . -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्री 269-व(1) को बचीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकार बाव्यत (निद्रीवान)

धर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, विनांक 28 श्रक्तूबर 1986

त्रायम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि संभावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं नंदनवन, प्लाट नं 29, जुहू, विलेज पार्ले (प) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिजत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीखा 1-3-1986

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापुनीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित प्रें वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ;——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अफ्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निष्; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के विदः

कत कथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरभ में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) सूकुमार एन० शाह ग्रीर ग्रन्थ। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हेमल एम० दोशी धौर धन्य। (धन्तरिती)

का यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिक् कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी काक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो,, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वास अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

बन्स्ची

"नंदनवन जो प्लाट नं० 29, एस० नं० 287, जुहू विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा की कि० सं० धर्द-2/37ईई/31285/. 85-86 श्चौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

माहर :

प्रकप मार्च हो। एन. एव., ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यायम्, वहाम्य नामकार नामुक्त (निर्दालक)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 भ्रक्तूबर 1986

निर्वेश सं० मई-2/37ईई/31124/85-86--मतः मुझे के० सी० शाह

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसमें प्रकात (उन्त विभिनियम क्या गया ही), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विस्का उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी स० फलैट नं० 13, स्वर्णा, सान्ता क्रज (प) सम्बई 54 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से श्रीणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम श्रिधिकार के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के एक्ट प्रतिकत से श्रीक है बार बन्तरक (बन्तरकां) बार बन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे बन्तरक के निए तय समा प्रा प्रतिफल, निम्नितिचित उद्देश्य से उच्छ अन्तरक श्रिक से बार्सिक क्रम से किंपन नहीं कि सा गया है:—

- (क) बंदरण वे हुन् कियाँ बाय की बावपु, उपका श्रीभीत्यम के अभीत कर बोने के जन्तरफ वें श्रीबल्य में कभी करने या शहरों बचने में बुविशा के-निए; श्रार/शा
- (क) श्रेसी किसी नाम या किसी भन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय बावकड़ अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्मितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्मितियम, वा पात्र प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए)

कतः सभा क्यतः विभिन्नमं की भारा 269-मं की बनुबरम् ता, को, उक्त विभिन्निमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) कं वभीन, विरुक्तिशित स्वित्वों, वर्गति क्

- (1) मेसर्स कावेरी कार्पोरेशन।
- (ग्रन्तरक)
 (2) मेसर्सं ग्लेडस्टं कनस्ट्रकणन प्रायवेट लिमिटेड।
 (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूजीवत चम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

सक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध वें कोई भी भारते हैं----

- (क) इत त्वना के रावपत्र में प्रकावन की तारीय वे 45 विन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की व्यविध, वो औ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेश हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्ष्री के पास निवित में किए या सकी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस सभ्याय में विया गया हैं।

मन्त्रकी

"फलैंट नं० 13, जो पहली मंजिल स्वर्णा, चेपल लेन सान्ताकृज (प) बम्बई 400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-2/37ईई/31124/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्ट के किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रकथ बाह् .टी. एन .एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

माउत सडकार

कार्याखय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रन्तूबर 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/31117/85-86—श्रतः मुझे के० सी० ^{क्}शाह

कायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 12, विलेज काप्री, सान्ताकूज (प), बम्बई में स्थित है. (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से दूर्वाणत है)। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिवस्ट्री है तारीख 1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यकार इतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास इरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के कृत्द्वह प्रतिदृश्य से अधिक हे बार अन्तर्क (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्क के बिए तम पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कांचित कर्ष के वास्तिक क्ये के कांचित नहीं किया गया है :---

- (का) जन्तरण सं हुई किसी जाय की कावन . तकन कि कि के अधीन कार दोने तो कस्तरक के वायित्व में कभी करन या जनस उपास में वृत्तिका के लिए; वार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन दा प्राप्त शास्त्य के किस्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

कतः जब, अक्त जिभिनियम कौ भारा 269-ग कै जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स सैलेश कार्पोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स सुमन बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्मित्ति के वर्जन के लिए कार्यनिष्टियां करता हो।

खक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्मण्ट होती हो, के भीतर पूर्वेक्स क्रिक्तियों में स किसी व्यक्ति इंबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरिवास से 45 दिन के जीता उक्त स्थापर सम्पन्ति में हितबद्ध विभी अन्य गर्याप्त ब्वाया अपाहस्ताक्षरी के पास निवास में प्रकृष का स्करेंगे।

स्थष्टीकरणः --इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

"फलैंट नं० 12, जो पहली मंजिल, विलेज काप्री, सान्ताकुज (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि॰ सं॰ ग्रई-2/37ईई/31117/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-86 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रस्व बाह. ही. एन. एस.

#! म्कर **व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

नारुत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 20 ग्रक्तूबर 1986

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/31306/85-86—- ग्रतः मुझे के० सी० शाह

बायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इनमें इसके पश्पात् 'उक्त विधिनियम' कहा गवा ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 22, विला काप्री०, सान्ताकुत (प०), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 1-3-1986

का पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मून्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गृह है बार मूम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का जाजित बाजार भूक्य, उसके दच्यमान प्रतिफल से, एसे दच्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निविद्य उद्वदेश से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तिक क्य से किंगत नहीं किया ग्या है है—

- (क) बंतरण संहूर किसी जान की नामक जिल्हा उक्त वृधिनित्न के स्पीन कर दने के बंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे अधने में सूनिधा के सिए; नार्र∕मा
- (व) एसी किसी बाब या किसी बन या बन्य कास्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर वाधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अधिहए था, छिपाने में सुविधा कि शिए।

बतः शवः, इड्डत वीधीनयम की भारा 269-ग के बन्धरण में, में, उपत विधिनयम की भारा 269-य की उपधारा (1) वी वधीनः विकासिक व्यक्तिकों अधीनः क्रिकेट 1. मैसर्स सैलेश कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स पूर्निमा इस्टेट, डेवलपमेन्ट प्राय० लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये वा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं तथीं द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 22, जो दूसरी मंिल, विला कान्नी, सान्ताऋुज (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/31306/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-3-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 28-10-1986 मोहर:

प्रकर् बाह् ंटी, एन , शस . ----

बायकर मिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचनाः भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रॅज-2

बम्बई, दिनांक 28 प्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० भाई-2/37ईई/31115/85-86—भातः मुझे के०सी०शाह

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित साजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 22, स्वर्ना, सान्ताकुज, (प०), बम्बई, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के ध्रयमान हितिफल् के सिए जन्तिरत की गई है और कुछ यह विश्वास करने का कारण है कि यभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूख्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से बिधक है जौर अंतरिता (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित क्ष्यें से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिबक रूप से किनत नहीं किया गया है अन्तरण के निम्निलिखित में बास्तिबक रूप से किनत नहीं किया गया है अन्तरण के सिचा गया गया सिचा गया गया गया सिचा गया सिचा गया गया सिचा गया सिचा गया गया सिचा गया गया सिचा गया सिचा

- (ण) अन्तरण **संहुई किसी बाय की बाबतः, उपत** जिथितियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए'सी किसी नाय था किसी धन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अस्ति रती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया शना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त जीधीनयमं की धारा 269-ग के अनुतरणा में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मतियित स्पक्तियों, अधीत क्र-

1. कावेरी कारपोरेशन

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स गोल्ड कोईन कन्स्ट्रक्शन्स को० प्रा० लिमि० (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी व की 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इच चुचना के राजपच में प्रकाशन की तारीच से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति बुनारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए वा सकोंने।

स्थक्षतीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट नं॰ 22, जो दूसरी मंजिल, स्वर्ना , चेपल लेन, सान्ताऋुज, (प॰), बम्बई, में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं धर्द-2/37ईई/31115/85-86 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टकें किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बाई

दिनांक: 28-10-1986 मोहारः

त्क्ष्य वार्ड <u>, दर्भ , युव</u> , युव , -----

भावकर मीधनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में मुधीन सुपना

TIME TOTAL

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज-2

बम्बई, दिनांक 28 प्रक्तूबर, 1986

मिवेश सं० धर्इ-2/37ईई/31305/85-86—ध्रतः मुझे के० सी० शाह,

नायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वं इसको इसको परचात् 'उक्स निभिनयम' कहा नया हु"), को भारा 269-च के नभीन सक्षम प्रामिकारी को बहु विश्वस करने का कारण हु कि स्थावद सम्पत्ति, विस्तका उपित् वाजार मृख्य 1,00,000 रु. से अधिक हु

भौर जिसकी सं प्लैट नं 21, विला काप्री, सान्ताकुज (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का का का कि विश्वास करने का कारण है कि वचाप्वोंका सम्पत्ति का उचित वाजाड़ ब्रुच्य, असके स्थ्यमान प्रतिकल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसे अन्तरित के लिए तय वाया गया प्रति-कल निम्निविध कहुवस्य से कवत बंतरण विधित में वास्तिवक क्य से किया वहाँ किया वास है कि

- (क) अन्तरम् में हुई किसी आय की वावत, उक्त विचित्वम के ख्यान कड़ दोने के अन्तरक में वायित्व में कर्मी करने वा उत्तरे वचने में मृतिभा के शिए: सर्ट/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन था अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दे उफ्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए।

नतः अथ, उन्त विधिनियमं की धारा 2'69-ग के नमुस्रक भें, भें, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) दे सभीत निगमस्वित व्यक्तियों, अर्थाद् :--- 1. मैसर्स सैलेश कारपोरेशन !

(श्रन्तरक)

2. मैसर्स तक्शीला बिल्डर्स, प्रायवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूघी

पर्लंट नं० 21, जो दूसरी मंजिल, विला काग्री, सान्ताकुज (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रर्थ-2/37ईई/31305/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-86

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/31114/85-86--- ग्रनः म्मे के० सी० शाह

⊌nयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की 269-र के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार 1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै

भौर िसकी सं० फ्लैट नं० 41, बिला काप्री, सान्ताऋुज, (प०), बम्बर्ड, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबत ग्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्यई में रिनस्ट्री है दिनांक 1-3-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उमित बाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि संशासनीवत सम्पत्ति का उचित साजार मुल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतियात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (अ) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्वं में क्यी करने या उससे बचने में श्विधा के लिए; और/या
- (६४) एरेगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम या धनकर अपिपनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

बत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) क्षे अधीन, निम्निमित व्यक्तियों, मर्भात :--

1 मैसर्स सैलेश कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स प्रेरना जिल्डर्स, प्रायवेट लिमिटेड। (भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पक्ति को अर्जन को कार्यवादियां करता हुई ।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दित की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी ह से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति मे हित**बद्ध** किसी अना व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लैंट नं० 41, जो चौथी मंजिल, विलाकाप्री, सान्ताऋ्ज (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/31114/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सहायक भर्जन रंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप बाह्".टी.एन.एस.- ---

नामकर मधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) को नधीन सुभना

भारत सरकार

कार्भालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ध्र $\xi-2/37\xi\xi/31107/55-86$ —-भ्रत: मुझे फे० सी० शाह

आयकर अभिनियम, , 1961 (1961 का 43) (जिस इससे इसके पण्यात, अकत अभिनियम कक्षा रूपा हो).

269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहिवश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फलैट नं० 11, विला-काप्री, सान्ताकृज (प) बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 1-3-86

आधिकारा के कायालय बम्बई में राजस्ट्रा ह ताराख 1-3-86 का पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दहयमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार बूच्य, उसके कथ्यमान प्रतिफल से एसे कथ्यमान प्रतिफल से प्रसे कथ्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निषिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किली आय की बाबत, उभत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के अभू, अपराधा
- (क) ध्रंची चिकी जान ना किसी थन ना अन्य आस्तिनों । । । । चिक्त आरतीय नावकर निधनिननन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर निधनियम, या अन-कर निधनियम, १९५७ (1957 का 27) । । अन्योजनार्थ अन्योरिती ध्राप्त प्रकट नहीं किसा नेश भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा अहे लिए;

अत: अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की. श्रेक्श की धीनवम की धारा 269-व की उपधारा (1' के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—13—376GI/86

(1) सैलेश कार्पेरिशन

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स कन्याकुमारी बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के "सए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस भूचना के श्वापत्र में त्रकायन की तारीय हं 65 दिन की नवीं या तत्कावनभी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तिस में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

"फलैट नं॰ 11, जो पहली मंजिल, विला-काप्री, सान्ताकुज (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31107/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजीन रेंज-2, बम्ब**र्ड**

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस .-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारत तरनार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई अम्बई, विनांक 28 अन्तुबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/31106/85-86--- ग्रतः मुझे के० सी० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैंट नं० 2, विला-काप्री, सान्ताकुज (प), बभ्बई में स्थित है और इससे उपावद्व श्रीर अनुसूची हूमें और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री तारीख 1-3−1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकास के सिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करन का कारण है कि वशापुर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रक्ष प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक लिए तय पाया गया प्रतिकास कि सम्पतिवास उद्योग में उसता अन्तरन निकास की वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीधनिश्च के अधीन कर दोने के अन्तरक में आणिया मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन, कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोदनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के कथीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः — (1) सैलेश कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रार० बी० श्रार० कनस्ट्रकशन प्रायवेट लिमिटेडे। (श्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सज्यित्त में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमा प्रमुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय १०-क माँ परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय माँ दिया गया ही।

मनुस्ची

"फलैट नं० 42, जो चौथी मंजिल, विला काप्री, सान्ताकुज (प) बम्बई में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/31106/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बर्ट

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अपयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० म्रर्ड-2/37ईई/30934/85; 86—-म्रतः मुझे के० सी० शाह

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अभिनियम' कहा थया हैं), की भारा 269-व के सभीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का खरण है कि स्थापर सम्पत्ति विस्का उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैंट नं० 101, गजदार श्रापार्टमेंट सी, जुहू तारा रोड, बम्बर्ड 54 में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में और पूर्ण रूप से बाणत है) और जिसका करारमामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी कार्यालय बम्बर्ड में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्मित्त को उचित बाबार मूल्य से कम को क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहें हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्जेंक्त संपत्ति का उचित बाधार मूल्य, उबके रुख्यमान प्रतिकास को, एोचे रुख्यमान प्रतिकास का रुख्य, प्रतिकास से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एोचे अन्तर्क में लिए स्थ पाया नवा प्रतिकास निम्निकिचित उज्वेष्ट से संस्त अन्तर्भ निमित्त में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है 8—

- (क) बन्तरण से हुई फिसी बाय की वाबत उक्त बाध-नियम में प्रतीत कुछ दोने के बन्तपुरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बीच/वा
- (क) एसी किली नाय या किसी धन या नम्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे किए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं — (1) मेमर्स यास्मीन कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशोर चन्द्रा रमनलाल शाह। (मन्तरिती)

की यह सूचना भारी अपके पूर्वोक्त सम्पत्ति वै अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप ध-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की हारीच वें 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब है 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्ष्भ किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताकारी के गांस निवित के किए वा सकों ने।

स्थवाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जा अवक वीधिन्यम, के ब्रुध्याय 20-क में पीरभावित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याम में दिका गया है।

मनुसूची

"फलैंट नं० 101, जो पांचवीं मंश्रिल! गणदार प्रपार्टमेंट सी, जुहू तारा रोड, बम्बई 400054 में स्थित है।

धनुसूची जैसा की ऋ० सं० ध्रई-2/37ईई/30934/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शा**ह्य** सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण)** धर्जन रेंज-2; **ब**म्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन स्तरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 ग्रवत्यर 1986, निर्देश सं० भई-2/37ईई/32087/85-86---भ्रतः

मुझे के सी॰ शाह जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फलैंट, बालसदन सोसायटी, सान्ताकृज (प), बम्बई 54 में स्थित है और इससे उपाबद्र श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-3-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफक्ष को लिए अन्तिरत की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिफक्ष के पन्त्रह प्रतिशत से विश्वक है और अंतरिकी (अंतरितियों) के मौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलीयत उद्विक से उक्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलीयत उद्विक से उक्त अन्तरण कि विश्वत में वास्तिविक रूप से कियत पहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाम का वावत , उनक जिथिनियम के अभीम कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्म जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के हिन्ह;

वरः अम, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्रीमती उषा टी॰ हसकर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश चंदूलाल मरफतीया और श्रीमती स्तेहल जगदीश मरफतीया।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्थन के लिए कार्यशिक्षियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पश्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

"तल माले पर फलैंट, उसके उपर के तेरेस के साथ और खाली कपांड के साथ जोकि पिछले और दक्षणी पिचमी भाग में बालसदन सोसायटी, वल्लभाई लेन, ब्राफ लीकिंग लोड, सान्ताकुज (प), बम्बई 400054 में स्थित है

प्रमुस्ची जैमा की ऋ० सं० प्रई-2/37ईई/3208785-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2' बम्बई

विनांक: 28-10-86

अच्य बाह्र ही एव एव . -----

बायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ती धारा 269-च (1) के मधीन स्चना

माहतः संश्वतः

कार्यालय, महायक बायकर वास्वत (निरक्तिक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तुबर 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/32363/85-86--श्रतः मुझे के० सी० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इबमें समने पश्चाद 'उन्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-क के गधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाथार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फलैट नं० 51, साई अर्चना, सान्ताकृज [2](प), बम्बई 54, में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूक्ष से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री तारीख 6-3-1986

को पूर्वोच्छ सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्थानाम शितका के विष्यू अंतरित की गई है और मुखे वह विश्वाच करते का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एवे स्थमान प्रतिफल का पन्नह भित्रका से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एवे अन्तरण के निए तम पाना गढ़ा प्रतिकात, निम्नतिचित्त उच्चेस्स से उसत अन्तरण विविद्ध से वस्तरीका कम से कायश बही विश्वा पना है है—

- (भ) न्यारम् वं हृद् िकावीं वात् की वात्रकः, क्या धीर्मात्रम् के ब्योम् कार वर्षे ने मृत्युक्तः धी वावित्य वे कती कहने वा उचने नजने वे ब्याया के विद्युः शीर/वा
- (क) एखें। किसी जान वा चिन्नी धन का कन्य जारित्यों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तारिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना थाडिए था, कियाने में बृविधा के किहा

अत: अव, उपत विभिन्नियम् की भारा 269-ग के वनुसरण वो, वो, उपत विभिन्नियम की भारा 269-ग की स्वथारा (1) के वभीत निगमसिवित व्यक्तियों, वर्षात् :~ (1) श्री रामदास मंजुनाथ मोनोय।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री रमेण अरोरा और मधुबाला रमेश श्ररोडा। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

का यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्चन के शिष्

उनका सम्मत्ति से वर्णन के संबंध में कोई भी वास्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश वें
 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी क्यन्तियों पद् सूचना की तामील से 30 दिन की जनिभ, जो भी अवभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट उपक्तियों में से किसी क्यन्ति ब्यादा;
- (क) इस सूचना के बाजपण में प्रकासण की तारीच के 45 दिन के भौतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किती जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास जिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्पब्दिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित इ°, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

ननसंची

"फलैंट नं० 51 जो पाचवीं मंजिल, सावई रचना प्रीमायसेस को० श्राप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड जुहू, रोड, सान्ताकृज (प), बम्बई 400054 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/32363/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० <mark>शाह</mark> सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरि**क्षण)** श्रर्जन रेंज–2, **यम्ब**ई

दिनांक: 28-10-1986

मोहरः

प्रकप आर्ध-ही.एन्.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारः 269 म (1) के अभीन स्वना

गाइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्ष) ग्रर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तुबर, 1986

निदेश सं० श्राई-2/37ईई/32205/85-86—-श्रतः मुझे के० सी० शाह

इसके परभात 'उक्त अधिनियम'क हा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 101, शरनाज, विले पार्ले, (प०), बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 6-3-1986

को पूर्वोंकत संपरित के उत्तित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बाधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित में बास्तिक इन से किंगित नहीं किया बादा है कि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की जावत, उक्त मिनिय्स के जधीन कर दोने के जन्तरक जो काशित्व में असी असने या उसमें शवने में सुविधा भी तिया; और/पा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर व्यथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या धन-कर बिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा बी लिए,

बतः शव, उक्त सिंधिनयम की धारा 269-ग से बक्तरण सं, में उक्त सिंधिनयम की भारा 269-च की उपधारा (1) क अधीनः निस्निलिक्ति वश्चितयों. क्यांति :—— (1) नवबहार बिरुडर्स

(भ्रन्तरक)

(2) ठाकूर लालजी बेनी प्रसाद सिंह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सम्मना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की समीध या तत्संत्रंधी व्यक्तियों पड़ स्वमा की ताबीस से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस मूचना को राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

वन्त्र्या

"फ़्लैंट नं० 101 ,जो पहलीं मंजिल, शरनाज, प्लाट नं० 121, सी० टी० एस० नं० 901, 901/1, जुहू रोड बिले पार्ले (प), बम्बई 400049 में स्थित है।

ग्रन्सूषी जैसा की ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/32205/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है:

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी हि।यक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

विनोक: 28-10-1986

ोहर:

प्रकप बार्ट .टॉ. एन .एस .--=

नायकर समितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) से मधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यातय, तहायक वायकर बायक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 भ्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० भ्रई-2/37ईई/32130/85-86--- स्रतः

मुझे के० सी० शाह

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैंट नं० 501, हैमा, सान्ताकुज (प) बम्बई 54, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राविद्यारी के नायीलय बम्बई में रजिस्ट्री है नारीख 63-1986

की प्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के ध्ययभान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके ध्य्यमाव प्रतिफल से, ऐसे ध्ययमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बौच एसे जन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निशिचत उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है ं-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी थन वा बन्य बाहिस्ता करें, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा वी किया

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

- (1) स्काय-बिल्ड प्राईवेट लिामटेड (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सूरेण ताराचंद जद्यवानी।

(मन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी . के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

भ्यव्याकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दा और गर्दो का, वो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुरा की

"फलैंट नं० 501, जो हेमा, फायनल प्लाट नं० 13, टी० पी० एस० 4, सान्ताकुज (प), बम्बई 400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्र $\frac{5}{2}$ -2/37 $\frac{5}{2}$ $\frac{32130}{85-86}$ $\frac{5}{2}$ और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्ब $\frac{5}{2}$ $\frac{5}{2}$

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) धर्जन रेंज-2 बस्बई

दिनांक: 28-10-1986

इक्ष्यु जार्ड . दी , युन् , युन् - ----

बाक्षकार माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के बचीर स्पना

ALIZA BEALT

कार्यांसव, श्रहात्क नावकर नापुन्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तुबर 1986

मिर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/31858/85-86--श्रतः

मुझे के० सी० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पित' इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० ए-63, क्वीनस पार्क, सान्ता-कृज (प), बम्बर्ष 49 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ष में रजिस्ट्री है तारीख 5-3-1986

को वृष्टीक्त सम्पत्ति के उपित बाबार बृत्य से काम के कामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का काम्यण है कि स्थापूर्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से विश्वक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निक्निलिवित उद्वेशय से उसत अन्तरण लिकित से वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी काय की वावत उक्त विधिनियन को अधीन कर दोने के बन्तरक के वावित्य में कसी करने या उत्तने वचने में क्षिया के लिए; शीर/था
- (क) ब्रेसी किसी नाव ना किसी वन वा अत्य नास्तियों को, विन्हें भारतीय नायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवासताथ मृत्यारिती ब्यारा प्रकट नहीं किया क्या या ना किया साना नाहिए था, क्रियाने में स्वीवधा में विद्या;

अतः असः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण में, में, शक्तः अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) अं कथीन, निम्निसित व्यक्तियों, संभूति अस्ति (1) श्री जसत्रीर सिंह धरम सिंह।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्राशा रानी गुप्ता और मीमा गुप्ता। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथाँकतः सम्परित के अर्चन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं ।

बक्त बन्मीता के वर्षन के बन्माथ में न्यांडें भी बाक्षेप :---

- (क) इब ब्रुपना की राज्यम में प्रकारण की बाहुीय वी 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

"फर्सैट नं० ए/63, जो छत्वीं मंज़िल वीनस पार्के प्रीमायसेस को० भ्राप० सोसायटी लिमिटेड, जुहु रोड, सान्ताकुज (प) बम्बई 400049 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/31858/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

तारीख: 28-10-1986

प्ररूप आहाँ. टी. एनं. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जनरेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तुबर 1986

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/32584/85-86-- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

्या वार्णानयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० ए०-8, भाग्योवया, सोसाइटी, शांताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में
और पूर्णस्प से बर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 7-3-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का
पंग्रह प्रतिश्वत से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तिवक रूप से किथित नहीं शिक्या गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नता नाहरूना, किनल न सुत्यमा का राष्ट्र,

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 14—376GI/86 (1) श्रीमति सुशीला शांतार(म चन्द्रवय और श्री शिवा-दित्या कुमार शांताराम चन्द्रवय ।

(मन्तरक)

(2) श्री नितिन विजय कुमार सरदेसाई।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मेति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्यष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लेट नं० ए-8, जो 3री मंजिल, भाग्योदया को०-ध्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, देसाई नगर, शांताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/32584/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० **माह** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायंकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रें ज-2, अस्ब**र्**ड

तारीख: 29-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 28 श्रक्तूबर 1986

मिदेश सं० श्रई-2/37ईई/31542/85-86→- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह तिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 204, बीच हेवन नं० 1, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णस्प से वॉणत है (और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्ष के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिक्षत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से किथत नहीं निकया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री प्रश्नाफ चीनी।

(धन्तरक)

(2) श्री मलीम उमर शामा और श्रीमित खतीजा उस्मान शाखा।

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लेट नं० 204, जो 2री मंजिल, बीच, हेवन नं० 1, विग 1 पाल्म ग्राव्हेज, होटल के पास जुहू नारा रोड, बम्बई-49 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि के सं धर्म-2/37ईई/31532/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० णात सक्षम प्राधिक्क सहायक भ्रायाकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, वस्बर्ध

तारीख: 28-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन, एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 दिसम्बर 1986

निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/32526/85-86-- श्रतः मुझे, कें सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं आधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 1, बेसमेंट के साथ, गजदार श्रपार्टमेंट, सी०, बम्बई 54 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण हैंप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सी हुंई िकसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दोसित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा को लिए; और/(या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, अक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के, अन्सरण मों, मीं, अक्रत अधिनियम क्रो धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) यास्मीन कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) लारेनेसन्स है ल्थ सर्बिसेज (पी), लि०। (ग्रन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पृथाकित संपहित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उसं अध्याय में दिया गया है।

श्रन्**स्**ची

भाप नं० 1, बेसमेंट के साथ जो गजदार श्रपार्टमेंट, सी० जह तारा रोड, बम्बई-54 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/32526/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० <mark>माह</mark> सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (⁽नरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-2, बस्बई

तारीख: 28-10-1986

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> धर्जन रें ज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर 1986

निवेश सं० अई-2/37ईई/32473/85-86---श्रत: मुझो, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/⊢ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 230, विलेज इर्ला, विलेपार्ले, बम्बर्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),

भौर जिसका करारनामा भागार अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्द्री है। तारीख 7-3-1986

क्रो पूर्वोक्त सभ्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापवाँक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के एीसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दोश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दोयित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/पा
- (स) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, जानत अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री केकी पालोनजी सिध्वा और भ्रम्य।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स काकाञ्च एण्ड सन्स ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकित विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति दुधारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उसं अध्याय में दिया

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 230 हिस्सा नं० 4, 5, 6, 12, 13, सी०टी०एम० नं० 704, 705, विलेज इली, विले पार्ले, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/32743/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीग: 28-10-1986

प्ररूप आई.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/32246/85-86— श्रतः मुझे, के०सी० शाह,

भायकर धाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह थिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 101, श्चर्चना कुटीर, जुहु, बम्बई-49 में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्ध्यमान प्रतिफल के एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखिल वास्तिक रूप से कथित नहीं शिक्या गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) रछपाल सिंह लूथरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजा शेखर ग्रार० शेट्टी श्रीर ग्रन्य।
(श्रन्तरिती)
यह सचना जारी करके पर्वोक्स सम्पत्ति के श्रुजन के लि

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मीं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा संकोंगे।

स्पष्टीकरण: ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा जो उसं अध्याय में दिया गया ह²।

अनुसुधी

फ्लेट नं० 101, जो, श्रर्चना कुटीर को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी, सी०टी०एस० नं० 410, एन० एस० रोड, नं० 13, जुह विलेश, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कें सं० श्रई-2/37ईई/32246/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख : 28-10-1986

प्ररूप आइ. टी. एनं . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर 1986

निवेश सं० भ्रई-2/37ईई/32392/85-86— - भ्रतः मुझे, के ० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 202, मंगल नीवेतीया, शांताश्रुः (प) बम्बई-54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर िसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्ध्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं गिक्या गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मखीजा वोहरा बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रदूमन सिंह श्रौर श्रीमति कमलेश कौर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्सं सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्या क्रमारिक के वर्षन के सम्मन्ध में काई भी वास्त्रेय :----

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा संकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसं अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

फ्लेट नं० 202, जो मंगल नीवेतीया, प्लाट नं० 10-,धी सरोजनी रोड, शांताकुज (प), बम्बई- 54 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-2/37ईई/32392/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को

रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीखा: 28-10-1986

प्ररूप आही. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 भनतुबर, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/37678/85-86- मतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 301, सरस्वती रोड, णांताकुज (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष से वर्णित है), श्रीर जिसका करारमामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5-3~1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मों सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियमः, की धारा 269-गः के अनुसरणः मां, मां, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स पोपट करसन शाह।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमिति इला मुरेश मंकड श्रीर कौस्तूभ एस० मंकड।

(भ्रन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्रिंस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्यक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 301. जो 3री मंजिल, प्लाट नं० 74. सरस्वती रोड, णांताकुज (प), बम्बर्ड- में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धर्द-2/37ईई/37678/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-10-1986

V. _ ____NEET (DEPENDENCE)

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/32557/85- 86- श्रत: मुझे, के० सी० शाह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 3, इमारत नं० 1, प्रकाश सोसाइटी, शांताक्रुज (प), बम्बई-54 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 7-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुद्दो यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से एमे इरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन ण अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

(1) श्री रामनीकलाल ग्राई० कपाडिया ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमित सी० टी० त्रिवेदी श्रौर श्रीमिति पी० डी० त्रिवेदी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 बिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासं लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3, जो इमारत नं० 1, प्रकाश, को, श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 62-66, बौलतराव देसाई नगर, शांताऋुज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कर संरु सई-2/37ईई/32557/85-86 भौर जो सक्षम प्राधि हारी, अम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, सम्बर्ध

तारीख: 28-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ...---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 भ्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/31931/85-86—श्रतः मुझे, के० मी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000 - रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 5, सिल्वर बीच, बी-विग, जुहु, बम्बई-49 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर इससे पूर्णस्प में वर्णित है), ग्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्स्टी है तारीख 5-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितः बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से एसे द्व्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हर्इ किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
15—376GI/86

- (1) बी० गी० केडो कन्स्ट्रक्शन एण्ड डिवन्तर्पं प्रा० लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीक्रंडली कोलीन केडो।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उंक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

अभृस्ची

फ्लेट नं० 5, जो, 6ठवीं मंजिल, सिल्बर, बीच, बी० विग, सी० एस० नं० 505, सिल्बर बीच इस्टेट, जुहु, बम्बई-49 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/3755/31931/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांकः 5-3-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **बस्ब**ई

तारीख: 28-10-1986

भोहरः

प्ररूप आहू^र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रें ज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1985 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/32022/85-86--- श्चतः मुक्षे, के०सी० शाह

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्रमरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० गाँप श्रौर बेममेंट, मरमेड, जुहू, बम्बई-19 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प में बिणत है), भौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितः बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धने-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मेसर्स ग्रीनफील्ड डिबलर्पस ।

(अन्तरक)

(2) श्री नुभाष गोगीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया हैं।

जमुस्ची

शाप श्रीर बेसमेंट जो मरमेड विल्डिंग, जुहु तारा रोड, जुह, बम्बई-49 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋं सं० श्रई-2/37ईई/32022/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्धई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० शाह मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रें ज-2, बस्बई

तारीख : 28-10-1986

प्रस्प आई. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 2, बम्बई बम्बई: दिनांक 28 ग्रक्तूबर 1986

निदेश सं अई-2/37ईई/31416/85- 86-- म्रतः मुझे, के सी शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000 - रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 110, जल वर्शन , जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध स्रनुमूचों में श्रीर पूर्णेच्य में वर्णित है), स्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है। तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुद्दां यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) मेसर्स एम० श्रार० कम्बाइन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दोरायस्वामी वेंकटरामन ग्रीर श्रीमित स्वर्णलता वेंकटरामन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिः करणः — इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, व यहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

"फलैंट नं० 110, जो जल दर्शन बिल्डिंग, 18 वाई एस० नं० 44, एच नं० 1, (पार्ट) 2, (पार्ट) रुईया पार्के, जुहु बम्बई 400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-2/37ईई/31416/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बम्ब ई

नारीख: 28-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 28 अक्तूबर 1986

निर्वेश सं प्रई-2/37ईई/31874/85-86-- प्रतः मुसे, के सी शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं। श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 5, सिल्वर बीच, जह, बम्बई-49 में

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 5, सिल्वर बीच, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है। तारीख़ 5-3-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से एमे दश्यमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अखः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) बी०गी० केंडो कन्स्ट्रक्शन एण्ड डिवलपर प्रा० लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विस्टन विकटर केडो ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त भम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारोख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः—-इसमं प्रयुक्त शब्दी और पदो का, जं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं० 5, जो 7वी मंजिल, बी-विंग, सिल्वर बीच, सी० एस० नं० 505, सिल्वर बीच, इस्टेट, जुहु, बम्बई-49 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं क्षाई-2/37 ईई/31874/85-86— श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> के० सी० माह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

तारीख: 28-10-1986

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन सुनना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 प्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० प्रई-2/37ईई/32692/85-86— अतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' वहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पनेट, जानकी कुटीर, जुह, बिजेज, बम्बई-49 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप में बर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा, 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 7-3-1986

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं कार मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एने दश्यमान प्रतिफल से, एने दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या जिसी धन या अत्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर दिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गर था या किया जाना चाहिए था, द्विणाने में सुनिधा को लिए;

कतः क्व, उक्त कांभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स रूप कृष्णा इन्वेस्टमेंट

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रोणन लाल श्रग्नवाल, श्रीर श्रीमिति गोरादेवी श्रग्नवाल ।

(म्रन्तरिर्ता)

क यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्भक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस रूजना का राज्यत्र मां प्राप्तकात की तारीस स 45 जिन की अवधि या तत्नेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वी का व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपात में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची :

पलट जो जानकी कुटीर, प्लाट नं० 13, जुह विलेज, बम्बई 400049 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/32692/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 की रजिस्टई किया गया है।

के० सी० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

प्ररूप आई. टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-च** (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बईं, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० प्रई 2/37ईई/32693/85 85-- प्रतः मुझे, के० मी० शाह,

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट, जानकी कुटीर, जुहु विलेज, बम्बई-49 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णकृप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित क्षम प्राधिकारी के कार्यान्स्य में रिडस्ट्री है। नारीख 7-3-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (कन्तरितियां) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उच्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाधत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के सतरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, खिपाने में सुविधा के किए;

आक्षः अभा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की छपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) मेसर्स रूपकृष्णा इन्वेस्टमेंटस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित माया देवी प्रग्रवाल घौर श्री सुभाष ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में से किए जा सकोंग।

अन्सूची

फ्लेट जो जानकी कुटीर,प्लाट नंत 13, जुहू विलेज, बम्बई-400049 में स्थित है ।

स्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० स्रई-2/37ईई/32697/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी. शाह सक्षम प्राधिग्रारी . सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) : श्रर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

माहर:

प्रस्प वार् डी.पन प्राप्त . ------

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सर्कार

फार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरें ज-2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० श्रर्ड-2/37ईई/37662/85-86-- श्रतः मुझे, के०सी० णाह,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 302, जेसाल अपार्टमेंट, सांताक्षुज, (प), बम्बई-54 में स्थित है (घौर इससे उपाबढ़ प्रनुसूची में घौर णेंक प से विणत है) घौर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1981 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 6-3-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अप्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुजिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियो गया था किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विध के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मेसर्स पोपट करमल शाहा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेश के० मंकड, ग्रीर कुमारी उर्वी सुरेश मंकड।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंग :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 302, जो 3री मंजिल, जेसाल श्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 74, टी० पी० एस० 2, टैगोर रोड, सांताऋज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

्र श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/37662/85-.86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्धई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ⁹ ज-2, बम्बई

লেশীকা: 28-10-1986

मोहरः

प्रकप् बार्ड. डी. एन. एस. -----

नायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के विभीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ध्रक्तूधर, 1986

निदेश सं० ऋई 2/37ईई/311001/85-86—— ऋतः मुझे, के० सी० शाह,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहः से अधिक ह"

श्रीर जिसकी सं पनेट नं 1 क्षितिज, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, की धारा 259 के ख के श्रीधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1-3-1986,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृष्यभाव श्रीतफल के सिए अन्तरित की गई बार मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार चन्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नीलिंखन उद्योग्य से उक्त अन्तरण निम्नीलिंखन उद्योग्य से उक्त अन्तरण

- (क) बन्तरण संधुर्द फिसी जाय की शबत, उक्त बर्गिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरण के कायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा कुं। सए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जस्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया स्वा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निया को बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता :— (1) मेस्सं नटराज कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) मससं डॉ॰ बी॰ स्नार॰ प्रोपटींज, प्रा॰ लि॰। (स्रन्तरिती)

को यह स्वार (जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के जाए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपप में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविध या तरसंबंधी ध्यक्तियों पूर्व सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्यारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब वें 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अथहिस्ताक्षरी के पाम जिल्लिक में किए का मुक्तिये।

स्पन्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त क्षीपन नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा. जो उस सध्याय में विशा गया है।

अन्सूची

फ्लेट नं ० 61, जो 63वीं मंजिल, क्षितिज, हिन रोड, बान्द्रा, 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/31000/85 86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा विनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 2, बम्बई

नारीख: 28-10-1986

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याणय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निर्देण सं० श्रई-2/37ईई/31120/85-86-- श्रतः मुझे, के॰ सी॰ शास्त्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्समें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलेट नं० 101, क्षितिज, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णेख्य से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्टी है। तारीख 1-3-1986

को पूर्वेक्ति स्पात्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूकों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, विश्वारा ग्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अयः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपमान (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--16---376G1/86

(1) मेसर्स भटराभ कारपोरेशम।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमसं एस्टोरिया बिल्डमं प्रा० नि०। (ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी कारके पृत्रीयत सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त विक्तों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ल) इस स्चना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारांख से , 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पन्ति में हिनयब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 101, जो, 10 वीं मंजिल, हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं।

स्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० स्रई-2/37ईई/31120/85-86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 28-10-1986

मोबर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन मूचना

भारत सरकार

कारिलय, महायस जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर 1986

निवेंश सं० श्रई-2/37ईई/31122/85-86-- श्रनः मुझे, कें सी० शाह,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह धिश्वाम करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं पलेट नं 41, क्षितिज, बाँन्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 28-2-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्यिधा के लिए;

(1) मेसर्म नटराज कारपीरेणन ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स दीपक प्रापर्टीज प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त रूम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की उपि जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोधत विकतों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजप्त में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितब इध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ति।

स्पाद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क मं परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लेट नं० 41, जो 4थी मंजिल, क्षितिज, हिल रोड, बान्द्रा, वम्बई-50 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा कि ऋ०ं मं० ग्राई-2/37ईई/31122/85-86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० गाह मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **ब**म्बई

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख · 28-10-1986 सोहरे प्ररूप आर्ह टी. एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/31004/85-86-- ध्रत: मुझे, के० सी० णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीम सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लेट नं० 7, जो आयमण्ड लिक बान्द्रा, बस्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष से वर्णित है), श्रार जिसका जरारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है। तारीख 1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गर्ड है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एीसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्बरिय से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/भा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्स अधिनियम क्री धारा 269-ग की, अन्सरण मों, मौं, उक्तर अधिनियम क्ष्रों धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) अनिस कपूर।

(ग्रन्तरक)

(2) बलदेव दास फतेहचन्द ग्रसरानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत विकायों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुद्ध अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, बही अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया ह²।

अनुसूची

फ्लेट नं० 7, जो डायमण्ड लिंक को०-श्राप० हाउसिंग सोसा-इटी लि०, प्लाट नं० 227 ए, टी०पी०एस० 3, इक्कीत-सवां रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि० सं० भ्रई-2/37ईई/31004/85- 86 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के॰ सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्वायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्याच्या, सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर, 1985

निर्वेश सं० ऋई-2/37ईई/31109/85-86—— ऋतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 51, क्षितिज, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प में विणित है), ग्रौर जिसका रारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-3-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफाल से एसे इद्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासविक रूए से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनं में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स नटराज कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(3) मेनर्स सीमाइड प्रापर्दीज प्रा० लि०।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष भे 45 दिन की अपधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की उनिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो। के भीतर पूर्विकत विक्तों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की नारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति मो किए जा सकोंगे।

स्थव्दोकरणः—-इसमे प्रयुक्त कब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क पा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिया गया ही।

अनुसुची

फ्लेट नं० 51, जो 5वीं मजिल, क्षितिज, हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/31109/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के०सी० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निदीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारी**ख**: 2810-1986

प्ररूप आई. टी.एन.एस.----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायकिय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/31079/85-86--- ग्रत: मुझें, के० सीं० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह दिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मृल्य 1,00,000/। का से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 102, मोरू महल, वान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णक्ष्प से वींगत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 काख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्लय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य स कम के क्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह दिखास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व मी कमी करने या उससे बचने मो स्किथा के लिए; और/मा
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब; उक्त आधानयम, की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स एम० के० कन्स्ट्रक्शन्स को०

(अन्तरक)

(2) श्री राजकुमा: पेसूमल पमनानी, दिनेश श्रार० पमनानी और संगीता श्रार० पमनानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क). इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की टारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य गिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति मों किए जा सकींगे।

स्प्टिके प्रणः — इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

फ्लेट नं ० 102, जो 1 ती मंजिल, मोरू महल, डा० ग्रम्बेड-कर रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रर्इ-2/37ईई/31079/85-86 और जो सक्षज्ञम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्दर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

प्रस्प आइ^६: टी. एप. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

श्रजेनरेंज-2 बग्म्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/31071/85-86-- ग्रनः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 - रहे से अधिक है

और जिसकी सं भी ब्हिंग मर्वे नं डी/995, 996/ए, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाब इ अनुसूची में और पूर्ण-रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है। तारीख 1-3-1986

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ मो कमी करने या उससं बचने मो स्विधा के लिए; और/यो
- (कं) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री प्लेसीड फनडिस और ग्रन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश कमबेकर।

(अन्तरिती)

(3) भाडोक्री।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या स्ट्रमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासं निष्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दीं और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

अन्स्वी

जमीन का हिस्सा जिसका सी०टी० सर्वे नं० डी/995, 996-ए, चीउम, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-2/37ईई/31071/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 1-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

प्ररूप आई².टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4)3) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/31116/85-86--- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 21, 22, पाल्म-स्प्रिग, माहिम, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाब द्व अनूसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्तं सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनुसूक्त को स्तिकल्य में कमी करने या उससे बाबने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी अस या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (4957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) रीजेंसी कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) मेंसर्स जी० वी० ग्रार० इस्टेट, प्रा० लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 2 और 22, जो 2री मंजिल, पाल्म स्प्रिंग, केडेल रोड, प्रभा देवी माहिम, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्यर्इ-2/37ईई/31116/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28ग्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/31118/85-86--- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 31, पाल्म स्प्रिंग, माहिम बम्बई में स्थित है (और इससे उपाब इ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मौ कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स रीजेंसी कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री अभय मूगत लाल मेहता और डा० श्रीमित नीता अभय मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूज्ना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासं लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 31, जो 3री मंजिल, पाल्म स्प्रिंग, केंडेल रोड, प्रभादेवी, माहिम, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्रई-2/37ईई/31118/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 28-10-1986

मोहरः

प्रारुप् कार्यः ही पुष् पुष्ट प्रारक्ष्या वाराज्य

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व '(1) को बधीन सुवेगा

बारव बच्चर

कार्यालय, सहायक श्रायकर वायुक्त (विरोक्तिक) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर 19'

सं० ग्रई-2/37ईई/31074/85-86-- श्रत: मुझे, के० सी० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास कारने का का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 302, बेंड्रा ओलार सोसायटी बान्द्रा, बम्बई – 50 में स्थित हैं) और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम आधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीखं 1–3–1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए कन्तरिक की नई हैं और मुफे यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के क्लूड़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के निए तय भावा नया है तिफल में निम्निकिश्वित उद्देश्य से उन्त अन्तरक कि विकास के विकास का विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिपियन के नधीन कर घेने के बन्तरक कें वाक्तिय में कभी कारने या उत्तसे व्यक्त में सुनिया वी किय; क्षीड़/का
- (क) एंसी किसी बाम या किसी भन वा कम्य वास्तियाँ को चिन्हाँ भारतीय वायकर विचित्रका, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्रीमती जोर्जीनापीटो लोबो सायमोन केथेडूल । (भन्तरक)
- (2) विकटोरीया लोरेन्स वाज श्रीर श्री जोसेफ लोरेन्स वाज । (श्रम्सरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्श्वप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामीन से 30 दिन की नविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त नविस्तों में हे किसी व्यक्ति इवाड़ी;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास निवास में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवांका, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में पृष्टिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा क्या ही।

अगुसुची

फ्लैट नं० 302, जो, तीसरी मंजिल, बेड्रा ओलार को भाप हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, सेंट लेबेस्टीयन रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31074/85-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज--2, **कम्बई**

विनांक: 28-10-1986

प्ररूप आर्थः टी. एतः एस. ------

श्रांयकंर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायाँ लय, सहायक आयकार बाय्कत (निरीक्षण) वर्जन रेंज~2, बस्बई

बम्बई, विनांक 28 श्रक्तूबर 1986

सं॰ भाई-2/37ईई/31123/85-86-- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसिके पहेंचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 111, शितिज, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1986

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों वत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से एसे द्व्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उसक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

ं अवतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरिष्ट में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हः— 1. मैसर्स नटराज कारपोरेशन

(ग्रन्सरक)

2. मैंसर्स वौटरफील्ड प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां कारता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्हिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियमं के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धमुस्ची

फ्लैट नं० 111, जो, ग्यारहवीं मंजिल, क्षितिज, हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि के सं० भ्रई: 2/37ईई/31123/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बेई

विनांक: 28-10-1986

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनोक 28 धक्तूबर 1986

सं० भई-2/37ईई/31113/85-86-- भत: मुझे, के० सी० शाह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पलैट नं० 92, क्षितिज, बान्द्रा (प०), बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा धायकर प्रधि-नियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उपत अन्तरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त विषय के अधीन कर होने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. मैसर्स नटराज कारपोरेशन।
- 2. श्री किशोर श्रार० पंजाबी

को यह सूचना जारी करके पूर्वे कार्यदाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वावत विक्तों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्य स्थापर सम्पत्ति में हितसबूध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरें।

्रियं व्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

फ्लैट तं० 92, जो, नववीं मंजिल, कितिज, सी० टी० एस० नं०-566, बी०, बी०-568, 569(पाट), हिल रोड, बान्द्रा (प०), बम्बई-400050 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ सं० ध्रई-2/37ईई/31113/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वाः दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायणिय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरोक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 प्रक्तूबर 1986

सं ग्राई-2/37ईई/31075/85-86-- ग्रातः मुझे, के० सी० गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2. काकड सोसायटी, बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1—3~1986 को पूर्वीयत स्थ्यित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उच्यत अन्तरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अद, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कैं अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. डा॰ श्रीमती सुधा भ्रतित और डाँ॰ एम॰ बी॰ श्रतित

(ग्रन्तरक)

2. डा॰ महमद युनुस और श्री भार॰ बी॰ हेरीस

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्धांक्त विक्तों में से किसी व्यक्ति प्रवारा:
- (स) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हिल ब्र्भ किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उत्थर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित ही, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, पहली मंजिल, काकड को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 4, पाली रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई--2/37ईई/31075/85--86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

भूष्य कार्<u>यः हो . एगः एक अस्तरण्या</u>यः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 श्रक्तूबर 1986

. सं० प्रई-2/37६६/31083/85-86-- ग्रतः मुझे, के० सी० गाह,

नावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धरधात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 था के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से नधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 202, मनीय सी फाफ्ट बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1986 को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ठ प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (जंतरका) और जंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्दृष्ट स्यु से उक्त जंतरण भिष्टित से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- हैंक) नेत्रहण से हुई फिसी नाव की वाबत, उक्त निधिनिवृत्त के स्थीन कर दोने के नेतृहक की दासित्य से कभी करने वा उत्तत ब्यूने से वृतिधा के निए; नौर∕वा
- (क) ऐसी किसी नाथ या किसी थन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या एन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना भाहिए था, कियाने ये स्विशा के सिए;

कतः कव, उक्त कथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री राम शंकर एल० श्रोफ

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती राखी हरेश छित्रया श्रौर हरेश कन्हैया लाल छित्रया

(श्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सुचना पारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिर्धित में किए जा सकोंगे।

स्थलीकरण ह— इतने प्रयुक्त बुक्यों बाँड पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यास 20-क में प्रिशाष्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में विसा गया है।

वन्स्ची

पलैट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, श्रनिश सी क्रोफ्ट, शरली राजन रोड, बान्ब्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/31083/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

तारीख: 28-10-1986

मोहरः

प्रका भारती दी. एत. एस.-----

भायकर व्यक्तिसम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ज के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर 1986-

सं॰ मई-2/37ईई/31077/85-86-- श्रतः मुझे, के॰ सी॰ शाह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या प्लाटनं० 14, सालसेट केथोलिक सोसायटी बान्दा, बम्बई-50 में स्थित है(और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-2986

की पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उरूके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का श्वेह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के अचि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिवात उद्वेषय से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) भयोजनार्थ अन्तरिती कुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

कतः वर्ष, उकत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त विधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीय निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् क्रिक्न श्री ऐलेक्सजेंडर ऐंडरिं३ फरताडो ग्रौर श्री फांसीस झेवियर फरनाडो ग्रौर श्रीमती लूसी मेरी डीकोस्टा

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स कोजीहोम बिल्डर्स ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की नविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति वाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (व) इस बूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत व्यास्त अधोहस्त्याक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्थल्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पद्मा है।

नन्स्यी

प्लाट नं 14, जो सालसेट केथोलिक को श्रावित ही उसिंग सोसायटी इस्टेट प्लान नंसें 1, सेंट पोल रोड बान्द्रा, बम्बई— 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि क्रम सं ० श्र श्र-2/37 श्रे श्र/31077/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब श्री द्वारा विनांक 1-3-1986 को रजिस्ट श्री किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-2, बस्बई

विनांक: 28-10-1986

ध्**रम** जोड्^र, ट<u>ौ. एने. एस-</u>

बायकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

मारत चरकार

कार्यालय, सहायंकं भागकर बाय्क्त (विरोधिक)

मर्जम रेंज 2, बस्बई बम्बई, दिनांक 28 मन्तृबर 1986

सं० प्राई-2/37ईई/32899/85-86- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या पर्लैट नं० 5, बेला, विला, बान्दा (प०), बम्बई-50 में स्थित है ग्रौर (इससे उपावश प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कला के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1986

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मून्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उटके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और जन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब बाबा कमा प्रतिफल, निग्निविद्यत उद्विद्य से अक्त अन्तरण जिवित में बास्तविक कम से कवित नहीं किया बना है ८——

- (वा) अन्तरम से हुई किसी बाय की नावत, अनव अधिनियम में बभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में क्षत्री करने वा कंडचे बचने वो सुविधा के बिए; और/वा
- (भ) घेती किसी बाय वा किसी भन या बन्य आस्तियों का, चिन्हें आरतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त अभिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकेट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

जन्न: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण कैं, मैं , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—-- 1. पंचवटी बिजनेस कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

 जोन जूड सांरस श्रौर रोसीला उद्यालदीन सोरस ।

(भ्रन्तरिती)

को वह ब्रांचन बार्टी कड़के पूर्वोक्त कम्मीत से वर्षन से विक् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्ह तम्पत्ति की जर्जन के धंबेंभ में कार्ड भी बाजर :---

- (क) इस त्यान के राजपण में प्रकाशन की तीरीं वें 45 दिन की श्वीध या तत्सम्बन्धी स्वीक्तवीं पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबीध, को और अवधि बाद में समाप्त झेरी हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (क) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकहुंथ किसी अन्य व्यक्तित व्यारा अभोहस्ताकारी के वीक् विवेद से किस सा सकेंचे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वो सक्थ स्थितियम, के सभ्यक्त 20-क में वरिधायित है, यहीं सर्थ होगा जो उस संध्याय में दिशा नया है।

अनुसूची

प्स्नैट नं० 5, जो चौथी मंजिल, बेला विला, 54, सेंट एन्ड्रवस रोड, बान्दा (प०), बम्बई 400050 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/32899/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनंकि 12-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त निरीक्षण) ग्रजैन रेंज़-2, बम्बई

विमांक: 28-10-1986

प्रक्य बाइ . टी . एन . एस . -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक नायकर आयुक्त (निरोक्सक)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निदश सं अर्ध-2/37र्ध्ध/31563/85-86- श्रतः मझे, के० सी० शाह,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या पलैट नं 8, मेरी निकेतन, बादा बम्बई-50 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्रैप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 369 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याजय, बन्गई में रिजिल्ह्रों है तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश से स्वत अंतरण निमिचत में बालाविक स्पं से किया गया हैं स्—

- (क) क्तरण से हुई किसी जाव की वाकत, कक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या प्रसदे वचने में तृतिभा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिनों को जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बतः बबः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, धक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. जया उल्हास मूंगे।

(भ्रन्तरक)

2. बेबी पूजा भल्ला।

(श्रन्तरिती)

3. भ्रन्सरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके <mark>मधिभोग</mark> में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां बुक्त करता हुं।

उनक सम्पन्ति को कर्जन के संबंध में कोई भी नाकोद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच से 45 विन की जनिथ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिथ, वो भी अविच वाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उक्त निधन नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस मुख्याय में दिया नथा हैं।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 8, जो मेरी निकेतन, माउण्ट मेरी रोड, बान्दा, बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रमुस् जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/31563/85- 86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3- 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह सक्षम गाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त िरीक्षण) श्रजैन रेंज- 2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

प्रकार कार्यः दी पूर्वः एकः व व व व

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) **वे वधीद ब्यना**

वारत परकार

कावनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

हायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० फलैट श्रीर गैरेज, सी० व्हीयू पैलेस सोसायटी, बान्दा, बम्बई 50, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान अतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार भूक्य, उबके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रति-क्रम निम्मिनियात उब्बोच से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिव्क क्ष्म में क्रीचल वहीं किया क्या की क्रम्म

- हुंच्यू जन्मसम् हं हुन्दं क्यिति आस्य कर्तुं थानकः । स्वतः जीधिनियन के जधीन कर दोने के सन्तरक के दानित्य में कनी करने ना सससे नचने में जुनिधा के निष्य, जीद/या
- (का) श्रेती किसी जाव या किसी थन वा लग्य वास्तियों का, विनहीं भारतीय वाब-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उपता व्यथिनियम, वा थल-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों युवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए वा, कियाने से हिया वी विद्या

लके बच्, उच्य विभिन्नम की धारा 269-ए के वनुतरण वो, जी, उक्त वीचिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के वचील∠ निम्नलिकित व्यक्तिवन्ते, वर्षाक च—— 18—376GI/86

- (1) श्रीमती कविता स्यामलाल लूथिया। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शैलेंजा प्रकाशराय पाटील। (भन्तरिती)
- (3) श्रन्तरक। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीचत सम्मति के वर्षण के किए कार्यनाहियां करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की नगींथ या तत्कान्य भी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नगींथ वाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियाँ में से किसी स्पत्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के नीतर दक्त स्थावर सम्मतित में दितवहण किसी कन्य म्यावित दुवारा, समोहस्ताकरी के गांध किसीय में किस् का नकोंगे।

स्पष्ठीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उपर विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविष्ठ ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ववा ही।

धनसूची

"फ़लैट नं० ग्रौर गैरेज जो 32, ग्राठवीं मंजिल, सी० व्हीयू पैलेस को० ग्राप० सोसायटी, पाली हिल, बान्ग्रा बम्बई 400050 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० भ्राई-2/37ईई/31555/85-86 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 की र्राजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरिक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांकः 28 श्रक्तृवर 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/31287/85-86—श्रतः मुक्ते, के० सी० शाह,

बावक हु विधिनगत, 1961 (1961 का 43) (विसे इसने इसके परचात् 'अवत् विधिनिष्म' कहा गया ही, की पारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारब है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुस्स 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैट नं० 61, शांतिवन, खार, बम्बई-52 में स्थित है(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की द्यारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 2-3-1986

को पूर्वेक्त रम्पति के विवत नावार मून्य से कम के क्यानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित नावार कृत्य, उसके रूपजान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पत्त्वह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और बत-रिता (मन्तरितियों) के नीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त उन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरच वं हुई किसी बाय की बावत, उक्त विधित्वम् के वधीन कर दोने के वंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की की किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, किया विषय;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) बे व्यक्ति, निम्निकित व्यक्तियों, अयोग ः— (1) सुरेश इन्टरप्रायसेस।

(भन्तरक)

(2) श्रेश बी० कलरा।

(श्रन्तरिती)

को बहु बुधना चारी कंडके पूर्वोक्त बम्पति से नुर्वत् से विष्
कार्यवाहियां करता हूँ।

बन्द बन्दित् में मूर्वन् से बंदंध में कोई भी नासेंद्र ह---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की बनीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्वना की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति, वो भी अविभ नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाहा;
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ने 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवव्य हैं कर्मा कम्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिविय में किये का सकें ने।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा, जो उक्र अध्याय में विशा वहा हैं।

वन्स्यो

फलैट नं० 61, जो छठवीं मंजिल, शांतीवन, प्लाट नं० ए-7, जंक्शन ग्राफ चौदवां ए रोड, ग्रौर साउथ एवेन्यू खार, बम्बई- 400052 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसा की कि० सं० ग्राई-2/37ईई/31287/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.—

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रन्त्बर 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/32085/85-86- प्रत: मुझे, के० सी० गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह ब्रिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फलैंट श्री ग्रमृत सोसायटी, खार-दांडा, बम्बई 52 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 5-3-1986

को पूर्वों कर सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/शा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्रीमती क्सुमलता मनोहरलाल बजाज। (भ्रन्तरक)
- (2) ब्रिडेंट पेपर कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्च्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

"फलैंट जो श्रो श्रमृत को० श्राप० सोसायटी लिमिटेड प्लाट नं० 15, कार्टर रोड, खार-दांडा, बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-2/37ईई/32085/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

कें∘ सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

मोहर 🥲

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फलैट नं० 501, देवज्ञान घपार्टमेंट, खार, बस्बई 52, में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री है तारीख 6-3-1986

को प्वाँक्त सम्मित्त के उत्वित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबस, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कभी करमे या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/शा
- (क) ऐसी निकसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अन्सरण भें, भैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मेसर्स नेश्नल बिल्डिंग कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश रोशनलाल ग्ररोरा ग्रीर श्रीमती रमा सतीश ग्ररोरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्च्ला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ़लैट नं० 501, जो पांचवीं मंज़िल देवज्ञान भ्रपार्ट-मेंट, प्लाट नं० 543, 544, सतरावा रोड, खार, बम्बई 400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें सीर **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) सर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप बार्ड टी. एन एस —

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तुबर 1986

मिवेश सं० भद्दै०-2/37 ईई%-/31634/85-86-- मतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 41, जो गुलमोहर खार, बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), भौर जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दांपित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम क्रो धारा 269-म की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) मै० विजय दीप श्वेवलपमेंट ।

(मन्तरक)

(2) श्री मुर्ली पी० मोतीयानी, श्री तिरलोक पी० मोतीयानी धौर श्री जमनादास पी० मोतीयानी ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया ही।

अन<u>ु</u>स्**ची**

पलैंट नं 41, जो चौथी मंजिल, गुलमोहर प्लाट नं 152, जंक्शन नववा रोड ग्रौर एस० वी० रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

म्रानुसूची जैसा कि कम सं० म्राई०-2/37 हेई0/31634/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है 1

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2,बस्बाई

वारीख: 28-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लैट नं० 5, मी कासा बांब्रा, बम्बई-50 में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), घौर जिसका करारनामा प्रायकर घ्रधिनियम, की धारा 269 क, ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-3-1986

को पूर्वों क्त सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त को उचित्र बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वरेय से उक्त अन्तरण सिसित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबस, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायिस्त में कभी करमे या उससे बचने में सुविधा के सिए; और//मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री देवेन्द्र कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महमद युसूफ नूर महमद मोतीवाला श्रौर श्री नूर महमद उस्मान मोतीवाला श्रौर श्रीमती हवाबाई एन० मोतीवाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितकद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वही अर्थहोगा जो उत्तस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

फ्लैट नं॰ 5, जो पांचवीं मंजिल, मी-कासा, टौबीसवां रोड, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई० 2/37 ईई०/32099/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

शक्य बार्ड् टी. एन . एक ,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक वायक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तुबर 1986

निदेश सं० श्राई-2/37 ईई०/31258/85-86--ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसने इसने पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार वृश्व 1,00,000/-रु. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैंट नं० 1, जो विजय राज, खार, बम्बई 52 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 कख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई—में रजिस्ट्री है तारीख 2-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान दितफर के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का करण है कि यथाप्लोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य बृभ्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एवे ध्रथमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, सिम्नसिचित उद्वेषय से उच्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया च्या है:—

- (क) जन्तरम से हुई किसी नाग की, वासत, उसत सिंधिनयम के सधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते वचने में सुविधा के जिल; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें जारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मै० बिजय राज एण्ड एसोसिएट्स ।

(मन्तरक)

(2) मै० सुध्मा शिरोमनी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

जनत सन्धरित के वर्षन के सम्बन्ध में क्योर्च की बाक्येप >---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि वाद में तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में किसी स्थित प्रवार;
- (व) इतत्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में डिएकद्रभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच शिक्ति में किए वा सकतें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त विभिनयम, के कथ्याय 20-क में परिभावित इं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका नवा है:

अनुत्ची

फ्लैट नं० 1, जो पहली मंजिल, विजय राज प्लाट नं० 288, नवलां रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/31258/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 28-10-1986

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयंकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 ग्रम्तूबर 1986

निदेश सं० महि०-2/37 हैई०/32825/85-86-मतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 //- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, विजय-राज खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी है तारीख 7-3-1986

को पूर्वों कत सम्परित के उत्वित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित को उचित्र बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने कें अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-म् की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० विजय राज एण्ड एसोसिएट्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम कुमार वर्मा।

(मन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से

45 दिन की अविधि या तत्स बन्धी व्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पर्वाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

फ्लैट नं० 2 जो पहली मंजिल, विजय राज, प्लाट नं० 288, नगवां रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-2/37 ईई०/32825/ 85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनाक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख : 28-10-1986

प्रकृप आहु⁵. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्य, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

धम्बर्ड, दिनांक 28 श्रन्तूबर 1986 निर्देश सं० श्रर्द-2/37ईडि/32168/85-86--श्रनः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी क यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/(रा. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फलैट नं० ई-4, जोली हायराईन, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख, के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 6-3-1986

को पृष्ठीकत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह िञ्चास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे उन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बदेश्य से उक्त अन्तरण निकिम् वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/प्रा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित :——
19—376 GI/86

(1) श्री वामन जी० कैसारे।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रमिला एन० खटवानी, श्री नारायम वासूदेव खटवानी ग्रौर श्रीमती महेण्वरी वी० खटवानी।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(वह व्यवति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूखना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

"फलैट नं ई-4, जो जोली हायराईन श्रपार्टमेंट ए बिलंडिंग ,प्लाट नं 241-ए, पालीमाला रोड, बान्द्रा बम्बई 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-2-37ईई/32168/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 28-10-1986

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर 1986 निर्देश सं० भई-2/37ईई/32387/85-86-अप्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फलैंट तं० 9, लता सोनी सोसायटी, बान्द्रा, बस्बई 50 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कर से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-3-1986

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एंसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करमे या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/शा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिशित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्रीमती नन्दा माधनदास बनगारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुमार लख्मी चदं बनवारी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूच्ना के राजपक्ष मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे दिस व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सके गे।

स्पद्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस उध्याय में विस्था गया है।

अनुसूची

''फलैंट नं० 9, जो लता सोनी को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 93-बी, तीसवां रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा की क्र॰ सं॰ भ्रई-2/37ईई/32387/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

के० सी० भाहे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेंज-2ैं, यस्बर्ध

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप आई. टी. एक. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ट
बम्बर्ट, दिनांक 28 भ्रम्तूबर 1986
निर्देश सं० ग्रर्ह-2/37ईई/32402/85-86--भ्रतः

मुझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/। रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फलैट नं० 12, पैलेस सी व्हीयू, बान्द्रा बम्बर्ड 50, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रिजिस्ट्री है तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरिकी की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एको दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसि अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विजित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा को लिए; औरा/धा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग को, अन्सरण मी, मी, उक्तत अधिनियम क्री धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) सोमजीमाल मूलचंद गीयानी।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री तोलाराम लेखराज ग्वालानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपह्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारिमल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत विक्तयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फलैट नं० 12, जो तीसरी मंत्रिल, पेलेस सी व्हीयू 48, पाली हील बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० प्रई-2/37ईई/32402/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, वर्द

दिनांक: 28-10-1986

सांहर:

प्रस्प आई. टी.एन.एस.,-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986
निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/32212/85-86--श्रतः
मुझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विक्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 // रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव फलैंट संव 27 शातीवनम, बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्त है ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन मक्षम प्राधि प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं तारीख 6-3-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विशिक्त वास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; और/शा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चर्तः सर. उक्त अधिनियम की भारा 269-भ मैं अन्छरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती श्रीसीला इीगामा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती दीनाज ए० डीसं/जा श्रौर श्री श्रार्थन ए० डीसं/जा।

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्तिहै) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य विका द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरें।

स्पच्चीकरणः ——इसमेः प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जुधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

"फलैंट नं० 27, जो छठवीं मंजिल, शांतीवनम, गाली रोड बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है। श्रनुसूजी जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/32212/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6 - 3 - 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

केंऽ सींऽ माह सक्ष्म प्राधिकारी सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-2, वस्यई

दिनांक: 28-10-1986

शक्य बाहें, टीज पुगज पुरुष स्थान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) व मधीन स्चना

मास्त हरकार

कार्यांसर, प्रज्ञायक वायकत् त्रावृक्त (निरीक्षात्र).

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक: 28 ग्रक्तुबर 1986

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/32330/85-86—-म्रतः मुझे के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 1, प्लानेट, बान्द्रा (प), बम्बई 50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रेधिनियम की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवोंवत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यकान प्रतिफल से, एवं का तन प्रतिफल के बच्चह प्रतिश्वत से विधिक हैं सौर अंत क (जं रक्तें) बीर वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बबा प्रतिक्त लिम्नलिखित खड़देश से उन्त अंतरण लिखित से पास्तीवक रूप में किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स गेलेक्सी कन्स्ट्रकशन को० (ग्रन्तरक)
- (2) तहीरा एति हेमानी, शहजाद एस० हेमानी श्रीर श्राशा पी० मंदाविया। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति है अर्जन के संबंध में ऋहे भी बास्रेय--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्गल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और जदों का, जो उवल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ ह गा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"शाप नं 1, जो तल मंजिल प्लानेट टर्नर रोड, एफ पी नं 125, स्कीम नं 4, बान्द्रा (प),बम्बई 400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/32330/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रिजस्टिं किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∸2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप् आहुरै.टी.एन.एस.-----

শ। यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीजण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2.8 श्रक्तुबर 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/32191/85-86-श्रनः मझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधानः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन तथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मेल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4 सी, हील टाप, बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से बिणत है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क. ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-3-1986

को भूयंथित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रि एक भी लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण, है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्टा, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्का शिरुशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरित। (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिक्ष निम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित मे नास्तीक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- ्क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ा झराः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण चं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यिक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जी० सीवा प्रसाद।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री ग्ररुत कीचार ग्रीर श्रीमती सूमन कीचार। (श्रन्तरिती)
- (3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की महं सूचना चारी करके पूर्वोक्त धान्यों से के कर्जन की एक्क कार्यवाहियां करता हूं।

रक्त सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेंच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी श्र्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि माद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्राह्मारा;
- (क) इक्ष सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को छारी क म 40 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशह्य किसी अन्य स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी की पास भिष्ठि में किए जा सकारे।

स्पष्टीकरण.—-६समो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो टक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कः में परिभाषित दौ, वहीं वर्ष दोगा. जी तस अध्यास में दिया एका है।

अनुसूची

''फ्लैंट नं० 4 सी, जो हील टाप, पाली हील, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्रई-2/37ईई/32191/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 28-10-1986

प्ररूप आर्चे त्टी . एन . एस . ------

भागकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज+2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 28 प्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रर्ड-2/37ईई/31990/85-86-श्रतः मुझे, के० सी० णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शिक्ष परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यहिवदबास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं एलैंट नं 1, सी ग्लीम्स, बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रौर पूर्ण रूप से विज्ञात है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 5-3-1986

को पूर्विक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के अधिक्य में कमी करने या उससे अवने में गृथिशा को जए; और/या
- (प्सी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिजियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिजियम, या धरफर अधिनियम, या धरफर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

नतः अरु, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) रू अधीन, 'नम्निचित्र व्यक्तियो', अर्थात् :— (1) डा० भे० एन० थडानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वेकटरामन गौरीशंकर।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

जनत सपरित के अज्जीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अबहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बतसंची

"फ़्लैट नं० 1, जो तल मंजिल सी, ग्लीम्पस 31, बैरामजी जीजीभाई रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं श्रई-2/37 हैई/31990/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकार आयका (निरक्षिण) प्राचैन रेज-2, वस्बई

विनांक: 28-10-1986

प्ररूप बाई . टी . एत . एस . -----

भायवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तपः, सहायकः आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर 1986 निर्वेश सं० ग्रई-2/37ई5/32066/85-86--ग्रन: मुझे, के० सी० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्यू 1,00,000/- रह से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6ए, पालम कोर्ट, बान्द्रा, (प), बम्बई 50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका करारनाना भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 क. ख, के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 5-3-1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान वितास की लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह जिल्लास करने का लागा है कि गथापूर्वोक्षण संपत्ति का जीवत बाजार नृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एमे दश्यमान प्रतिकल का भन्त्रह प्रतिकत से निक्ति है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब माया पदा प्रतिकल, निम्निसिस उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कीथत वहीं किया गया है है——

- (क) जनसरण संहुद फिसी आय की शक्त उनत निधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के यदित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और∕या
- (अ) एँसी किसी आव या किसो धन या अन्य आहिन्यां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती व्वारा प्रकट रही किया गया था या किया भागा शाहिए था, छिपान में मुविधा के निए;

शतः गम, उन्त जीभीनयम की भारा 269-म के स्पन्तरण में, में, उन्त जीभीनयम की भारा 269-म की अपनारा (३३) के नभीन, निम्मिलिकिन काक्तिकां, वर्षात् क्रान्तरा

(1) श्रीमती निर्मेला दीपक संभवानी।

(भ्रन्तरक)

(2) थ्री अन्मत व्ही० हेगडे।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्द सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुख्या के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर अधिकारों में स किसी बाद ब्रह्मान:
- (ल) इस मुखना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिराबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित मों किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

"फ्लैंट नं० 6ए, भो पालम कोर्ट, प्रो०. ग्रालमेडा पार्क रोड, बान्द्रा (प), बम्बई 400050 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/32066/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० मी० शाह मक्षम प्राध्यकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **सम्**बई

विनांक: 28-10-1986

प्ररूप जाहै. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जंन रेंज−2, **बम्ब**ई

बम्बई, दिनांक 28 ध्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० प्राई-2/37ईई/31461/85-86—- मत: मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/। रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प नं० 5, विजयराज, बान्द्रा(प) बम्बई 50 में स्थित है और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसाका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/सा
- (क) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 20-376GI/86

(1) श्री रमेश सीताराम मोदी और श्रीमती रजनी रमेश मोदी।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० डी० मोटटी और श्री फ्रार० डी० मोटटी।

(अन्तरिती)^र

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

"पसैट नं० 5, जो विजयराज, 229, एस० वीं० रोड बान्द्रा (प) बम्बई 400050 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धर्६-2/37ईई/31461/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिशारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टडं किया गया है।

> के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरिक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बउ

विनोक: 28-10-1986

मोहर 🕄

प्ररूप आर्च. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तुबर 1986

निर्देश सं॰ म्रई-2/37ईई/31882/85-86----म्रतः मुझै, के॰ सी॰ शाह

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000//रु. से अधिक है

और जिसकी संव फलैट नंव 45, धरम ज्योति बान्त्रा (प) बम्बई-50 में स्थित हैं) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिस म ज्यारनामा आयहर

अधिनियम की धारा 269 क ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय बम्बई में पितस्ट्री है तारीख 5-3-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहण्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एरो उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाब्द, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिक्षा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्दल अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती गुणवती ए० मिरचंदानी और श्री ग्रर्जुन के० मिरचंदानी!

(अन्तरक)

(2) श्री जगवीश अन्द्र गर्ग, श्री शिवकुमार गार्ग श्री वेद प्रकाश गार्ग और राजेन्द्र प्रसाद गर्ग (अन्सर्राही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य विकित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फलैट न० 45, जो चौथी मंजिल धरम ज्योति, न्यू कांतीवाडी, भ्राफ परी कास रोड, बान्द्रा (प) बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रमुस्ची जैसां की कि० सं० श्रई-2/37ईई/31882/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां15-3-1986 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, सम्बद्ध

दिनां क: 28-10-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां र 28 ग्रक्तूबर 1986

निर्वेश सं० प्रई-2/37ईई/31543/85-86--,म्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फलैंट नं० 10, नवसवेरा सोसायटी, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणिम हैं) और जिसका करारनामा भ्राय कर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के भ्रधीन सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित साजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जुपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्:--- (1) श्री नरेन्द्र वामन सतपूते।

(धन्तरक)

- (2) श्रीमती सूरेखा श्रसरानी और हीरानन्द ग्रसरानी (श्रन्तरिती)
- (3) भ्रन्तरक। (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्ारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दीं और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

अनुसूची

"फलैट नं० 10, जो पांचवीं मंजिल, नयसवेरा को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड सी बर्ट 114, बैंगापजी जीजीभोय रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। श्रमुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31543/85-86 और जो सक्षम प्राधि गरी बम्बई द्वारा दिनां है 4-3-1986 को जिस्टई किया गया है

के० सी० धाह सक्षम प्रात्थिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनां $\tilde{v}: 28/10/86$

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भीमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धोरा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रन्तुबर 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/31929/85-86--श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० फलैंट नं० 4, कांती अपार्टमेंट बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 5-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री ग्रमीरवाली जुमा हाजी मस्कटवाला। (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री फिरोज गुलाम हुसैन लालानी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः → इसमें प्रयुक्त णब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

जनसर्ची

"फलैट नं० 4, जो आठवीं मंजिल, ए विंग, कान्ती ग्रापार्टमेंट, मांउट मेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

धनुसूची जैसा की ऋ० सं० धर्-2/37 हेई/31929/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज⊶2, अम्बई

विनांक: 28-10-1986

मोहरः

प्ररूप आहें <u>.टी.एन .</u> पुस<u>.</u>======

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) समै भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

धारत वरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निर्विक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तुंबर 1986

ंनर्दोश सं० श्रई-2/37ईई/31.542/85-86:-- अत मुझे, के० सी० शाह,

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 11 ए, लेंड बीज सोसायटी, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क् ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेथ्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्रियंत मही किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्तर जिमित्रम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आसित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए को, अनुसरण बो, मों उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) को अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अभित्:— श्रीमती सुगुन दास और हिमाचल कुमार वास

(भ्रन्तरक)

2. श्री पृथ्वी राज एस० भगत

(भन्तरिती)

3. श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को मह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हुं। उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोड' भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध , जो । अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाक्षण की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए था सकोंगे।

स्थव्छिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-रुत में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्**ची**

पलैट नं० 11 ए, जो लेंड ब्रिज को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 52, पाली, हिल, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रानुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-2/37ईई/31542/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

कें∘ सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनांक: 28-10-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजींन रेंज~2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निदश सं० श्रई-2/37ईई/31550/85-86:-- श्रत मुझे, के० सी० शाह,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्षारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 4, हिल निकेतन सोसायटी, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रमुत्त्वी में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करा रनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 4-3-1986 को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण जिल्कित में बास्तिवर अप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :——

 श्रीमती विना भाटिया और संजीव एस० भाटिया

(भ्रन्तरक)

2. श्री किशोर कपूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लैंट नं० 4, जो पहली मंजिल, हिल निकेतन को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सी० टी० एस० नं० 841, माउण्ट मेरी रोड, बान्द्रा (प), बम्बई-400050 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० म्प्रई-2/37ईई/31550/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० णाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रसम् बार्च<u>ः</u> टौ_ः पून_ः प्रस_{्थ} कारण

मायकर निभित्तिसमः, 1961 (1961 का 43) की 614 (1962 का 43) की

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक बायकर बाव्यत् (निर्द्रीक्य)

ग्रर्जेन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/32339/85-86:-- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० ए/7, सीलवर क्वीन, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-1986

को पूर्वोजित सम्परित के उजित बाजार मृल्य से कम के क्रयमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजाए भूल्य, उसके क्षयमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का गंदह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-कस निम्मीसिवत उद्योग्य से उक्त अंतरण शिक्ति में वास्तिकक क्ष में अधिक नहीं किया क्या है के—

- (क) अन्तरण में हुई किसी जायकी वावता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ∄ किए; आर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तिय। को, जिन्हों भारतीय जाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा से जिल्हा

अतः वतः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-व के वनुवरण के, के, इक्त विभिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- 1. डा० मनुभाई भगवाजी पटेल

(अन्तरक)

 श्री सुभाष दामोदर सोपारकर और श्रीमसी दमयन्सी दामोदर सोपारकर

(ब्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के तिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील छं 30 दिन की अविंध, जो और अविंध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (थ) इस त्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

श्रमध्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक जीभीनयम के जभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याम में दिया सवा है !

वनुसूची

फ्लैट नं॰ ए/७, जो तीसरी मंजिल, सौलवर क्वीन को॰ ग्राप॰हाउसिंग सोसायटी, सोनावाला ग्रग्यारी, लेन, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-2/37ईई/32339/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई में द्वारा विनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, सम्बर्ष

दिनांक: 28-10-1986

मोहरः

इस्य अस् । व्या प्रयान प्रयान

बायकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यास्य, बहायक मायकर आयुक्त (निर्देशक)

द्यर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 28 प्रस्तूबर 1986 सं० मई-2/37ईई/3130985-86:-- भ्रत मुझे, के० सी० गाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), '(जिसे इसमें इसमें परवार 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 32, क्षितिज, बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है)और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है तारीख 2~3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मभ्तेयह निश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश से उकत अंतरण कि बित में वास्त्रविक रूप से किथत नहीं किया व्या है :--

- (क) क्ष्यपन से हुई कि वी बाय की बायबंत क्षय भूभितिक्ष के ब्योग कड़ दोने के ब्याहक की बावित्व में क्ष्मी करने वा कबने बचने में बृविधा के किए; कोड/वा
- (क) ऐसी किसी नाव या किसी भन ना जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय जान-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, ना कल-कर अधिनियम, ना कल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अक्तरिती वृत्तारा प्रकट नहीं किया नवा था ना किया जाना आहिए था, कियाने में ज्विभा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. नटराज कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स एस० ग्रार० ग्रार० कन्स्ट्रकशन प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्सरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्यं कर्मित् के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हु---

- (क) इस स्थान के हायपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 विन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की व्यक्ति, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इन्ह बुबना के रावपण में प्रकाशन की तारीब ये 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-स्व्य किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा, भूभोहस्ताक्षरी के नास निवित में किए वा स्केंगे।

स्थव्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगे वो उस अध्याय में दिवा प्या हैं।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 32, जो तीसरी मंजिल, क्षितिज बिल्डिंग, हिल रोड, बान्बा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31309/85–86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-3–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी; सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

प्ररूप आद्दे टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयवस (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण पर्जन रेज-2, बन्वर्ड बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तुबर, 1986

सं० **ग्रई-**2/37ईई/31304/85-86:—-ग्रन मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षय पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,00**/- र**ा. **से अधिक है**

श्रौर जिह्नकी संख्या पलैट नं० 21, क्षितिजं, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है श्रौर उन्में उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के ख के श्रिधीन क्षिम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-3-1986

वा प्रविकः, संम्पात के उजित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उजित बाजार प्रथा, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्दरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निशिस्त उद्योग्य ए नवत अन्तरण किचित में बास्तीवक रूप से किचित महीं किया गया है ए—

- (क) जंगरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करन या उद्यस बचने में सुविधा के लिए; अर्ट/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बयोजनार्थ कर्यारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

1. मैपर्स नटराज कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. मैं पर्स बी० एम० श्रार० इस्टेटस् प्राइबेट लिमिटेड (श्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करणे पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अवन वे सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अधीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर अवस स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के यास निधित में किए जा नकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्युची

पर्लंट नं० 21, जो दूसरी मंजिल, क्षितिज बिल्डिंग, हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा कि क सं० श्रई-2/37ईई/31304/85-86 श्रीर जो अक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा विनांक 2-3-1986 की रिजस्टई किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, महायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-2, सम्बद्ध

दिनांक: 28-10-1986

्षकप बाह्र . ही. एव. एस.

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का ४३) की धारा 269-में (1) के अधीन समन।

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्तिक)

ध्रर्जन रेंज-2, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 28 ग्रन्तुबर, 1986

सं **े अई**-2/37ईई/32361/85-86:-- अत मझे, के० सी॰ णाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या प्लैट नं 303, कल्पक होर्मन, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है भीर इसमें उपाबद्ध भ्रनुमूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है भीर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 क ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 6-3-

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान - प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बृत्य, उभके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (श) एँसी किसी जाम या किसी भन या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जायत अधितियम, या पन कर अधितियम, या पन कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नाती किया गरा ना या किया जाना चाहिए था, जिपान में सुविधा जै लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

1. श्री सुरिन्दर सिंह भड़ी

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स स्टेंडर्ड विडीग्री डीग्री दीनीक्स

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिनी

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपीत्त के अर्थन के किए अर्थवारहवर करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समीध मा तत्मं नंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीम से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साथ में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेकित स्थिभितयों में में किसी स्थित स्वारत:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबथ्ध कि सी अन्य व्यक्ति दुनारा अयोहस्ताक्षरी के पार विश्वित में किए जा मकोंगे.

स्मर्क्तिक रुपाः - एसमें प्रयुक्त केन्द्रों और पर्दाका, जो उपक किपिनियम, के अध्याय 20-क में परिशासिक ही दही अर्थ होगा जो उस त्यन्याय में दिला स्वाप्ति

अन्स्थी

फ्लैट नं० 303, जो कल्पक होर्मप्त, प्लाट नं० 700, पैरी क्राम रोड, बान्द्रा (प०), बम्ब**६**—400050 में स्थित है।

अनुसूची जैया कि क सं० भ्रई-2/37ईई/32361/85-- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सीः शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

ं दिनांक: 28-10-1986

म्मेहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----मैन्स् बजाज देडसं

(ग्रन्तरक

2 नन्दा माधव दाम बनवारी

(भ्रन्तरिती)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- श्र (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रयतुबर, 1986

सं० **भई**-2/37ईई/32388/85-86:-- अत मुझे, के०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रतः से अधिक हैं.

प्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नव पालमीरा मोसायटी, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रीर जिसका करारनामा आयकर ग्रीध-नियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्द्री है, तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर∕या
- (स्त) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती वृधारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अत: अब:, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-इ की उपधारा (1) के अधीन, तिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी कारको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबषध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक गें।

स्पष्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त आधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

नन्सूची

फ्लैट जो सातवीं मंजिल, नव पालमीरा को ग्राप हाउसिंग सोभायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 593 बी, ' ईकवीमा रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैला कि ऋ सं० अर्ध−2/37ईई/32388/85— 86 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> कें सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

TE 1 (1777) 2-8130

अक्ट बाह्ं, टीन् **१**४ - १४- अस्तानन

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन क्वन

सारत सरकार

कार्यासम, सहायक नायकार सायक्त (निरीक्सण)

भर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 28 अवतूबर, 1986

सं • मई-2/37ईई/31625/85-86:-- अत मुझे, के • सी० शाह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269 ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी लां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

ा,0∩,000 /- रु से अधिक हैं भौर जिसकी संख्या क्लैंट नं० ए/2 ग्रावर स्वीट होम, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है और इनमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रोर जिन्नका करारनामा ग्रायकर श्रधि नियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सुक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्यवसान प्रतिकृत के मिए कन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वतत्त करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असको अपयमान प्रतिफल से एेसे अध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइँ किसी जाय की बाबत, अन्तर अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में समिशा थं निप्∷ त्ररि∕धः
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार आधानियम, 1922 (1922 का 11) या उ ग अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा ने विद्य

बंदा: अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-न जे सन्भरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- 1. श्री तेहमूरास्प जमशेद जी ईरानी भ्रौर भ्रन्य (भ्रन्तरक)
- 2. श्री मर्जबान नृसरवानजी खारीवाला श्रीर ग्रन्य (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्व क्षेत्र सम्मित्स को अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

अवस सम्मति के कर्षन के संबंध के कोई भी भाकते :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 वित की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चनाकी तामी से 30 दिन की अवधि, यो भी बविभ बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्धिकत्यां में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरण:--इसमें प्रमुक्त शस्त्रों और पहरें का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वह अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

क्लैंट नं∘ ए/2, जो तल मंजिल, भ्रावर स्वीट होम को • श्चाप र हार्जिंग्य सोनायटी लिमिटेड, 540, पाली रोड, बान्द्रा¶ बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि ऋ सं० श्रई-2/37ईई/31625/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० मी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

ब्रह्म बार्'. टी. एव. एव .----

बाधकर बीधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के बधीन स्थना

बारत संस्कार

कार्यास्य, सहाबक बायकर बाब्क्स (निरक्षिक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर, 1986

सं० ग्रई-2/37ईई/32397/85-86:- ग्रतः मुझे, के० सी० जाह,

शायकर अधिनियम, 1961 ('961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह चिश्वास करने का कारण हैं .क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या पलैट नं० 401, रीबेलो रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रीर जिलका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 6-3-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ख्रमान प्रतिफल के प्रें क्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया विया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिलिख की मिरनीसित स्था प्रतिफल की लिए तय पाया विया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिलिख की विया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिलिख

- (क) जन्मरण वे हुर्द जिल्ली काय की वावर, उक्त विधिन्यम् के वधीन कर दोने के बंदरक के वायित्य में कभी करने या उत्तरे वचने में श्रीवधा के लिए; बोर/या

क्यः क्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1. मैसर्स राजा बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

2. रोबाल्ड बीस ग्रौर जोन बेलीस

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को वह ब्याबा प्रार्थी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक्ष कार्यवाहियां सूरू करता है।

उद्ध सम्मिति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी जाओं :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि कर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाया;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रुच्य किसी व्यक्ति द्वारा, बभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिनाचित है, वही अर्थ होगा, जो उस बध्याय औं दया गया है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं 401, जो 401, जो बी, रीबेली रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

श्रनुसूचीं जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/32397/85-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें सी० माह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

क्ष्यई, दिनांक 28 प्रक्तूबर, 1986

बाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पथ्यात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 3, सीत्वा काफ्ट, बान्द्रा, बस्बई 50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राक्षिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 4-3-1986)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षिल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिमिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, -1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सविधा के लिए।

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण र गाँ, माँ, शक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ्— 1. मैसर्स कोजी होम बिल्डर्स।

(भन्तरक)

लीली फेडीकी लोबो,
 श्रीमती लीली ब्रोस्टीन लोबो,
 श्री ईथ ब्रांस्टीन लोबो

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

 यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ।--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

प्लैट नं० 3, जो, दूसरी मंजिल, सीलवा काफ्ट, पेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्राह-2/37ईई/31496/85–86 श्रीर जो गक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

दिनांक: 28-10-1986

मोहर

त्रस्य बाइ. डी. एन एव. ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संभीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायकः जायकार जायक्तः (गिरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर, 1986

निर्वेश सं० अई-2/37ईई/31142/85-86-- ग्रतः मृत्ते, के० सी० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269+थ के अधीन स्क्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पलैट नं० 403, किरन टावर्स, बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्स्ची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2—3—1986 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रधाप्वॉन्स्त संपरित का उचित-हाजार करने का कारण है कि ग्रधाप्वॉन्स संपरित का उचित-हाजार करने का कारण है कि ग्रधाप्वॉन्स संपरित का उचित-हाजार करने का कारण है कि ग्रधाप्वॉन्स संपरित का उचित-हाजार करने प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्राया प्रतिकाल निम्नलिखित उच्चवेष से उच्य अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया ग्रा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उसत अधि-नियम के अधीन अर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
- (क) एंनी किसी नाय या किसी नन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हां भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) तो उक्त अभिनियम, रा अभिक्ट अभिनियम, रा अभिक्ट विभिन्नियम, 1957 (1957 का 21) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के नित्र

अतः अवः, उक्त अधिनियस को धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैसर्स पी० एम्प्रो एक्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड (श्रन्तरक)
- श्री नादीक बद्धिीन लदक भ्रौर श्रीमती शबनम तादीक लदक

(प्रन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

की सब् स्थान भारी करके प्रांचत सम्पत्ति के अधान के विद् कार्यवाहियां शुरू करता हु।

कवत कम्परित के अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी शासीप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रशासन की तार्गेस ते 45 दिन की बर्बीभ या दरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दाबीस हो 30 दिन की समीभ, को भी स्विभ बाब में समाप्त होती हो, 'के भीदरें पूर्वीक्स स्वर्शिक में से किसी स्विभि क्वानता;
- (क) इस ब्रुपना के प्रकार को अक्षापन की तारीय थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बब्ध किसी जन्म अनित द्वारा अधोत्तरताकारी के याम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, भो उक्त अभिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रमा है।

अनुसूची

फ्लैंट न० 403, जो चौथी मंजिल, कीरन टावसँ, 45 पासी हील रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैका कि क सं० ग्राई-2/37ईई/31145/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, लक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

े प्ररूप आई¹. टी. एन. एस.-----

फिला 1061 (1061 हा 12) सी भारा

आयकर अधिनियम । 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 भ्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/32123/85-86:— श्रत मुझे, के० सी० शाह,

आयकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

कारण हु कि स्थावर सम्पास, जिसका उपसत बाजार मूल्य 1,00,000/- रठ. से अधिक हैं श्रीर जिलकी संख्या पर्लंट नं० 7, विला रोमाना, बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित है श्रीर इपमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है श्रीर जिलका करारनामा श्रायकर श्रधि नियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 6-3-1986।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरिश की गई है और स्थी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्रियमान प्रतिकल से, ऐसे द्रियमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिकल स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. ठक्कर कनस्ट्रमणन

(भ्रन्तरक)

2. श्री रमेश देवमल जर्यामह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

पलैंट नं० 7, जो, दूसरी मंजिल, विला रोमाना, सोलाब्स रोड, टी० पी० ए.स० 3, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित् है।

श्रनुसूची जैसा कि क संब श्रई-2/37ईई/32123/85-86 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० मी० शाह, लक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण, श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

मोहर

प्रारस्या आहुँ, टी. एन. एस. ------

क्षणकार श्रीपंत्रिण्य 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 ध (1) के अधीन राचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूधर, 1986

मं० श्रई-2/37ईई/31211/85-86:-- श्रतः म्झे, के० सी० शाह,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जियं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलैट नं० 31, क्वीनस् कार्नर बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित है श्रीर इसमें उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध-नियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-3-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रात्तफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह शितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निविचित उच्चेश्य में उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण स हाई किसी बाय की बानता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अ्चने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या उक्त अधिनियम, या अन- अदे आधिनियम, या अन- अदे आधिनियम, या अन- अदे अदिवास अदिवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन 'ज्यानिस्त ध्यक्तिया, अधीत :— 22—376GI/86

- 1. श्रीमती सूबेदा महमद ईक्राहीम
- 2. श्री सज्जद हुसैन बाहीद श्रली बकील (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अर्वाध या तत्मम्बन्धे अयिकतयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, बो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों कें से किसी व्यक्ति दवार;
- (का) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीके हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्यब्दीकरण : ----इसमें प्रवृक्त करवों बौर पक्षे का, को उक्त अधिनियम के सभाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिणा गया है

बन्सूची

फ्लैंट नं० 21, जो दूसरी मंजिल, क्वीनस कार्नर, कोर्नर म्राफ उनतीसवां श्रौर सोलावा रोड, बान्द्रा, बम्बर्ड-400050 में स्थिन है ।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/31211/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर स्नायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2,बम्बई

तारीख: 28-10-1986

प्रकथ आई. हो. एन. एत. -----

आफ कर अधिनियम, 1961 (19**61 का 43) की** भारा 269-थ (1) के अ**धीन सुचना**

भारत तरकार

कायोलय, सहायक जायकर जायका (निर्देशक) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1986

िनवेंश सं० श्रई-2/37ईई/32977/85-86:— **श**तः मुझे, के० सी० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर िसकी संख्या श्राफिस श्रीमायसेस प्लाट, नं० सी०-6, बान्द्रा (पू०), बम्बई-5 में स्थित है ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 14-3-1986

को पूर्वोजित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के **धर्यमान** प्रीडिश्वल को लिए बस्तरित की नहाँ ने और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि पंथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिकत के पंदाइ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, जिस्ती कि उद्योग से उकत अन्तरण लिखित में वास्ती क रूप से कि भित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वाबत, खबर लिधिनियम के लिधीन कर दोने के अन्तरक की बामित्व में कमी करने या उससे बचने में सृदिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या कस्य कास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियंत्र, या धनकर अधिनियंत्र, या धनकर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

करः अब, अक्ट सिंधिनियम की धारा 269-ग के अवस्था में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल। व्यक्तियों अधीत्:—— 1. मै० टाटा हाउसिंग डेनलपमेंट कम्पनी लिमिटेड (श्रन्तरक)

 दी न्यू इण्डिया एशूरेंस कम्पनी लिमिटेड (म्रन्तरिती)

को यह ब्रुवना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

क्षक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी जाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि शद में समाप्त हानेती हो, के भीतर पूर्वों कर्म व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्वित में किए का सकेथ।

स्माक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, वा उपल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अन्सूची

श्राफिस प्रीमायसेस जो पहली मंजिल पर प्लाट नं सी 6, ब्लाक ई बान्द्रा-कुर्ला नोटीफाईड एरीया, बान्द्रा कुर्ला लिंक रोष्ठ, बान्द्रा, (पु), बम्बई-400051 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-2/37ईई/32977/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1986 को रजिस्टर्ड िया गया है ।

कें० सी० माह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैंन रेंज ~2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

प्ररूप वाई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रनतूबर, 1986

निर्देश सं व ग्राई-2/37ईई/31308/85-86:— अत: मुझे, के विश्वास

बाव कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देशकों इसकों प्रकाश 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार नृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर सिकी संख्या पलेट नं 31, क्षिति । बिल्डिंग, बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारकामा श्रीयकर श्रधि-ित्यम की धारा 269 क ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्ब में रिल्स्ट्री है, तारीख 2-3-1986 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखिस में स्थानिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और /या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अधीत :--- 1. मेसर्स नटराजं कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स वरून कनस्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तारी से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेए।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं० 31, जो तीसरी मंजिल, सिविल बिल्डिंग, हिल रोड,बान्द्रा बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क सं० श्रई-2/37ईई/31308/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वार दिनांक 2-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

द्रमध्य आहर्षः, हो प्यः, एसः, --------

शायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अपन 260-व (i) में अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर, 1986 सं० ग्रई-2/37ई/31213/85-86-- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित्त वाकार मृज्य 1,00,000/- रु. से उधिक है

ष्रौर जिसकी संख्या फ्लेंट नं 141/151, निवाना श्रापर्टमेंट, वान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 के ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 2-3-1986

को पूर्वोध्य सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान शितकल के लिए अन्तरित की गई है जौर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण धूर्विक यथापूर्वोद्धत संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्धम्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- ्थः एसो किसी बाब वा किसी वस वा बास बास्तिनी को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम , या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अस्तिरित बुवारा अकट बही किया गया था या किया जाना चाहिए था दियाने में ब्रांचिया के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती 'निर्मला नटराज वाशी

(ग्रन्तरक)

 श्री मीनंचर जे० पी० मिस्त्री ग्राँर श्रीमती मनी मिनोचर मिस्त्री

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी कारके प्रविक्त सभारित के कर्जन के जिस् । आर्थवाहियां कारता हो।

जन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तालाम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की नामील में 30 दिन की अविधि, यो भी धर्मीं बाद मों समाप्त होती हो, ये भीतर पूर्वोक्त के, एक्टों ध्रा में किसी व्यक्ति दुवाना,
- (च) इस नदान के राज्यक में प्रमाध्यात को तप्रशिक से 45 पिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किया क्या व्यासित द्वान क्याहर क्षरा के पाक मिलित में किया जा सकींगे।

ल्ब्ब्डीकरणः—इसमे प्रयुक्त सन्दर्भिती पर्या का, श स्वयुक्त स्वीधितयस, के सध्याय 20-के से परिभाषित ह³, वहीं सर्थ होशा, जो उस अध्यास प^{्र}वधा प्रश रोत

श्रन्सूची

प्लैट नं ा41/151, जो निकाबा भ्रपार्टमेंट न ना को <mark>ग्राप हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, पाली हिल रोड,</mark> बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/31213/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० गाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), स्रर्जन रेंज–2, बस्बई

तारीख: 28-10-1986

हरूप बार्ड 🛭 हो 🚉 हुने 🛊 हुने 🗯

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 209-व (1) को बाधीन स्कृता

तारुक सङ्ख्यार

श्रमाजय, महायक त्रायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज -2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/31222/85-86:--प्राः मुझे, के० सी० घाह,

कानकर जीभीनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परभात् 'उक्त जीभीनयत' कहा गया है), की भारा 269-क के जभीन सक्षम प्राभिकारों को यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-क. से अधिक है

ग्रांर जिसकी संख्या पर्नेट नं 602, एकोस्ट, बान्ब्रा, (प), बम्बई-50 में स्थित (है ग्रांर इससे उपावश्व प्रनुसूची में श्रांर पूर्ण एप से यिणत है) श्रांर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधि नियम की धारा 26 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिक्स्ट्री है, तारीख 2-3-1986

की पूर्वेकिश संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के पश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित गाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 का 1!) या उत्त अधिनियम, या पन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नही किया गया भा या किया जाना शाहिए धा, खिपाने में सृविधा वे लिए,

भतः भवः, उक्त विभिनियम की भार 269 ग औ वन्परक मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीना, निम्निनियित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. मेसर्स जे० जी० बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रब्दुल ग्रजीज ग्रब्दुल गफुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बीठ किन की जनिया या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील हो 30 दिन की अविध, जो भी दविभ नाव में सभाप्त होती हा, के भीतर प्रतिकत्त स्विक्त में से किनी व्यक्ति दुवारा.
- (क) इस मुचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए या सकेंगे।

स्थळिकरणः ---- इसमो अमृक्त शब्दों और पयो भा, जा उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाधित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय या विया नया हैं।

अनुसूची

फ्लट नं० 602, जो, छठवी मंजिल, एकोस्ट 18/बी, पाली रोड, सी० टी० एस० 538, बान्द्रा (प०), बम्बई \rightarrow 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/31222/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह सक्षम प्रांघिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक: 28-10-1986

प्रक्य बार्च, टी. एन. ध्सं. मार्ग्यन

बायकार बधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) को वर्षीय सूचिता

गार्व वरकात

कार्यक्रप, सहाधक कायकर आयुक्त (निराक्षक) शर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिलांक 28 अक्तूबर, 1986

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) (चिसं इसमें रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-च के नमीन सक्षेत्र प्राधिकारी को यह थिवनास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी संख्या पर्लंट नं० 402, एक्नोस्ट, बान्मा (प), बम्बई—50 में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणित है) म्रीर िसका करारतामा मायकर म्रीध नियम की धारा 269 के ख के म्रीधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2-3-1986

को पूर्वों कत संपर्तित को उचित बाजार मृश्य से कम को स्थ्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि समावृत्वों कर संपत्ति का उचित नावार भून्य, अनको स्थ्यमान प्रतिफल से एोने स्थ्यमान प्रतिकस का पन्सह प्रतिकृत से विभिन्न है और यह कि अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती रियी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया नया प्रतिकृत, निम्निलिश्व उद्योग्य से उच्छ अन्तरण निविध में वास्त्रिक कम से क्रियत नहीं किया गया है अन्तरण

- (क) अन्तरक वे हुई किसी गाय की गावत, उक्त अभिनियम के अभीप कर दोने के अन्तरक ओ वासित्व में कभी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; बॉड/बा
- (४) श्वी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों कर्त, जिस्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या वित्त अधिनियम, धा धनवर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना पाहिए था कियाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :---

1. मेसर्स जे० पी० बिल्डर्स !

(भ्रन्तरक)

श्रीमती सफीया युसुफ भटी

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

अवत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप ह----

- (क) इस स्थम के समयम में प्रकाशन की रारीश वें
 45 दिन की नगिंध या तत्सम्मन्धी व्यक्तियों पर
 भूमना की सामील से 30 दिन को अविधि, को भी
 अविधि नाम में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (क) इत सूचना के राष्ट्रमा में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए का सकीये।

स्वेष्टिका -- इरामा प्रयावन शब्दों और पदों का, जो विक्षा प्रितिकास के अध्यास 20-क में परिकाशकर है, वहीं अर्थ होगा, जो उत्तर अध्यास में दिया नक हैं।

म्स्ची

पर्लौट नं० 402, जो चौथी मंजिल, एकोस्ट 18/बी, पाली रोड, सी० टी एस० नं० 538, बान्द्रा (प), बस्बई 400050 में स्थित है।

श्रनुचनी जैसाबि क सं० श्रई-2/37ईई/31220/857 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 2-3-1986 को रिजस्टिई किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय हर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप जाई.टी. एन्. एस--------

1. मेसर्स ए० जी० धिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रब्दूल जब्बार ग्रब्द्र म 🕟

(श्रन्तरिती)

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के बधीन सुमना

भारत संदुकार

कार्यालय, प्रहायक आपकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बर्ड, दिनांक 28 ग्रम्तूबर, 1986 निदंश सं अर्ध-2/37ईई/31219/85-86:- अत मुझे, के० सी० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,0(),()∪()/- -⊼. से अधिक हो

भौर जिसकी संख्या पसट नं० 601, एकोस्ट, बान्ध्रो (प), बम्बई-50 में स्थित है (श्रार इसमें उपाबद अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रांर जिसका हरारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 260 क ख ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिस्ट्री है, तारीख 2-3-1986 को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मूल्य से कम के राज्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रथमान प्रतिफल सं, एसे स्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह्रप्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया भितिफल, निम्नलिखित उव्दोध्य सं उक्त अंतरण लिखित मे बास्तितिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- क) बन्तरण स हार्च किसी बाय की वाचत , शावकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा क विष्यु, भौर/क
- (ब) ऐसी किसी अाय म किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हां भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिधम, या धन-बार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था टा किया जाना शाहिए था फ़िपाने में सविभा के लिए.

अतः अतः, उत्रतः अधिनियम की धारा 269-ग कौ अन्सरण जों, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जनके लिए कायवाष्ट्रियां करता है।

सक्त सम्बन्धि के अर्चन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, यां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तिकां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विष के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-**बदुभ किसी अन्य व्य**क्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्तः अधिभितम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

यन्त्र्यी

फ्लैट नं 601, जो छठवीं मंजिल, एकोस्ट 18/बी, पाली राइ, सीटू एस० नं० 537, बान्द्रा (प), बम्बई 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ सं० ग्राई – 2/37ईई/31219/85 – 86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1986 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ध्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-86

धक्य **भार**ं, दी. एन. एत्.-----

1. मैसर्स ऐं० जी० बिल्डर्स

2. श्रब्दुल मुनाफ श्रीर रूकीया दावृध

(अन्तरक)

(ग्रनं(रती)

बायकर अधिनियसः, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के ब्रंभीन स्थ्का

मारत सरकाड

कार्वासय, सहायक कायकर बाय्क्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1986

निवेश सं श्रई-2/31ईई/31221/85 86:-- ग्रतः मुझे, के सी शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) -(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

धौर जिसकी संख्या पलैट नं० 202, एकीस्ट, बान्ब्रा (प) बम्बई-50 में स्थित है (भ्रार इससे उपाबक भनुसूनी में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है) भ्रीर सिका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 2-3-1986

का पूर्विकत सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्सिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है रू

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- सभी किसी जाय था किसी भन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (19.7 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

दत: अप, उक्त औधनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— को यह सूचना कारी करके प्रतिकत सपरित के अर्थन के जिय कार्यवाहियां कड़ता हुं।

जनत संपत्ति को नर्पन को संबंध ने कोई भी न औप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अर्जाख, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर प्रविक्त क्यिक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्ष्यी के पास निस्त में किए जा सकी।

स्पष्टिंगिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त आयकर विधिनियंत्र को अध्याय 20 के में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

श्रन् सूची

फ्लैंट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, एकोस्ट, 18बी, पाली रोड, सी टी एस० नं० 538, बान्द्रा (प), बम्बई— 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के सं० श्रई-2/31ईई/31221/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनां र 2-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्ज न रेंज-2,अम्बर्ष

तारीख: 28-10-1986

मोहर

एक्स सार्थः टई. एस. एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-व (1) के वभीन स्वना

नारशं नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, विनांक 28 श्रक्तूबर, 1986
निद्या सं० श्रई-2/37ईई/31303/85-86:--- ग्रतः
मुझे, के० सी० शाह,

भायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 42) (िश्र इसभें इसके प्रशाह 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ज के अभीन सभम प्राधिकारी को यह निरमात करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 22, क्षितिज बिल्डिंग, बान्द्रा, बम्बई—50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि नियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, नारीख 2-3-1986 का प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान श्रीतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृन्दे यह विक्वाम

करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्बदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (अ) न्नरण वं हुइं फिजी भाष की शानन, उक्षत जीवनियम के ब्योग कार वाने के शत्कारक श्री जावित्य में क्यों करने या सबसे बचने में सुविधा के तिब; श्रीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उज्जा अधिनियम, राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहां किया नवा भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में ब्रिया ने सिए;

नतः जन, उन्त विधिनमन की धारा 269-ग के नन्तरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधप्र ﴿1﴾ के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ----23---376 GI/86 1. मैसर्स नटराज कारपोरेशन।

(मन्तरक)

2. एस० बी० श्रार० कनस्ट्रवशन प्राइवैंट लिमिटेड ((श्रन्तरिती)

को यह सुचना कारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्षम के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति को वर्जन् को संबंध में कोई भी बाक्षीय :--

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की जबीभ या तत्सन्त्राभी स्पित्तामों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी जबीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पित्तामों में से किसी स्पित्त इंबादा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गस लिकित में किए का सकेंगे।

स्वक्रीकरण — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, वा उपल अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही वर्ध होंगे। वो उस अध्याय में विद्या नवा हुँ।

अन्स्ची

फ्लैंट नं० 22, जो, दूसरी मंजिल, क्षितिज बिल्डिंग, हील रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/31303/85--86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-3--1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–2, बम्बई ।

दिनांक: 28-10-1986

मोहरः

प्रकृष कार्यः, ती. एतः, एसः, मन्नामनानानान

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा ५८६ म (३) को कथार श्रमणा भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक कायक र जायुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 28 श्चक्तूबर, 1986 निदेश सं० श्चर्ड-2/37ईर्ट/31245/85-85:—— श्चत मुझे, के० सी० शाह,

लायकर क्रिपिन्यम, (96) (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधित्यम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गय्पीत कियाता जीवत स्थार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत जल, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लगधारा (1) अंग≫ीत. जिस्त्रीलिक स्थानस्था, अचित ड—— कैप्टन व्ही० ग्रार० राजवाड़े

(श्रन्तरक)

- 2. श्री संजय दत्त श्रीर कुमारी प्रीया दत्त (श्रन्तरिती)
- 3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्र<mark>धिभोग</mark> में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लानियम के बध्याय २००क में परिशाणिक हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्थी

फ्लैंट नं ~ 8 , (पश्चिम), \Re जो ग्राटवीं मंजिल, ग्रप्सरा श्रीमती नर्गीस दत्त रोड, पाली हील,बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि क सं० श्चर्र-2/37ईई/31245/85-86 श्चौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 28-10-1986

मोहर 🔞

बचन मार्च हो. एव. एस. 💀

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त 269-व (1) के सभीन स्वाना

हारुष् स्टब्स्

क्षावांस्य, नहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० ग्र\$-c/37\$\$/31588/85-86:-- श्रतः मुझे के० सी॰ शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित शात्रार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या पलैंट नं० 202, वैद्य विला, सान्ताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य विणात है) श्रीर जिसका करार नामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 4-3-1986। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्रयमान श्रीतफल के सिए बन्तरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विष्वास भरने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृन्य, उसके द्रयमान श्रीतफल सं, एसे द्रयमान श्रीतफल की पम्बद्ध प्रतिकृत से बाँभक हैं और अंतरफ (जंतरकों) और अंतरित (अन्तरित सम्पत्ति के विष्या पामा की प्रमुखें की उक्त अन्तरण लिखित में श्रीतफल निम्नलिखित उव्योध्य सी उक्त अन्तरण लिखित में श्रीस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी जाम की बाबत, अक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अर्ड (क्यू) और /या
- (का) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम अधि धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जवा का वा किया जाना वाहिए था, क्रियाने में स्थिश के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, वृथित् :--

1. मैसर्स राजा भाटिया एन्टरप्राइसेस

(ध्रन्तरक)

2. श्रीमती शोभना जी० वैद्य श्रीर अन्य

(भ्रन्तरिती)

का यह युचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच क्ष्र 45 दिन की जनींच या सस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी नदिंच नाथ में समाप्त होती हो, को भीवर प्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुनारा;
- (क) इड सूचना के प्राचनम् में प्रकारक की सारीत के 45 दिन के भीतर उन्ता स्थानर सम्पत्ति में हिस- वसूध किसी जन्म न्यानित स्थारा, अभोहस्ताकरी के पास विशिक्ष में विष्यु भा सकी के ।

स्थव्यक्षिकरण:----इतमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्क व्यक्ति नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित (हैं) मही कर्ष द्वांगा, जो उस अध्याय में विद्या मध्या हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, वैश्व विला, प्लाट नं० 55, टी० पी० एस० 2, ग्रीन स्ट्रीट, सान्ताऋुज (प) बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-2/37ईई/31588/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्यक

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप बाइ. दी. एन. एस.-----

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजना, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1986

निवंश सं० मई $\sim 2/37$ ईई/31589/85-86:—- म्रत: मुझे, के० सी० शाह,

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 201, वैद्य विला,व सान्ताकुज (प०), बम्बई-54 में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है श्रौर जिसका करारनामा श्राय हर श्रीधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 4-3-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीफल के लिए गंतीरत की गई है और मूफे यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनारितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में हम्म के श्रित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आब या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, किपाने में सूर्विभा के विष्;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन. निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. मैसर्स राजा भाटिया एन्टरप्राइसेस
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्री पांडूरंग बाबूल जी वैद्य

(भ्रन्तरिती)

को यह नुषना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप हु----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रम्वत शब्दों और पदों का. जो उक्त किमिनियम, के अध्याय 20-क में दिसावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो, दूसरी मंजिल, वैद्य विला, फ्लोट नं० 55, टी० पी० एस० 2, ग्रीन स्ट्रीट, सान्ताऋ्ज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० ऋई-2/37ईई/31589/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहा4क श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें⊽-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रारूप आ**इ**ं.टी.एन.एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-र्ष (1) के क्रिफीन सम्बन्ध

भारत मरकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 28 ग्रक्तूबर 1986 निर्वेश सं० ग्रई-2/37ईई/32993/85-86--ग्रतः मझे के० सी० शाह

षाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ लैंट नं० 31, पर्ल पेलेस, सान्ताकृष (प) बम्बई 54 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध, प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख,, के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-8-3-1986

को पूर्वोक्स सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में असितिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मृत्यरण से हुई किसी माथ की गलत. अकल अधिवियम में स्वीय का दोने से बंदरक के न्यास्त में क्यी करने या उत्तर क्यार्थ में सविधा के लिए. बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय वावकर विधिनिवयः 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवयः गा धन-कर विधिनिवयः, गा धन-कर विधिनिवयः, 1957 (1957 का 27) के प्रभोधनार्थ अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं जिल्ले गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) किरन छिबिलदाम मेहता और श्री**मती कला** छिबलदास मेहता।
 - (श्रन्तरक
- (2) श्रीमती उषा भीनेश देसाई और श्री भीनेश नानुभाई देसाई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

बक्त संपरित के अर्थन के सन्धन्य में कोई भी आक्षय .---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध था तरसमंत्री ऋक्तिमां नर स्वता की तामील से 30 दिन की अविष जो भी अविष बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविकत कालकार का है किसी करिया ततारा.
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैट नं० 31, जो तीसरी मंजिल ,पर्ल पेलेस, एस० वी० रोड, सान्ताकृज (प), बम्बई 400054 में स्थित है। श्रृत्सूची जैसा की ऋ० सं० 3/37ईई/3299 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-3-1986 को ग्जिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ((निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रकप आइ. टी. एन . एस . -------

भागकर किंपिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

नारव प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रनतूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/32980/85-86--भ्रतः मुझे के० सी० शाह

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चान् 'उनत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अभीन सकाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार नृस्व 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० 4, ैरेज नं० 2, 3, मोदी निवास, सान्ताकुज (प), बम्बई 54 में स्थित है (और इसमें उपाब ब अनुसूची में और पूण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-3-1986

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की नई हैं सीर मुक्ते यह निष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का यन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे वन्तरण के तिए बय पामा गया प्रतिकाल, निम्नतिविक उच्चेष्य से उच्च अन्तर्थ नेसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है है—

- (क) अन्तरण से शुर्व किसी बाय भी बावस , जनत निश्चित्रप्र के अधील कर बोचे के बलारक की समितन में कभी करने वा सबसे वचने में स्वित्र। संक्षिप्त और/वा
- (ल) एंभी फि.ची बाय का फि.ची थए या बत्य बास्तिकों को, बिन्हों भारतीय बाय-कर बिंपनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्था बंबिनियम, या पत्र-कर निविषय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभाष अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए का, कियान से ब्रिय्श के स्था;

न्तः कथः उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कं अधीन, निक्किन्तिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री भ्रवूबाकर उमर और श्रीमती मेमूना श्रम्माकर।

'(ग्रन्तरक)

(2) श्री विनोव जी गोहिल।

(ग्रन्तर रिती)

की बहु बुज्या चारी कारके पूर्वोक्त बंधिश के ध्रवंत के शिक्ष कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उत्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाध्येप ह---

- (क) इस स्वता के राज्यक में प्रकाशन की तारीक क 45 दिन की बविभ मा उत्संबंधी व्यक्तियों पर भूकना की तामील से 30 दिन की वनिभ, जो भी नविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध सिक्सी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित मों किए वा दकी ।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त बच्चों और पर्वों का, वो उपद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही क्षे होगा वो उस अध्याय में विशा नवा है।

अमूस्ची

शाप नं० 4, औं ग़ैरेज नं० 2, 3, जो मोदी नियास को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सान्ताकृज (प) बम्बई 400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्रई-2/37ईई/32980/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय अम्बई हारा दिनांक 14-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है 1

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, बस्बर्द

विनांक: 28-10-1986

प्रस्प आई.टी.एन.एस .----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रक्तू धर 1986

निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/31553/85-86--म्रतः मुझे के० सी० शाह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 201, पदमा सोसायटी विले पार्ले (प), बम्बई 56 में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद्ध अनु सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारोख 4-3-1986

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कभ के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया दितका, निम्नलिखित उद्भुष्य से उच्च अन्तरण निक्तिस बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंगरण स हुइ किसी आय की बाबस, उथस अधिनियम के अभीन कर दोने के अंग्ररक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; आरे/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सूबिधा के लिए;

जतः वय, उप्कत आभिनियम, कौ भारा 269 न के बन्तरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269 म की उपभाग (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः -- (1) प्रवीन ओ० माह।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जमनादव व्ही मोदी और श्रीमती जसवंती जें भोदी।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके प्यंक्ति संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के तंबंध के कोई भी बाक्षेष 🚁 🗝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

अम्स्ची

फलैट नं० 201, जो पदमा को० ग्राप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, एस० वी० रोड, विले पार्ले (प) बम्बई 400056 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क्र॰ सं०/ग्रई-2/37ईई/31533/ 85-86 अऔर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रैंज–2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

में **हर**:

प्रस्प आहे. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 प्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/32132/85-86--ग्रतः मुझे के० सी० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात: 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ा. 00,000/- रु. से बिधक हैं
और जिसकी सं० फलैट न० 401, हेमा, सान्ताजका (प)
बम्बई 54 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से बिणत है) और जिसका करा-नामा धायकर
धिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 6-3-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान
मैतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास
करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से ऐसे इश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
बद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित

- (क) सन्तरण में हुई किसी आप की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के योगितन में कमी करने या उससे अचन में मृतिभा कलिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाला आहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: अन, उक्त अधिनियम को भारा 269-न के बनुबरम को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित क्षित्रयों, अर्थाक्:— (1) स्काय बिल्ड प्रायवेट लिमिटेड।

। (श्रन्तरिक)

(2) श्रीमती कूमूदबेन कीर्ननलाल शाह और श्री भ्रशोक कीर्तनलाल शाह।

(ग्रन्तरिती)

को बह त्यना जारी करके प्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ::---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, से भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास्क लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जया हैं।

अनुसूची

फलैंट नं 401, जो हेमा, एफ प्लाट नं 13,टी वि एस 4 सान्ताकुज (प), बम्बई 400054 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा की क सं श्रई-2/37ईई/32132/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्रकल् बाह्र . टी. एन. एव. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० श्रई०-2/37 ईई०/3 2493/85-86--- मत मुझे, के० सी० शाह,

बायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचाह 'उन्त निभीनयम' कहा गया ही, की पारा 269-ल के लधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 3,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट न० 302, मंगल नेवितिया, सांताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्त संपरित के स्वित बाबाह शूक्य से क्रम के दरवमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है बाँद मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि सका पूर्वोक्त सरूपित का उच्चित बाबार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से बीचक है बाँद बन्तरक (अन्तरका) बाँद अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाना प्रतिफल निम्नितिचित उद्देषय से उसल कन्तरण निचित को वास्तिक कर से अधिक नहीं वास्त वक्त है कुन्तर कर्तरण की लिए तय

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वावता, उक्ल जीवनिजय के जंभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/वा
- (११) एमी किसी जाय वा जिली थन वा जन्य आस्तियों के अबल अस्तिये अस्य अस्ति प्राप्त कर अधिनयमा १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिला

लतः शव, जक्त अधिनियम की भारा 269-ण में अनुतरण भाँ, माँ, उद्यस अधिनियम की भारा 269-च की उपभाग (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
24—376GI/86

(1) मधीजा बिल्डसें।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती मनजीन कौर छदा और श्रीमती मतनाम कौर छदा ।

(भ्रन्तरिती)

का मह स्वता बारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

. उक्त नम्परित के बर्जन के संबंध में कोड़ी भी बाक्सप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय भें 45 दिए की अवधि या तस्में नेपी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्यक्तियों भें से किसी ऋष्कर द्वारा:
- (क) इत स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावत सम्मित सम्मित में हितवबृथ किसी वन्य स्थावत वृशाय, तथोहस्ताक्षरी के वास निश्चित में किए का वर्षों ने।

स्वस्वीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्द और पदौं का, वो उक्त अभिनियम के संभ्याय 20-क में परिभावितः है, वही अर्थ होगा को उस अभ्याय में विमा गरा है।

नन्यूची

फ्लैट नं० 302, जो मंगल नेशातिया प्लाट नं० 10 बी, सरोजनी रोड, सांताकुज (प), बम्बई-400050 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा ि कम सं० श्रई०-2/37 ईई०/32493/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टई किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 28-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के वधीन स्पना आरत सरकार

भावनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० भ्रई०-2/37 ईई०/32699/85-86--म्रत: मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त किनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च कें बधीन सक्षम प्राधिकारों को मह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार भूच्या 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 702, सूजल सांताऋज (प) सम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबक्क श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-3-1986

क कायालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 7-3-1986 को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-एल, निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय की बाबए, अबद बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्त में कमी करने या तससे बच्चों में स्विशा के किए? और/धा
- (अ) गिभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह^{ें} भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, मिम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं एकाय बिल्ड प्रायवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनेश के० भीमानी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूर्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

असल सक्यरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्रेय:----

- (क) इस स्थना के राज्यम में प्रकासन की टार्टीस से 45 दिन की जनिंध सा उत्संजंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की जनिंध, को भी बनींस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपन में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य स्थाक्त ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाश शिक्ति में किसे का सकीने।

स्वव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, वां अक्स विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिश्राविद्य हैं, वहीं कथं होंगा जो उस कथ्याय में विद्या गया हैं।

अनुसूची

पलैट नं० 702, भो सूजल एफ प्लाट नं० 13, टी० पी० एस० 4 सांताऋजं (प), बम्बई-400054 में स्थित

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-2/37 ईई०/32699/ 85-86 और जो सक्षम प्राधि ारी, बम्बई द्वारा दिनां क 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शशाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−2, बम्बई

तारीज : 28-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) क्षी भाडा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाइ

शार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

्बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निर्वेश सं० भ्राई० 2/37 ईई०/32698/85-86---भ्रतः मुझे, के० सी० शाह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् वाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 301, हेमल विले पार्ले (प), बम्बई—56 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-3-1986

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथ्यपूर्वेक्ति सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंबत स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० स्काई बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रकांता भी० रास्ौापुर । (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वी ता सम्पत्ति कं वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं क

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र के प्रकासन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

पलैंट नं० 301, हेमल, भो प्लाट नं० 5, हतकेश नगर को० श्रापरेटिव हार्जिस सोसाइटी लिमिटेड, जे० बी० पी० डी० स्कीम, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/32698/ 85-86 औरभो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 28-10-1986

त्रक्य नाहीं टी एन एस : -----

जावकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-न (1) जे अधीन सूखना

STREET STREET,

कार्यासयः, सहायक भायकर नावृक्त ((निहासिक)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां त 28 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ब्राई०-2/37 ईई०/32696/85-86--ब्रतः मुझे, के० सी० शाह,

मासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवार्श 'उक्त विभिनियम' कहा ग्या है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 103, सूजल सांताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ध्रायकर प्रधि-नियम, की धारा 269 कफ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-3-1986

को पूर्वेक्त सम्परित के उषित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दे हैं और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यी) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निविद्यत उद्युविद्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक क्य से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्ति व्यक्तिनों, अधीन, निम्निविक्ति (1) मैं • स्काई बिल्ड प्राइवेट निमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रुक्मणी के० ग्रसुदानी और भ्रन्य। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के कर्जन के संबंध में कोई भी बाधांप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

फ्लैंट नं० 103, भो सूजल एफ प्लाट नं० 13, टी० पी० एस०, सांताक्षृज (प), बम्बई-400054 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैमा कि क्रम सं० श्राई०-2/37 ईई०/32698/ 85-86 और भो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्कर्द

तारीख: 28-10-1986

प्रारूप बाहैं ही एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वयीन ब्याना

भारत तरकार

कार्याचन , रहायक जानकर नावृत्तः ([पर्यात्का)

श्रर्जन रेंज −2, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर 1986 निर्देश सं० अई-2/37ईई/32559/85-86-- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

कामकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इलको परकात् 'उक्त जिनियम' कहा गया है'), 🖼 पारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलेट नं० 203, सूजल सान्ताक्रूज , (प); बम्बई 54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, खा, के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिक्स्ट्री है तारीख 7-3-1986

को पूर्वेक्सि सभ्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अविकास के सिए अंवरित की नहीं ही बार मुझे वह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पृति का उचित वाबार मून्य, उसके धर्यमान प्रतिकास से, एसे धर्यमान प्रतिकास का क्लाह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एखें जन्तरूज के किए तथ पावा नया इतिकास, निम्निमित्त अक्टोस्य ते अक्त बंतरण विविध में पारत्यिक कर वे क्षीपत नहीं किया पना है ह---

- (क) बस्तरण में हुई किसी बाब की ताबछ, विविधियम को विभीन कर बोने को लानरामा को द्वारिएस में कमी करने या शबते बचने में स्विधा के सिए थरि/श
- (च) ए`सी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियाँ कारे, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमिनियक की अनकार **मिनियम, 1**957 (1957 का 27) राजधीलराजी अन्तरिती वृत्राच प्रकट नहीं किया गया था या **विका जाना चाहिए था कि**पाने में साधिया को लिए,

बता क्य जनस वरिष्यिय की भाषा 268-य से वर्करण में, में उचर मधिनियम की भारा 269-व की उपभाग (1) 🛋 अभीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) स्काय बिल्ड प्राथबेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2.) हमा रमेश सावला श्रीर रमेश तंजशी सावला

(अन्तरिती)

का बहु बूचना बारी करनी वृद्यों का सम्मारत के अर्थन के ज़िए कार्यवाहियां शुरू करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राजपण में प्रकाशन की नारीच से 4.5 व्या की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी ताबीध से 30 दिन की अविध, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति क्यारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के दिवबक्क किसी बन्ध व्यक्ति व्यारा अधेष्ठस्याक्षरी के पास जिक्ति में किए या सकते।

ल्यकटीकरणः—इसमें प्रयुक्त कर्काओर पदी का, जो उच्छ स्थितियम के अध्यार 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

भनुसूची

पलैट नं० 203, जो मूजल, एफ प्लाट नं० 13, टी० पी० एस० 4, सान्ताऋ्ष (प), बम्बई 400054 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा की कि मं० भ्रई-2/3ाईई/32559/ 85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा धिनांक 7-3-1986 को रिगस्टर्ड किया गया है।

> के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर 1986 निवेंग सं० भई-2/37ईई/32558/85-86-- श्रतः मझे के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं पर्लंट नं 202, सूजल, सान्ताकुज (प), बम्बई 54 में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) भौर जिसका करारनामा भायकर मधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी कार्यालय बम्बई में रिनस्ट्री है तारीख 7-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वंद उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निकालिक्त अमिनतमों, अभीत् :--- (1) स्काय बिरुड प्रायवेट लिमिटेड।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती भागवती ए० ग्रसवानी ग्रौर श्री सुरेश ए० ग्रसवानी।

(भ्रन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास न्तिखित में किए जा सकर्गे।

स्यव्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, जो सुजल, एफ प्लाट नं० 13 टी० पी० एस० 4, सान्ताक्रज (प), बम्बई 400054, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० $\xi-2/37\xi\xi/32558/85-86$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब ξ द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्ट δ किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 28-10-1986

राज्य कार्यः, टी., प्रमूत प्रमूतकारकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बाउन स्टब्स

कायाल्य, सहायक भावकार भाव्यक्ष (निरीक्ष्य)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अन्तूबर 1986

निर्वेश सं० अई-2/37ईई/32398/86-85— अतः मुक्ते, के० सी० शाह,

बायंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० शाप नं० 12, 13, विशाल ग्रपार्टमेंट, भ्रवेंरी (प), बम्बई 69, में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध, भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रांर िसका करार-नामा भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 6-3-1986

हो पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्त से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्यरम चे हुइ किसी बाय की बावत, उपत अभिनियम के अभीन कर बाने के बन्तरक के दायिता में कमी करने वा उपसे बचने में सुविधा के लिए: बार्-/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्सियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, द्या धनकर अधिनियम, द्या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतत जब, उक्त जीवीनयम की वारा 269-व की जन्सरक हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिजित व्यक्तियों, अवित ∷—— (1) मास्टर परेश फेमिली ट्रस्ट श्रीर संदीप फेमिली ट्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री ललीत कुमार चुन्नीलाल गांधी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई नी बाक्षेड्ड--

- (क) इस त्यमा के राज्यम में प्रकारण की तार्रीय से 45 किन की अथिए या तत्सध्यत्वी व्यक्तियों इस स्थान की तानील से 30 दिन की नविथा, से भी संदर्भ बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रवासित स्थानसम्बद्धी में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विव के बीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितवब्ध किसी जन्म स्थावित बुवारा बधांहस्ताक्षरी से पाक्ष विशेषक में विकार का सकों ने ।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, भो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

शाप नं० 12, 13, जो तल मंजिल विशाल प्रपार्टमेंट शोपिंग सेन्टर, सर एम० व्ही रोड, श्रधेंरी (प) बम्बई 400069 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा की करु संरु श्रई-2/37ईई/32398/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रिजस्टर्ज ितया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें⁻⁻-2, बस्बई

दिनां : 28-10-1986

प्रकप बाह् . दी . एन . एस . ------

बायकर किंतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीत स्वतः

भारत सरकार

कार्यामय, महायक आयकर जागृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिलांक 29 ग्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/32754/85-86- श्रतः मुझे के० सी० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० ए~1, नंदिकशोर इन्डस्ट्रियल इस्टेट अधेरी (प), बम्बई 93 में स्थित है (ग्रीर इससे, उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिन्यम की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है सारीख 7-3~1986

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार स्था में कम के स्वयमान कि किस अन्तरित की मह हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके क्रवमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिकत का पंदह प्रतिकात से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए गय पाया गया गित-फल निम्नितिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावस , उक्ट बिधिनियम के अभीत कर दोने के बन्तरक की बाधित्व के कभी करने या उत्तस क्वने में सुनिभा की सिए; बहि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य जारित्यों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 71) या उन्तर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ बन्दरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया भी वा किसा बाता बाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधित् (1) श्री अनिल जी जाज और श्री दीपक जी

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स प्राय० एस० मोल्डम एण्ड स्पेयर। (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरक। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रन्तरिती।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पृथेक्ति सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिव की वनिध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सविध, को भी सक्षि वाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारिन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिक में व्यक्ति वा स्थानी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो ेउक्त विविश्वित के विभाव 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

"युनिट नं० ए~1, जो तल मंजिल, नंदिकिशोर इन्डस्ट्रियल इस्टेट महाकाली केव्ह रोड, श्रधेंरी (पु) वम्बई-400093 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्रई-2/37ईई/32754/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्रज**न रेंज–2**, बम्बर्ध**

दिनांक: 28-10-1986

मोहरः

म्बार् वार्षे हरे, दुन् पुर्व ुका-जामका

बायकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बभीन सूत्रना

सारक सहस्राह

कार्यांचन , सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षाण)

श्रर्जेन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986

निवेश सं० ग्रर्श०-2/37 ईई/32969/85-86--ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

अप्रयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट 1, 12, राज इण्डिस्ट्रियल वेयरहार्जीसम कोम्पलेक्स, बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुलूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क खके श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-3-1986

को वृत्तीपत सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के क्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुभी यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके एर्यमान पतिफल सं, एसे क्रयमान प्रतिफल का कन्य प्रतिकत का किया वार विकास का विद्या से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बार विन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब वास वया प्रतिकत, निम्निचित सद्देश्य से स्वत्त अम्तर्च किया वया प्रतिकत, निम्निचित सद्देश्य से स्वत्त अम्तर्च किया वया है है—

- (क) अन्तर्भ ने हुई किसी नाव की नावत, उत्त अधि-नियम के अभीन कार को के अन्तरक को वासित्व में क्यी कारने या अस्ते कको में सुविधा के सिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, क्लिपाने भी द्विधा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
25—376 GI/86

- (1) मैसर्स भ्रव्वल होस्डिंग्य प्राइवेट लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- (2) हारमनी इनवेस्टमेंट प्रायव्हेट लिमिटेड (म्रन्तरिती)

भी यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वी वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

वनत सम्बद्धि के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई श्री आसोप्र=

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच की 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हित-बध्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नथोहरताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण'--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, जो उक्छ अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाविष्ट हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

यूनिट नं० 1,12, जो तल मंजिल ए विंग, राज इण्डस्ट्रियल वेयर हाउसिंग कोम्पलेक्स, मिलीट्री रोड, मरोल, बम्बई— 400059 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-2/37 ईई/32969/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई द्वारा दिनाक 14-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ब**म्बई**

तारीख: 28-10-1986

कार्क जार्चु <u>हो पुन पुन -----</u>

भागकर विधिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सुवसा

भारत प्रस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनाक 28 ध्रम्तूबर 1986 मिथेश सं० ध्रई-2/37 ईई/32970/85-86--ध्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 13, 14, 15, 16 राज इण्डस्ट्रियल वेर हाउसिंग कम्पलेक्स, बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 14-3-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उण्जित बाजार मृत्य से कम को इध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्के यह विद्यास करने का कारण है

क यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिसी (अंतरितियों) के भीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (स्व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्यिधा को निए.

कतः अब, उक्त किंधिनियम की धारा 269 व के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मै० श्रव्यल होल्डिग्स प्राइवेट लिमिटेंड ।

(मन्तरक)

(2) मास्टर यसीन एस० कल्याण श्रली एस० कल्याण और श्री अमीर एस० कल्याण।

(मन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्चन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आखेर ह--

- (क) इस स्थाना को रायपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृथवा की ताबील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्देश किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यक्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ. कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

बनृस्ची

यूनिट नं० 13, 14, 15, 16 जो तल मंजिल, ए विंग, राज इण्डस्ट्रियल वेर हाउसिंग कम्पलेक्स, मिलीट्री रोड, मरील, श्रन्धेरी (पू), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37 ईई/32970/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां क 14-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

ता**रीखा** : 28-10-1986

प्रचम बार्च हो प्रमाप्त हम्मान

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत प्रदेशार

कार्यनव , सहायक बायकर जानुक्त (विर्देशक)

भर्जन रेंज-2, बस्बई बस्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986 निवेश सं० शई-2/37 ईई/32044/85-86- भतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 602, केसा ब्लेंका, विले पार्लें (पू), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा धायकर धिनियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 5-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए जंतरित की नई है और मुखे यह निश्वास करने हारने का कारण है कि बचापुर्वोक्त चंतरित का उचित बाजार क्ष्म, उपले क्यमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का क्ष्मह प्रतिचात से विभक्त है जौर जंतरक (जंतरकों), जौर अंतरिती (वंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के निए तय पाया यवा प्रति-क्ष निश्नलिखित सब्देश्य से सकत बंतरण निचित्त में वास्तिक क्षम से कृष्यित नहीं किया नवा है क्ष्म

- (क) अन्तरण वे इ.इ. जिली जान की बावत, उपत बिचियम जी जजीव कर देने के अन्तरक जी दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के किए; बॉर/बड़
- (क) एकी किसी बाय वा किसी थव वा बन्ध बास्तियों की, जिक्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः भग, उक्त अधिनियम की धारा 269-न से जनुसरज भौ, मी, अक्त अधिनिधम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तिमों, अधीस क्र-व्य (1) मैं सिराज कोरपोरेशन।

(मन्तरत)

(2) श्री चन्द्रकांत वीरचन्द्र क्षावेरी और श्रीमती मूनवन्ती बेन वीरचन्द्र झवेरी। (भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हूं।

व बच स्म्परित के अर्थन औं संबंध कें क्रोड़ औं बाक्षे ह---

- (क) इब ब्यान के राजपम में प्रकाशन की तारीं व से 45 विन की नगीं ना तरकम्बर्गी व्यक्तियों पृष्ट सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी वर्षी गांव में स्वास्त्र होती हो, के भीवड पूर्वीका व्यक्तियों में वे किसी व्यक्तिय ह्वाउउ;
- (ण) इस ब्रूचना वै राज्यम में प्रकादम की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य कम्पर्रित में हितबस्थ किसी ब्रूच व्यक्ति स्वारा बभोइस्ताअ्टी के पास किरवत में किए वा स्केपी;

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 602, जो छठवीं मंजिल, कासा ब्लेंका, प्लाट नं० 227, परांजपे स्कीम, एम० जो० रोड, विले पार्ले (पू), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई-2/37 ईई/32044/85-86 और भो सक्षम श्राधि ारी, बस्बई द्वारा दिनां $\sqrt{5}$

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−2, बम्बई

तारीख: 28-10-1986

प्रकप बाह् , टी , एव , एस , ०००-५००००

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्नाक्रम, तहायक शायकर नायुक्त (निट्टीकर्न)

भ्रजॅन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986 निदेश सं० भ्रई०-2/37 ईई/31410/85-86--भ्रतः मुझे, के० सी० णाह,

आयकः श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 3, 4 राज इण्डस्ट्रियल वेयर हाउसिंग काम्पलेक्स, बम्बई—59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के एवयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके एवयमान प्रतिफल से, ऐसे एवयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से बीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात , निम्निचित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विविद्य में बास्त-विक स्थ से कथित नहीं किया गया है अ—

- (क) अन्तरण से हुए किसी अग्य की, बारल, उक्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससं बजने में भूविधा के लिए; और/मा
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ा किया जाना चाहिएं था, छिपाने में सुविधा के किएह

अतः अरं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण तै, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की खपभारा (1) के अधीन, निस्नतिस्ति स्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं श्राव्यल होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री शेख सुल्तान श्रख्तार दावूद हुसैन । (श्रन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वनित संग्रीत के सर्जन के तिए कार्यग्रीहमां शुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकों ने।

स्वव्यक्तिकरणः -- ५ समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो सकत क्षिनियक, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वपुस्यी

यूनिट नं० 3, 4 जो दूसरी मजिल, ए विंग, राज इण्डस्ट्रियल वेयर हाउसिंग मिलीट्री रोड, मरोस, बम्बई— 400059 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा ि कम सं० श्रई०-2/37 ईई/31410/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बस्बई

तारीख: 28-10-1986

प्रकप कार्य 😅 हाँ 🖫 पुत्र 🚉 पुत्र 🗝 🕶 🕶 🖼

नायकर विधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निराक्षक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर 1986

निर्धेंग सं० श्रई-2/37ईई/31411/85-86— श्रत: मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इतके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 12, 13, राज इन्डस्ट्रियल सैयर हाउसिंग काम्पलेक्स, बम्बई, 59 में स्थित हैं (भीर इससे उपावश्च प्रनुसूची में प्राँर पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रौर जिसका फरारनामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 4-3-1986

की प्रशिक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उन्तर अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरभ से हुई किसी आय की बावत, उस्स अधिनयम के अधीन कर धीने के अन्तरके के वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के विष्युः

क्षतः अंक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग औ अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- (1) मेसर्स भ्रम्बल होल्डिंग्स प्रायवेट लिमिटेड। (भ्रन्तरक)
- (2) शेख इफतखार हुसेन दावूदहुसेन। (अन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्यक्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राचपत्र में प्रकाशन की शारीख सं
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होके को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्की

यूनिट नं 12, 13, जो दूसरी मंजिल ए विगरोड, राज इन्डिस्ट्रियल वेयर हाउसिंग कोम्पलेक्स, मिलट्री रोड, मरोल, बम्बई-400059 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि कि सं० भ्रई-2/37ईई/31411/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज –2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

शक्य बाही, बी. युवा युवान्तराज्या

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीम सुम्बा

STREET STREET

कामीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 भनतुबर 1986

निदेश सं० मई-2/37ईई/31412/85-86- भतः मुझॅ, के० सी० शाह,

श्रीयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की गरा 269-च के अभीन सक्षम श्रीधकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाणार मुख्य 1,00,000/- रा. से बिधक है

भौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 401, नेहरु रोड, विले पार्ले (पु) बम्बर्ट 57 में स्थित है (भौर इससे उपाबक्क अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) भौर जिसका करारनामा भायकर घिनियम की घारा 269 क, ख, के घिनी सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार भूस्य से कम के दस्यवान प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है जौर मुक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के स्पि त्य पावा क्या प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उच्छ अन्तर्ण विश्वित वे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाद की बावत, उस्त अधि-नियम के अभीन कर देने के बन्तरक ने दानित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; अद्वि/वा
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया बाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के किए;

क्षतः, जब, उक्त विधिनयम की धारा 269-व के जन्सरक भैं, भैं, उक्त विधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के विधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात है——

- (1) रोजा कन्सट्रकशन्स प्रायवेट लिमिटेड । (भन्तरक)
- (2) श्री किशोर धरम शी मेहता श्रीर श्रीमत। प्रतिभा किशोर मेहता।

(मन्∃रिती)

को यह त्यना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाद्वियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्वान के श्वापन में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी ध्यवित्यों पर स्थान की समील से 30 दिन की बद्धि, को भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय:
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक निश्चित में किए का सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—-इसमें प्रयुक्त सम्यों और पर्यों का, वो सबस्य अधिनियम, को कभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होया वो उस कथ्याय में दिवा क्या हैं।

अनुमुखी

फ्लैंट नं० 401, जो चौथी मंजिल टी० पी० एस० 2, एफ० पी० 328, नेहरू रोड, बिले पार्ले (पु) बम्बई 400057 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-2/37ईई/31412/ 85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज -2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

मोहरः

प्रकृष् आइं की . एन . एस . -----

(1) मेसर्स न्यू इंडिया कन्सट्रकशन । (ग्राप्त)

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अभीन सुवना

(2) श्रीमती सरोजबेन जयंतीलाल शाह। (ग्रम्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 प्रक्तूबर 1986

निदश सं० ग्रई-2/37ईई/31623/85-86- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 15-एफ०, इनारत नं० 15, ग्रधेरी (पु), बम्बई 69 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान पतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रसु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ■ास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उनका नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए;) और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उन्हा सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

पर्सीट नं० 15-एफ, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 15, प्लाट नं० ए/2, सी० टी० एस० नं० 53/59 (पार्ट) स्रोल्ड नगरदास रोड अंधेरी (पु) बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० धई-2/37ईई/31623/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक: 2-8-10-1986

प्रकप बाह^{*}, टी. एन. एस. • •

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, धिनांक 28 प्रान्त्वर 1986
निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/31609/85-86-प्रातः
मुझे, के० सी० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्र 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 264, 265 संजय बिल्डिंग श्रिधेरी-कूर्लारोड, बम्बई 59में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से बणित है) श्रीर जिसका करार-नामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके रूपमान प्रतिकत से, एसे रूपमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया भवा प्रतिकत, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई क्थित बाव की बावव , अपने विभिन्न के जभीत कर दोने के जन्तरक के दार्थित्व में कभी करने या उससे वजने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एस किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अझ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मेसर्स संजय कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) भ्रार० एन० चमारिया फेमिली ट्रस्ट। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वाय;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिशिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अपूस्ची

गाला नं० 264, 265 जो ब्रिसरी मंजिल, संजय बिल्डिंग नं० 5, सर्वे सं० 85, 86, 87 मित्तल इस्टेंट; ग्रधरी कुर्ला रोड, बम्बई-400059 में स्थित है।

भ्रमुस्ची जैसा की कि० सं० भ्रई-2/37ईई/31609/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० गाह सक्षम प्राधिकारी सहाय भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, कम्बई

दिनांक: 28-10-1986

मोहरः

प्ररूपः बार्षः टी. एतः एसः -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

नारत सरकात

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रम्तूबर 1986 निर्वेश मं० श्रई-2/37ईई/31519/85-86-- श्रतः मझे, के० सी० शाह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके परवास् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विध्वास करने का कारण हो कि अधिक हो जिस्सा स्टिन्स बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर िसकी सं० गाला नं० 1, 1 ए, 1 बी, प्लानेट इन्डिस्ट्रियल प्रीमायसेस, विले पार्ले (पु) बस्बई 57 में स्थित है श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बिसबई में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को प्रविक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दियमान शितफल के लिए अन्तरित की नई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभाप्जीकत सम्पत्ति को उचित दामा मृत्य, उसके दियमान प्रतिफल से, एमें क्रयमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ला उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिष्धा के लिए;

ज्ञतः रूपः, उथतः विधिनियमं की धारा 269-ग के जनसरभ में, में लक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :── 26—376GI/86 (1) मेसर्प लुभारिया ब्रदर्भ टुस्ट।

(ग्रन्तरक)

- (2) मेसर्थ ंबाजसन्स एष्ट्रायन्सीस प्रायवट लिमिटे**ड**। (श्रद्धारिती)
- (3) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) स्टेट बेंक श्राफ इंडिया। (बह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत तम्मीत के अर्थन के तंशंव में कोई भी बाक्सेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए था सर्वींगे।

स्वच्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त पत्र्यों और पदों का, वो उच्च वृधिनियम के अध्याप 20-क में परिकारिका है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

"इन्डस्ट्रियल गाला नं० 1, 1ए ,1 बी, जो बेसमेंट ग्रीर तल मंजिल, प्रानेट इंडस्ट्रियल प्रीमायसे को० ग्राप० लिमिटेड, सुभाष रोड विले पार्ले (पु), बम्बई 400057 में स्थित है।

प्रमुचनी जैसा की कि० मं० प्रर्द-2/37ईई/31519/85-86 प्रौर जो मक्षप प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 4-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

कें०सी० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

विनांक: 28-10-1986

प्ररूप बार्षः टी. एत. एस.-----

बायकर बांधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत शरकार

कार्यालय, महायक कार्यकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीत रेंज-2, बम्बई बम्बई, दितांक 28 भ्रक्तूबर 1986 तिर्वेश सं० श्रई-2/37ईई/31427/85-86— भ्रतः मुझो, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

भौर िंसकी सं० यूक्टि नं० 14, 15, 16, राज इंडस्ट्रियल बेर हार्जीसग कामप्लेक्स, बम्बई 59 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधित्यम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम . प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिनस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का सन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत , उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्तिभा के लिए; जॉर/य:
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों असे जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से निए;

बत थव, उकत विभिनियम, की भारा 269-ग के अनमरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैसस अञ्चल होर्ल्डिंग प्रायवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) मोख, समी श्रख्तर दाउदहुसेन -। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वन। की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दशारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव वं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निवित्त में किये वा सकती।

स्वध्वीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा यया हैं।

अन्स्ची

यू निट नं० 14, 15, 16, जो दूसरी मंजिल ए, विंग राज इंडिस्ट्रियल वेर हाउसिंग काम्पलेक्स, मिलट्री रोड, मरोल, बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की किं सं श्राह्म-2/37 ईह/31427/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधि गरी बम्बई द्वारा दि तंक 4-3-1986 को रजिल्टर्ड िया गया है।

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (चिरिक्षण) स्रजंतरेंज -2, बस्बई

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर ब्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ष, दिनां 5 28 अन्तूबर 1986 निदश सं० अई-2/37ईई/32083/85-86— अतः मुझे, के० सी० शाह

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 167, 168, संजय बिल्डिंग, धर्धेरी-कूर्लारोड, बम्बई 59, में स्थित है। (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णात है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधित्यम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 5-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएबेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तरंवक रूप से किथा महीं किया गया है अ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक को दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्ञतः जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) संजय कार्पीरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रोग्नेसिव विजनेस कन्सलटेशन प्रायवेट लिमिटेड। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायकाह्या करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपन में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िनात कन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया एका है।

अन्स्की

गाला नं० 167, 168, जो पहली मंजिल **बी विंग,** संजय बिल्डिंग नं० 5, सर्वे नं० 86, 87, मीटटल इस्टेट श्रुवेंरी-कुर्ला रोड, बम्बई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-2/37ईई/32083/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० **शाह** सझन प्राधिनारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनों क: 28-10-1986

प्रकृत बार्चा, द्वी , युन्, एस , जन्म कालक काल

भावकर निर्मित्रका, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सुकता

ATTER STATE

कार्याजन, वहायक नायकर नायुक्त (विद्रशिक्ष)

ग्रर्जन रेंज -2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 अक्तूबर 1986 निर्देश सं० भई-2/37ईई/31624/85-86----ग्रतः मृक्षो के० सी० शाह

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उन्त निभीनयम' कहा ग्या हैं), की बारा 269- व के विभीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थापर संपर्धि जिसका उचित वाचार गृरु 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० प्लेट नं० 15 ई, इमारन नं० 15 श्रोरेरी (पू), बम्बई-619 में स्थित है (श्रीर इससे प्रपावड़ श्रिभुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को प्रोंक्त संपत्ति के जीवत बाजार मूल्य सं कम के उत्प्रभाव श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है जौर मुन्ने गई विश्वाय करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, जसके व्ययमान प्रतिकास से, एसे अस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितिकों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाना प्रमा प्रति-क्ष्म निम्मितिकत उन्नेक्ष से उक्त क्ष्म्यरण निकार में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, तिम्निवित व्यक्तियों, अर्थात् हे—

- (1) मेसर्स न्यू इंडिया कन्स्ट्रकशन कम्पनी। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री अशोक पोपट लाल शाह भ्रोर श्रीमती नीला श्रशोक शाह। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्मरा सम्मरित को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बालोप :---

- (क) इस स्चना के राजप्रश्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से सिक्षी व्यक्ति कुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास किसी क में किए वा वर्जें ।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त बीधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में विसा पत्रा ही।

प्रमुची

पलेट नं० 15-ई, जो दूसरी मंजिल इमारत नं० 15, प्लाट नं० ए-2 सीटी एस नं० 53/5 9 पार्ट) श्रोल्ड नगरदास ग्रधेंरी रोड, ग्रधेंरी (पू), श्रम्बई-400069 में स्थित है।

अनुसूची जसा की कि सं० अई-2/37ईई/31624/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० ताह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

मोहरः

वक्त वर्षाः ती , वृत् तुव , नामाननना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 भ्रम्तूबर 1986

निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/31426/85-86-- श्रतः मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं यूनिट नं 1, 2, राज इंडस्ट्रियल वेर हाउसिंग काम्पलेक्स, बस्बई 59 में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्रद्ध, श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री है। तारीख 4-3-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित गाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई और ग्रञ्थ यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिष्त का उचित बाजार मून्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छन् प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिक क, निम्नविधित धन्नदेश के अवद बन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरम सं शुद्धं फिसी भाग की बावत, उत्तर व्यक्तिकम के क्षत्रीय कर बामें के क्षत्ररण के व्यक्तिर में ककी करने वा उत्तर्ध क्षत्र में बृविधा के सिद्धा क्षर/वा
- (का) एको किसी जान वा फिली भन या अस्य आस्तियों को, भिन्न बारतीय नाय-कर करियनिका, 1922 (1922 का 11) जो उनता जिलियय, जा भन-कर जिलियय, जा भन-कर जिलियय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कृतारा प्रकट महीं किया एका जा का किया जावा वाक्षिए वा, कियाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) मेमर्थ अञ्चल होल्डिंग्स प्रायबेट लिमिटेड। (अन्तर्ह)
- (2) गेश्र खालीद परवज सुल्तान भ्रष्टतार ग्रोर गेख तारीक परवेज मुल्तान श्रष्टतार। (श्रग्तरिनी)

को यह मूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए अपस्थानिकां **करका है।**

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस मूजना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के एास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्हाक्षरण:---इराम प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

यूनिट नं० 1, 2, जो दूसरी मंजिल, ए विग, राज इन्डस्ट्रियल वेर हार्जीसग काम्पलेक्स मिलट्री रोड, मरोल, बम्बई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि अं श्रई-2/37ईई/31427/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी महासक श्रासकर श्रास<mark>ुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 28-10-1986

इक्ट बाइ'.स्डे.एन.एक.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1986 निर्वेश सं० ग्रई-2/37ईई/32477/85-86--ग्रतः मुक्को, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 601, केसा ब्लेंका, विले पार्ले (पू) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है (दिनांक 6-3-1986)

को प्रवीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कक्ष के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिंखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण निश्वित में धास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरण से दासित्य में कमी करने या उससे वक्तने में सुविधा के किए; और/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मीराज कोरपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) भाईलोल प्रेमजी पीथ्या ग्रौर श्रीमतीकांचन भाईलाल पीथ्वा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यका हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी यिक्तयों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (व) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन के मात्र स्वय स्थावर सम्पत्ति में हितस्त्रृष् किसी सम्य व्यक्ति स्वारा म्योहस्ताक्षरी के वाल सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वाचित्रकः -- इसमें प्रयास्य शब्दों और श्यों का, को स्वय भूषिविवय, के स्थाय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुस्पी

पल ट नं० 601, जो छठतीं मंजिल, कासा ब्लेंका प्लाट नं० 581, सी० टी० एस० नं० 1389/1, 2, 3, एम० जी० रोड; विले पार्ले (पू), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क्र० सं० श्रई-2/37 ईई/32477/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 28-10-1986

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

-=: . --.

New Delhi-110 011, the 5th September 1986

No. A.32014/1/86(i)-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for 3 months wef. 3-9-1986 as indicated against their names or until further orders, whichever is earlier:—

Sl. Name No.	-			Period
S/Shri				
 Tarsame Singh 			•	3-9-86 to 2-12-86
2. K.S. Bhutani	٠		•	Do.
3. P. P. Sikka			•	Do.
4. M. M. L. Chandna			•	Do.
5. M. M. L. Dua	٠	-	•	Do.

2. The abovementioned persons should note that their appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade A of CSSS or seniority in that Grade. Further, their appointment is subject to the approval of the Department of Personnel and Training.

No. A.32014/1/86(ii)-Admn.I.—The President is pleased to appoint the undermentioned Personal Assistants of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade 'B' of CSSS) in the same cadon ad-hoc basis for 3 months wef. 3-9-86 as shown against their names or until further orders, whichever is carlier:—

Sl. Name No.		Period	
S/Shri			
1. V. P. Mahajan 🕠		· 3-9-1986 to 2-12-1986	
2. Smt. Saroj K. Kapoor		· Do.	
3. Lekh Raj Gupta		· Do.	
4. K. K. Garg .		· Do.	
5. Rameshwar Dass	•	· Do.	

2. The abovementioned persons should note that 'heir appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on ad hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further, their appointment is subject to the approval of the Department of Personnel & Training.

The 30th September 1986

No. A-32014/1/86-Admn.III(i).—The President is pleased to appoint Shri K. D. Azad (SC) a regular Assistant of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on ad-hoc basis w.e.f. 29-9-86 for a period of 45 days or until further orders, whichever is earlier.

The 30th October 1986

No. A 35012/1/85-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri I. N. Bahl, Pay & Accounts Officer in the office of the Principal Accounts Office. Depti of Supply, New Delhi to the rost of Finance & Budget Officer in the office of the Union Public Service Commission on deputation basis with effect from the forenoon of 30th October, 1986 to 31st July, 1989, or until further orders, whichever is earlier.

2. His pay while on deputation will be regulated in terms of Ministry of Finance (Dentt. of Expenditure) O.M. No. F.1(11)-E-III(B)-75 dated 7-11-1975 as amended from time to time.

The 31st October 1986

No. A.19014/1/80-Admn.I.—The President is pleased to normit Shri Kichan Singh, a permanent Grade T Officer of the CSS and officiating as Deputy Secretary in the office of

Union Public Service Commission to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st October, 1986.

The 4th November 1986

No. A-32013/2/86-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri R. L. Madan, a permanent Section Officer of the CSS Cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary on ad-hoc basis for a period of three months w.e.f. 23-10-86 to 22-1-87 or until further orders, whichever is earlier under the powers vested in him vide Regulation 7 of UPSC (Staff) Regulations, 1958.

M. P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission.

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 31st October 1986

No. A-4/19/86.—Deputy Director (Admn.) hereby appoints the undermentioned Assistant Enforcement Officers of this Directorate to officiate as Enforcement Officers on ad hoc basis in the following offices of this Directorate with effect from the date shown below against each and until further orders:—

S. Name No.			Date of Appointment	Place of posting
S/Shri				
 J. K. George 			27-11-82	Bombay-I
R.C. Singh			27-11-82	Bombay-I
L.S. Shetty	٠		27-11-82	Bombay-II
4. K.V. Varghees		•	15-12-82	Bombay-I

No. A-4/19/86.—Director of Enforcement hereby appoints the undermentioned Enforcement Officers of this Directorate to officiate as Chief Enforcement Officers in the following offices of this Directorate with effect from the date mentioned against each and until further order.

S. Name No.		Date of appoint- ment	Place of posting
S/Shri	•	——————————————————————————————————————	·
1. P. K. Chatterjee	•	8-5-86 (FN)	Spl. Unit Calcutta
2. V. Subramanian	•	29-1-86 (FN)	Madras
3. S. L. Halder	•	17-2-86 (FN)	Calcutta.

No. A-4/19/86.—Deputy Director (Admn.) hereby appoints the undermentioned Assistant Enforcement Officers of this Directorate to officiate as Enforcement Officers in the following offices of this Directorate with effect from the date shown below against each and until further order:—

S. No.	Name		Date of apptt.	Place of Posting
1	2	 	3	4
	/Shrl	 		·
1. S.	B. Gaur		13-1-86	Delhi zone
2. K	R. Thapar		20-1-86	Jalandhar
3. G	.C. Mondal		7-2-86	Gauhati.
4, R	K. Rawal		22-1-86	Srinagar

1 2		3	4	
5. C.N. Dhar	•	24-1-86	Srinagar	
6. Balvinder Singh	•	20-1-86	Jalandhar	
7. P. K. Saha		14-2-86	Calcutta	
8. V. Manickam		20-1-86	Madurai	
9. R. K. Handoo		13-1-86	Delhi	
 N.R. Purushoth: Pillai 	am	17-2-86	Gauhati	
11. P. Ganesan		17-1-86	Madras	
12. S.K. Chakrabort	ty	10-3-86	Jalandhar	
13. S. K. Guin	•	24-1-86	Calcutta	
14. S. K. Gupta		20-1-86	Jalandhar	
15. A. K. Mathur		16-4-85	Jaipur	

KALI CHARAN Chief Enforcement Officer (Admn.)

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 24th November 1986

No. 3/43/86-AD-V.—The Director, Central, Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Sheetal Singh, Dy. Superintendent of Police, an officer of the Jammu & Kashmir Police to officiate as Dy. Superintendent of Police on deputation in CBI, Jammu Unit with effect from the forenoon of 6th November, 1986, until further orders.

The 27th November 1986

No. A/19036/8/78-AD-V.—The services of Shri S. S. Samyal, Deputy Superintendent of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Jammu and Kashmir State Police were placed at the disposal of Jammu and Kashmir Government with effect from 6th November, 1986 forenoon, on repatriation.

No. A-20023/4/83-AD-V.—The services of Shri T. L. Veerakumar/APP Grade-II/Tamil Nadu working as Public Prosecutor/Central Bureau of Investigation TOW Madras on deputation, are placed at the disposal of the Government of Tamil Nadu on repatriation, were the action of 19-11-86.

No. 3/46/86-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri Banwari Lal, IPS(MP-1973) as Superintendent of Police on deputation basis in the Central Eureau of Investigation from the forenoon of 21st November, 1986 and until further orders.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E). CBI.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NATIONAL CRIME RECORDS BUREAU

New Delhi-110066, the 11th November 1986

No. 43/16/86-Admn/NCRB.—Consequent upon his appointment as Director, Finger Print Bureau in Delhi Police on deputation, Shri M. M. Singh Walia, Dy. Supdt. (F.P.) in CFPB. Calcutta relinquished the charge of the post of Dy. S(F.P.) in the CFPB. Calcutta from the afternoon of the 14th Oct., 1986.

S. K. SHARMA Director, NCRB.

DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi, the 21st November 1986

No. A.12012/1/84-Admn.II.—In further continuation of this Directorate's Notifications of even number dated 29-10-85

and 6/12/85, the ad-hoc appointment of Shri Sri Kishan, Technical Superintendent (Cipher) as Extra Assistant Director (Cipher) is extended from 9-5-86 to 21-7-86 Λ/N in the Directorate of Coordination, Police Wireless.

No. A.12012/1/86-Admn-II.—Consequent upon their promotion to the post of Extra Assistant Director Class-II (Gazetted) in the Directorate of Coordination, Police Wireless, the following Senior Technical Assistant's of this Directorate have assumed charge of the post of Extra Assistant Director from the dates shown against their names in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200/- until further orders.

S/Shri

- 1. R. C. Mitra, 4-11-86 (F/N).
- 2. S. S. Khera, 27-10-86 (F/N).
- 3. P. C. A. Khare, 10-10-86 (F/N).

B. K. DUBE Director, Police Telecomns.

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 21st November 1986

No. E-31013/1/4/85-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri S. K. Tah, Assistant Commandant on promotion to the rank of Dy. Commandant, CISF Unit, OIL Duliajan on regular basis. He assumed the charge of that post in the afternoon of 31st October, 1986.

Sd/- ILLEGIBLE Director General/CISF.

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 19th November 1986

No. A-12025(iii) /1/85-E.II.—The Development Commissioner for Handlooms is pleased to appoint Shri M. P. Jain, as Assistant Director Grade II (Non-Technical) in the Weavers Service Centre, Guwahati, w.e.f. 7th November, 1986 (F/N) until further orders.

The 25th November 1986

No. A-32013(1)/81-DCH/E.II.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Munoli, as Assistant Director Gr. I (Designs) in the Weavers Service Centre, Guwahati with effect from 10th November, 1986 until further orders.

No. A-32013/1/81-DCH/E.II.—The President is pleased to appoint Shri Nasir Khan, as Assistant Director Gr. I (Designs). in the Weavers Service Centre, Chamoli with effect from 25th August, 1986 until further orders.

INDIRA MANSINGH

Jt. Development Commissioner of Handlooms.

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIPECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 24th November 1986

No. A-1/1(966).—Shri S. K. Bandhu, Assistant Director (Gr. II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi has been compulsorily retired from Government service w.e.f. the afternoon of 20th November, 1986.

V. SAKHRIE
Dy. Director (Administration),
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMEN'I' OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 26th November 1986

No. A-19012(149)/86-Estt.A.—The Controller General, Indian Bureau of Mines, had declared Dr. Uma Shankar Lal, Assistant Chemist in the Indian Bureau of Mines as Quasipermanent in the Grade of Assistant Chemist with effect from 29-12-1984.

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer,
Indian Bureau of Mines

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-11, the 24th November 1986

No. 13/1/86-M.—In exercise of powers conferred under rule 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I, M. D. Khare, Director (Monuments), hereby direct that the Qutb Archaeological Area, New Delhi will remain closed to visitors on 27-11-86.

. M. D. KHARF Director (Monuments)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DÉPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERA-TION)

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 24th November 1986

No. 3-2/86-Adm.I.—Shri S. C. Bhargava, Transport Officer, Group 'B' (Gazetted) in this Directorate is hereby appointed in the same post in a substantive capacity with effect from 8-7-1983 (F/N).

R. L. RAJAK Plant Protection Adviser

(DEPTT, OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 16th October 1986

No. A.19023/40/78-A.III.—On attaining the age of superannuation. Shri S. K. Sabharwal, Marketing Officer of this Directorate at Faridabad retired from Government service with effect from the afternoon of 30-9-1986.

ANTTA CHAUDHARY
Agriculture Marketing Advisor

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 3rd October 1986

No. PA/79(19)/84-R-III/2039.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the following officials to officiate as Assistant Personnel Officers in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960/- in this Research Centre w.e.f. the forenoon of September 11, 1986:—

Sl. Name No.	Pmt./Temp. post held in the office
1. Shri Krishin Sunderdas Vachhani	Pmt. Assistant in BARC.
2. Shri Subramania Venkata Raman	Pmt. Assistant in DAE.
27—376GI/86	

The 20th November 1986

No. PA, 79(19) / 84-R-III / 2506.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the following officials to officiate as Assistant Personnel Officers in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200/- in this Research Centre with effect from the forenoon of November 12, 1986.

Sl. Name No.	Permanent/Temporary post held in the office
1. Shri Adiparambil Sankaran Gopalan	Permanent UDC and officiating Assistant in BARC.
Shri Parathamala Philipose Cherian	Permonent LDC and officiating Assistant in BARC.

C. G. SUKUMARAN Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 25th November 1986

No. AMD-2/2724/77-Adm./17015.—The resignation tendered by Shri Eal Chand Verma from the post of Scientific Officer grade SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, AMD, with effect from the afternoon of November 3, 1986.

No. AMD-4/5/86-Rectt. Vol.II/17029.—Director, Atomic Minerals Division. Department of Atomic Energy hereby appoints the undermentioned officers of the Atomic Minerals Division to the posts mentioned against each in the same Division in an officiating capacity until further orders:—

SI. Name of the No. officer	Present grade	Promo- tion to grade	Substan- tive post	Date of appoint- ment to the grade
S/Shri				
1. S. Sethuram	Scientific Asstt. 'C'	Scientific Officer/ Engr. 'SB'	<u> </u>	1-8 - 86
2. M.K. Ganguly	Do.	Do.	_	Do.
 Smt. Neeraja Mathur 	Do.	Do	_	Do.

A. W. KHAN Sr. Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110 066, the 9th October 1986

No. A 32013/3/82-EC(.).—The President is pleased to extend the period of ad hoc appointment of the following officers in the grade of Senior Technical Officer in the Civil Aviation, Department during the period indicated against each:—

S. Name		Period		
No.		From	То	
S/Shri	<u> </u>		—— ———	
1. Arjun Singh		01-04-86	31-05-86	
2. M. L. Chakraborty	٠	01-04-86	31-05-86	

2. The extension of the period of ad hoc appointment of the aforesaid officers in the grade of Senior Technical Officer will not bestow on them any claim for regular appointment in the grade and the service rendered on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in the grade or eligibility for promotion to the next higher grade

> M. BHATTACHARJEE Dy. Director of Administration

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL FXCISE

New Delhi, the 26th November 1986

C. No. 23/86.—Shri P. K. Bhabai lately posted as Superintendent Group 'B' of Central Excise Collectorate, Calcutta-I on his appointment as Inspecting Officer, Group 'B' vide this Directorate General Order No. 1041/47/84 dated 4-8-86 assumed charge of the post of Inspecting Officer, Group 'B' in the Directorate General of Inspection, Customs & Central Excise, New Delhi with effect from 7-11-86 (F/N).

> H, M. SINGH Director General of Inspection

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 24th November 1986

No. 32/3/85-ECII.—On attaining the age of superannuation Shri K. Narasimha. Executive Engineer (Civil) working in Road Construction Division Andaman Public Works Department, South Andaman belonging to CES Group has retired from Government service with effect from 30-9-86 Afternoon.

> PRITHVI PAL SINGH Dy. Director of Administration,

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Hasmukh Panchalbhai Patél, Patel Oil Mill Compound, Kadia Plot, Porbandar, Dist. Junagadh.

(Transferor)

(2) Smt. Prabhavati Sumanlal Patel, Self and L.R. of Sunin Sumanlal Patel, P.O. & at Gunda, Taluka Bhanvad, Dist. : Jamnagar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th November 1986

Ref. No. P. R. No. 4439/Acq.23-1/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA,

A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 23 and 24 Plan No. 5, C.S. No. 1-G-4 Jampuri Estate, Jamnagar Road, adm. 585.27 Sq. Mtrs. Bldg. G.F. & F.F. 550 Sq. Mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

1908) in the office of the registering officer at

Jamnagar on 11-4-86 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the land market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument. of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23 and 24 Plan No. 5, C.S. No. 1-G-4m Jampuri Estate, Jamnagar Land 585.27 Sq. Mtrs. plus Bldg. G.F. 300 Sq. Mtrs., F.F. 250 Sq. Mtrs. R. No. 1287 dt. 11-4-86.

A. K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-11-86

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th November 1986

Ref. No. IAC Acq.III, SR-III, 3-86, 521/3.—Whereas, I, D. K. SRIVASTAVA,

D. K. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 1,00,000/- and bearing Plo: No. 178, Block 10, situated at Golf Link Colony, New Section 1988.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at New Delhi on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Gulraj Singh s/o Sardar Jasawant Singh, r/o 7, Gurdev Nagar, Ludhiana, Punjab. (Transferor)

(2) Mstr. Vikas Dhar & Mstr. Vishal Dhar both s/o Sh. Vijay Dhar, c/o Broadway Theater, Sonawar, Srinagar (J&K).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days and the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property built on Plot No. 178, Block No. 10, measuring 75 sq. yds. Golf Link Colony, New Delhi.

> D. K. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 18-11-86

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th November 1986

Ref. No. 1AC-Acq./CA-5/37EE/8072/1985-86.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 160, Mahatma Gandhi Road, Pune Cantonment, Pune-1

situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

IAC, Acqn. Range, Pune on 8th Mar. 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Venus Corporation, Vireshwar Chambers, 2nd floor, 19/21, Ghoga Street, Fort, Bombay-400 023.

(Transferor)

(2) Mrs. Maki Sorabji Commissariat, Sylmoyne-3, M. L. Dahanukar Marg, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune. under document No. 37EE/8072/1985-86 in the month of 8th Mar. 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Date: 11-11-1986

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sri A. M. Hashijathu Amina, West Street, Kilakarai, Ramnad Dist.

(Transferor)

(2) M/s. Gitex, 51, Perters Road, Madras-14.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th October 1986

Ref No. 2/Mar.86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, Khader Nawaykhan Road, Nungambakkam situated at

Madras
Ma

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Thousandlights Doc. No. 138/86 on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 7, New No. 2, R.S. No. 58/17 Khader Nawazhan Road, Nungambakkam, Madras. (Thousandlights Doc. No. 138/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II

Naw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-10-1986

Seal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s, Sailesh Corporation.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31107/85-86,—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing
Flat No. 11, 1st floor, Villa-Capri at Santacruz (W), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I acreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) M/s, Kanyakumari Builders Pvt, Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor, Villa-Capri at Santacruz, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31107/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 28-10-1986

Seal:;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006

Madras, the 27th October 1986

Ref. No. 6/Mar.86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. New T. S. No. 8/126 & 129 situated at Part R. S. Puram Bashyakardu road West. Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Coimbatore Doc Noil 1108, 86 on March 1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent comideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or ant moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajambal Velusamy & ohers. Vellakinar Village, Coimoatore Taluk.

(Transfero

(2) Sri Lachmanda & Others, C-3, M.I.G. Colony, R. S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land at T. S. No. 8/126 & 129 part Bashya Kardu Road, West R. C. Puram Coimbatore.
(COIMBATORE DOC No. *1108/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madvas-600 006

Date: 27-10-1986, Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri K. Venkatesh and others, D.P.F. Street, Pappanaickenpalayam. Coimbatore.

(Transferor)

(2) M/s. Curie (Partner) Sri V. Jayaram, 52, Shanmugha Theatre Road, Coimbatore.

may be made in writing to the undersined :-

whichever period expires later;

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006

Madras, the 27th October 1986

Ref. No. 7/Mar.86.—Whereas, I. A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T. S. No. 986/18/part situated at Ward No. 3, Vysial Street, Coimbatore

Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 1297,85 on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective person

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (1) of 1922), or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at T. S. No. 986/1B/Part Ward No., 3, Vysial street, Coimbatore ((COIMBATORE DOC No. 1297/86)

> A. R. REDDY Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namions namely ---28-376G/|86

Date: 27-10-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Jai Murti Gupta and Others, 2, Kellys Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Sri S. M. Jawahar Ali and Others No. 30, Balfaur Road, Kellys, Kilpauk Madras-10.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006

Madras, the 27th October 1986

Ref. No. 9/Mar.86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, Kellys Road, Kilpauk Madras-10 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis ration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam Doc. No. 770 to 773,86 on March 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of the property of such apparent consideration. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in the writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 2, Kellys Road, Kilpauk, Madras-10. (PURASAWALKAM DOC. No. 770 to 773)

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 27-10-1986.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UDNER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006

Madras, the 30th October 1986

Ref. No. 10/Mar.86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being 1' Complet: Authority under Section 269B of the Intervented Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the Said Act), mave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Piece and Parcel of Agricultural land situated in Medavak-kam Tank Road, Madras (and more fully described in the Schadule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasavalkam Doc Nos. 767 to 769, on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

 Sri N. Lakshmichand Hemdev and Others, No. 40, Halls Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Sri Rajesh Kishore Thakkar & Others, 74 Nainiappa Naick Street, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE.

Piece and Parcel of Agricultural land situated in Medavakkam Tank Road, Nammalwarpet Madras.

(PURASAWALKAM DOC NOS: 767 to 769/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 30-10-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

Madras, the 27th October 1986 MODRAS-600 006

Ref. No. 11/Mar'86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 4, 11, flowers road, Kilpauk si uated at Madras-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam Doc. No. 763/86 on March 1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the Consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Prabhakar, 21, Gilchrist Avenue, Chetput, Madras-81

(Transferor)

(2) Rajesh P. Shah,
22, Raja Annamalaï Road,fi Arihant Aprt.
Block D. No. 4, Madras-84
Mrs. Achamma Oomen,
P. No. 2731 Y Block 7th St.,
12th Main Road, Anna Nagar, Madras-40
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the immovable property, within 24 days from the date of the pulication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 4, 11 flowers Road, Kilpauk Madras-10. (PURASAWALKAM DOC NO. 763/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 000

Date: 27-10-1986.

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006

Madras, the 27th October 1986

Ref. No. 12/Mar. 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 5, No. 11 Flower's Road, Kilpauk Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Puraswawalkam Doc. No. 764/86 on March 1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) or section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri V. Jeevan, Plot No. 3797 'Q' Block No. 84, 15th street, Anna Nagar, Madras140.

(Transferor)

Yaswantrai P. Shah,
 Raja Annamalai Road,
 Arihant, Apartment,
 Block E-1,
 Madras-84.

2. Ragi Thoma,
Plot No. 2731 Y-Block
7th street,
12th Main Road,
Anna Nagur,
Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 5, No. 11, Flowers Road, Kilpauk Madras-10.
PURASAWALKAM DOC NO: 764/86.)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date , 27-10-1986, Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006

Madras, the 24th October 1986

Ref. No. 16/Mar.86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 10, Plot No. 193, Kottur Village situated Gandhi Nagar Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis ration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar Doc. No. 658/86 on Mar. 1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. Nagendran Muthulakshmi Bhavan, Old State Bank of India Road, Vadauathu Kottai Quilon.

(Transferor)

(2) Sri M. Sundararajan, 3, M. R. C. Nagar, Soothome High Road, Madrae-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building D. No. 10, Kottur Village, Adyar, Gandhi Nagar, Madras.

(ADYAR DOC NO: 658/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 24-10-1986

The state of the state of the state of the state of

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri D. Yoganand, 12, Srinagar Colony, Guindy, Madras-13.

(Transfero

(2) Thirumagal Mills Ltd., rep. by its Manuging Director, Katpadi Road, Gudiyattam, North Arcot District,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006

Madras, the 27th October 1986

Ref. No. 17 / Mar. 86.—Whereas, I, A. R. REDDY. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have easen to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land and Building Plot No. 12 situated at Srinagur Colony, Guindy, Madras-15
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Paciettetian Art. 1908, (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar Doc, No. 817/86 on March 1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building Plot No. 12, Sri Nagar Colony, Guindy, Madras-15.

(ADYAR DOC No. 817/86)

A. R. REDDY Competent Authority
tospecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-10-1986.

eal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006

Madras, the 27th October 1986

Ref. No. 19/Mar. 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Vacant piece of land at No. 3, situated at Rut; land gate 2nd St., Thousandlights Madras-6 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North Doc. No. 1013/86 on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tox. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Thaika Sithi Aliya, by Agent Sri S. K. M. Junaid Yaseen, 28-A, Kader Nawazhan Road, Madras-6.

(Transferor)
(Transferee)

(2) Sri M. I. Jabir and another 85, Thambu Chetty Street, Madras-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of a 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land piece of land No. 3, Rutland gute, Thousand-lights Madras-6.

(MADRAS NORTH DOC NO: 1013/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 005

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons namely:—

Date: 27-10-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 24th October 1986

Ref. No. 20/Mar. 86.—Whereas, I. A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 22, Ganesh Street, situated at Gopalapuram Madras-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc No. 230/86 on March 1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

 11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax sct. 1937 (27 of 1937):

low, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 25% of the said Act, to the following persons namely :--

29-376GI 86

(1) Smt. S. R. Mangalam, W/o. Sri D. Parameswaran, No. 3, Boat Club Road. Madras-28.

(Transferor)

(2) Arya Samaj (Central) Trust Board, 182, Lloyd's Road, Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at D. No. 22, Ganesh Street, Gopalapuram Madras-86. (Madras Central Doc. No. 230/86.)

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 24-10-1986

FORM ITNS————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Nameeda Abdul Razack and others power of Attorney agent Sri M. S. Abdul Razack, No. 22, Gopalapuram, First Street, Madras-86,

(Transferor)

(2) Sri A. P. Dwarkanath and others No. 81, Ramaswamy Street, 1st Floor Mannady Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006

Madras, the 29th October 1986

Ref. No. 21/Mar. 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 22, Gopalapuram I Street, Situated at Madras-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 236/86 on March 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at D. No. Gopalapuram 1st., Street, Madras-86, (MADRAS CENTRAL DOC NO: 236/86.)

A. R. REDDY.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006

Madars, the 7th November 1986

Rcf. No. 1/March/86.—Whereas, f, A. JANAKIRAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Door No. 59, Govindappa Nuicken Street George Town, MADRAS-1,

rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Office, of

1908) in the office of the Registering Officer at Sourcarpet (Doc. Nos. 154 and 155/86) on 27th March, 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/o:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. P. Leela and Others, W/o P. V. G. Rathnam,

(Transferor)

41, Kothandaramier Street, Mudras-21.

(2) 1. Smt. Sukanya Devi, No. 59, Govindappa Naicken Street, Madins-600 001.
2. Sri Pukhraj Hazarimal, 165, Govindappa Naick Street, Madras-1.

(Transferee)

3. Sri B. Chandanmal, 295, Mint Street, Madras-3.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 59, Govindappa Naicken Street, George Town, Madras-1.
(Doc. No. 154 and 155/86)

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date: 7-11-1986.

(1) Shri Dhanraj C. Sha, 11-A, Kesava Iyer St., Park Town, Madras-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Abirami Enterprises, 75/I-1, Salai Road, Thillainagar, Trichy-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai, the 3rd November 1986

Ref. No. 1/March/86.—Whereas, I, A. K. TALAPATRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

T. S. No. 71/1 & 2 & 72 situated at Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed heretd), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R., Nagal naickenpatty. (Doc. No. 665/86) on March 1986

1908) in the office of the Registering Officer at S.R., Nagal naickenpatty. (Doc. No. 665/86) on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building.

A. K. TALAPATRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madurai-625 002.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November, 1986

G.I.R. No. A-197/Acq.—Whereas, I,

Dr. SHRISH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot of land Khasra No. 141-SA situated at Vill. Sheikhpur Habibpur, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer/Registrar Sub-Registrar at Lucknow on 4-3-1986

Sub-Registrar at Lucknow on 4-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Dr. Ranjit Bhargava2. Master Anirudh Bhargava (Minor)(Transferor)

(2) M s. Ajai Railway Grih Nirman Sahkari Samiti Ltd., Lucknow. Through its Secretary, Shri S. N. Lai Saxena

(3) Seller

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Khasra No. 141-SA measuring about 14,864 sq. mtrs. situated at Vill. Sheikhpur-Habibpur, Lucknow.

Dr. SHRISH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1986

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ABSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November, 1986

G.I.R. No. F-13/Acq.—Whereas, I, Dr. SHRISH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 91 situated at Mauza-Nadesar, Parg. Dehat

Amanat. Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the ollice of the Registration Officer/Registrar/Sub-Registrar at Varanasi on March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s. Ansal Housing & Associates, Varanasi.
- (Transferor) (2) Friends Sahakari Grih Nirman Samiti Ltd., Varanasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 91 - Area 20 biswas, situated in Mauza-Nadesar, Parg. Dehat Amanat, Distt. Varanasi (as mentioned in 37G Form).

> Dr. SHRISH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November, 1986

G.I.R. No. J-89 Acq.—Whereas, I, Dr. SHRISH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Land Khasra No. 113, 114 and 117 situated at Bala-

ganj, Lucknow

ganj, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer/Registrar/Sub-Registrar at Lucknow on March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Anupam Sahkari Avash Samiti Ltd., Through Secretary.
- (Transferor)
- (2) Jai Vishal Sahkari Avash Samiti Ltd., Lucknow through Secretary,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 113, 114 and 117 measuring 14 Bigha, 8 Biswa, 2 Biswansi and 2 Kachhwansi, situated at Balagani, Lucknow (as mentioned in 37G Form 10223).

> Dr. SHRISH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 14-11-1986

(1) Shri Ajit Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Krishna Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow, Through Secretary, Shri. S. P. Tewari, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG,

LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 14th November, 1986

G.I.R. No. K-170/Acq.—Whereas, I, Dr. SHRISH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Khasra No. 5 and 6 situated at Vijaipur, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer/Registrar/ Sub-Registrar at Lucknow on March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfeand/or THE SCHEDULE

Land Khasra No. 5 and 6 measuring 3 bighas 4 biswa and 15 biswansi, situated at Vijaipur Lucknow (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Dr. SHRISH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to hte following persons, namely:—

Date: 14-11-1986

(1) Smt. Swarna Lata Devi

(Transferor)

(2) Samachar Lok Asthan Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, J.UCKNOW

Lucknow, the 14th November, 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

G.I.R. No. S-409/Acq.-Whereas, I, Dr. SHRISH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the im-

to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Khasra Nos. 169, 180, 181, 182, 187, 191, 188, 189, & 203 situated at Jalalpur, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer/Registrar/
Sub-Registrar at Lucknow on March, 1986
for an apparent consideration which is less than the foir

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 192²) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Khasra Nos. 169, 180, 181, 182, 187, 191, 188, 189 and 203 measuring 5 bighas, 2 biswa and 15 biswansi, situated at Jalalpur, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

DR. SHRISH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely :-30-376GI/86

Date: 14-11-1986

(1) Shti Mewa Lal

(Transferor)

(2) Sarvodaya Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Through its Joint Secretary, Shii Narendra Nath Singh.

(Transferee)

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November, 1986

G.I.R. No. S-410/Acq.—Whereas, Dr. SHRISH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot Khasra No. 258 situated at Vill. Kamta. Distt.

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on March, 1986

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pot Khasra No. 258, measuring 3 bighas, 1 biswa and 11 biswansi, situated at Vill. Kamta, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Dr. SHRISH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1986

G. I. R. No. S-411/Acq.—Whereas, I, Dr. SHRISH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Tulapur, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly in March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferre to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the x of Act, to the following persons, namely:-

1. Shri Narain, Shri Ram Prasad,

3. Shri Kallu.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Sharma Nagar Sahkari Avas Samiti, Barcilly Through Secretary, Shri Prem Prakash Sharma.

(3) Seller.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-caton of this notice in the Official Gazette.

TYPLANYHON:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas, 11 Biswa, situated at Tulapur, Bareilly (as mentioned in 37G Form).

> Dr. SHRISH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Lucknow

Date : 14-11-1986

FORM TING

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1986

G. I. R. No. S-412/Acq.—Wheras, I, Dr. SHRISH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Arazi Nos. 289 to 300 and 313 to 316 and 410 to 414 situated at Bayafkhana, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitatoing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ghulam Rasool.

(Transferor)

(2) Sahara Sahkari Avas Samiti Ltd., Through President, Shri Mohd. Subhan.

(Transfer...

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Nos. 289 to 300, 313 to 316 and 410 to 414 measuring 3 Bigha, 2 Biswa, 5 Biswansi, situated at Barafkhana, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> Dr. SHRISH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-11-1986

(1) 1. Shri Kailash Nath, 2. Shri Shiv Nath

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Trans Gomti Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Lucknow, the 14th November 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

G. I. R. No. T-46/Acq.—Whereas, I,

Dr. SHRISH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot Khusra No. 182, 183, 184 situated at Iradat Nagar.

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow in March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot Khasra Nos. 182, 183, 184, total area 4 Bibhas, 8 Biswa and 8 Biswansi, situated at Iradat Nagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Dr. SHRISH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1986

G. I. R. No. V-49/Acq -- Whereas, I, Dr. SHRISH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able projectly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of Land No. 2 situated at Back of Sarojini Naidu Marg, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Kalika Devi.

- Shri Sitakant Shukla.
- 2. Shri Sitakani Shukia, 3. Shri G. K. Shukia, 4. Shri R. K. Shukia, 5. Shri K. K. Shukia, 6. Shri V. K. Shukia, 7. Shri L. K. Shukia,

- 8. Smt. Prem Lata Shukla, 9. Shri R. K. Shukla,
- 10. Smt. Krjshna Shukla.

(Transferor)

(2) Smt. Uma Awasthi,

Director, Uma Builders, Lucknow.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 2, measuring 18,000 sq. ft. situated at back of Sarojini Naidu Marg, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> Dr. SHRISH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date : 14-11-1986

(1) Shri Ram Bahadur Saxena.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1986

G. I. R. No. V-96/Acq.—Whereas, I,

Dr. SHRISH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,(00,000)- and bearing
Hotel India Building-Plot Nos. 59, 60 & 61 situated at Patel
Nagar Colony, Sikrol, Varanasi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi in March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have scason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Hotel India Building-Nagar Mahapalika No. S-18/38-3, 59, Patel Nagar—Plot Nos. 59, 60 and 61 together with air-conditioner, coolers, fridge, furniture etc. situated at Patel Nagir Colony, Sikrol, Varanasi (as mentioned in 37G Form No. 5023).

> Dr. SHRISH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I noreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thics notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

Date: 14-11-1986

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME_TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th November 1986

G. I. R. No. N-109/Acq.—Whereas, I, Dr. SHRISH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Khasra Nos. 28 to 33 situated at Butlerganj, Lucknow (and more fully described in the Slhedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in March, 1986

on an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perfect has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1937 (27 of 1957);

- (1) 1. Smt. Laxmi Nigam,
 - Shri Aditya Mohan,
 Shri Arvind Kumu Nigam,
 - 4. Smt. Preet Nigam.

(Transferor)

 Noor Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow, Through Secretary, Shri M. H. Khan.

(Transferee)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property the made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra Nos. 28, 29, 30, 31, 32 and 33 measuring 9 Bighas, 10 Biswa, 5 Biswansi and 18 Kachhawansi situated at Butlerganj, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

Dr. SHRISH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th November 1986

G. I. R. No. W-11/Acq.—Whereas, I,

G. I. R. No. W-11/Acq.—Whereas, I,
Dr. SHRISH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. B.8/90, B.8/91 and B.8/92 situated at Moh. Bara
Gambhir Singh, Sonarpura, Varanasi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi in March, 1986

Varanasi in March, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the said Act or the Wealth-tax (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-31-376GI/86

(1) M/S. Jaishree Hotels Corporation. Vanunasi Through its Partners Shri Jai Prakash Goel & Others.

(Transferor)

(Transferee)

(2) M/S. White Pearls Totels and Investments Private Ltd., Bombay Through Its Director, Shri Ganesh Kumar Gupta,

Hotel Jaishree.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. B.8/90, B.8/91 and B.8/92 together with pucca newly built four storeyed existing Hotel Jaishree Building, land etc. admeasuring 10,808 sq. ft, situated in Mohalla-Bara Gambhir Singh, Sonarpura, Varanasi, and all that property which is mentioned in 37G Form No. 8108 and in the sale deed registered on 18-3-1986.

Dr. SHRISH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 14th November 1986

Ref. No. 16/86-87.—Whereas, I,

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 2-127 situated at Chaîtanyapuri, Hyd.-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 24-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) iscilinating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) fabilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 242, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri P. Lakshminarayana Murthy S/o Shri P. V. Subba Rao. R/o H. No. 2-127 (Old Nos. 4-32, 5-76 and 2-61), Chaitanyapuri, Gaddiannaram, Hyderabad-500 036.

(Transferor)

- M/s. Bhagyanagar Studios, represented by Shri B. Ramaswamy, Managing Director, Road No. 14, Banjara Hills (Tattikhana), Hyderabad-500 034.
- (3) 1. Shri B. Ramaswamy, Managing Partner of M/s. Bhagyanagar Studios (P) Ltd., Banjara Hills, Road No. 4, Hyderabad-34.
 2. Smt. B. Saroja Devi, W/o Shri B. Ramaswamy, H. No. 8-2-402, Road No. 5, Banjara Hills, Hyderabad-500 034.
 2. Shri C. Pari & Cally Wrightenich

 - Shri S. Ravi S/o Shri Krishnaiah,
 H. No. 1-1-79, Bhagyanagar Builders,
 RTC 'X' Roads, Hyderabad-500 020.
 Shri B. Muralikrishna S/o Shri Ramaswamy,
 - H. No. 5-9-22/76, Adarshnagar, Hyderabad-500 483.
 - Shri B. Venkatakrishna S/o Shri Ranga Swamy, H. No. 5-9-22/76, Adarshnagar, Hyderabad-500 483.
 - 6. Shri P. Lakshminarayana Murthy S/o Shri P. V. Subba Rao, R/o H. No. 2-127 (Old Nos. 4-32, 5-76 and 2-61), Chaitanyapuri, Hyderabad-500 036. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. EXPLAN FION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of the premises bearing No. 2-127 with an out-house and open land admeasuring 2100 sq. yds. as per the First Schedule of the Deed of Exchange No. 1133/ of S.R.O., Hyderabad-1, for an Apparent Consideration of Rs. 8,00,000/- and is bounded as follows:

North: Survey No. 188 of Kothapet South: 100 ft. wide National High Way No. 9 East: Survey No. 110 of Gaddiannaram West: Land belonging to Shri B. Muralikrishna

T. GORAKNATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 14-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 14th November 1986

Ref. No. 17/86-87.—Whereas, I,

T. GORAKNÁTHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding

8-2-287/11/A situted at Road No. 14, Banjara Hills. Hyd.-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed to be a such the Indian Registration Act, 1908 (16 of the state of the Registering Officer at Hyderabad on 24-3-1986 for an appropriate consideration which is less than the state of the

for an apprent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) fucultating the reduction or availor of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Bhagyanagar Studios, represented by Shri B. Ramaswamy, Managing Director of M/s. Bhagyanagar Studios (P) Ltd., a partner of M/s. Bhagyanagar Studios, Road No. 14, Banjara Hills, Hyderabad-34.

(Transferor)

(2) Shri P. Lakshminarayana Murthy S/o Shri P. V. Subba Rao, R/o H. No. 2-127 (Old Nos. 4-32, 5-76 & 2-61), Chaitanyapuri, Gaddiannaram Panchayat, Hyderabad-34.

(Transferee)

(4) M/s. Bhagyanager Studios, represented by Shri B. Ramaswamy (Managing Partner), 14. Banjara Hills, Tattikhana, Road No. Hyderabad-34.

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of the premises bearing M. No. 8-2-287/11/A and Sr. No. 129/73, Tattikhana, on Road No. 14, Banjara Hills, Hyderabad-500 034, with a residential building consisting of cellar, ground and first floor with plinth area of 4800 sq. ft. and 580 sq. yds. land as mentioned in the Deed of Exchange No. 1133/86 (Second Schedule of Property) registered at Jt. S.R.O., Hyderabad-1, for a consideration of Rs. 8,00,000/- and is bounded as:

North: Property of Sai Kapil Sarin South: 20' private road of Studios East: Open land of studios West: 30' road

T. GORAKNATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 14-11-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th November 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2704.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 859/17-3-86 signated at fainur

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 859/17-3-86 situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-3-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Babu Ram Roop Saxena S/o Shri Munshi Ram Swroopji, R/o Jaipur, Moti Lal Attal Road, Jaipur.

(2) M/s. K. G. Holdings Pvt. Ltd., Dhanji Street, Bombay.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 21, Motilal Attal Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sug-Registrar, Jaipur vide registration No. 859 dated 17th March, 1986.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th November 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2705.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Udaipur situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udaipur on 19th March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Shri Mukesh S/o Shri Bhanwar Lal, R/o 48, Ashok Nagar, Udaipur.

(Transferor) (2) Shri Bhanwar Lal S/o Shri Girdhari Lal Sharma, R/o 48, Ashok Nagar, Jaipur.

(Transferce)

(3) Rajasthan State Mines & Minerals Ltd., Udaipur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 & House, Saheli Marg, Udaipur and more fully described in the Sale-Deed Registered by the Sub-Registrar, Udaipur vide registration No. 922 dated 19th March, 1986.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-11-1986

1) J. S. Corporation.

(Transferor)

(2) Y. S. Investments.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

27108

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Rof. No. AR-II/37EE/32487/85-86.—Whereas, 1, K. C. SHAH,

being the Cometent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1201 on 12th floor in the Bldg. Quarter Deck, a J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58 situated a Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iinstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1201 on the 12th floor Quarter Deck at Jaiprakash Road, Versova, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32487/85-86 on 7-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986

Seul:

FORM I.T.N.S.-

1) J. S. Corporation.

(Transferor)

(2) Y. S. Investments.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II / 37EE / 32488 / 85-86.---Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1301, Quarter Deck at J. P. Rd., Bombay-58

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986 less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and exprossions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: andlor

Flat No. 1301. 13th floor in the Bldg. Quarter Deck, at Plot Jaiprakash Rd., Versova. Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32488/85-86 on 7-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Date: 28-10-1986

(1) Shri Advait V. Thakore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mansukhlal K. Shah, & Smt. Hansa M. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32196/85-86.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 10, 'A' Wing, 137 SV Road, Andheri (W), Bombay58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1986

Bombay on 7-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 'A' Wing, 4th floor of Paradise Appartment behind Amber Cinema, 137, S. V. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under No. AR.II/37EE/32196/85-86 on 7-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986

(1) M/s. E. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Ismail N. Mansuri & Mis. Badrunnisa I. Mansuri.

(Transfer

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.U/37EE/31746 '85-86 - Vitiereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 604, Horizon View-I, Andheri (West), Bombay-61

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective pe whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the spid imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 604, 6th floor, Horizon View-I, Plot No. 70 of S. No. 91A (Pt.) & 95A (Pt.) Off. Jai Prakash Rd., Versooa, Andheri (West), Bombay-51.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II 37EE/31746/85-86 on 7-1-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely:—
32—376G1/86

Date: 28-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EF/32759/85-86.—Whereas, J., K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7-B 'Tirath' 34 Lallubhai Park, Andheri (West), Bombay-58. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appayed bareto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Suhrid Chhabildas Shah.

(Transferor)

(2) Shri Maheshbhai Kantilal Zaveri.

(Transferse)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property wi.hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7-B, 'Tirath', 34 Lallubhai Park (TPS VI) Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32759/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombey, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31187/85-86 — Whereas, I.

K. C. SHAH, being the Cometent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing S. No. 17. Village Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AP of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed; the apparent consideration therefor by more than fifreen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iinstrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Bechoosingh Devasgransingh, Shri Sukhandhansingh Bechoosingh Sabhajitsingh Bechoosingh.

(2) M/s. Hafizi Construction.

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots of land at Oshiwara, Jogeshwari (W), bearing S. No. 17, CTS No. 429, 430, 431/1, 431/2, 431/3, 536 (Part).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31187/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date : 28-10-1986

(1)Shri Rajendra R. Chhapwale and Smt. Shubhlaxmi R. Chhapwale,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ganesh V. Patil & Smt. Vatsala G. Patil.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32419/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing No. 3A, situated at Flat No. B/62, Sea Pearl, Andheri (W), Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/62 in 'Scal Pearl' Building on Plot bearing C.S. No. 1076, Off J.P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/32419/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-10-1986

- (1) M/s. New India Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Shri Harshad P. Shah and Shri Popatlal H. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Rel, No. A K. C. SHAH, AR.II/37EE/31047/85-86.--Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5-A, 'Dhan Ratna 'Apartments, Off J.P. Road, Andheri (West), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 cb, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5A in 'Dhan Ratna Apartments' on plot bearing CTS No. 131 and 131(1) to 131(8) Off Jay Prakash Road, Bhardawadi, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FF 31047/85-86

on 1-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 28-10-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31007, 85-56.—Whereas, 1, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 2-A in 'Dhan Ratna Apartments CTS No. 131 and 131(1) to 131(8) Of LB Book Andhori (Wort) Barbay.

131(1) to 131(8) Off J.P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. New India Construction Company.

(2) Shri Popatlal H. Shah and Shri Sevantilal P. Shah.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

That No. 2-A in 'Dhan Ratna Apartments, CTS No. 131 and 131(i) to 131(8) Off Jay Parkash Road, Shardawadi, Andheri (West), Bombay-53 and Parking space

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31007/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28 10 1086

(1) M/s. New India Construction Company.
(Transferor)

(2) Smt Smita B. Shah and Shri Narendra M. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31048/85-86 -- Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5 Bin 'Dhan Ratna Apartments, Off J.P. Road, Andheri (West), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Authority at Eombay on 7-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

(a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end. or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 Bin "Dhan Ratna Apartments", CTS No. 131 and 131(1) to 131(8) Off Jayprakash Road, Bhardawadi, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II. 37EE/31048/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-10-1986

Scal:

(1) 1. Shri Pravinchandra P. Odhwani 2. Shri Mahesh L. Dholakia.

(Transferor)

~OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Santoshkumari Agarwal, 2. Shri Anilkumar Agarwal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32663/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Building No. F-23a/24 at Village Oshiwara, Taluka Andheri

(W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent cnosideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 it of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this agent in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. F-23/24 at Village Oshiwara, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AP.II/37EE/32663/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Pravinchandra P. Oshwani.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Santoshkumari Agarwal. 2. Shri Anilkumar Agarwai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32664/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Building F-21/22, at Village Oshiwara, Taluka Andheri (W),

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: 484/49
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building F-21/22, at Village Oshiwara, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32664/85-86 on

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—
33—376GI[86]

Date: 28-10-1986

Scal:

(1) M/s. National Building Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Umanali Mumtazali

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32377/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. f.00,000/- and bearing Flat No. 901-B, Sanjeev Enclave Apartments, Versova Andheri (West), Bombay-58

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any the content of any should be any which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 901-B, 9th floor, Sanjeev Enclave, Versova, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32377/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings rfo the acquisition of the aforesaid property by the issue of this hotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 28-10-1986

(1) M/s. National Building Corporation.

- (Transferor)
- (2) Mr. S. C. Bohra and Mrs. Prem Bohra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32462/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 701-B, Sanjeev Enclave Apartments, Andheri (West),

Bombay-58.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat 'No. 701-B, 7th floor, 'Sanjeev Enclave' Apartments, Versova, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/32462/85-86 on 7-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

(1) M/s. D. P. Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra P. Doshi (Western General Hospital).

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMB-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32422/85-86.—Whereas, 1, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 101 to 106, 'Roop Apartment', Building No. 1, Oshiwara Village, Ghodbunder Road, Andheri,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threfor by mor than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, wnichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the consectment any moneys or other essets which have not bee which ought to be disclosed by the transfe the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act or the Wes Act, 1957 (27 of 1957); 1922

THE SCHEDULE

Flat No. 101 to 106. 'Roop Apartment', Building No. 1, Oshiwara Village, Ghodbunder Road, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE//32422/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-10-1986

(1) M/s, New India Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Ragniben A. Vora.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31046/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, Flat No. 3-A, Dhan Ratna Apartments, Off J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax (11 of 1922) or the said Act, or the Act, 1957 (27 of 1957). Wealth-tax

THE SCHEDULE

Flat No. 3-A in Dhan Ratna Apartments, CTS No. 131 and 131(1) to 131(8) Off Jay Prakash Road, Bhardwadi, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31046/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Urvashi V. Parikh.

(Transferor)

(2) Smt. Indira Dilip Shah, Shri Dilip Jashvantlal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/33122/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-14, Ramjarukha, SV Road, Andheri (West), situated at Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on on 31-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the much through of this nouce in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No A-14, Ramjarukha, SV Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/33122/85-86 on 31-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 28-10-1986

FORM I.T.N.S.

na didampenangan kin dida membang sa 1 yang di 1 kga 6 a yang dibad sa di banjar kecama na salamanna dan ban Persenangan membangan kecaman mengal sang sapa da sala Masana da dan Persenangan melan seperandapan dan Persena

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32437/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 702-B, 'Sanjeev Enclave' Apartments, Andheri (Wett), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 743-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. National Building Covpn.,

The second secon

(Transferor)

(2) Mr. Ram-sh H. Makhija & Mrs. Sapna R. Makhija.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoverable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702-B, 'Sanjeev Enclave' Apartments, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/32437/85-86 on 7-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquicition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Dated: 28-10-1986

(1) M/s. New India Construction Company. (Transferor)

(2) Shri Prafulbhai H. Shah & Smt. Niranjana P. Shah.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31033/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 3-B in 'Dhan Apartments, Off Jay Prakash Road Andheri (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-31986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and cr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3-B in 'Dhan Ratna Apartments, CTS No. 131 & 131(1) to 131(8) Off Jay Prakash Road, Bhardwadi, Andheri (West), Bombay-58, and covered Parking Space 3 & 8.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31033/85-86 on 1-3-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-10-1986

(1) M/s. New India Construction Company.

(Ťransferor)

(2) Shri Gunvantrai C. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.11/37EE/31360/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 6-A in 'Dhan Ratna Apartments on plot bearing CTS No. 131 & 131(1) to 131(8) off J. P. Road, Andherf (West) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--34-376G1/86

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6-A in Dhan Ratna Apartments CTS No. 131 131(1) to 131(8) off J. P. Road, Andheri (West), 131(1) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31360/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax , Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 28-10-1986

(1) M/s. New India Construction Company. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in in the said immov-

able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lilavati D. Bhatia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31032/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 4-A, in 'Dhan Ratna Apartments', CTS No. 131 & 131(1) to 131(8) Off J. P. Road, Andheri (W). situated at

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

THE SCHEDULE

Flat No. 4-A, in 'Dhan Ratua Apartments', CTS No. 131 & 131(1) to 131(8) Off J. P. Road, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31032/85-86 on 1-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-10-1986

FORM I.T.N.S.--

(1) M/s. New India Construction Company.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Shri Yeshwantrai R, Shah & Smt. Suryaben Y, Shah.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31358/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Auhority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 1-A, in 'Dhan Ratna Apartments', Off J. P. Road, Andheri (West), situated at Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5/3/1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) inciditating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under the said Act, is respect of any income arhing from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gagette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1-A, in 'Dhan Ratna Apartments', Off J. P. Road, 'Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31358/85-86 on 5-3-1986.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the Irdiowing

persons, namely :---

Dated: 28-10-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Hiranandani Industrial Enterprises. (Transferor)

(2) M/s. Aashit Construction.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32273/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH, N. C. SHAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 25, Hissa No. 4, CS No. 385 & 396 of Village Mogra, Lorenbayari Rombay.

Jogeshwari Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Com-

petent Authority at Bombay on 6-3-1986

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

or parcels of lands or ground situate lying and being at village Mogra Jogeshwari bearing S. No. 25, Hissa No. 4, CS No. 385 & 386.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32273/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

New Marrefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 28-10-1986

Seal:

(Transferee)

(a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-

pective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

FORM TONS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32313/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 82890, CTS No. 1074, 1074/1, 1074/2, 1074/3 1074/4 & 1074/5 Versova, Andheri (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mohanlal Basudeo Sigita & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Shanti Investments.

(Transferee)

(4) Jointly owned by B. Sigita & Ors.
(Person whom the undersigned knows to be interrested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 82890, CTS No. 1074, 1074/1, 1074/2, 1074/3, 1074/4 & 1074/5 at Revenue Village, Versova, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32313/85-86 on 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 28-10-1986

(1) M/s. Omega Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Syndicate Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.11/37EE/32737/85-86.--Whereas, J, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property bearing S. No. 109-B-2 (Pt.) 36(Pt.) H. Nos. 1, 2, 4, 5, 6 & 8 & 9 CTS Nos. 2(Pt.) & 5(Pt.) of Ambivali, Veera Desai Rd., Andheri (W) Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by make than diffecen per coast of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such tapparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

riew, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 109-B-2 (Pt.) 36(Pt.) H. Nos. 1, 2, 4, 5, 6 & 8 & 9 CTS Nos. 2(Pt.) & 5(Pt.) of Ambivali, Veera Desai Rd., Andheri (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32737/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 28-10-1986

Scal:

(1) Pramila Ramchandra Mantri Jay Kumar S. Naik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Empire Builders & Developers.

Transferor.

(Transferce) (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31855/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 78/5 & 78/6 with structure, Andheri (West),

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appurent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said in respect of any income arising from the tras 4/or
- th) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1922

THE SCHEDULE

C.S. No. 78/5 & 78/6 with structure, Andheri (West), Bombay.

The agreem ent has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31855/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ::-

Dated: 28-10-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFINCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31216/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Ground floor and basement premises in the building known

as Roop Apartments, Oshiwara, Taluka Andheri.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) D. P. Construction Co.

(Transferor)

(2) Development Co. operative Bank Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor and basement premises in the building known as Roop Apartments at Village Oshiwara, Taluka Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31216/85-86 on 2-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 28-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) M/s. Tolaram & Co.

(1) Shri Ramchandra J. Naik.

(Transferee),

(3) Trensforor. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31148/85-86,—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece of land lying at Village Versova Taluka Andheri S.
No. 149, CTS No. 1328 together with structure standing

thereon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land lying at Village Versova Taluka Andheri S. No. 149, CTS No. 1328 with structure standing thereon.

The agreement has been registered the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31148/85-86 on 2-3-1986,

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 35-376GI/86

Dated: 28-10-1986

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32138/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shops Nos. 3-B, 4, 5, 6, 7 & 8 alongwith stalls made therein on ground floor of Troika Shopping Arcade, CTS Nos. 457 & 457/1 to 457/4, S. V. Road, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ravindra Mabu Arasa.

(2) Shri Kantilal Ratilal Shah and Shri Tishar Chhotalal Joshi. (Transferor)

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops Nos. 3-B, 4, 5, 6, 7 & 8 alongwith Stalls made therein on Ground floor of Troika Shopping Arcade, Plot bearing CTS Nos. 457 & 457/1 to 457/4, S. V. Road, Andheri (West) Rombow 58

(West). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/31238/85-86 on 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986

- (1) Mr. Joseph Luis Creado and Miss Molly Adna Creado.
- (Transferor)
- (2) M/s Dealwel Estates Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32637/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 70% undivided share in land bearing S. No. 11, H. No. 4. CTS 1245, Yari Road, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

Competent Authority

at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

70% undivided share in land bearing S. No. 11, H. No. 4, CTS No. 1245 situated at Yari Road, Versova, Andhen (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32637/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

(1) M/s Sanjev Builders Private Ltd.

(2) M/s Oriental Investment.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR, 11/37EE/32016/85-86.—Whereas, 1, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 903/1003, Sanjeev Tower No. 6 Beham Baug, CTS
No. 41 (Part), Oshiwara Village, Versova, Andheri (West),
Bombay

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 5-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 903/1003, Sanjeev Tower No. 6, Beham Baug, CTS No. 41 (Part), Oshiwara Village, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32016/85-86 on 5-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986

(1) M/s Sanjev Builders Private Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Oriental Investment.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32017/85-86.-Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 703/803, Sanjcev Tower No. 6, CTS No. 41 (Pt.) Oshiwara Village, Versova, Andheri (West). Bombay tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said sostrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703/803, Sanjeev Tower No. 6, Beham Baug, CTS No. 41 (Part) Oshiwara Village, Versova, Andheri (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32017/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-10-1986

FORM ITNS----

(1) M/s Akruti & Goyal Realtors Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manju N. Gupta.

(Transferce)

(3) Anilkumar Agarwal.

(Person in occupation of the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32019/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 34, Hissa No. 1, CTS No. 176 (Part) Jogeshwari (East), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 34, Hissa No. 1, CTS No. 176 (Pt.), Jogeshwari (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IJ/37EE/32109/85-86 on

5-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Kisinchand Tikamdas Jave,
 - 2. Premchand Kisinchand Jave,
 - 3. Ashok Kisinchand Jave and
 - Rajendra Kisinchand Jave,

(2) Davasakayam Dasan.

(Transferor) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37G-3880/Mar. 86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property bearing NA S. No. 143 CTS 44, Versova Village, Andheti Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

Competent Authority

at Bombay on 18-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(v) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2975/ 85 and registered on 18-3-1986 with the Sub-Registrar, Bombay.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

- (1) Mr. Madan Mohan Bathija.
- (Transferor)

(2) Dr. Hushanga Dorabji Nagporewalla.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32540/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- lakh and bearing No.

Flat No. 1, 6th floor Varun Bldg., 1054 J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58

K. C. SHAH,

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1, 6th floor, Varun Building, 1054 J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32540/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-10-1906

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32080/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- lakh and bearing No. CTS No. 926, 926/1 & 926/2 of Versova, Ram Mandir Road.

Andheri, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 5-3-1986

at Bombay on 5-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Ircome-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:-36-376G1/86

(1) M/s Group Housing Development Corporation. (Transferor)

(2) M/s Sonal Land Development Corporation.

(3) Sonal Land Development Corporation.

(Transferee) (3) Pednekar & Ors.

(Person in occupation of the property.)
(4) Smt. Mandakini D. Narvelkar.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 926, 926/1 & 926/2 of Versova, Ram-Mandir

Road, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32080/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-10-1986

FORM 11NS------

(1) M/s N. J. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Girish Talvadkar and Girish Vasant.

(Transferor)

GOVERNMENT OF CIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.H/37EE/31382/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-exceeding Rs. 1,00,000/- lakh and bearing No. Plot No. 9, S. No. 87, 7 Bunglows, J. P. Road, Andheri (W), situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

Competent Authority

at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ariting from the transfer: endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (ii of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein use are defined in Chapter XXA of the call Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Doctors Clinics on 1st floor, Vashveen Apartments B-Bldg., on Plot No. 9, S. No. 87, 7 Bunglows, J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/31382/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-10-1986

FORM ITNS ---

(1) Mis. Java Omprakash Kakwani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhimjibhai D. Patel & Mr. Shivial D. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR, II₁/37EE/32379/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, 4th floor, Devasish, Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer of and the same is registered under section 269-AB of the lacome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bonibay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefore by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property one be made in writing to the undersigned :- .

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, v hichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Devasish, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/371E/32379/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1986

(1) Fazila Mohamed Ibrahim.

(Transferor)

(2) M/s. D. P. Construction Co.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32771/85-86,—Whereus,I.,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the innovable property having a fair market

value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 90 (Pt), Hissa No. 1 & 2, CTS No. 1097, 1097/1

& 1097/2,

Versova, Andheri (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

consideration which is less than the fair for an apparent market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than mail exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whilehever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sno. 90 (Pt.), Hissa No. 1 & 2 CTS No. 1097, 1097/1 & 1097/2 of Versova, Andhreri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, 11/37EE/32771/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 28-10-1986

FORM LT.N.S.-

(1) Smt. Javerbai Mathuradas Ashar.

(Transferor)

(2) M/s. Kalindi Construction Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR-II/37EE/31870/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property by the property by the second of the covered at the second of the covered at the second of the property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
CTS No. 553, 553/1 & 2 at 150 Swami Vivekanand Read,
Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under,
section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structures, bearing CTS No. 553, 553/1 & 2 at 150/Swami Vivekanand Road, Andheri (West), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/31870/85 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

Scal :

(1) M/s. Acme Associates

(Transferor)

(2) M/s. Muran Enterprises

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/33146/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH.

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land bearing CTS No. 1092, 1092/1 to 1092/16 S. No. 48, Hissa No. 1, Versova, Andheri (W), Bombay situated at Bombay

at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-3-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of land bearing CTS No. 1092, 1092/01 to 1092/16, S. No. 48 Hissa No. 1, J.P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Nuthority, Bombay under No. AR. 11/37EE/33146/85-86 on 25-3-1986.

> K. C. SHAH. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1986

(1) Kaveri Corporation

(Transferor)

(2) M/s. Arundel Construction Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned:

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable

lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as

in the Chapter.

property, within 45 days from the date of the pub-

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31307/85-86,-Whereas, I, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, 1st floor, at Chapel Lane, Santacruz (W), Bombay-54, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is regstered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 7) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor, Swarna at Chapel Lane Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR. II/37EE/31307/85-86 on 1-3-86.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 28-10-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

(1) Shir Pranjiyanu M. Mehta.

(Transferor)

(2) M.s. M. J. Builders P. Ltd.

(Tran :fcree)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX OFFICE OF THE INSPECTING

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31315/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Ashish CHS., 51/C SV Road, Santacruz (W), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than betieve that the fair history value of the property as afforeshing fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ashish CHS, 51/C, SV Road, Santacruz (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authoriyt, Bombay under No. AR. II/37EE/31315/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated; 28-10-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Sailesh Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Murli Wadhwa & Mrs. Madhu Wadhwa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32302/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 31, 3rd floor Villa Capri, Plot No. J-4, Gazdar Scheme, Santacruz (W), Bombay-54, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the collect of the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor Villa Capri, on Plot No. J-4 Gazdar Scheme, Vallabhbhai Patel Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31302/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 37-376 GI/86

Dated: 28-10-1986

Seal t

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Raviraj Constructions

(Transferor)

(2) M/s. Midtown Consultancy

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE [NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31293/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, Regal Apartments, SV Road, Santacruz (W), Bombay-54 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986

Bombay on 1-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

- 'a. z. ilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 19?2) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 'Regal Apartments', Plot No. 4/A, CTS No. 56, TPS II, SV Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31293/85-86 on 1-3-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Raviraj Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sai Baba Textiles.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.Π/37ΕΕ/31292/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 402, 'Regal Apartments, S. V. Road, Santracruz (W),

Bombay-54,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Authority at Bombay on 1-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Caficial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 'Regal Apartments', 4th floor, Plot No. 4/A, CTS No. 56, TPS II, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31292/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-10-1986

Scal:

FORM ITNS ---

(1) M/s. Raviraj Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mr. Boney Kapoor,2. Mr. Sanjay Kapoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31291/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, 'Regal Apartments', Plot No. 4/B, SV Road,

Santacruz (W), Bombay-54.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- voy facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 'Regal Apartment', 3rd floor, Plot No. 4/B, CTS No. 56, TPS II, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/31291/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, mercane, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

(1) M/s. Raviraj Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh A. Whabi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31283/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable account having a fair market value exceeding. able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 1, Regal Apartments, SV Road, Santacruz (W), Bombay-54,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Authority at Bombay on 1-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as uforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Unit No. 1, on ground floor in Regal Apartments, Plot No. 4/B, CTS No. 56, TPS II, SV Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31283/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Date: 28-10-1986

persons, namely :-

(1) Sukumar N. Shah & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Hemal M. Doshi & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31285/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

h. C. SHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 29, S. No. 287, Nandanvan, Juhu, Vile Parle (W), Rombou

Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any incline arising from the transfer,
- (b) facilitaring the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29, S. No. 287, Nandanvan, Juhu, Vile Parle (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31285/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following versons, namely :-

Date: 28-10-1986

(1) M/s. Kaveri Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gladhurst Construction Pvt. I.td.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31124/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAFI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, 1st floor of Swarna at Chapel Lane, Santacruz (W), Bombay-54,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986.

for an apparent consideration which is fair market value of the aforesaid is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tredy stated in the said instrument of transfer with the object of !—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income ar any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 1st floor Swarna, at Chapel Lane, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31124/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

FORM ITNS----

(1) M/s. Sailesh Corporation.

(2) M/s. Suman Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31117/85-86.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 12, 1st floor, Villa Capri, Santacruz (W), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Authority at Bombay on 1-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

y income or any ave not been or the transferee for all letter for the transferee for the Wealth-tax

The agreement ha Authority, Bombay user the Wealth-tax

Flat No. 12, 1st floor, Villa Capri Santacruz (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31117/85-86 on 1-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 28-10-1986

(1) M/s. Sailesh Corporation.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

AR.II/37EE/31306/85-86.—Whereas, J. Ref. No. K., C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 22, 2nd floor Villa-Capri, Santacruz (W), Bombay-

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986,

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the saxt Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax act 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) M/s. Poornima Estates Developers Pvt. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from. the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as giverin that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd floor Villa-Capri, Santacruz (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31306/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---38-376GI/86

Date: 28-10-1986

Scal:

FORM ITNS.—

(1) Kaveri Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gold Coin Construction Co. Pvt. Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31156/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 22, 2nd floor Swarna at Chapel Lane, Santacruz (W). Bombow

(W), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of between the transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not-been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 22, 2nd floor Swarna at Chapel Lane, Santacruz (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31115/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 28-10-1986 Seal :

FORM LT.N.S.-

(1) M/s. Sailesh Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Takshila Builder's P. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31305/85-86.-Whereas, I,

Ref. No. AR. 11/3/EE/31305/85-86.—whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property naving a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 21, 2nd floor, Villa-Capri at Santacruz (W), Rombay

Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 2nd floor Villa-Capri at Santacruz (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31305/85-86 on 1-3-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 28-10-1986

(1) M/s. Sailesh Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Prerana Builders (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31114/85-86,-Whereas I.

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs, 1,00,000/- and bearing
Flat No. 41, 4th floor, Villa Capri at Santacruz (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957)).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

THE SCHEDULE

Flat No. 41, 4th floor Villa Capri', at Santacruz (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31114/85-86 on 1-3-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 28-10-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mrs. Padmini Padmanabhan, 17, Third Cross Street, Sterling Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor:

Sri P. Varda Reddy,
 Rutlandgate
 Ath Street, Nungambakkam,
 Madras-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MODR AS-600 006

Madras, the 24th October 1986

Ref. No. 4/Mar 86.—Whereas, I, A. R. REDDY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece & Parcel of land Plot situated at No. 8., Sterling Road, Nungambakkam Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Thousandlights Doc No. 74/86 on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weahn-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land being Plot No. 8 Reg. No. 547/15 sterling Road, Nungambakkam, Madras-34, (Thousandlights Ooc. No. 74/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-10-1986

Yeal :

(1) Sailesh Corporation.

(Transferor)

(2) R. B. R. Construction Pvt Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31106/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') bave reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 42, 4th floor of Villa-Capri at Santacruz (W),

Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- is lacilitating the seduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes fo the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th floor Villa-Capri, Santacruz (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31106/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I before initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1986

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kishor Chandra Ramanlal Shah.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette o_T a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR. II/37EE/30934/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

(b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Rs, 1,00,000/- and bearing
Flat No. 101, 5th floor of the Building Gazdar Apartments
'C' Juhu Tara Rd., Bombay-54

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Compe-

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act. shall have the same meaning as given in this Chapter.

tent Authority at Bombay on 1-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 5th floor of the building Gazdar Apartments 'C' at Juhu Tara Rd., Bombay-54.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30934/85-86 on 1-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1986

(1) Smt. Usha T. Hoksar.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chandulal Marfatia. Smt. Snehal Jagdish Marfatia,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32087/86-87.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saïd Act'), have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat with terrace on Balasadan Co. operative Housing Society Ltd., Santacruz (W), Bombay-54.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat with terrace (same size) and Open compound on the back side and south west side in Balasadan Co-op. Housing Society Ltd. Vallabhbhai Lanc, Off Linking Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32087/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 28-10-1986

POKM ITHS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32363/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 51, Sai Rachna Premises Co-op. Housing Society

tad., Juhu Road, Santacruz (West), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-- 39-376GI/86

(1) Shri Ramdas Manjunath Shenoy.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh Aurora and Mis. Madhubala Ramesh Aurora.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, Sai Rachna Premises Co-op. Housing Society Ltd., Juhu Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/32363/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-10-1986

(1) M/s Nav Bahar Builders.

(Transferor)

(2) Thakur Lahi Beni Prasad Singh, HUF.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATF, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32205/86-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, Shernaz, Plot No. 121, TS No. 901, 901/1 Juhu Road, Vile Parle (W), Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 'Shernaz' 1st floor, Plot No. 121, CTS No. 901, 901/1 Juhu Road, Vile Parle (W), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32205/85-86 on 6-3-1986.

K. C. 5HAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986

Scal:

و - ب

(1) M/s Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh Tarachand Jadhwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.H/37EE/32130/85-86,—Wrereas I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 501, 'Hema', Plot No. 13, TPS IV, Santacruz (W), Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act

- in respect of any income arisins from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 'Hema', Plot No. 13, T.P.S. IV, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32130/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 28-10-1986

FORM ITNS-

(1) Shri Jasbir Singh Dharam Singh Chass. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Asha Rani Gupta and Meena Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31858/85-86.--Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A/63 Queen Park Premises Co-op. Society, Juhu Road, Santacruz (West), Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 5-3-1986

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (ā) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. A/63, Queens Park, premises Co-op. Housing Society Ltd., Juhu Road, Santacruz (West), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. U/37EE/31858/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-10-1986

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32584/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-8, Bhagyodaya Co-op. Housing Society Ltd., Desai Nagar, Santacruz (West), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the company of t Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Sushila Shantaram Chandratreya and Shri Shivadityakumar Shantaram Chandratreya. (Transferor)
- (2) Shri Nitin Vijayakumar Sardesai.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property muy be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given m that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-8, 3rd floor, Bhagyodaya Co-op. Housing Society Ltd., Desai Nagar, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32584/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-10-1986

Mr. Asharaf Chini, S/o Haji Gaffar Chini.

(Transferor)

(2) Mr. Salim Umar Shama and Smt. Khatija Usman Shama.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31532/85-86.-Wherens, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 204, Beach Heaven No. 1, Juhu Tara Road, Juhu,

Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the seld instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the noise in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor of Bench Heaven No. 1, Wing-I, Juhu Tara Road, Juhu. Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31532/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-10-1986

(1) M/s Yasmin Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s La Renaissance Health Services (P) Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG.

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32526/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to beleve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 1, with Basement and 2 parking under stilts in the bldg. Gazdar Apartments-C, Juhu Tara Road, Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or uny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

A dec 6

Shop No. 1 with Basement and 2 parking under stilts in the building Gazdar Apartments-C at Juhu Tara Road, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32526/85-86 on 6-3-1986.

THE SCHEDULE

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persorn, namely:—

Date: 28-10-1986

Salt:

FORM ITNS——

(1) Keki Pallonji Sidhwa & Others.

(Transferor)

(2) M/s Kakad & Sons.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG.

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32743/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 230, Hissa No. 4, 5, 6, 12 & 13 CTS No. 704 & 705 at Villaga, Isla Villa Balls (Bombou).

at Village Irla Vile Parle, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 230, Hissa No. 4, 5, 6, 12 & 13 CTS No. 704 & 705 at Village Irla Vilc Parle, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent, Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32743/85-86 on 7-3-1986,

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

(1) Rachhpalsingh Luthra.

(Transferor)

(2) Mr. Raja Shekhar R. Shetty & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32246/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, Archana Kutir Co-op. Hsg. Soc., CTS No. 410, N. S. Road 13, Juhu Village, Juhu, Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /0/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-rax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 40—376GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Archana Kutir Co-op. Hsg. Society CTS No. 410 N. S. Road No. 13, Juhu Village, Juhu, Bombay-49,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32246/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-10-1986

(1) Makhia Vohra Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Parduman Singh and Mrs. Kamlesh Kaur.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.11/37EE/32392/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Cometent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 202, Mangal Nivetia, Sarojini Road, Santacruz (W),

Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-3-1986

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income erising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207 Nivetia, Plot No. 10B, Saroji Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32392/85-86 on 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Popat Karsan Shah.

(Transferor)

(2) Mrs. Illa Suresh Mankad and Master Kaustubh S. Mankad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/37678/85-86.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Ro. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, Saraswati Road, Santacruz (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the ian to value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Plot No. 74, Saraswatl Road, Santacruz (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/37678/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 28-10-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE, 32557/85-86.—Whereas I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, Bldg. No. 1, Prakash Co-op. Housing Society Ltd., 62-66, Daulatrao Desai Nagar, Santacruz (W), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramniklal I. Kapadia.

(Transferor)

(2) Smt. C T.. Trivedi and Smt. P. D. Trivedi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Bldg. No. 1, Prakash Co-op. Housing Society Ltd., 62-66, Daulatrao Desai Nagar, Santacruz (Weat), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Compatent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32557/85-86 on 7-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Vce Geo Creado Construction & Developer Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Bradley Colin Creado.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR II/37EE/31931/85-86.—Whereas I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000, and beging

Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 5 on 6th floor in Wing 'B' Silver Beach Estate,

Juhu, Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and appeasions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 6th floor in Wing 'B' of the proposed Bldg. Silver Beach at property bearing C. S. No. 505 at Silver Beach Estate Juhn Bombay-49

Beach Estate, Juhu, Bombay-49.
The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/31931/85-86 on 5-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986

Scal:

(1) Vee Gee Creado Construction & Developer Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Winton Victor Creado.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR,II/37EE/31874/85-86,-Whereas I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, 7th floor Wing 'B', Silver Beach, Juhu, Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Imposes-tex Act, 1932 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 7th floor in Wing 'B' of the proposed Bldg. Silver Beach at property bearing CS No. 595 at Silver Beach Estate, Juhu. Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EB/31874/85-86 Authority, on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-10-1986

(1) M/s, M. R. Combine.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Doraiswamy Venkatraman, Mis. Swaranalata Venkatraman.

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 1—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31416/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 110, Jal Darshan, Ruia Park, Juhu Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 110, 'Jal Darshan' situated on portion of 10-Y of land bearing S. No. 44, H. No. 1 (Pt.) & 2 (Pt.) at Rule Park, Juhu, Bombay-49,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31416/65-86 on 5-3-1986.

K. C, SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-10-1986

FORM ITNS-

(1) M/s. Green filed Developers.

(Transferor)

(2) Mr. Subash Gogia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32022/85-86.--Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop & Basement 'Mermaid' at Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pur-poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop & Basement in the building known as 'mermald' at Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32022/85-86

Authority, on 5-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 28-10-1986

PART III—SEC. 11

FORM NO. I.T.N.S.--

(1) M/s, Roopkrishna Investments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Roshanlal Agarwal 2. Smt. Goradevi Agarwal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUINTION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32692/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat, Janki Kutir, Plot No. 13, Juhu Village, Bombay-49 (and more fuly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (x) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any enoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the reforesaid property by the issue of this notice under sunsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--41—376GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat, Janki, Kutir, Plot No. 13, Juhu Village, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32692/85-86 on 7-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II **Bomb**ay

Date: 28-10-1986

Scal:

FORM ITNS ----

(1) M/s. Roopkrishan Investments.

((Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Mayadevi Agarwal 2. Shri Subhash Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:----

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32693/85-86.—Whereas I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 13. Janki Kutir, Juhu Villago, Bombay-49

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 13, Janki Kutir, Juhu Village, Bombay-49. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32693/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-10-1986

- (1) M/s. Popat Karsan Shah.
- (Transferor)
- (2) Mr. Suresh K. Mankad & Miss Urvi Suresh Mankad.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II/37EE/37662/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH,

k, C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor, 'Iesal Apartments, Plot No. 74, Tagore Rd., Santacruz (West), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule appeared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as property as therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, 'Jesal Apartments, Plot No. 74, Tegola Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/37662/85-86 on 5-3-1986.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

•**K**. C. SH∆H Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ii Contractor Bldg, Ballard Esta . Bombas

Date: 28-10-1986

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Natraj Corporation.

(Transferor)

(2) M/s, D. B. R. Properties Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BAILARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31100/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 61, 6th floor of Kshitij at Hill Road, Bandra, Bom-

bay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer? and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No, 61, 6th floor of 'Kshitij' at Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31100/85-86 on 1-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Contractor Bldg, Ballard Estate Bon.bay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-10-1986

- (1) M/s. Natral Corporation.
- (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Astoria Builders Pvt. Ltd.

GOVERNMENT OF 'INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF NCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette σ_{Γ} a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

AR.II/37EE/31120/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. A K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 101, 10th floor of 'Kshitij 'at Hill Rd., Bandra,

Bombay-50

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AP of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 101, 10th floor of 'Kshitij' at Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/31120/85-86 Authority, on 1-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Contractor Bldg, Ballard Estate Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 28-10-1986

- (1) M/s. Natraj Corporation.
- (Transferor)

- (2) M/s Deepak Properties Private Ltd

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31122/85-86.—Whereas J, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 41, 4th floor of 'Kshitij' Hill Road, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percentn of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

(a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which the period over the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 41 on 4th floor of 'Kshitii', Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37EE/31122/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Contractor Bldg, Ballard Estate Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Baldevdas Fatehchand Asrani.

may be made in writing to the undersigned :-

S/o late Shri Indersain Kapoor,

(1) Anil Kappor

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Bombay, the 28th October 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref No. AR.II/37EE/31004/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 7, Diamond Link Co.op. Housing Soc. Ltd., Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986

nomony on 1-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferge for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Diamond Link Co.op. Housing Society Ltd. Diamond Link, Plot No. 227-A, TPS III, 31st Rd., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31004/85-86 on 1-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Contractor Bldg, Ballard Estate Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons appears ing persons, namely :-

Date: 28-10-1986

- (1) M/s. Natraj Corporation,
- (Transferor)

(2) M/s. Seaside Properties Pvt. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref No AR.II/37E/31109/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 51, 5th floor of 'Kshitij' at Hill Road, Bandra,

Bombay-50

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percents of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor of 'Kshitij' at Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.II/37EE/31109/85-86 Authority, on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

(1) M/s. Amkay Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajkumar, Pessumal Pamnani, Master Dinesh R. Pamnani & Miss Sangeeta R. Pamnani (Minor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31079/85-86,—Whereas, I.

Ker. No. Ar. 11/3/EE/310/3/63-60.—whiteras, 1, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 2:09B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, 1st floor, Moru Mahal, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay

situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said bot, to the following persons, namely:— 42--376GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, 'Moru Mahal' Dr. Ambedkar Rd. Bandra, Bombay50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31079/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 28-10-1986

27192 THE GAZETTE OF INDIA, DECEMBER 20, 1986 (AGRAHAYANA 29, 1908)

FORM ITNS----

(1) Mr. Placid Fernandes & Ors.

(Transferor)

NOΓIC.: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh Kasbekar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/31071/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
CS No. D/995 & 996/A. Chauim, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— may be made is writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property bearing CS Nos. D/995 & 996-A, at Chuim, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31071/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 28-10-1986

FORM I.T.N.S.-

- (1) Regency Construction Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) M/s. C. V. R. Estates Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31116/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. AR. II/37EE/31116/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing Flat No. 21, and 22, 2nd floor Palam-Spring, at Cadel Road, Mahim, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> Flat No. 21 & 22, 2nd floor of Palm-Spring at Cadel Road, Prabhadevi, Mahim, Bombay.

> The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31116/85-86 on 1-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1986

Scal:

FORM-ITNS---

(1) M/s. Regency Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abjay Mugatlal Mehta & Dr. (Mrs.) Neena Abhay Mehta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31118/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 31, 3rd floor, Paim-Spring a Cadel Rd. Prabhadevi,

Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31 on 3rd floor Palm-Spring, at Cadel Road, Prabhadevi, Mahim, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR. II/37FE/31118/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

trsuance of Section 269C of the said occedings for the acquisition of the y the issue of this notice under tion 269D of the said Act, to the ely:-

Dated: 28-10-1986

(1) Mrs. Georgina Pinto Lobo Simeon Cathedial (Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the underdaned:---

(2) Miss Victoria Lawrence Vaz Mr. Joseph Lawrence Vaz.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31074/85-86,-Whereas, 1,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 302, 3rd floor, Bandra Olar Co. op. Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986 for an apparent consideration which is large, they then the fair

perse us, namely :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given u that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Bandra Olar Co. op. Housing Society Ltd., St. Sebastian Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31074/85-86 on

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Dated: 28-10-1986

(1) M/s. Natraj Corporation

(Transferor)

(2) M/s. Waterfield Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31123/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 111, Kshitij, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market visite of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that use consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income actsing from the transferi and/or

Flat No. 111, 11th floor, of Kshitii at Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/31123/85-86 on 1-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beca er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 28-10-1986

FORM ITNS ---

(1) M/s. Natraj Corporation.

((Transferor)

(2) Mr. Kishore R. Punjabi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31113/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH.

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 92, 9th floor, Kshitij, on plot bearing CTS Nos. B-566 & B-568 & Part of 659 of Bandra, at Hill Road, Bandra (W), Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the

section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason the lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 92, 9th floor, Kshitij, on plot CTS No. B-566 & B-568 & Part of 559 of Bandra, at Hill Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31113/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 28-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. (Mrs.) Sudha Atit Dr. M. B. Atit

(Transferor)

(2) Dr. Mohammed Yunus Mr. R. B. Harris

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31075/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Kakad Co. op, Housing Society I.td., 4 Pali Rd., Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Commetent Authority at Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Kakad Co. op. Housing Society Ltd., 4 Pali Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31075/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated; 28-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31083/85-86.—Whereas. I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, Manish Sea Croft on Sherley Rajan Road, Barden Sherley 60 situated at Barden.

Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

43-376GI/86

(1) Shri Ramshankar L. Shroff,

(Transferor)

(2) Smt. Rakhee Haresh Chhabria Shri Haresh Kanhyalal Chhabria

(Transferce)

(3) Transferces

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Manish Sea Croft, situated on Sherley Rajan Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IJ/37EE/31083/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 28-10-1986

Scal:

(1) Mr. Alexander Andrew Furtado Mr. Francis Xavier Furtado

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TRANSPORT OF THE PROPERTY OF T

(2) M/s. Cozyhome Builders

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31077/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Plot No. 14, in the Salsette Catholic Co. operative Housing Society's Estate Plan No. 1, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the correspond in registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14 in the Salsette Catholic Co. operative Housing Society's Estate Plan No. 1, St. Paul's Road, Bandra, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31077/85-86 on 1-3-86.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 28-10-1986

FORM ITNS-

(1) Panchvati Business Corporation.

(Transferor)

(2) John Jude Soares & Rosella Ubldin Soares (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER UF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32899/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 lat No. 5, 'Rella Villa', Bandra (West), Bombay-50 situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabing of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaoter

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 4th floor, Bella Villa, 54 St. Andrews Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32899/85-86 on 12-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 28-10-1986

(1) M/s. Jaya Ulhas Munge

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961) (2) Baby Pooja Bhalla

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR, II/37EE/31563/85-86.—Whereas I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

Flat No. 8, 'Merry Niketan' Bandra, Bombay-50, situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Merry Niketan, Mount Marry Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31563/85-86 on 4-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-10-1986

(1) Mrs. Kavita Shyamlal Luthria.

(Transferor)

(2) Mrs. Shailaja Prakashrao Patil.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Rof. No. AR, II / 37EE / 31555/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat and Garage at 32, 8th floor, Sea View Palace Co.

op. Society, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat and Garage at 32, 8th floor, Sea View 'Palace Co.op. Society', Pali Hill, Bandra, Bombay-50,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31555/85-86, on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-10-1986

- (1) M/s Suresh Enterprises.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mr. Suresh B. Kalra.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR EUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31287/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 61, Plot No. A-7, In. of 14th A-Rd., and South

Avenue Khar, Bombay-52,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eard Act, is, respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hercin are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61, Plot No. A-7, Junction of 14th 'A' Road and South Avenue, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31287/85-86 on 2-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-10-1986

Scal:

- (1) Smt. Kusumlata Manoharlal Bajai,
- (Transferor)
- (2) Trident Paper Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37FE/32085/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Flat in Shree Amrit Co.op. Society, Khar-Danda, Bombay-52,

situated at Bombav

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andler
- (b') facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat in Shree Amrit Co.op. Society, Plot No. 15, Carter Road, Khar-Danda, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32085/85-86 on 5-3-4986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

- (1) M/s National Building Corporation.
 - (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Mr. Satish Roshanlal Arora and Mrs. Rama Satish Arora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32463/85-86.—Whereas, I, K, C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501, Devgyan' Apartments, Khar, Bombay-52, situated at Bombay-

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, 'Devgyan' Apartments, Plot No. 543 and 544, 17th Road Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32463/85-86 on 6-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 28-10-1986

(1) Vijay Deep Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Murli P. Motiani and Shri Tirlok P. Motiani, und Shri Jamnadas P. Motiani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31634/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 41, 'Gulmohar', Khar, Bombuy-52,

situated at Bombuy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning arrestion in that Chapter in the chapte EXPLANATION: -The terms and expression given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ner

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Fralth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 41 on plot No. 152, Junction of 9th Road and S. V. Road, Khar, Bombay-52. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.Π/37EE/31634/85-86 on 4-3-1986,

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--44-376GI/86

Date: 28-10-1986

(1) M/s Vijay-Raj and Associates.

(Transferor)

(2) Shri Rum Kumar Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32825/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 'Vijay-Raj, Khar, Bombay-52, situated at Romban'

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, on the 1st floor, Vijay-Raj, Plot No. 288, 9th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32825/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

Scal:

(1) M/s Vijay-Raj and Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sueshma Shiromanee.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IJ CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY

> > Bombay, the 28th October 1985

Ref. No. AR-1/37EE/11079/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Vijay Raj, Khar, Bombay-52 citatetal of Posteries.

situated at Bombuy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein ma are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, 'Vijay-Raj, Plot No. 288, 9th Road, Khar, Bombay-52,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31258/85-86 on 2-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986 .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Devendra Construction Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Mohamed Yusuf Noor Mohamed Moriwalla and Mr. Noor Mohamed Usman Motiwala and Mrs. Havabai N. Motiwalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32099/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5, 'Mi-Casa, Bandra, Bombay-52, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(ā) facilitating the reduction or evalen of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 5th floor in Mi-Casa, 24th Road, Bandra, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/32099/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-10-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM I.I.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37FE/32168, 85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. E-4, Jolly Highrise Apartments, Bandra, Bombay-50,

situated at Bomblev

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Waman G. Kaisare.

(Transferor)

(2) Smt. Pramila N. Khatwani. Shri Narain Vasudev Khatwani and Smt. Maheshwari V. Khatwani.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E-4, Jolly Highrise Apartments, 'A' Building, Plot No. 241-A, Palimala Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32168/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1.) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986

Scal:

(1) Mrs. Nanda Madhavdas Wanvari.

(Transferor)

(2) Mr. Kumar Lakhmichand Wanwari.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II / 37EE / 32387, 85-86.—Whereas, I.

K. C. SHAH.

k. C. SHAH.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 9, I ata Soni Co.op. Housing Society I.td., Bandra,

Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 6-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in hat Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 9, Lata Soni Co.operative Housing Society, Ltd., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/32387/85-86. or 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Date: 28-10-1986

(1) Mr. Somjimal Mulchand Gianani. (2) Mr. Tolaram Lekhraj Gwalanj.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. ARJI/37EE/32402/85-86.-Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12. Palace Sea View, Bandra, Bombay-50,

situated at Hombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this natice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, Palace Sea View, 48, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/32402/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombuy

Date: 28-10-1986

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.11/37EE/32212/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 27, Shantivanam, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1937 (27 cft 1937).

(1) Mrs. Priscilla D'Gama.

(Transferor)

(2) Mrs. Dinaz A. D'Souza and Mr. Arthur A. D'Souza.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 27, 6th floor, 'Shantivanam', Pali Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32212/85-86, on 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Galaxy Construction Co.

(Transferor)

(2) Tahera S. S. Hemani, Shahzad S. Hemani and Asha P. Mandaria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32330/85-86.—Wheras, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 1, 'Planet' Turner Road, Bandra (W),

Bombay-50,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Bombay on 6-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1, on ground floor, Property situated on F. No. 125 of Scheme No. IV, Planet, Turner Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/32330/85-86 on 6-3-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-10-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, amely :-45-376GI/86

FORM I.T.N.S.----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1386

Ref. No. AR.II, 37EE / 32191 / 85-86,-Whereas, I.

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding As. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4C. Hill Top Co.op. Housing Society, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. G. Sivaprasad.

(Transferor)

(2) Mr. Arunkochar and Mrs. Suman Kochar.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immow able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Hill Top Co.operative Housing Society Itd., 49 Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32191/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-10-1986 Seal:

FORM ITNS----

(1) Dr. J. N. Thadani.

(Transferor)

(2) Venkataraman Gauri Shankar.

(Transfereo)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II, 37EE, 319/85-86.—Wheras, I.

Kel. No. AR, 11/3/12B/319/85-86.—Wheras, 1, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, Glimpse, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said linst ument of transfer with the object of :-

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 'Sea Glimpse at 31, Byramjin Jijibhai Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37FF/31990/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Remarkay

Date: 28-10-1986

- (1) Smt, Nirmala Deepak Sambhwani.
- (Transferor)
- (2) Mr. Anant V. Hegde,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32066/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 6A. Palam Court, Prof. Almeida Park Road, Bandra (W), Bombay-50,

situated at Bombuy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6A, Palm Court, Prof. Almeida Park Road, Bundra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32066/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance o fSection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-10-1986

Scal:

(1) Shri Ramesh Smt. Rajani Sitaram Modi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. D. Shetty, Mr. R. D. Shetty.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

SEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY

> > Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31461/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 1.00.000/- and bearing

Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 5, Vijay Raj, Bandra (West), Bombay 50. (and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 4/3/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Vijay Raj, 229, S. V. Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.31461/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Contractor Bldg. Bullard Estate Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

27220

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31882/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1-lat No. 45, 'Dharam Jyoti', Bandra (West), Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lo.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mis. Gunwanti A. Mirchandani Mr. Arjun K. Mirchandani.

(Transferor)

(2) Mr. Jagdish Chander Garg, Mr. Shivkumar Garg, Mr. Ved Prakash Garg & Mr. Rajendra Garg,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 45, 4th floor, Dharam Jyoti, New Kantwadi, Off Perry Cross Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.31882/85-86 on 5-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Contractor Bldg. Ballard Estate,
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 28-10-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Narendra Waman Satpute.

(Transferor)

(2) Mrs. Surekha Asrani & Hiranand Asrani (Transferee)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31543/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 10, Navsavera Co-operative Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Anthority

at Bombay on 4-3-1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incorn tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act.; the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 10 5th floor, Navsavera Co-operative Housing Society Ltd., Sea Bird, 114 Byramice Jeebhoy Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE.31543/85-86 on 4-3-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Contractor Bldg. Ballard Estate, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 28-10-1986

(1) Mr. Amirali Juma Haji Muscatwalla,

(Transferor)

(2) Mr. Firoz Gulamhusain Lalani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY

> > Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31929/84-85.—Whereas, I, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Kanti Apartment, Bandra Bombay-50.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any become se any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein said sections of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 8th floor, 'A' Wing, Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31929/85-86 on the Competent 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Contractor Bldg. Ballard Estate,
> Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely .-

Dated: 28-10-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Sugun Das & Himachal Kumar Das. (Transferor)

(2) Mr. Prithvirai S. Bhagwat.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31542/85-86.-Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 11-A, Landbreeze Co. operative Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986

for an emparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than effect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration.

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11-A, Landbreeze Co. operative Housing Soc. Ltd. 52, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE.31542/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Contractor Bldg. Ballard Estate, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 46—376GI/86

Dated: 28-10-1986

FORM TING---

- (1) Mrs. Veena Bhatia & Mr. Sanjeev S. Bhatia. (Transferor)
- (2) Kishore Kapoor.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY

> > Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EF.31550/85-86.-Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immo.able property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Hill Niketan Co. op. Housing Soc. Ltd., Bandra

(W), Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, on 1st floor, Hill Niketan Co.op. Housing Society Ltd., CTS No. 841, Mount Mary Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No.AR.IJ/37EE.31550/85-86 on 4-3-86.

> K. C. SHAH Contractor Bldg. Ballard Estate, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 28/10/1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE **BOMBAY**

Bombey, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.32339/85-86.—Whereas. I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. $\Lambda/7$, Silver Queen Co. operative Housing Society 1 td., Mahim, Bombay-16.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4/3/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Dusposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . -

(1) Dr. Manubhai Bhagmanji Patel.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Damodhar Soparkar & Smt. Damayanti Damodar Soparkar.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the socialities of the said property may be unale in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a poried of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A/7, Silver Queen Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 571 (Pt. IV) Off. Lady Jamshedji Cross Rd., No. 2. Mahim, Bombay-16

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.32339/85-86 on 6.3 - 1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Contractor Bldg. Ballard Estate, Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 28/10/1986

FORM ITNS

- (1) M/s. Natraj Corporation.
- (Transferor)
- (2) M/s. S. R. R. Construction Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31309/85-86.—Wheeras, I. K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 32, 'Kshitij' Hill Road, Bandra, Bombay-50. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on Authority at Bombay on 4/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by along than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32 on 3rd floor of Kshitij at Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.31309/85-86 on

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Contractor Bldg. Ballard Estate, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 28/10/1986

- (1) M/s. Natraj Corporation.
- (Transferor)
- (2) M/s. B. S. R. Estates Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY

> > Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31304/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHATI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 21, Kshitij, Bandra, Bombay-50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the agreement in reministed under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

4/3/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (n) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Agt, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said imasovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 21 on 2nd floor of Kshitij at Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.31304/85-86 on 23-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Contractor Bldg. Ballard Estate, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28/10/1986

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Surindersingh Bhatty.

(Transferoa)

(2) M/s. Standard Videotronics

(Transferee)

Transferee. (Person in occupaptipon of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.11/37EE.32361/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market /alue exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 3, Kalpak Hormuz, Perry Cross Road, Bandra (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, 3rd floor of Kalpak Mormuz and Parking space No. 1 at Plot No. 700 Perry Cross Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.32361/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Contractor Bldg. Ballard Estate Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1986

(1) M/s. Bajaj Traders

(Transferor)

(2) Nanda Madhavdas Wanvari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.U/37EE.32388/85-86.--Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000'- and bearing No.

Flat on the 7th floor at Nav Palmyra Co. operative Housing

Society Ltd., Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on the 7th floor at Nav Palmyra Co. opperative Housing Society Ltd., Plot No. 593-B, 21st Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE.32388/85-86 on 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Contractor Bldg. Ballard Estate
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-10-1986

(1) Shri Tebmursap Jamshedji Irani. Shri Kersi Cawas Lord & Shri Buji Cawas Lord. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi Murzban Nusserwanji Khatiwalla and Smt. Kuizerina Rajiv Chhabra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay 400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31625/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. A/2, Our Sweet Home Co. op. Hsg. Society Ltd.
Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoviable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A/2, Ground floor. Our Sweet Home Co. op. Housing Society Ltd., 540 Pali Road, Bandra Bombay-50,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.31625/8586 on 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Contractor Bldg. Ballard Estate
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-10-1986

Scal;

FORM ITNS----

- (1) M/s. Raja Builders
- (Transferon)
- (2) Ronald Valles & Joan Valles.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupaptipon of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.32397/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 401, at 40B Rebeliow Road, Bandra Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986

Authority at Bombay on 6-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
47—376GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, at 40B, Rebello Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32397/85-86 on 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Contractor Bldg. Ballard Estate
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 28-10-1986

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE
BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31496/85-86.-Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 'Silva Croft', Bandra, Bombay-50. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- the sactivating the reduction or eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, 404 105
- n) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Art. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

M/s. Cozyhome Builders.

(Transferor)

- (2) Lilly Fredrick Lobo, Mrs. Lily Austen Lobo & Mr. Eith Au sten Lobo. (Transferec)
- (Person in occupartipon of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, on the second floor, in 'Silva Croft' Perry Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31496|85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Contractor Bldg. Ballard Estate Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 28-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Pee Empro Exports Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Sadiq Badruddin Ladak, Mrs. Shabnam Sadiq Ladak.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31142/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 403, Kiran Towers, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority.

Authority

at Bombay on 2-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration interests by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Kiran Towers, 45 Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31142/85-86 on 2-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-10-1986

(1) M/s Thakkar Construction.

(Transferor)

(2) Ramesh Deomal Jaisingh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.11/37EE/32123/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-pard bearing No.

and bearing No. Flat No. 7, Villa Romana, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, Villa Romana, 16th Road, TPS. 111, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32123/85-86 on 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986

FORM ITNS----

- (1) Mrs. Zubeda Mohammed Ibrahim.
- (Transferor)
- (2) Mr. Sajjad Hussein Wahld Ali Vakil.

(Transferee)

NUTTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31211/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 21, Queens Corner, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 2-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period G2 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 2nd floor, Queens Corner, Corner of 29th & 16th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31211/85-86 on 2-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32977/85-86.—Whereas, I.

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office premises on Plot No. C-6, Block 'E', at Bandra-Kurla Link Road, Bandra (East), Bombay-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered, under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 14-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated by the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s Tata Housing Development Company Ltd. (Transferor)

(2) M/s The New India Assurance Co. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises of first floor on Plot No. C-6, Block 'E' Bandra-Kurla Link Road, Bandra (East), Bombay-51 and 2 car parking space in the open Compound.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32977/85-86 on

14-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-10-1986

FORM ITNS----

(1) M/s. Natraj Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Varun Construction Co. Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.11/37EE/31308/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 31, 3rd floor, 'Kshitij', Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for each transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, 4 46 /TH

Flat No. 31, 3rd floor, 'Kshitij', at Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31308/85-86 on 2-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, er the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-10-1986

(1) Dr. (Mrs.) Nirmala Natraj Vashi.

(Transferor)

(2) Mr. Minocher J. P. Mistri & Mrs. Mani Minocher Mistri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31213/85-86,--Whereas, I,

K. C. SHAH,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 141/151, 'Nibbana Appartments', Nibban Co.-op. Housing Society Ltd., Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.31213/85-86 on 2-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perand mamely :--

Date: 28-10-1986

FORM LT.NS ----

(1) M/s. A. G. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdul Aziz Abdul Gafoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31222/85-86.-Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable rioperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,09,000/- and bearing Flat No. 602, Accost, Bandra (West), Bombay-50 situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat. No. 602, 6th. floor, 'Accost', 18/B, Pali Road, CTS No. 538, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.31222/85-86 on 2-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-10-1986

Seal:

48---376GI/86

(1) M/s. A. G. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31220/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH.

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402, Accost, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Flat No. 402, Accost, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1986

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

 11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Saliya Yusuf Bhati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Accost 18/B, Pali Rd., C.T.S. No. 538, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.31220/85-86 on 2-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

rhow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afericaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-1986

Scal

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. A. G. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Jabbar Abdul Gaffar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31219/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. AR.II/3/EE.31219/85-86.—Whereas, I, K. C. SIJAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-- and bearing No. Flat No. 601, 'Accost', Pali Road, Bandra (W), Bombay-50 situated at Bombay

situated at Bombay

(and move fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the irsue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 'Accost', $18/B_s$, Pali Road, CTS No. 538, Bundra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.31219/85-86 on 2-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-10-1986

FORM ITNS----

(1) M/s. A. G. Builders.

(Transferor)

(2) Abdul Munaf & Rukia Dawood.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Rcf. No. AR.II/37EE/31221/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, 'Accost', Bandra (West), Bombay-50 situated to Bombay.

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the whichever period expires later; respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chairman

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, 'Accost', 18/B, Pali Road, CTS No. 538, Bnadra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.31221/85-86 on 2-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-1986

(1) M/s. Natraj Corporation

(Transferor)

(2) S. B. R. Construction Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE OPCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. 11/3EE/31303/85-86.-Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 22, 2nd floor, 'Kshitij' Bandra, Bombay-50, situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in this said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habiter of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 22 on 2nd floor Kshitij, at Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreemennt has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31303/85-86 on 2-3-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 28-10-1986

(1) Capt V. R. Rajwade

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Mr. Sanjay Dutt and Miss Priya Dutt.
 - (Transferee)

(3) Transferor

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EF/31245/8586,—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8, 8th floor, 'Apsara', Snit. Narg's Dutt Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Sub-dute appared beauty).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

Bombay on 2-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 8 (West), 8th floor, Apsara, Smt Nargis Dutt Road, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreemennt has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/31245/85-86 on 2-3-1986.

> K. C. SHAH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

Dated t 28-10-1986

(1) M/s. Raja Bhatia Enterprises

(Transferor)

(2) Mrs. Shobhana G. Vaidya & Others.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31588/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impact of the said Act's fair market value exceeding movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202. Vaidya Villa, Santacruz (West), Bombay-54,

situated at Dombay

(and more fully described in the Schodule annexed hereto) has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Vaidya Villa, On plot No. 55 of TPS. II, Green Street, Santacruz (West), Bombay-54,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IJ/37EE/31588/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 28-10-1986

(1) M/s. Raja Bhatia Enterprises

(Transferor)

(2) Shri Pandurang Babulji Vaidya

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31589/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imberial property of the said Act') in the said Act's having a fair market value exceeding movable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, 'Vaidya Villa' Santacruz (West), Bombay-54,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is let than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or Which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor at Vaidya Villa on plot No. 55 of TPS No. II, Green Street, Santa Cruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31589/85-86 of 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1986

(1) Kiran Chhabildas Mehta Snit. Kalavati Chhabildas Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Usha Bhinesh Desai Shri Bhinesh Nanubhai Desai

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE. BOMBAY-400 038

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37FE/32993/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 31, Pearl Palace, Santacruz (West), Bombay-54,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid process, and i have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons with na period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever reviod expirer later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, Pearl Palacé, S. V. Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32993/85-86 on 18-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—49—376GI/86

Dated: 28-10-1986

(1) Shri Abubakar Umar & Smt. Memuna Abubakar (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod G. Gohil

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32980/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 4 & Garage Nos. 2 & 3 Modi Niwas Co. op. Hausing Society Ltd. Santacruz (W), Bombay-54 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a pariod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Shop No. 4 & Garage No. 2 & 3, Modi Niwas Co. op. Housing Society Ltd., Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32980/85-86 on 14-3-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 28-10-1986

(1) Pravin O. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mi. Jannadav V. Modi & Smf. Jaswanti I. Modi-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATI BUMBAY-400 038

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/31533/85-86,—Whereas, I, K. C. SHAH,

K. C. SHAFI, being the Competent Authority under Section 269B of the Excome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe 'that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, Padma Co. op Housing. Society 1,td., Vile Parle (West), Bombay-56, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of 23y because arising from the transfero

Flat No. 201 of Padma Co. op.; Hsg. Society Ltd., S. V. Road, Vile Parel (West), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/31533/85-86 on

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-10-1986

FORM LT.N.S.

(1) Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kumudben Kirtanlal Shah Mr. Ashok Kirtanlal Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, EGMBAY CONTRACTOR BUILDING, PALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32132/85-86,-Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, 'Hema', Santacruz (W), Bombay-54 situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) fasilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any igoeme arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, amichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:-The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 'Hema' F. Plot No. 13, TPS IV, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreemennt has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32132/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 28-10-1986

FORM ITNS ----

(i) Makhija Vohra Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manjit Kaur Chadha & Mrs. Satnamkaur Chadha.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE.32493/85-86.—Whereas, 1, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

on as the said Act J, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302, Mangal 'Nivetia', Santacruz (W), Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB, of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986 for an annatent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Plot No. 10B, Sarojini Road, Mangal Nivetin', Santacruz (W), Bombay-54..

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Lax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreements has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR.II/37EE/32493|85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 10-11-1986 Scal:

FORM ITNS----

(1) Sky-Build Pyt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vinesh K. Bhimani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II./37EE/32699|85-86.-Whereas, I,

Ref. No. AR.II./37EE/32099[85-86.—wnercas, 1, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 702, 'Sujal', Santacruz (W), Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered 11/8 269AB of the said Act

has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object o. -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the datt of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULB

Flat No. 702, 'Sujal', F. Plot No. 13 TPS IV, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/32699/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 28-10-1986

(1) Sky-Build Pvt, Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Chandrakanta G. Raskapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32698|85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, 'Hemai', Hatkesh Nagar Co. op. Hsg. Society Ltd., Vile Parle (W), Bombay-56, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaut persons within a period w 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 'Hemal', Plot No. 5 Hatkesh Nagar Co. op. Hsg. Society Ltd., Vile Parle (W), Bombay-56,

The agreements has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32698|85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 28-10-1986 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rukmani K. Assudani & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32696[85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103, 'Sujal' Santacruz (W), Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-taτ Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the blication of this action is the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 'Sujal' F, Plot No. 13, TPS IV, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreements has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32696/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely::—

Dated: 28-10-1986

(1) Sky-Build Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hansa Ramesh Salva Ramesh Tejshi Savla.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/37EF/32559/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000% and bearing No. Flat No. 203, 'Sujal', Santacruz (West), Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesant property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter:

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 203, 'Sujal', 1, Plot No. 13, TPS IV, Santacruz (West), Bombay-54. The agreements has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II 37HE/32559/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

50-376 GI/86

Dated: 28-10-1986

FORM ITNS

(1) Sky-Build Pvt Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Bhagwati A. Aswani. Mr. Suresh A. Aswani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32558/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, 'Sujal', Santacruz (W). Bombay-54, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority of

Authority at

Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 'Sujal', F. Plot No. 13, TPS IV, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32558/85-86 on 7-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 28-10-86

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-11, BOMBΛΥ

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32398/85 86.-Whereas, 1, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 12 & 13 on Ground floor in Vishal Apts., Shopping Centre Sir M. V. Road, Andheri (E), Bombay-69,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Authority Bombay on 6-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Master Paresh Family Trusts & Sandeep Family Trust.

(Transferor)

(2) Shri Lalitkumar Chunilal Gandhi,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days rfom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULI

Shop No. 12 & 13 on ground floor in Vishal Apts Shopping Centre Sir M. V. Road, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/32398/85-86 on 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-10-86

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGEJI, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II $^{\prime}$ 37EE/32754/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-1, Gr. floor, Nandkishore Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Borobay 93, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appared here(a))

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is I ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Anil C. Bajaj & Shri Deepak G. Bajaj.

(Transferor)

(2) M/s. I. S. Mouldas & Spares. Prop. Mrs. Afroz Usman Sachedina.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-1, Ground floor, Nandkishore Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (Fast), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No AR, 11/37EE/32754/85-86 on 7-3-1986.

> · K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-86

: + =:: .

FORM ITNS—

(1) M/s, Avval Holdings Pvt. Ltd.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harmuny Investment Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. II/37EE-32969 '85-86.---Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000 - and bearing No.
Unit No. 1 & 12, Gr. floor, Wing-A, Raj Industrial Warehousing Complex, Marol, Bombay-59.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Armority at hbay on 14-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Unit No. 1'& 12, Gr. floor, Wing-A, Raj Industrial Ware-housing Complex, Marol, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR. II, 37EE/32969/85-86 on 14-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforespid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-10-86

FORM ITNS ----

THE WALL TO SERVE A STREET THE PARTY OF THE ರರ್ಷ ೧೯೯೮ ಕರ್ನಾಟಕ್ಕಾರು ಬರುವಾರ್ಗಳ ಬರುವಾಗುವರು ಕಾರ್ಯದಿಕ್ಕಾರ್ಯ ಕರ್ಷಕ್ಕಾರ ಕಟ್ಟಿಗಳು ಅಂತರ್ಥಕ್ಕಾರಿಗಳು ಬರುವಾಗುವರು ಅವರ ಕರ್ಮಕ್ಕಾರಗಳು ಆರಂಭಿಸಿದ್ದಾರೆ. ಆದರೆ ಕರ್ಮಕ್ಕಾರಗಳು ಆರಂಭಿಸಿದ್ದಾರೆ (1) M/s. Avval Holdings Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Masters Yasin S. Kalyan,
2. Ali S. Kalyan &
3. Zameer S. Kalyan ,
through their father Shri Shabirali M. Kalyan. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, ВОМВЛҮ

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. A.R. II/37EE/32970/85-86.—Whereas, 1, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 13, 14, 15 & 16 on Ground Floor Wing-A, Raj Industrial Warehousing Complex, Military Road, Andhen (E) Rombay-59

(E), Bombay-59

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Compe-

Bombay on 14-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of sny income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in novable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazare.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 13, 14, 15, & 16 on Gr. floor, Wing-A, known as Raj Industrial Ware Housing Complex, Military Road, Marol, Andheri (F.), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32970/85-86 on 14-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

Date: 28-10-86

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. Siraj Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chandrakant Virchand Zaveri & Smt. Gunvantiben Virchand Zeveri,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/32044/85-86.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and Flat No. 602, 6th floor CASA BLANCA, Vile Parle (E),

Bombay. situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under ion 269AB of the said Act in the office of the Competent hority at

Bc ay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have ceason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the consealment of any income or any menes or other asset which have not been which ought to be disclosed by the trans the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the soid Act, of the Woolkh-tax Act. 1957 (97 of 1967):

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor CASA BLANCA, Vile Parle (E), Bombay.

Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/32044/85-86 on 5-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pr corus, namely :---

Date: 28-10-86

FORM ITNS ----

(1) M/s. Avval Holding Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shaikh Sultan Akhtar Dawoodhusain.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-2 CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038.

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31410.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 3 & 4, Raj Industrial Warehousing Complex. Bombay-59 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iinstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 3 & 4 on 2nd floor, Wing-A Raj Industrial Warehousing Complex, Military Road, Marol, Bombay-59.

The agreement has been registered by Competent the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31410/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 28-10-1986.

FORM ITNS

- (1) M/s. Avval Holding Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Shaikh Iftekharhusain Dawoodhusain.

(Transferos)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2 CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038.

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31411/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Exame-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinalter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 12 & 13, Raj Industrial Warehousing Complex, Bombay-59 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the ompetent Authority at Bombay on 4-3-1986

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 12 & 13 on 2nd floor, Wing-A, Raj Industrial Warehousing Com-lex, Military Road, Marol, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-II/37EE/31411/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby unitate proceedings for the acquisation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

-376 GI/86

Dated: 28-10-1986,

FORM ITNS---

(1) Rosa Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

NGTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kishor Dharamshi Mehta & Mrs. Pratibha Kishor Méhta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2 CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038.

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31412/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to at the said Ac.') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, Nehru Road, Vile Parle (E), Bombay-57

situated at Bombay

(and more tuily described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Charter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 401 on 4th floor TPS No. 2, FP 328, Nehru Road, Vilo Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31412/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated : 28-19-1986.

FORM ITNS

(1) M/s. New India Construction Company (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Smt. Sproiben Javantilal Shah.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-2, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038.

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31623/85-86.--Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Component Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovsble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 15-F, Bldg. No. 15, CTS No. 53/59 (Pt.) Andheri (E), Bombay-69 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the seld Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is its than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) ficilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the said Act or the Wealth-tax (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 15-F, 2nd floor of building No. 15 on plot No. A/2, CTS No. 53/59 (Pt.) of Old Nagardas Road, Andheri (Eust), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31623/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---52-376 GI/86

Dated: 28-10-1986.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Saniay Corporation.

(Transferor,

(2) R. N. Chamaria Family Trust.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2. CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038.

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31609/85-86.--Whereas, I. K. C. SHAH.

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 264 & 265, Bldg. No. 5, 'Sanjay' Andheri Kurla Road, Bombay-59 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as afore-anid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transier with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- hb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in the writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immed able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 264 & 265 2nd floor of Sanjay Bldg. No. 5, Plot Survey No. 86 & 87 Mittal Estate, Andheri Kurla Road, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31609/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Dated: 28-10-1986

Seal ;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038.

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31519/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Gala No. 1, 1A & 1B, Planet Industrial (Premises Co-op.
Soc. Ltd., Vile Parle (E), Bombay-57 situated at Bombay
Frand more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) M/s. Lutharia Brothers Trust.

(Transferor)

(2) M/s. Bajsons Appliances Pvt. Ltd.

(Transfered)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) State Bank of India.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective person
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Gala No. 1, 1A & 1B in the Planet Industrial (Premises) Co-operative Society Ltd., on the basement & ground floor at Subhash Road, Vilc Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31519/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-II Bombay

Dated: 28-10-1986.

FORM ITNS-

(1) M/s. Avval Holdings Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shaikh Sami Akhtar Dawoodhusain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, OR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038. CONTRACTOR

Bombay-400 038, the 28th Cctober 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31427/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to ocheve that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Unit No. 14, 15 & 16, Raj Industrial Wavehousing Complex, Marol, Bombay-59 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said 1set, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to netween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 14, 15 & 16 on 2nd floor A-Wing, Raj Industriul Warehousing Complex, Mlitary Road, Marol, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31427/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 28-10-1986.

FORM I.T.N.S .--

(1) Sanjay Corporation.

(Transferor)

(2) Progressive Business Consultants Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CQUISITION RANGE-2. CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038.

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32083/85-86.—Whereas. I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proposity having a fair market value avecating

as the safe Act, have reason to believe that the many able property, having a fair market value exceeding as 1,00,000/- and bearing No. lat No. 167, 168 on 1st floor, B-Wing, Sanjay Bldg, Mittal Estate, Andheri, Kurla Road, Bombay-59 situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under action 269AB of the said Act, in the Office of the

, Juhay on 4-3-1986 ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of: Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising fracts the traced andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Galas No. 167, 168 on 1st floor in 'B' Wing of Sanjay Building No. 5, situated on Plot Survey No. 86 & 87, Mittal Estate, Andheri Kurla Road, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32083/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub persons, namely :-

Dated: 28-10-1986.

FORM I.T.N.S.----

(1) M/s. New India Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ashok Poptalal Shah & Smt. Neela Ashok Shah. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-2, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038.

(b) By any other person interested in the immovable property, within 24 days from the date of the pullication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-400 038, the 28th October 1986

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

Ref. No. AR.II/37EE/ 31624/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Fla; No. 15-E on 2nd floor of building No. 15, ()id Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-69 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 15-E on 2nd floor of building No. 15 on plot No. A/2, bearing CTS No. 53/59 (Part) of Old Nagardas Road, Andheri (Eust), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/31624/85-86 on 4-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Dated: 28-10-1986.

FORM TINS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 16E INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Avval Holdiings Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shakh Khalid Parzez Sultan Akhtar, Shaikh Tarique Parvez Sultan Akhtar,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2 CONTRACTOR BUILDING, BAILARD ESTATE, BOMBAY-400 038.

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31426/85-86.—Whereas, I, C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as me sam Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 1 & 2, Raj Industrial Ware-housing Complex, Rombay-59, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). Has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Rombay on 4-3-1986 **▲**Bombay on 4-3-1986

an apparent consideration which is less than the fair ct value of the aforesaid property and I have reason to ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)i

THE SCHEDULE

Unit No. 1 & 2, 2nd floor 'A' Wing, Raj Industrial Warehousing Complex, Military Road, Marol, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31426/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) or section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Dated: 28-10-1986.

FORM I.T.N.S.———

and the control of th

(1) Siraj Corporation.

(Transfer r)

(2) Bhailal Premji Puhwa & Mrs. Kanchan Bhaile Pithwa.

(Transferee

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2 CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038.

Bombay-400 038, the 28th October 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32477/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 601, 6th floor in the Bldg. CASA Blanca at Plot No. 581, CTS No. 1389/1, 2 & 3 M.G. Road, Vile Parle

(E), Bombay situated at Bombay fand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tay Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said prope may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a perio, 45 days, from the date of publication of this ns, in the Official Gazette or a period of 30 days frem the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

The state of the s

(b) by any other person interested in the said immed-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used here are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as g in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601 on the 6th floor in the Bldg. Casa Elansa at Plot No. 581, CTS No. 1889/1, 2 & 3, M.S. Road, Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR./I/37EF;32477/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follownersons namely:-

Dated: 28-10-1986.